राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

ओपनर मयंक अग्रवाल ने जमाया दोहरा शतक

>>14

वर्ष 3 अंक 116

# दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शुक्रवार, 4 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

# दिल्ली में घुसे जैश के छह आतंकी

**सतर्कता** ▶ राजधानी को दहलाने की साजिश, स्पेशल सेल की नौ जगहों पर छापेमारी

### त्योहारों पर आतंकी हमले की आशंका देखते हुए श्रीनगर से मुंबई तक हाई अलर्ट

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की बौखलाहट में पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद त्योहारों के दौरान दिल्ली, जम्मू-कश्मीर समेत देश के अन्य बड़े शहरों में धमाके कर सकता है। इनके निशाने पर एयरपोर्ट, सरकारी प्रतिष्ठान, धार्मिक स्थल हैं। राजधानी में छह आतंकियों के घुस आने की खुफिया सूचना के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नौ ठिकानों पर छापा मारकर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

गुरुवार को केंद्रीय गृह सचिव, गुप्तचर ब्यूरो (आइबी) निदेशक और प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक कर राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की। गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में सभी बड़े हवाई अड्डों, बंदरगाहों, महत्वपूर्ण स्थानों, महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर में हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों सहित सभी महत्वपूर्ण परिसरों को पहले ही अलर्ट पर रखा जा चुका है।

झंडेवालान मंदिर के पास गुरुवार को मुस्तैद सुरक्षा कर्मी। जागरण

**आशंका के ये प्रमुख कारण**

- भारत-पाक सीमा से फोन पर आतंकियों की बातचीत पकड़ी गई
- पंजाब में सीमा पार से ड्रोन द्वारा हथियार गिराए गए
- आइएसआइ के प्रमुख ने हाल में पीओके का दौरा किया
- अमेरिकी एजेंसियों ने भी जताई आतंकी हमले की आशंका

गुरुवार को राजधानी में वाहनों की गहनता से जांच करते पुलिस कर्मी। जागरण

- केंद्रीय गृह सचिव ने की सुरक्षा की समीक्षा
- दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु के हवाई अड्डों और दफ्तरों की बढ़ी सुरक्षा

**आतंकियों में एक पाकिस्तानी और दो कश्मीरी :** बताते हैं कि सुरक्षा एजेंसियों को छह दिन पहले सूचना मिली कि जैश कमांडर अबू उस्मान ने अपने ओवर ग्राउंड वर्कर्स के साथ बांदीपुरा इलाके में मीर मोहल्ला के एक सेब के बगान में आतंकी हमले को लेकर बैठक की है। इसमें एक पाकिस्तानी और दो कश्मीरी आतंकी मौजूद थे। अबु उस्मान ने कहा, कश्मीर के लोग जल्द ही एक अच्छी खबर सुनेंगे। यह खबर जम्मू-कश्मीर और दिल्ली में बड़े धमाके की होगी। हमारे भाई इन जगहों पर पहले ही पहुंच चुके हैं। इनके पास स्नाइपर राइफल, एके-47, पिस्टल व हैंड ग्रेनेड मौजूद हैं।

**दिल्ली में बढ़ाई चौकसी :** राजधानी दिल्ली में जगह-जगह पिकेट लगाकर जांच की जा रही है। सभी रामलीलाओं में कड़ी सुरक्षा कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गत तीन दिनों में सीलमपुर और जामिया नगर समेत 10 जगहों पर छापेमारी की है। पहाड़गंज के पास भी दो जगहों पर छापे मारे गए। कुछ संदिग्धों को हिरासत में भी लिया गया है। दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक ने सभी 15 जिलों के डीसीपी को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने जिले में लगातार गश्त करते रहें। संदिग्धों पर नजर पड़ने पर तुरंत उनकी तलाशी लें और सघन पूछताछ करें। होटलों व गेस्ट हाउसों में ठहरने वालों पर नजर रखी जा रही है।

### किश्तवाड़ में आतंकियों के तीन और मददगार पकड़े गए

**किश्तवाड़ :** जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ इलाके में फिर से आतंकवाद के फन को कुचलने के लिए पुलिस ने पूरा दम लगा दिया है। पुलिस ने गुरुवार को आतंकियों के तीन और मददगारों (ओजीडब्ल्यू) को दबोचा। पुख्ता सुबूत मिलने के बाद पुलिस ने तीनों के खिलाफ आतंकवाद फैलाने और समर्थन करने के मामले दर्ज किए। अब तक पुलिस 22 ओजीडब्ल्यू को पकड़ चुकी है। (पेज-5)

## गंगा और सहायक नदियों में प्रतिमा विसर्जन पर प्रतिबंध

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** पतित पावनी गंगा नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत 11 राज्यों को 15 सूत्रीय दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें सबसे अहम है कि गंगा नदी और इसकी सहायक नदियों में अब प्रतिमाओं का विसर्जन नहीं किया जा सकेगा। किसी भी त्योहार पर या आम दिनों में ऐसा करने पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगेगा।

केंद्र सरकार के अधीन आने वाले स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन (एनएमसीजी) ने दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और हरियाणा को यह निर्देश पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा पांच के तहत दिए हैं। एनएमसीजी के महानिदेशक राजीव रंजन मिश्रा की ओर से विगत 16 सितंबर को जारी आदेश में कहा गया है कि गंगा और उसकी सहायक नदियों में प्रतिमा विसर्जन की अनुमति नहीं दी जाएगी। शासनादेश के अनुसार गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा, दशहरा, दीपावली, छठ पूजा और सरस्वती पूजा के खत्म होने के सात दिनों के अंदर राज्य सरकारों को अपनी कार्रवाई रिपोर्ट का लिखित ब्योरा देना होगा। नए निर्देशों के मुताबिक अगर कोई भी इस नियम का उल्लंघन करता पाया गया तो पर्यावरण हर्जाने के तौर पर उसे 50 हजार रुपये की रकम चुकानी होगी। यह रकम राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को एकत्र करके केंद्र को देनी होगी।

**प्रदूषण नियंत्रण**

- उत्तर प्रदेश समेत 11 राज्यों में ऐसा किया तो लगेगा 50 हजार रुपये का जुर्माना
- दीपावली, दशहरा, छठ, गणेश चतुर्थी आदि त्योहारों के बाद देनी होगी रिपोर्ट

### नए नियमों के अमल का जिम्मा डीएम को

स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन के नए नियमों को अमल में लाने का जिम्मा जिला मजिस्ट्रेटों को सौंपा गया है। नदियों और उनके तटों पर प्रतिमाओं के विसर्जन को रोकने के लिए नदी तटों और घाटों की घेराबंदी करने के निर्देश दिए गए हैं। नदी तटों पर सजावट का सामना, पूजा सामग्री और फूलों को डालने के लिए अलग-अलग कई डिब्बे रखे होंगे। ताकि इन सब सामग्रियों को नही में जाने से रोकने के साथ ही रीसाइकिल किया जा सके। प्रतिमाओं के विसर्जन के 48 घंटे के अंदर ही स्थानीय निकायों को इन सामग्रियों को एकत्र कर उनका निस्तारण करना होगा। इसके साथ ही स्थानीय समुदायों को नई गाइडलाइनों से वाकिफ कराने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

त्योहारों के लिए अस्थाई तालाब पेज>>7

### राम जन्मस्थान के दर्शन से मोक्ष मिलता है : हिंदू पक्ष

**नई दिल्ली :** अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में हिंदू पक्ष ने गुरुवार को मामले की सुनवाई के दौरान स्कंद पुराण का हवाला देकर कहा, राम जन्मस्थान के दर्शन से मोक्ष मिलता है। रामलला के वकील पीएस नरसिम्हा ने कहा, स्कंद पुराण बाबर के भारत आने और वहां मस्जिद बनने से बहुत पहले का है जो उस स्थान की महत्ता साबित करता है। (पेज-6)

### पाक नहीं, करतापुर गुरुद्वारे जाएंगे मनमोहन : अमरिंदर

**नई दिल्ली :** पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और वह करतापुर कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह के लिए पाकिस्तान नहीं जाएंगे। वह सर्वदलीय जत्थे के साथ कॉरिडोर से करतारपुर गुरुद्वारे जाएंगे। कॉरिडोर से गुरुद्वारे जाने और पाक जाने में बहुत फर्क है। कैप्टन ने गुरुनानक देव के 550वें प्रकाश पर्व समारोह के लिए राष्ट्रपति व पीएम को भी न्योता दिया। (पेज-7)

**सरोकार**

### बुंदेलखंड : पानी, पंचायत और एक महाअभियान

**जालौन :** बुंदेलखंड के स्वयंसेवी संगठन 'परमार्थ' को जल संरक्षण का पहला पुरस्कार मिलना एक दिन की मेहनत का प्रतिफल नहीं। इसके पीछे दो दशक से जारी प्रयास निहित हैं। सौ से अधिक चंदेल कालीन तालाबों का संरक्षण आज सुपरिणाम के रूप में सामने है। (पेज-10)

**जागरण विशेष**

### राम, रावण... इस रामलीला के हर किरदार में महिलाएं

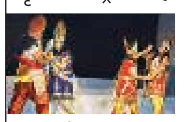

**शाहजहांपुर :** उप्र के शाहजहांपुर स्थित कृभको फैक्ट्री की महिला कर्मी मिथक तोड़ रही हैं। इनकी रामलीला में हर किरदार महिलाओं का होता है। वे लीला मंचन का नया दौर विकसित कर रहीं, बल्कि नारी सशक्तीकरण का संदेश भी दे रहीं हैं। (पेज-10)

## न्यूज गैलरी

**राज-नीति** ▶ पृष्ठ 3

### बांग्लादेश से मजबूत रणनीतिक साझेदारी पर होगा जोर

**नई दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को जब बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना से मिलेंगे तो दोनों देशों के रिश्ते को रणनीतिक साझेदारी में बदलने पर जोर दिया जाएगा। भारत की ओर से बांग्लादेश की मदद के लिए कुछ घोषणाएं भी की जाएंगी। शेख हसीना गुरुवार को नई दिल्ली पहुंच गईं।

**महासमर** ▶ पृष्ठ 4

### गाजे-बाजे के साथ आदित्य ठाकरे ने किया नामांकन

**मुंबई :** शिवसेना के युवा नेता आदित्य ठाकरे ने गुरुवार को वरली विधानसभा सीट के लिए गाजे-बाजे के साथ नामांकन किया। इस अवसर पर उनके पिता व शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, मां रश्मि ठाकरे आदि मौजूद रहे। ध्यान रहे पहली बार ठाकरे परिवार का कोई सदस्य चुनावी मैदान में उतरा है।

**नेशनल न्यूज** ▶ पृष्ठ 7

### नवलखा की अर्जी पर सुनवाई से अलग हुए पांचवें जज

**नई दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एस. रवींद्र भट्ट ने भी कोरेगांव भीमा हिंसा के आरोपित नक्सली समर्थक गौतम नवलखा की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। बांबे हाई कोर्ट ने नवलखा के खिलाफ दर्ज रिपोर्ट को रद करने से इन्कार कर दिया था, जिसे उसने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। अब तक पांच जज नवलखा की अर्जी पर सुनवाई से खुद को अलग कर चुके हैं।

**अंतरराष्ट्रीय** ▶ पृष्ठ 13

### पेरिस पुलिस मुख्यालय में चार सहकर्मियों की छुरा मारकर हत्या

**पेरिस :** फ्रांस की राजधानी पेरिस के मध्य में स्थित पुलिस मुख्यालय में गुरुवार दोपहर वहीं काम करने वाले एक कर्मचारी (45) ने चार सहकर्मियों की छुरा मारकर हत्या कर दी। एक अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल है। हमलावर किसी और को नुकसान पहुंचाता इससे पहले ही एक पुलिस अधिकारी ने उसे मार गिराया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर ने हाल ही में इस्लाम धर्म अपनाया था।

## तीस वर्षों तक 10 फीसद की विकास दर पर हो रहा काम : अमिताभ कांत

- नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने दिए संकेत, जारी रहेगा सुधारों का डोज
- कहा - सरकार 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के बारे में सोच रही है

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मंच से नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने दुनियाभर को बताया है कि सरकार अगले 30 वर्षों तक देश की आर्थिक विकास दर 10 फीसद के आसपास सुनिश्चित करना चाहती है। इसका मुख्य मकसद भारतीय अर्थव्यवस्था को 10 ट्रिलियन डॉलर का आकार देना है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आर्थिक विकास दर की रफ्तार घटकर पांच फीसद के आसपास रह जाने की बात स्वीकार करते हुए कांत ने कहा कि हाल के दिनों में सरकार ने सुधारों की दिशा में जिस तरह के कदम उठाए हैं, उससे हालात तेजी से बदलेंगे। कांत ने यह भी कहा कि सरकार आने वाले दिनों में कुछ और अहम ढांचागत सुधार के कदम उठाने जा रही है। खासतौर पर सरकारी उपक्रमों में विनिवेश कार्यक्रम को लागू करना सरकार का एक अहम एजेंडा होगा।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में कांत ने दुनियाभर के विशेषज्ञों के सामने भारतीय अर्थव्यवस्था में संभावनाओं की एक आकर्षक तस्वीर पेश की। उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के स्वीकार किया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास दर घट गई है, लेकिन पिछले पांच वर्षों के दौरान विकास दर औसतन 7.5 फीसद रही है। यही नहीं, अगर पिछले एक दशक के आंकड़ों को देखा जाए तो तेज विकास दर की वजह से तकरीबन 30 करोड़ नागरिकों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। उन्होने कहा कि हाल ही में सरकार और आरबीआइ ने कई कदम उठाए हैं, जो फिर से भारतीय अर्थव्यवस्था को तेज रफ्तार की राह पर रखेंगे। आरबीआइ की तरफ से रेपो रेट में 1.10 फीसद की कटौती की गई है। हालांकि मौद्रिक नीति की भी एक सीमा है। ऐसे में सरकार की तरफ से बैंकों को अतिरिक्त पूंजी देने से लेकर उनके

अमिताभ कांत। फाइल फोटो

विलय करने तक और कॉरपोरेट टैक्स में कटौती जैसे बेहद अहम कदम उठाए गए हैं। हाउसिंग और एक्सपोर्ट के लिए पैकेज दिया गया। कारपोरेट टैक्स में कटौती एक बड़ा कदम है। अब भारत में टैक्स की दर दुनिया के तमाम प्रतिस्पर्द्धी देशों के बराबर आ गई है। इसी तरह से कुछ और सकारात्मक कदम आगे भी उठाए जाएंगे।

अमिताभ कांत ने यह भी संकेत दिया कि सरकारी उपक्रमों का विनिवेश सरकार के एजेंडे में काफी उपर है। कांत के शब्दों में, 'हम समझते हैं कि सरकार को कारोबार में नहीं रहना चाहिए। इसलिए हम सरकारी संपत्तियों के विनिवेश को लेकर बहुत ज्यादा गंभीर है। आने वाले महीनों में इस संदर्भ में काफी फैसले होंगे। मकसद यह है कि हमें वर्ष 2024 तक पांच ट्रिलियन डॉलर या वर्ष 2030 तक 10 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी तक ही नहीं रुकना है, बल्कि अगले 30 वर्षों तक 9-10 फीसद की विकास दर सुनिश्चित करना है।'

छोटे दुकानदारों के हित सर्वोपरि, सरकार की नीति यथावत : पीयूष गोयल पेज>>12

## पीएमसी बैंक घोटाले में एचडीआइएल के निदेशक पिता-पुत्र गिरफ्तार

**मुंबई, प्रेट्र :** मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पीएमसी बैंक घोटाला मामले में हाउसिंग डेवलपमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआइएल) के दो निदेशकों राकेश बधावन और उसके बेटे सारंग बधावन को गिरफ्तार कर लिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिता पुत्र पर कर्ज चुकता नहीं करने का आरोप है। इसके साथ ही ईओडब्ल्यू ने एचडीआइएल की 3500 करोड़ रुपये की संपत्ति के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है।

दोनों को गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। जाचं में सहयोग नहीं मिलने के बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया। पीएमसी बैंक की विफलता के लिए जवाबदेह 44 खातों में से दस एचडीआइएल से जुड़े हैं। इन 10 खातों में राकेश और सारंग के निजी खाते भी शामिल हैं। 30 सितंबर को मुंबई पुलिस की ईओडब्ल्यू ने

- राकेश बधावन और सारंग बधावन पर कर्ज चुकता नहीं करने का आरोप

एचडीआइएल के वरिष्ठ अफसरों व पीएमसी बैंक के खिलाफ एफआइआर दर्ज की थी। आरोपितों पर बैंक को 4,355.4 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान पहुंचाने का आरोप है।

पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि 'ईओडब्ल्यू ने जांच के लिए विशेष टीम गठित की है। जसबीर सिंह माटा की शिकायत पर एफआइआर दर्ज की जा चुकी है।' पुलिस के मुताबिक, बैंक के अफसरों ने एचडीआइएल को 2008 से 2019 के बीच पूर्व में लिए गए कर्ज का भुगतान नहीं होने के बावजूद कर्ज दिए थे। इस मामले में धारा 409, 465, 471 और 120 बी (आपराधिक साठगांठ) के तहत एफआइआर दर्ज की गई है।

**आरबीआइ ने निकासी की सीमा 25 हजार की:** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने पीएमसी बैंक के खाताधारकों की निकासी सीमा 10 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दी है। यह वृद्धि अगले छह महीने के लिए की गई है। 23 सितंबर को आरबीआइ ने प्रति खाता निकासी 1000 रुपये कर दी थी जिससे बड़े पैमाने पर हताशा फैल गई थी और इस कदम की आलोचना होने लगी थी। प्रतिबंध लगाने के बाद नियामक बैंक ने दूसरी बार निकासी की सीमा बढ़ाई है। पीएमसी 11,600 करोड़ से ज्यादा की जमा राशि के साथ शीर्ष 10 कोआपरेटिव बैंकों में गिना जाता है। वर्तमान में यह बैंक आरबीआइ द्वारा नियुक्त एडमिनिस्ट्रेटर की निगरानी में है। आरबीआइ ने कहा है, 'पीएमसी बैंक की तरलता की समीक्षा की है और जमाकर्ताओं की मुश्किलों को देखते हुए यह फैसला लिया है।

## 'वंदे भारत' से खुलेगा कश्मीर के विकास का रास्ता : शाह

- केंद्रीय गृहमंत्री ने कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस को किया रवाना
- कहा, प्रधानमंत्री मोदी रेलों को बना रहे विकास का जरिया

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार सुबह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह स्वदेशी ट्रेन जम्मू एवं कश्मीर के विकास का बहुत बड़ा माध्यम बनेगी। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

देश की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस गत फरवरी में नई दिल्ली से वाराणसी के बीच शुरू हुई थी। इस मौके पर अपने संबोधन में शाह ने कहा कि नवरात्र के अवसर पर यह जम्मू एवं कश्मीर के विकास के लिए बड़ा तोहफा है। संविधान का अनुच्छेद 370 देश की एकता व अखंडता में बाधा होने के साथ ही जम्मू एवं कश्मीर के विकास में बड़ा अवरोध था, जिसे दूर कर दिया गया है। अगले दस वर्षों में यह देश के सबसे विकसित राज्यों में से एक बनेगा और वंदे भारत एक्सप्रेस इसकी शुरुआत है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी रेल का उपयोग देश को स्वतंत्रता दिलाने में किया था और प्रधानमंत्री इसे देश के विकास का जरिया बनाना चाहते हैं। बापू स्वदेशी की बात करते थे और यह ट्रेन

नई दिल्ली में गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रेल मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली से कटड़ा के लिए नई ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संजय

पूरी तरह से भारत में भारतीयों द्वारा बनाई गई है। उन्होंने रेल मंत्रालय से स्वतंत्रता आंदोलन में रेल के योगदान को रेखांकित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का जो लक्ष्य रखा है, उसे प्राप्त करने में रेलवे का बड़ा योगदान होगा। रेलवे प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया को बेहतर तरीके से आगे बढ़ा रहा है।

**पीयूष गोयल बोले, ढाई वर्षों में शुरू हो जाएगा कटड़ा-बनिहाल रेल मार्ग :** रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, कटड़ा से बनिहाल के बीच जिस गति से रेल निर्माण का काम चल रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि 15 अगस्त, 2022 से पहले कश्मीर को रेल के जरिये देश के अन्य हिस्सों से जोड़ दिया जाएगा। जम्मू एवं कश्मीर में विकास कार्य करने के लिए माता वैष्णो देवी उन्हें और शक्ति देंगी।

**शनिवार से आम लोग कर सकेंगे सफर :** पहली ट्रेन के मुकाबले इसमें ज्यादा सुविधाएं है। 5 अक्टूबर से आम यात्री इसमें सफर कर सकेंगे। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली इस ट्रेन से यात्री आठ घंटे में दिल्ली से कटड़ा पहुंच सकेंगे। ट्रेन में 16 एयर कंडीशंड कोच हैं जिनमें 1,128 यात्री सफर कर सकते हैं।

**दो घंटे देरी से जम्मू पहुंची :** वंदे भारत एक्सप्रेस उद्घाटन के दिन ही दो घंटे देरी से जम्मू रेलवे स्टेशन पर पहुंची। यह अपने निर्धारित समय दोपहर 3:15 बजे की बजाय शाम 5:20 बजे प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंची। यहां ट्रेन का ठहराव दो मिनट ही था। रेल अधिकारियों ने उन्हें माता वैष्णो देवी की चुन्नी भेंट कर सम्मानित किया।

तेजस तैयार, लखनऊ-दिल्ली के बीच आज से भरेगी रफ्तार पेज>>6

**इमरान फेल**

सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने देश के बड़े कारोबारियों से आर्थिक स्थिति पर की चर्चा, कारोबारी बोले- बदहाल है स्थिति, इमरान खान सरकार नहीं उठा रही कोई सार्थक कदम

## सेना प्रमुख के दर पर पहुंचे पाक के कारोबारी

**इस्लामाबाद, आइएएनएस :** भ्रष्टाचार खत्म करने और देश का हाल सुधारने के वादे के साथ सत्ता में आए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान पूरी तरह विफल हो गए हैं। देश की आर्थिक स्थिति चिंताजनक है और सरकार पर्याप्त कदम नहीं उठा रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि पाकिस्तान के बड़े कारोबारियों ने यह शिकायत सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा से की है। गुरुवार को कारोबारियों ने बाजवा से मुलाकात की और देश की आर्थिक बदहाली पर चिंता जताई।

पाकिस्तान में सैन्य शासन का बड़ा इतिहास रहा है। पिछले 70 साल में वहां आधे से ज्यादा समय तक सत्ता सेना के हाथ में रही है। फिलहाल वहां लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार है, लेकिन कारोबारियों का सेना प्रमुख बाजवा के दर पर जाकर गुहार लगाना दिखाता है कि ताकत किसके हाथ में है। खबरों के मुताबिक, 16 से 20 कारोबारियों का दल बाजवा के पास पहुंचा और सरकार की नीतियों से विरोध जताया। उनका कहना है कि सरकार ने जुबानी भरोसा दिलाने के अलावा कोई कदम नहीं उठाया है। कारोबारियों ने कहा कि एक एक करके

कमर जावेद बाजवा। फाइल फोटो

उनके कारखाने बंद होते चले जा रहे हैं। उम्मीद की कोई किरण नहीं दिख रही है। अगर तत्काल राहत के कदम नहीं उठाए गए, तो पूरा कारोबार चौपट हो जाएगा और ढेरों लोग बेरोजगार हो जाएंगे।

बाजवा ने कारोबारियों को भरोसा दिलाया है कि वह हालात सही करने के लिए जल्द कुछ करेंगे। बाजवा ने शिकायतों पर कदम उठाने के लिए एक इंटरनल कमेटी के गठन का विचार भी रखा है, जिसमें सैन्य अधिकारी भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इससे शिकायतों का जल्द निपटारा हो सकेगा। बाजवा ने देश की प्रगति में कारोबारी समुदाय के योगदान की सराहना की और कहा कि उनके सहयोग से ही पाकिस्तान आगे बढ़ेगा। बाजवा ने कारोबारियों से सरकार का साथ देने की अपील भी की और कहा कि सरकार विरोधी ताकतों के बहकावे में नहीं आएं।

**सुधर रहे निवेश के हालात :** बाजवा ने कहा कि देश में आंतरिक सुरक्षा के हालात सुधर रहे हैं, जिससे निवेश का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। सुरक्षा जरूरतों और आर्थिक विकास के बीच संतुलन ही समृद्धि है। बाजवा पाकिस्तान के लिए लंबी अवधि की आर्थिक योजनाएं बनाने के लिए जुलाई में गठित नेशनल डेवलपमेंट काउंसिल के सदस्य भी हैं।

**बदहाल है आर्थिक स्थिति :** पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बेहद खराब चल रही है। आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 के मुताबिक, वित्त वर्ष 2018-19 में पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि दर 3.29 फीसद रही थी। बजट में 6.2 फीसद का लक्ष्य रखा गया था। जुलाई में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने पाकिस्तान को छह अरब डॉलर (करीब 42 हजार करोड़ रुपये) का कर्ज मंजूर किया था।

## हरियाणा में टिकट बंटवारे से नाराज तंवर ने कांग्रेस की चुनाव समिति से दिया इस्तीफा

**बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली**

हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर ने टिकट बंटवारे से नाराज होकर गुरुवार को पार्टी की चुनाव सहित अन्य समितियों से इस्तीफा दे दिया। यहां प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में पत्रकार वार्ता कर उन्होंने बताया कि अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस संबंध में पत्र भेज दिया है। तंवर ने कहा, हरियाणा में कांग्रेस नहीं है बल्कि हुड्डा कांग्रेस है। टिकट बंटवारे में जो कुछ हुआ, उसे वह दोहराना नहीं चाहते।

तंवर ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय के समक्ष समर्थकों के सामने सोहना विस क्षेत्र में एक प्रत्याशी से पांच करोड़ रुपये में टिकट का सौदा किए जाने का आरोप लगाया था। हालांकि अब तंवर के नजदीकी बता रहे हैं कि पार्टी ने उस नेता को टिकट नहीं दिया है। तंवर ने कहा कि एक साल पहले उनकी और कार्यकर्ताओं की मेहनत से पार्टी हरियाणा में सरकार बनाने के नजदीक

- सोनिया को पत्र लिख कार्यकर्ता के रूप में काम करने की इच्छा जताई
- हुड्डा पर फिर प्रहार, हरियाणा में कांग्रेस नहीं हुड्डा कांग्रेस

नई दिल्ली में गुरुवार को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते अशोक तंवर। जागरण

पहुंच गई थी, लेकिन महत्वाकांक्षी नेताओं ने सब पर पानी फेर दिया। पिछले एक साल में इन नेताओं की वजह से पार्टी की स्थिति बदतर हुई है। अभी तक किसी नेता ने उन्हें चुनाव प्रचार के लिए नहीं कहा। शायद उन्हें हमारी जरूरत नहीं है। यदि, पार्टी हाईकमान की तरफ से कोई आदेश आएगा तो उसका पालन अवश्य करेंगे।

**अनुचित हैं तंवर के आरोप :** प्रदेश अध्यक्ष कुमारी शैलजा ने कहा, तांवर ने बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। टिकट वितरण पर उन्हें कुछ कहना है तो चुनाव समिति की बैठक में कह सकते थे, पर वे बैठक में आए नहीं और अब आरोप लगा रहे हैं, यह अनुचित है। हाईकमान को सारी गतिविधियों का पता है। (पेज-4 भी देखें)

**22** वां अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मेला प्रगति मैदान में शुरू हो गया। तीन दिवसीय मेले का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव विवेक भारद्वाज ने किया। इसमें देश में विकसित हुई सुरक्षा की नई-नई तकनीकों को देखा जा सकता है।

### षष्ठम

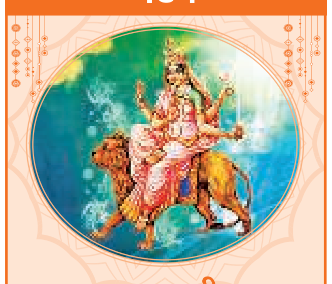

**कात्यायनी**

नवरात्र के छठे दिन माता के षष्ठम स्वरूप कात्यायनी की पूजा की जाती है। महर्षि कात्यायन ने भगवती की कठोर तपस्या द्वारा माता से पुत्री रूप में अवतरित होने का वरदान प्राप्त किया था। कालांतर में ऋषि के यहां भक्तों के कल्याणार्थ कात्यायनी का प्रादुर्भाव हुआ। अमोघ फल देने वाली माता की उपासना ब्रज धाम की गोपियों ने भी भगवान कृष्ण को प्राप्त करने के लिए यमुना तट पर किया था। मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक इनका जप-तप करने से इच्छित पति प्राप्त होता है। इनकी चार भुजाएं हैं। वाहन सिंह है। इनके दर्शन से धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष यानी चारों फलों की प्राप्ति संभव है।

**आज का विचार**
लगन, इच्छाशक्ति व कठोर श्रम के बल पर हमारी असंभव लगने वाली कामना भी पूर्ण होती है।

**ध्यान मंत्र**
चंद्रहासोज्ज्वलकरा
शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्यात् देवी दानवघातिनी।।

पद्मश्री डॉ. हरिहर कृपालु त्रिपाठी

# खेलों में प्रदर्शन के आधार पर मिलेगी डिग्री

**नया कदम** ▸ खिलाड़ी क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल आदि में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी तक कर सकेंगे

## मुंडका में बनेगा दिल्ली खेल विवि, मंत्रिमंडल से दी मंजूरी

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

दिल्ली सरकार ने मुंडका में 90 एकड़ जमीन पर खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया है, जो कि देश में पहली बार खेलों की डिग्री देगा। मंत्रिमंडल ने गुरुवार को इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के आधार पर क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल आदि में स्नातक, स्नातकोत्तर व पीएचडी तक की डिग्री ले सकेंगे। वे स्कूल स्तर पर भी इन खेलों की ही पढ़ाई करेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पत्रकार वार्ता में इसकी घोषणा की। उन्होंने बाद में इस संबंध में ट्वीट भी किया। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी ट्वीट कर कहा कि अब छात्रों का खेल ही उनकी पढ़ाई होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी देश के खिलाड़ियों के लिए व्यवस्था है कि वह किसी खेल में कुछ भी हासिल कर लें, लेकिन अकादमिक स्तर पर उन्हें अलग से पढ़ाई करनी पड़ती है। ऐसा न करने पर वे किसी नौकरी के लिए आवेदन नहीं कर पाते हैं। इसका समाधान दिल्ली सरकार ने कर दिया है। अब खिलाड़ियों को किसी और डिग्री की आवश्यकता नहीं है। खेलों में उनके प्रदर्शन के आधार पर ही डिग्री मिल जाएगी।

राजधानी में खेल विश्वविद्यालय बनाने के बारे में जानकारी देते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। साथ में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया। सीएम ने बताया कि डीएसयू के अंतर्गत स्कूल भी खुलेंगे। जागरण

> गांव-गांव में प्रतिभा है, लेकिन उन्हें बढ़ावा देने के लिए कोई सिस्टम नहीं है। दिल्ली में पहली बार सरकार इसके लिए सिस्टम बनाने जा रही है। अभी तक खेल को पार्ट टाइम माना जाता था। अब यह फुल टाइम होगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब दिल्ली खेल विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को उपराज्यपाल के पास भेजा जाएगा। इसके बाद शीतकालीन सत्र में ही विधानसभा से पास कराने का प्रयास होगा।
> **-अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री, दिल्ली**

खेल में भविष्य बनाने वाले युवा भी सिविल सेवा जैसी परीक्षाएं दे पाएंगे। इस विश्वविद्यालय के तहत आने वाले कोर्स के लिए विशेषज्ञों की टीम बनेगी।

**स्कूल से ही ले सकेंगे दाखिला :** मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली खेल विश्वविद्यालय (डीएसयू) के अंतर्गत स्कूल भी खुलेंगे। जहां उन बच्चों को दाखिला मिलेगा, जिन्हें खेल में करियर बनाना है। इन स्कूलों में दाखिला लेने वाले बच्चों को फिर परीक्षा में पास होने की चिंता नहीं करनी होगी। यह विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी होगी कि बच्चे को अंतरराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाया जाए। स्कूल स्तर के शिक्षण के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्धता होगी।

**डिग्री के कारण अधर में नहीं लटकेगा भविष्य :** मनीष सिसोदिया ने कहा कि गुरुवार को दो होनहार खिलाड़ी थाइलैंड से पदक जीतकर मुझसे मिलने आईं। दोनों ने बताया कि वह ग्रेजुएट होने के लिए, ओपन से ग्रेजुएशन कर रही हैं। ऐसा न करने पर नौकरी नहीं मिलेगी। डिग्री के लिए पढ़ाई करनी होगी और इससे खेल पर पूरा ध्यान नहीं दे पा रही हैं। एक खिलाड़ी को टेबल टेनिस में राष्ट्रीय पदक मिला था, लेकिन उसके पास डिग्री न होने के कारण वह कोई प्रतियोगिता परीक्षा नहीं दे सकती है। अब ऐसे सभी खिलाड़ियों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

**दिल्ली खेल विश्वविद्यालय (डीएसयू) के उद्देश्य :** युवाओं को खेल, शारीरिक गतिविधि, मनोरंजन और प्रशिक्षण प्रदान करने और उनकी फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए यह विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा। इसका उद्देश्य खेल शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में खेल अध्ययन, अनुसंधान और विस्तार कार्य को बढ़ावा देना है।

**राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा :** खेल विश्वविद्यालय को राज्य विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया जाएगा। इसमें खेल का एक व्यापक इको-सिस्टम स्थापित करने का प्रयास होगा। विश्वविद्यालय में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षा और अनुसंधान शामिल होंगे। विभिन्न खेलों में पेशेवर उत्कृष्टता के लिए सिस्टम बनाना, कौशल विकास, खेल मनोरंजन और सामुदायिक गतिविधियां करना, प्रारंभिक चरण के खेल के लिए संस्थागत तंत्र विकसित करना और प्रतिभा विकास का प्रावधान होगा।

**विश्वस्तरीय संसाधन होंगे :** विश्वविद्यालय के पास खेलों में पेशेवर उत्कृष्टता के लिए एक विश्वस्तरीय केंद्र होगा। उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए विश्वस्तरीय खेल विशिष्ट प्रभाग होंगे। ये प्रभाग खिलाड़ी बनने के इच्छुक विद्यार्थियों को कोचिंग देंगे। प्रत्येक खेल प्रभाग विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारेगा। केंद्र में प्रशिक्षण के अलावा कोच भी तैयार होंगे। खेल में शोध करने की सुविधा भी होगी।

**उपराज्यपाल होंगे कुलाधिपति :** दिल्ली खेल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति उपराज्यपाल होंगे और राष्ट्रपति इसके विजिटर होंगे। राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में प्रशासनिक अनुभव के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रतिभा के खेल व्यक्ति को कुलपति बनाया जाएगा, जिनकी नियुक्ति पांच साल के लिए होगी। चयन तीन सदस्यों की एक खोज सह चयन समिति करेगी। प्रारूप, शक्तियां और दिल्ली खेल विश्वविद्यालय के अधिकारियों के कामकाज का तरीका, अर्थात न्यायालय, प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद और वित्त समिति मसौदा कानून में शामिल हैं। विधियों और विनियमों के निर्धारण के लिए प्रावधान, विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत करने और विधानसभा के समक्ष रखने का प्रावधान भी है।

## जिन इमारतों में आग से बचाव के उपाय नहीं, उन्हें सील करें : हाई कोर्ट

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार, दमकल विभाग और तीनों निगमों को आदेश दिया है कि जो इमारतें आग से बचाव के उपायों संबंधी नियमों का पालन नहीं करती हैं, उन पर कार्रवाई की जाए। जरूरत पड़े तो उन इमारतों को सील कर दिया जाए। मुख्य न्यायमूर्ति डीएन पटेल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिका में आजादपुर क्षेत्र में बनीं दो इमारतों पर कार्रवाई करने की मांग की गई थी, जहां नियमों को ताक पर रखा जा रहा है। पीठ ने कहा कि जिस इमारत में नियम ताक पर रखे जा रहे हैं, उस पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की है। ऐसी इमारतों को सील करने का पूरा अधिकार संबंधित विभागों के पास है। कुछ समय पहले ही तीन हजार से अधिक होटलों व गेस्ट हाउस मालिकों को अग्निशमन यंत्रों को लगाने का निर्देश दिया गया था।

इसी वर्ष फरवरी में करोलबाग के होटल अर्पित में भीषण आग लग जाने से 17 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इसके बाद से दिल्ली के सभी होटलों व गेस्ट हाउसों में आग से बचने के इंतजामों की जांच की गई थी। दिल्ली सरकार ने इसको लेकर गंभीर कदम उठाया और एक्सपर्ट से राय लेकर एनओसी दिए जाने के नियमों में संशोधन भी किया था। हालांकि यह कार्रवाई सिर्फ होटलों पर की गई थी, लेकिन अब हाई कोर्ट ने सभी इमारतों के लिए आदेश दिया है।

## 'अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर के विकास में था सबसे बड़ी बाधा'

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में गुरुवार को अनुच्छेद 370 का अंत : जम्मू-कश्मीर में शांति, स्थिरता और विकास विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जीतेंद्र सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर के विकास में सबसे बड़ी बाधा था। जम्मू-कश्मीर में पहले भी हिंसा होती रही है। पिछली सरकारों ने इसे नियंत्रित करने के लिए राज्य में कई बार कर्फ्यू भी लगाया, लेकिन इस साल पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की घोषणा के बाद वहां एक भी बार कर्फ्यू नहीं लगा। वहां किसी भी तरह की हिंसा की घटना सामने नहीं आई। जम्मू-कश्मीर के लोग खुश हैं। वहां निजी क्षेत्र का निवेश बढ़ेगा, कई कंपनियां खुलेंगी। स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में भी सुधार हो सकेगा।

**वामपंथी छात्र संगठनों ने जताया विरोध :** व्याख्यान शुरू होने से पहले वामपंथी छात्र संगठनों ने ऑडिटोरियम के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अनुच्छेद 370 के हटाए जाने का विरोध किया और नारेबाजी भी की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का समर्थन किया।

### ऋषि अगस्त्य की भूमिका में केंद्रीय मंत्री कुलस्ते

केंद्रीय इस्पात राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने गुरुवार को नई दिल्ली में अपने अभिनय के हुनर की अद्भुत छाप छोड़ी। यहां लवकुश रामलीला समिति की ओर से की गई रामलीला में उन्होंने ऋषि अगस्त्य मुनि का किरदार निभाया। इस भूमिका में उन्होंने जीवंत अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुलस्ते मध्य प्रदेश के मंडला से सांसद हैं। जागरण

# लाजपत नगर-तीन में नहीं खड़े हो सकेंगे बिना स्टीकर वाले वाहन

**निहाल सिंह, नई दिल्ली**

- पार्किंग एरिया मैनेजमेंट प्लान लागू करने के लिए आरडब्ल्यूए की सहमति मिली
- बिना स्टीकर वाले वाहनों को नगर निगम जब्त कर लेगा

नई पार्किंग नीति की अधिसूचना जारी होने के बाद दक्षिणी दिल्ली नगर निगम इसे नियोजित रिहायशी इलाकों में जल्द से जल्द लागू करने की कोशिश में है। इसके तहत निगम लाजपत नगर-तीन में पार्किंग की व्यवस्था को पूरी दिल्ली में मिसाल के तौर पर पेश करना चाहता है। यहां पर पार्किंग एरिया मैनेजमेंट प्लान लागू करने के लिए निगम को स्थानीय आरडब्ल्यूए की सहमति मिल गई है। पिछले दिनों ही निगम ने इस पूरे इलाके की मैपिंग करके स्थानीय आरडब्ल्यूए और पुलिस व यातायात पुलिस को योजना सौंप दी थी। लाजपत नगर-तीन के आरडब्ल्यूए ने निगम को कहा है कि वह स्थानीय निवासियों के वाहनों के अलावा किसी और वाहन को पार्किंग की इजाजत न दे। इसलिए पार्किंग मॉडल लागू होने के बाद यहां केवल वही वाहन खड़े हो सकेंगे जिनके पास आरडब्ल्यूए द्वारा जारी स्टीकर होगा। बिना स्टीकर वाले वाहनों को निगम जब्त कर लेगा।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के लाभकारी परियोजना विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि योजना को लेकर आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों के साथ निगम अफसरों की बैठक हुई थी। इसमें आरडब्ल्यूए ने पत्र देकर योजना पर सहमति जाहिर कर दी है। इसके अनुसार लाजपत नगर-तीन में विभिन्न रंगों के स्टीकर दिए जाएंगे। वाहनों में स्थानीय निवासियों, यहां काम करने वालों और आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के लिए अलग-अलग रंग का स्टीकर होगा। यातायात पुलिस इनका रंग तय करेगी। साथ ही हर ब्लॉक की गाड़ी के स्टीकर की भी अलग पहचान होगी।

> कोई भी बाहरी वाहन कॉलोनी में न खड़ा हो, इसलिए कॉलोनी के सभी वाहनों को स्टीकर जारी किया जाएगा। इसको निगम ने मान लिया है। अब निगम को इस प्लान को लागू करने का आगे का कार्य करना है।
> **-अमरजीत सिंह, अध्यक्ष, लाजपत नगर-तीन नेबरहुड रेजिडेंट एसोसिएशन**

**मेहमानों के लिए होगा प्ले कार्ड :** आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी ने बताया कि लाजपत नगर-3 में बिना स्टीकर वाली गाड़ी नहीं खड़ी हो सकेगी। मेहमानों के वाहनों के लिए प्ले कार्ड बनवाकर प्रत्येक घर में दो-दो बांटे जाएंगे। उनकी जगह भी तय होगी।

**सुबह छह से नौ बजे तक बंद रहेंगे गेट :** लाजपत नगर-तीन में रोजाना सुबह छह से नौ बजे तक गेट बंद रहा करेंगे ताकि लोग यहां रोजाना होने वाले राहगीरी के कार्यक्रम में हिस्सा ले सकें। मूलचंद अस्पताल से निगम स्कूल की ओर वाली सर्विस लेन को वन-वे किया जाएगा। कॉलोनी के बाहर गुप्ता मार्केट के आगे बने बस स्टॉप को भी 100 मीटर आगे बढ़ाया जाएगा। आइएलबीएस अस्पताल से लाजपत नगर मार्केट की तरफ जाने वाली सड़क को भी वन-वे किया जाएगा।

**लावारिस खड़े वाहनों को नोटिस :** निगम ने लाजपत नगर-तीन रिहायशी क्षेत्र में वर्षों से खड़े करीब 40 पुराने वाहनों को हटाने के लिए 72 घंटे का नोटिस दिया है। इसके बाद इन्हें जब्त कर लिया जाएगा।

## मेट्रो स्टेशन पर किताबें दान कर जरूरतमंद बच्चों का बनें सहारा

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली :** दिल्ली-एनसीआर के लोगों को विश्वस्तरीय परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने वाले दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने जरूरतमंद बच्चों के लिए अनोखी पहल की है। डीएमआरसी ने इसे दान उत्सव नाम दिया है। इसके तहत दिल्ली-एनसीआर में 25 मेट्रो स्टेशन चिह्नित कर वहीं कियोस्क बनाए गए हैं। यहां लोग किताबें व स्टेशनरी का सामान दान कर सकते हैं, जिसे डीएमआरसी जरूरतमंद बच्चों को वितरित करेगा। ऐसे में कोई भी मेट्रो स्टेशनों पर किताब, कॉपी, पेंसिल इत्यादि दान कर जरूरतमंद बच्चों का सहारा बन सकता है।

डीएमआरसी ने दो अक्टूबर गांधी जयंती के दिन यह दान उत्सव शुरू किया था। आठ दिसंबर तक संबंधित स्टेशनों पर लोग किताब व स्टेशनरी का सामान दान कर सकते हैं। इसके अलावा डीएमआरसी अपनी आवासीय कॉलोनियों में भी दान उत्सव का यह अभियान चलाएगा। इससे मेट्रो के कर्मचारी भी इस दान उत्सव का हिस्सा बन सकेंगे। डीएमआरसी का कहना है कि एकत्रित किताबें और स्टेशनरी का सामान गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को वितरित किया जाएगा। इससे उन्हें पढ़ाई में मदद मिलेगी।

# नकली सीमेंट बनाने वाली फैक्ट्रियां पकड़ीं, 12 दबोचे

**जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा**

पुलिस ने नकली सीमेंट बनाने वाली चार फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया है। साथ ही दो गोदाम में भी छापेमारी की है। फैक्ट्री में तैयार की जाने वाली नकली सीमेंट को नामी कंपनी जैसे एससी, अंबुजा की बोरी में भरकर बेचा जाता था। नकली सीमेंट बनाने के धंधे में लिप्त आलोक जैन निवासी रुद्रपुर उत्तराखंड सहित कुल 12 आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से नकली सीमेंट की करीब चार हजार बोरियां बरामद की गई हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि इस सीमेंट से बने भवन व इमारतें बेहद कमजोर होती हैं। जिनके गिरने की आशंका रहती है। इसके मद्देनजर जिन-जिन जगह सीमेंट सप्लाई की गई है उनसे संपर्क कर वास्तविक स्थिति से अवगत कराने का प्रयास पुलिस कर रही है। पुलिस ने दावा किया है कि शाहबेरी में बनी अवैध इमारतों के निर्माण में भी नकली सीमेंट के इस्तेमाल किए जाने की आशंका है।

एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि नकली सीमेंट की फैक्ट्री संचालित किए जाने की सूचना पर बिसरख में छापेमारी की गई और मौके से नकली सीमेंट बरामद कर कुछ आरोपितों को पकड़ा गया। उनसे पूछताछ की गई तो पता चला कि नकली सीमेंट की फैक्ट्री कई अन्य जगह पर भी चल रही है। सभी फैक्ट्रियां एक ही नेटवर्क से जुड़ी हुई हैं। आलोक जैन नकली सीमेंट की सबसे अधिक खेप खरीदता था। बिसरख के बाद नॉलेज पार्क, पुराना हैबतपुर और गाजियाबाद में छापेमारी कर फैक्ट्रियां पकड़ी गईं। जब्त की गई नकली सीमेंट को जांच के लिए लैब में भेजा जाएगा। इससे यह पता चल सकेगा कि इससे हुआ निर्माण कितना कमजोर है। पहाड़ी क्षेत्र में नकली सीमेंट से कई जगह निर्माण किया गया है।

### पांच राज्यों में नकली सीमेंट से बनाई जा चुकी हैं हजारों इमारतें

**प्रवीण विक्रम सिंह, ग्रेटर नोएडा :** ग्रेटर नोएडा में पकड़ी गईं सीमेंट फैक्ट्रियों में बनने वाली नकली सीमेंट से पांच राज्यों में कई हजार इमारतें व भवन बनाए जा चुके है। मेरठ में गत दिनों गिरे मदरसे में भी इसी फैक्ट्री की नकली सीमेंट का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा शाहबेरी सहित कई अन्य जगह जहां इमारतें व भवन कमजोर होने के कारण गिर चुके हैं, वहां नकली सीमेंट का इस्तेमाल किया गया। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान व उत्तराखंड में नकली सीमेंट बनाने व बेचने वाला गिरोह सक्रिय है। पुलिस जांच में पता चला है कि उत्तराखंड के कारोबारी आलोक जैन व जयंती पहले से एक दूसरे के जानकार है। जयंती फैक्ट्री मालिक व डीलर के बीच बिचौलिये की भूमिका में रहता था। गाजियाबाद में शिव दयाल नकली सीमेंट का सिंडिकेट बताया गया है।

- शाहबेरी में बनी अवैध इमारतों में नकली सीमेंट का किया गया इस्तेमाल
- आरोपितों के कब्जे से चार हजार बोरी नकली सीमेंट बरामद

**इनकी हुई गिरफ्तारी :** कारोबारी आलोक जैन निवासी (रुद्रपुर उत्तराखंड), छोटू (बिहार), राजबीर (मुरादाबाद), संतोष (वाराणसी), हरीराज (गाजियाबाद), हरेंद्र (ग्रेटर नोएडा), सुनील (दिल्ली), सुनील कुमार (ग्रेटर नोएडा), जयंती (गाजियाबाद), दीपू व तालीम (मेरठ), विष्णु (बागपत)। इनके अलावा चंद्रपाल (गाजियाबाद), भूरा (दिल्ली), अकरम व रिजवी (मेरठ) फरार हैं।

**ऐसे बनाते थे नकली सीमेंट :** एनटीपीसी से राख खरीद कर उनमें राजस्थान से खरीदी गई डस्ट को मिलाते थे। डस्ट मिलाने के बाद उसमें कोई कमी रह जाती थी तो पाउडर मिला देते थे। नकली सीमेंट को नामी सीमेंट कंपनियों की बोरी में भरकर बेचा जाता था।

## आम्रपाली के फ्लैट खरीदार रजिस्ट्री कराने के लिए आए आगे

**जासं, ग्रेटर नोएडा :** सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने आम्रपाली बिल्डर के फ्लैट खरीदारों के पक्ष में रजिस्ट्री शुरू कर दी है। गुरुवार को प्राधिकरण ने आम्रपाली के चाई-फाई सेक्टर स्थित कैसल प्रोजेक्ट परिसर में शिविर लगाया। इस दौरान 20 खरीदारों ने बुकिंग के दस्तावेज की जांच कराई। जिन खरीदारों के दस्तावेज की जांच हो गई है, वे अब फ्लैटों की रजिस्ट्री अपने पक्ष में करा सकते हैं। रजिस्ट्री होने से खरीदारों को फ्लैट पर मालिकाना हक मिल जाएगा।

आम्रपाली के ग्रेटर नोएडा में सात प्रोजेक्ट हैं। अधूरे निर्माण, बकाया जमा न करने एवं कंप्लीशन प्रमाण पत्र जारी न होने की वजह से प्राधिकरण ने आम्रपाली बिल्डर फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री पर रोक लगा रखी थी। सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण से तत्काल रजिस्ट्री करने के निर्देश दिए हैं। अनेक खरीदार ऐसे हैं, जिन्होंने अधूरे निर्माण को अपने खर्चे से पूरा करा लिया है, लेकिन लीज डीड न होने की वजह से उन्हें मालिकाना हक नहीं मिल रहा था। आम्रपाली के चाई-फाई सेक्टर स्थित कैसल प्रोजेक्ट में करीब 200 फ्लैट खरीदार हैं। शुक्रवार व शनिवार को भी दस्तावेज की जांच के लिए कैसल प्रोजेक्ट में शिविर लगाया जाएगा।

# झमाझम बारिश से बदली फिजा, पड़े ओले

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

गुरुवार शाम एकाएक बदले मौसम और झमाझम बारिश ने दिल्ली की फिजा ही बदल दी। दिन में गर्मी से परेशान रहे दिल्लीवासियों को देर शाम ठंडक का अहसास हो गया। लगभग दो घंटे तक हुई झमाझम बारिश से न्यूनतम पारा दो डिग्री तक गिर गया। कई जगह ओले पड़ने की सूचना है। शुक्रवार को भी कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव के चलते सड़क पर वाहनों का जाम लग गया। इसके अलावा विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हुई।

गुरुवार को शाम साढ़े पांच बजे अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य से एक डिग्री अधिक था। न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य से दो डिग्री अधिक था। रात साढ़े आठ बजे बारिश के प्रभाव से न्यूनतम तापमान दो डिग्री गिरकर 21.6 डिग्री सेल्सियस हो गया। बारिश इसी समयावधि तक 35.2 मिलीमीटर दर्ज की गई। आइटीओ, मंडी हाउस, लक्ष्मीनगर सहित दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के कई क्षेत्रों में ओले गिरे।

**बारिश से प्रभावित हुईं 50 से ज्यादा उड़ानें, चार डायवर्ट :** आइजीआइ एयरपोर्ट पर गुरुवार को बारिश के कारण उड़ानों पर बुरा प्रभाव पड़ा। अचानक हुई तेज बारिश के कारण आधे घंटे तक उड़ानों का संचालन रोक दिया गया। इस दौरान आ रहीं चार उड़ानों को डायवर्ट कर अन्य एयरपोर्ट पर उतारा गया। आने और जाने वाली 50 से ज्यादा उड़ानें आधे से दो घंटे की देरी से उड़ीं और उतरीं। इस वजह से विमान यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी।

आइजीआइ एयरपोर्ट मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार की रात पालम इलाके में कुल 20.4 मिलीमीटर बारिश हुई। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के प्रवक्ता ने बताया कि बारिश के कारण एयरपोर्ट पर रात 7.56 से 8.22 के बीच उड़ानों का संचालन बंद रहा। देर रात दूसरे एयरपोर्ट पर डायवर्ट की गई उड़ानों को को वापस दिल्ली लाने का प्रयास किया जा रहा था।

गुरुवार देर शाम हुई तेज बारिश ने दिल्लीवासियों को ठंडक का अहसास करा दिया। संजय

**तैयारी**

नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ने ग्लोबल टेंडर में विदेशी कंपनियों के सामने देश में उत्पादन इकाई लगाने की शर्त रखी है

# मेक इन इंडिया पहल के तहत देश में बनेगी रैपिड रेल

**आशीष गुप्ता, गाजियाबाद**

दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर पर दौड़ने वाली रैपिड रेल मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में ही बनेगी। उस पर मेक इन इंडिया का चिह्न भी अंकित किया जाएगा। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) ने ग्लोबल टेंडर में कंपनियों के सामने यह शर्त रखी है। विदेशी कंपनियों को देश में उत्पादन इकाई लगानी होगी। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। रैपिड रेल का रखरखाव समय पर और ठीक से किया जा सकेगा। गाजियाबाद के दुहाई और मेरठ के मोदीपुरम डिपो में वर्कशॉप भी बनेगी।

एनसीआरटीसी दिल्ली-मेरठ के बीच 82 किलोमीटर के कॉरिडोर को दो चरणों में बना रहा है। पहले चरण में साहिबाबाद से दुहाई के बीच 17 किलोमीटर कोरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है। इतने हिस्से पर 2023 तक रैपिड रेल का परिचालन शुरू करना है। एनसीआरटीसी ने कॉरिडोर निर्माण के साथ ही रैपिड रेल तैयार कराने के लिए ग्लोबल टेंडर निकाले हैं। एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने बताया कि देश-दुनिया की 30 से ज्यादा रेल उत्पादन करने वाली कंपनियों ने रुचि दिखाई है। हाल में हुई प्री-बिड मीटिंग में कंपनियों के प्रतिनिधियों को स्पष्ट कर दिया गया है कि उन्हें आवेदन करते वक्त मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में प्लांट लगाना होगा। कोचों का रखरखाव यहीं पर होगा। इसके अलावा कंपनी को कोचों पर मेक इन इंडिया का चिह्न अंकित करना होगा।

**दोनों तरफ से खुलेंगे दरवाजे :** दोनों तरफ से दरवाजे खुलना रैपिड रेल की खासियत होगी। इससे यात्रियों को चढ़ने और उतरने में परेशानी नहीं होगी। प्रवेश और निकासी द्वार अलग होंगे। दिल्ली मेट्रो के दरवाजे एक तरफ ही खुलते हैं। सीमित समय के ठहराव में रेल में चढ़ने और उतरने वाले अक्सर टकरा जाते हैं। इस लिए एनसीआरटीसी ने दोनों तरफ दरवाजे खुले रखने की सुविधा दी है।

**वेदर प्रूफ होगी रेल :** रैपिड रेल हर मौसम में तेज रफ्तार में ट्रैक पर दौड़ेगी। एनसीआरटीसी दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर के लिए वेदर प्रूफ रैपिड रेल बनवा रहा है। आंधी, बारिश और कोहरे में रेल अपनी निर्धारित रफ्तार में दौड़ती नजर आएगी। भारतीय रेल की दुश्वारियों को देखते हुए वेदरप्रूफ रैपिड रेल तैयार कराने का निर्णय हुआ है।

**खूबियों से लैस स्मार्ट कोच लगेंगे :** रैपिड रेल में स्मार्ट कोच लगाए जाएंगे। ये कोच कई खूबियों से लैस होंगे। आगे से आकार एयरोडायनेमिक्स होगा। इसमें कई तरह के सेंसर लगे होंगे। उससे ब्रेक घिसने की जानकारी, एक्सेल का टेंप्रेचर, पहियों की कंडीशन कोच से ही नियमित रूप से रैपिड रेल कंट्रोल रूम को मिलती रहेगी। कोच के अंदर कैमरे होंगे, जिससे हर गतिविधि रिकॉर्ड होती रहेगी। हवाई जहाज की तरह आरामदायक सीटें लगी होंगी।

**ये होंगी खूबियां**
- बिजनेस क्लास कोच होगा
- महिलाओं के लिए अलग कोच होगा
- प्लेटफार्म स्क्रीन डोर लगेंगे, रेल आने पर ही यह डोर खुलेंगे

**प्रस्तावित स्टेशन**
- **दिल्ली :** सराय कालेखां, न्यू अशोक नगर, आनंद विहार
- **गाजियाबाद :** साहिबाबाद, गाजियाबाद (मेरठ तिराहा), गुलधर, दुहाई, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नॉर्थ
- **मेरठ :** मेरठ साउथ, शताब्दी नगर, बेगमपुल, मोदीपुरम

**परियोजना से जुड़े फैक्ट्स**
- **लागत :** 30274 करोड़ रुपये
- **दुहाई डिपो :** 6.71 लाख वर्ग मीटर जमीन की खरीद प्रक्रिया शुरू
- **प्रदूषण में कमी :** 21.35 लाख टन
- **रैपिड रेल की गति :** अधिकतम स्पीड 180 किमी प्रति घंटा और न्यूनतम 100 किमी प्रति घंटा

> रैपिड रेल का उत्पादन करने के लिए कंपनी को देश में इकाई लगानी होगी। केंद्र सरकार की मेक इन इंडिया पहल के तहत रैपिड रेल तैयार की जाएगी। उस पर मेक इन इंडिया का चिह्न अंकित होगा।
> **-सुधीर कुमार शर्मा, जीजीएम स्ट्रेटजिक प्लानिंग एवं सीपीआरओ, एनसीआरटीसी**

# द्वारका-नजफगढ़ कॉरिडोर पर मेट्रो का परिचालन आज से

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

द्वारका-नजफगढ़ (ग्रे लाइन) कॉरिडोर पर शुक्रवार से मेट्रो का परिचालन शुरू हो जाएगा। केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हरदीप सिंह पुरी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सुबह 11 बजे मेट्रो भवन से वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये हरी झंडी दिखाकर मेट्रो परिचालन का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद शाम पांच बजे यह कॉरिडोर यात्रियों के लिए खुल जाएगा। तब यात्री द्वारका से नजफगढ़ के बीच मेट्रो में सफर कर सकेंगे। इस कॉरिडोर पर तीन मेट्रो ट्रेनें चलाई जाएंगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के अनुसार हर 7.30 मिनट के अंतराल पर मेट्रो ट्रेन उपलब्ध होगी।

डीएमआरसी के अनुसार 6.20 मिनट में द्वारका से नजफगढ़ के बीच का सफर तय किया जा सकेगा। इस कॉरिडोर पर मेट्रो का परिचालन शुरू होने से नजफगढ़ और इसके आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों के लिए आवागमन की सुविधा बेहतर हो जाएगी। साथ ही नजफगढ़ से एनसीआर के शहरों के बीच भी आवागमन आसान हो जाएगा। इसलिए इस कॉरिडोर के मेट्रो में प्रतिदिन करीब 50 हजार यात्रियों के सफर करने का अनुमान है। 4.29 किलोमीटर लंबी इस मेट्रो लाइन का 1.54 किलोमीटर हिस्सा भूमिगत है। इस कॉरिडोर पर तीन मेट्रो स्टेशन द्वारका, नंगली व नजफगढ़ हैं। नजफगढ़ भूमिगत मेट्रो स्टेशन है। दो अन्य स्टेशन एलिवेटेड हैं। इस कॉरिडोर पर द्वारका ब्लू लाइन के साथ इंटरचेंज स्टेशन होगा। यहां यात्री द्वारका सेक्टर-21, दिल्ली एयरपोर्ट, नोएडा व वैशाली की ओर जाने के लिए मेट्रो ट्रेन बदल सकेंगे। इसलिए नजफगढ़ से करीब आधे घंटे में एयरपोर्ट, 70 मिनट में वैशाली व 80-85 मिनट में नोएडा पहुंचा जा सकेगा।

ग्रे लाइन का विस्तार ढांसा बस स्टैंड तक किया जा रहा है। इसके लिए नजफगढ़ मेट्रो स्टेशन से ढांसा बस स्टैंड के बीच 1.54 किलोमीटर लंबा भूमिगत कॉरिडोर बन रहा है।

# कर्नाटक में एनआरसी पर विचार कर रही है भाजपा सरकार

**बेंगलुरु, प्रेट्र :** कर्नाटक सरकार भी राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने पर विचार कर रही है। राज्य के गृह मंत्री बासवराज बोम्मई ने गुरुवार को कहा, 'पूरे देश में एनआरसी लागू करने पर चर्चा जोरों पर है। कर्नाटक ऐसे राज्यों में से हैं, जहां सीमा पार से लोग आकर बस गए हैं। इसलिए हम जानकारी जुटा रहे हैं और केंद्रीय गृह मंत्रालय से चर्चा के बाद कदम आगे बढ़ाएंगे।' इससे पहले बोम्मई ने बताया था कि वरिष्ठ अफसरों को इस संबंध में कानून का अध्ययन करने को कहा गया है। बेंगलुरु व अन्य बड़े शहरों में विदेशी आकर बस गए हैं। ऐसे लोग अपराध में लिप्त हैं। उनमें से कुछ को गिरफ्तार भी किया गया है। बोम्मई ने इस हफ्ते एनआरसी पर स्पष्ट निर्णय की बात कही है। विपक्ष में रहते हुए भी भाजपा बेंगलुरु में बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताती रही है।

ज्ञात हो, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि पूरे देश में एनआरसी लागू की जाएगी और घुसपैठियों को कानूनी तरीके से देश से बाहर भेजा जाएगा। शाह का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एनआरसी बहुत जरूरी है। वहीं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि वह राज्य में एनआरसी लागू नहीं होने देंगी। फिलहाल असम इकलौता राज्य है, जहां एनआरसी लागू है। 31 अगस्त को यहां जारी की गई एनआरसी की आखिरी सूची में राज्य के 19 लाख लोगों के नाम नहीं हैं।

# एक दिन गुलाम कश्मीर पर होगा भारत का अधिकार : जयशंकर

**वाशिंगटन, प्रेट्र :** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जम्मू-कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद-370 को हटाने को बहुप्रतीक्षित व उचित कदम बताते हुए कहा कि इसके हटने का लंबे समय से इंतजार था। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने की भारत की कार्य योजना पर जयशंकर ने कहा कि भारत उम्मीद करता है कि एक दिन गुलाम कश्मीर पर उसका अधिकार होगा।

जयशंकर ने एक शीर्ष अमेरिकी थिंक टैंक 'द हैरिटेज फाउंडेशन' में कहा कि कश्मीर के एक हिस्से पर पाक का अवैध कब्जा है। वह हिस्सा भारत के नक्शे में है और इस पर भारत का दावा है। 'मेरा तर्क बहुत सरल है। मेरी संप्रभुता और मेरा अधिकार क्षेत्र मेरे नक्शों में बताया गया है। मेरा नक्शा पिछले 70 साल से है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय सुरक्षा बलों ने पांच अगस्त के फैसले के बाद से जम्मू-कश्मीर में अत्यंत संयम बरता है और उनका अनुमान है कि पाकिस्तान पिछले कई दशकों से जो कर रहा है, उसे जारी रखेगा। अनुच्छेद-370 के प्रावधानों को रद करना कोई छोटा कदम नहीं था। हमने जो किया, उसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। यह कई साल पहले ही हो जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'जब कश्मीर में पाकिस्तान ने आतंकवाद और अलगाववाद के लिए बहुत निवेश किया है, तो ऐसे में हम यह उम्मीद नहीं करते कि यह निर्विरोध होगा।'

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वाशिंगटन में अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर से मुलाकात में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। एएनआइ

**कश्मीर के विकास पर बात :** अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय मुद्दों के साथ ही जम्मू-कश्मीर के विकास और वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से बातचीत की। भारत और अमेरिका के विदेश मंत्रियों के बीच यह मुलाकात फॉगी बॉटम मुख्यालय में सोमवार को की।

**राष्ट्रवाद है एक्स फैक्टर :** जयशंकर ने कहा कि भारत वैश्विक मंच पर ताकतवर देश बनकर उभर रहा है। इसकी घनिष्ठता विकसित देशों से अत्यधिक होगी। आज राष्ट्रवाद अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक्स फैक्टर है। यूरोप में राष्ट्रवाद को भले ही सकारात्मक तरीके से न लिया जाए लेकिन एशिया में आर्थिक प्रगति के लिए यह जरूरी है। वैसे ही जैसे आप आजाद होते हैं तो प्रगति करते हैं और फिर समृद्ध होते हैं। राष्ट्रवाद इनके साथ ही आता है।

**चीन से मुद्दे द्विपक्षीय रहेंगे :** भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत चाहता है कि पड़ोसी मुल्क चीन के साथ उसके रिश्ते बेहतर और मजबूत हो जाएं। वह 5जी जैसे मुद्दों को चीन के साथ द्विपक्षीय स्तर पर सुलझाना चाहेगा। ट्रंप प्रशासन के साथ बैठक के दौरान इस मुद्दे को राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बताए जाने पर उन्होंने कहा कि भारत के लिए यह दूरसंचार का मुद्दा है और राजनीतिक नहीं।

## पर्यावरण परिवर्तन पर ध्यान देना गांधी को पसंद आता

**वाशिंगटन, प्रेट्र :** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी कांग्रेस की लाइब्रेरी में आयोजित महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बताया कि पर्यावरण परिवर्तन की चुनौती पर ध्यान देना निश्चित रूप से गांधी जी को पसंद आता। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक भारत 450 जीडब्लू परिवर्तनीय ऊर्जा की क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लेगा। जयशंकर ने वाशिंगटन डीसी जाकर भारतीय दूतावास में महात्मा गांधी के बाहर बने स्मारक में जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जयशंकर चार अक्टूबर को भारत लौटेंगे।

## भारत ने फ्रांसीसी संसद में नहीं होने दिया गुलाम कश्मीर के 'राष्ट्रपति' का संबोधन

- फ्रांस में भारतीय मिशन के आपत्ति जताने पर रोका गया कार्यक्रम
- पाकिस्तानी दूतावास द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में करना था संबोधन

**नई दिल्ली, एएनआइ :** भारत ने गुलाम कश्मीर (पीओके) के 'राष्ट्रपति' मसूद खान के फ्रांसीसी संसद के निचले सदन के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने की कोशिश को विफल कर दिया है।

सूत्रों ने बताया कि फ्रांस स्थित पाकिस्तानी दूतावास द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के तहत मसूद खान को फ्रांसीसी सांसदों को संबोधित करना था। फ्रांस में भारतीय दूतावास ने डेमार्श (आपत्ति पत्र) जारी कर फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय से गुलाम कश्मीर के 'राष्ट्रपति' का संबोधन रोकने का अनुरोध किया। भारत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इस संबोधन से भारत की संप्रभुता का उल्लंघन होगा। फ्रांस ने भारत के अनुरोध पर संज्ञान लेते हुए मसूद खान का संबोधन रोक दिया। फ्रांस में भारतीय समुदाय के प्रमुख सदस्यों ने भी इस कार्यक्रम को रोकने के लिए फ्रांस सरकार को एक हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपा था।

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद से पाकिस्तान इस मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की कोशिश कर रहा है। इसी कड़ी में वह हर वैश्विक मंच पर कश्मीर मसला उठाने की कोशिश करता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने हर बार इस मसले पर पाकिस्तान की अनदेखी की है।

# आइआइटी गोवा के निदेशक के खिलाफ नहीं मिला सुबूत

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** आइआइटी गोवा के निदेशक बीके मिश्रा के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार की जांच सीबीआइ ने बंद कर दी है। दो साल चली जांच के दौरान एजेंसी मिश्रा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के सुबूत नहीं जुटा पाई। अंततः सीबीआइ ने विशेष अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी। न्यायाधीश जीसी बेहरा ने क्लोजर रिपोर्ट स्वीकारते हुए जांच के दौरान एकत्रित की गई सामग्री लौटाने के निर्देश दिए।

क्लोजर रिपोर्ट के अनुसार, 'खनिज एवं पदार्थ प्रौद्योगिक संस्थान (आइआइएमटी) भुवनेश्वर के निदेशक बीके मिश्रा (आइआइटी गोवा के मौजूदा निदेशक) के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में की गई जांच के दौरान मिले तथ्यों से आरोप साबित नहीं हो पाए।' मिश्रा ने कहा कि जांच एजेंसी से उन्हें कोई शिकायत नहीं है, हालांकि उन्होंने प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचने की बात स्वीकार की है।

सीबीआइ ने सूत्र ने बताया कि वर्ष 2006 से 2016 के बीच 2.15 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति जुटाने के आरोप में मिश्रा और उनकी पत्नी के खिलाफ जून 2017 में रिपोर्ट दर्ज की थी। करीब एक दशक तक अमेरिका में रहने के बाद 1993 में मिश्रा की नियुक्ति कानपुर आइआइटी में हुई थी। वह वहां दिसंबर 2005 तक रहे। एफआइआर दर्ज होने के बाद मिश्रा ने कहा था कि मुंबई का फ्लैट उन्होंने आइआइटी कानपुर से हाउसिंग लोन लेकर खरीदा था। भुवनेश्वर के दो प्लॉट उन्होंने पहले खरीदे थे।

# रक्षा मंत्री राजनाथ अब राफेल में उड़ान भरेंगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आठ अक्टूबर को वायुसेना दिवस और दशहरे पर औपचारिक रूप से भारत को मिलेगा पहला विमान

स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरने के बाद अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आठ अक्टूबर को फ्रांसीसी विमान राफेल में उड़ान भरने जा रहे हैं। दशहरा के अवसर पर जब भारतीय वायुसेना अपनी स्थापना दिवस के समारोह में व्यस्त होगी तब फ्रांस में आयोजित एक भव्य समारोह में राजनाथ सिंह की मौजूदगी में फ्रांस भारत को पहला राफेल विमान सौंपेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 36 राफेल विमानों में से पहला विमान लेने तीन दिनी दौरे पर सात अक्टूबर को पेरिस जाएंगे और अगले दिन एक समारोह के दौरान राफेल में उड़ान भी भरेंगे। इस कार्यक्रम में दोनों देशों के रक्षा मंत्री और रक्षा विभाग के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। नौ अक्टूबर को वह फ्रांस सरकार के रक्षा अफसरों के साथ वार्ता करेंगे। साल 2016 में भारतीय वायुसेना को तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट मिलने के बाद यह पहला बड़ा मौका होगा जब वायुसेना के बेड़े में कोई नया लड़ाकू विमान शामिल किया जा रहा है। भारत को मिलने वाले 36 विमानों की डील में से पहले चार अंबाला वायुसेना स्टेशन में अगले साल मई में सौंपे जाएंगे। यह डील सितंबर 2016 में हुई थी।

**पहले 16 विमान 17वीं स्क्वाड्रन गोल्डन एरोज में शामिल होंगे :** पहले 16 राफेल विमानों को 17वीं स्क्वाड्रन गोल्डन एरोज में शामिल किया जाएगा। साल 1999 के करगिल युद्ध के दौरान हीरो बनकर उभरी इस स्क्वाड्रन को हाल ही में सेवानिवृत हुए एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ ने कमांड किया था। अप्रैल 2022 में मिलने वाले 16 राफेल पश्चिम बंगाल के हासिमारा में रखे जाएंगे। राफेल वायुसेना की मारक क्षमता कई गुना बढ़ा देगा। यह पाक और चीन से होने वाले हवाई हमलों के खतरे को रोकने और उसे काउंटर करने में मददगार होगा।।

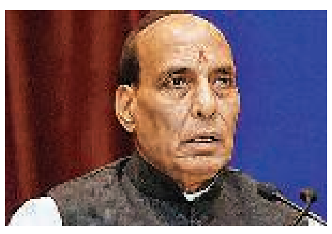

राजनाथ सिंह फाइल फोटो

**34,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुका है भारत :** 2016 के समझौते के तहत भारत राफेल के लिए 34,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुका है। यह सौदा कुल 58,000 करोड़ रुपये का है। भारत की जरूरतों के हिसाब से तैयार राफेल में रडार वार्निंग रिसीवर, लो बैंड जामर, दस घंटे की फ्लाइट डाटा रिकार्डिंग, इंफ्रा रेड सर्च, ट्रैकिंग प्रणाली समेत कई खूबियां होंगी। पहले राफेल विमान के पिछले हिस्से यानी टेल पर आरबी 01 लिखा होगा। यह टेल नंबर नए वायुसेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया के नाम पर है।

# बांग्लादेश के साथ मजबूत रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर होगा जोर

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

- दिल्ली पहुंचीं बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना, कल होगी पीएम मोदी से मुलाकात
- द्विपक्षीय बैठक में आर्थिक एजेंडा प्राथमिकता पर, जलमार्ग पर होगा समझौता

नई दिल्ली में गुरुवार को हवाई अड्डे पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की अगवानी केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण राज्यमंत्री देबश्री चौधरी ने की। प्रेट्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को जब बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना से मुलाकात करेंगे तो दोनों देशों के रिश्ते को प्रगाढ़ रणनीतिक साझेदारी में बदलने पर जोर दिया जाएगा। भारत की तरफ से बांग्लादेश की मदद के लिए कुछ अहम घोषणाएं भी की जाएंगीं। शेख हसीना गुरुवार को नई दिल्ली पहुंच गईं। बांग्लादेश को एशिया की सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनाने के बाद यहां पहुंची शेख हसीना के एजेंडे में आर्थिक सहयोग ज्यादा है। लेकिन जिस तरह से भारत में एनआरसी का मुद्दा राजनीतिक रंग ले रहा है, उसे देखते हुए वह भारत से ठोस आश्वासन भी चाहेंगी।

मोदी और हसीना के बीच पिछले हफ्ते भी न्यूयार्क में द्विपक्षीय मुलाकात हुई थी। उसके बाद हसीना का आधिकारिक दौरे पर आना बताता है कि दोनों देश आपसी रिश्तों को कितना महत्व दे रहे हैं। शनिवार को दोनों नेताओं के समक्ष एक ऐतिहासिक जलमार्ग समझौता भी होने वाला है। इसके जरिए त्रिपुरा की गोमती और बांग्लादेश की मेघना नदी के बीच जलमार्ग शुरू किया जा सकेगा। दोनों नेताओं के बीच बांग्लादेश में एक एलएनजी टर्मिनल लगाने के प्रस्ताव पर भी बात होगी। इसके अलावा भारत-जापान की मदद से बांग्लादेश में एक बड़ी सड़क परियोजना शुरू करने का भी प्रस्ताव है। इसके रोडमैप पर भी बात होनी है। जानकारों के मुताबिक, मोदी और शेख हसीना अब द्विपक्षीय रिश्तों को रणनीतिक सहयोग में तब्दील करने की तरफ ले जाने के इच्छुक हैं। यह बैठक इस लिहाज से काफी अहम साबित होगी जो रिश्तों को अगले मुकाम पर ले जाने वाली साबित होगी। तकरीबन एक वर्ष पहले भारत ने बांग्लादेश में तीन बड़ी रेल परियोजनाएं शुरू करने का एलान किया था। अब भारत वहां दूसरी कनेक्टिविटी परियोजनाओं को शुरू करने की योजना को अंतिम रूप दे रहा है। इसमें दक्षिण बांग्लादेश स्थित पायरा में एक बंदरगाह स्थापित करना भी शामिल है। जापान की मदद से वहां राष्ट्रीय महत्व की एक सड़क परियोजना लगाने की बात हो रही है जो वहां के आर्थिक विकास की गति को और तेज कर सकता है। सोच यह है कि इस परियोजना के लिए सड़क भारत बनाए जबकि इसमें ब्रिज निर्माण का काम जापान की मदद से किया जाएगा। बांग्लादेश के लिए भारत एक विशेष पावर प्लांट लगाने को भी तैयार है लेकिन यह काम पूरी तरह से पड़ोसी देश के साथ विमर्श के बाद होगा। अभी भी भारत से बांग्लादेश को तकरीबन 1160 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जाती है जो वहां की कुल बिजली खपत का 10 फीसद से भी ज्यादा है। लेकिन जिस हिसाब से वहां की अर्थव्यवस्था में विकास हो रहा है उसे देखते हुए भारत एक नई बिजली परियोजना भी लगाने को तैयार है।

**पड़ोसी मित्र देश के लिए भारत का भावी एजेंडा**

1. दक्षिणी बांग्लादेश के पायरा में बंदरगाह बनाने की योजना
2. बांग्लादेश के लिए विशेष ऊर्जा संयंत्र लगाने पर भी विचार
3. जापान व भारत मिलकर बांग्लादेश में शुरू करेंगे एक बड़ी सड़क परियोजना
4. तीन बड़े रेलवे नेटवर्क पर भारत की मदद से काम शुरू
5. भविष्य में एक एलएनजी टर्मिनल लगाने पर हो रही बात

# आइएनएक्स मीडिया मामले में जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे चिदंबरम

- दिल्ली हाई कोर्ट में खारिज हो चुकी है जमानत याचिका

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने आइएनएक्स मीडिया भ्रष्टाचार मामले में सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने जस्टिस एनवी रमाना की अध्यक्षता वाली पीठ से मामले पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया। इस पीठ में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस कृष्ण मुरारी भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री की याचिका मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के पास सूचीबद्ध करने के लिए भेजी जाएगी।

चिदंबरम इस समय न्यायिक हिरासत में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 74 वर्षीय पूर्व केंद्रीय मंत्री को 21 अगस्त को गिरफ्तार किया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने 30 सितंबर को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

हाई कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा था कि इस मामले की जांच अग्रिम दौर में है और उनके द्वारा गवाहों को प्रभावित करने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। हाई कोर्ट ने यह भी कहा था कि इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि यदि चिदंबरम के खिलाफ मामला साबित हो गया तो यह समाज, अर्थव्यवस्था, वित्तीय स्थिरता और देश की अखंडता के साथ अपराध होगा। हाई कोर्ट ने विशेष कोर्ट द्वारा उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने के निर्णय को सही ठहराया था।

संप्रग सरकार के कार्यकाल में 2004-14 के दौरान चिदंबरम वित्त मंत्री और गृह मंत्री थे। सीबीआइ ने 2007 में बतौर वित्त मंत्री चिदंबरम के कार्यकाल के दौरान आइएनएक्स मीडिया समूह को विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड द्वारा 305 करोड़ रुपये के निवेश की मंजूरी दिए जाने में कथित अनियमितताओं को लेकर 15 मई, 2017 को एक प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके बाद, प्रवर्तन निदेशालय ने भी इस प्रकरण में मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज किया था।

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि सीबीआइ द्वारा सीलबंद लिफाफे में पेश दस्तावेजों के अनुसार जांच के दौरान पता चला है कि आइएनएक्स मीडिया के पूर्व प्रमोटर पीटर मुखर्जी ने विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड में आवेदन दायर करने से पहले चिदंबरम से कथित रूप से मुलाकात की थी और उन्होंने बोर्ड की मंजूरी का आश्वासन देते हुए बदले में अपने बेटे कार्ति चिदंबरम के 'व्यापारिक हितों' का ध्यान रखने का निर्देश दिया था।

पी. चिदंबरम फाइल फोटो

## चिदंबरम जेल में दिन में एक बार खा सकेंगे घर का खाना

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** पी. चिदंबरम की न्यायिक हिरासत पूरी होने के बाद गुरुवार को राउज एवेन्यू की विशेष अदालत में पेश किया गया। सीबीआइ की दलील पर अदालत ने चिदंबरम की न्यायिक हिरासत 17 अक्टूबर तक बढ़ा दी। न्यायाधीश अजय कुमार कुहार ने चिदंबरम की अर्जी पर उन्हें दिन में एक बार घर का खाना उपलब्ध कराने की अनुमति दी है। साथ ही कहा कि इस दौरान परिजन चिदंबरम से मिलेंगे नहीं और उनका खाना जेल अधीक्षक कार्यालय में दिया जाएगा। जांच के बाद भोजन चिदंबरम को दिया जाएगा। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने चिदंबरम की नियमित मेडिकल जांच एम्स में कराने व हिरासत में उन्हें अच्छा खाना दिए जाने के लिए अर्जी दायर की थी। उनकी अर्जी पर सुनवाई में देरी होने पर सिब्बल ने नाराजगी जाहिर की।

**आजादी, समानता और भाईचारा कहां है :** चिदंबरम ने गुरुवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि इस समय देश में आजादी, समानता और भाईचारा कहां है। उनके परिवार ने ट्विटर पर टिप्पणी पोस्ट की है। उन्होंने कहा है, 'जैसा कि हम महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के साल भर चलने वाले जश्न की शुरुआत कर रहे हैं, हमें यह सवाल पूछना होगा कि आजादी, समानता और भाईचारा कहां है?'

चिदंबरम ने दावा किया, 'भाईचारा पूरी तरह से मर गया है। जातिवाद और कट्टरता हावी होती दिख रही है। समानता एक दूर का सपना है। सभी साक्ष्य भारतीयों में बढ़ती असमानता की ओर इशारा करते हैं।'

# तलवार की करीबी यास्मीन छह दिन के लिए ईडी की रिमांड पर

**जासं, नई दिल्ली :** विमान घोटाले में आरोपित कॉरपोरेट लॉबिस्ट दीपक तलवार की करीबी यास्मीन कपूर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छह दिन के रिमांड पर लिया है। एक अन्य मामले में जेल में बंद यास्मीन को राउज एवेन्यू की विशेष अदालत के आदेश पर गुरुवार को पेश किया गया, जहां ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। विशेष अदालत ने विमान घोटाले में पूछताछ के लिए 9 अक्टूबर तक रिमांड पर भेज दिया।

ईडी ने अदालत को बताया कि दीपक तलवार के कई राज यास्मीन कपूर को पता हैं और इसी बारे में पूछताछ करनी है। यास्मीन की भूमिका इस मामले में संदिग्ध है। इस मामले में सीबीआइ ने तलवार सहित सात को आरोपित बनाया है जिनमें यास्मीन भी शामिल हैं। आरोपपत्र में कहा है कि दीपक तलवार की वजह से एयर इंडिया को काफी घाटा हुआ और निजी कंपनियों को फायदा पहुंचा।

# एससी-एसटी कानून को कमजोर नहीं करेंगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एससी-एसटी संशोधन कानून की वैधानिकता पर शीर्ष अदालत में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

एससी-एसटी संशोधन कानून की वैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि वह कानून के प्रावधानों को कमजोर नहीं करेंगे। तीन दिन पहले कोर्ट ने इस कानून को शिथिल करने वाले पुराने फैसले को वापस ले लिया था। ऐसे में कोर्ट ने साफ किया कि संविधान पीठ पहले ही कह चुकी है कि अगर प्रथम दृष्टया केस नहीं बनता है तो कोर्ट ऐसे मामलों में अग्रिम जमानत दे सकता है।

जस्टिस अरुण मिश्रा, विनीत सरन और रविंद्र भट्ट की पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के 20 मार्च, 2018 के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए लाए गए एससी-एसटी संशोधित कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सभी पक्षों की बहस सुनकर फैसला सुरक्षित रख लिया। पीठ ने कहा कि उसने गत एक अक्टूबर को उस पुराने फैसले के खिलाफ दाखिल पुनर्विचार याचिका पर फैसला दिया है जिसमें पुरानी व्यवस्था बहाल कर दी गई है ऐसे में कोर्ट इस कानून को कमजोर नहीं करेगा। जब एक वकील ने कहा कि हाई कोर्ट एससी-एसटी कानून में दर्ज मुकदमे को रद करने की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है तो कोर्ट ने कहा कि वह अनुच्छेद 21 (जीवन एवं स्वतंत्रता का अधिकार) के तहत मिले अधिकारों में कटौती नहीं करने जा रहे। एक अन्य वकील ने एक मामले में केस नहीं दर्ज होने का आरोप लगाया। कोर्ट ने कहा कि वे व्यक्तिगत मामलों में नहीं जाएंगे। पीठ ने साफ किया कि वे इस मामले में सिर्फ दो मुद्दों पर स्थिति स्पष्ट करेंगे एक तो अग्रिम जमानत पर और दूसरे प्रारंभिक जांच पर। कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रारंभिक जांच के मामले में पहले से ही ललिता कुमारी केस का फैसला है।

सुप्रीम कोर्ट फाइल फोटो

मालूम हो कि 20 मार्च, 2018 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी कानून के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए कहा था कि इस कानून के तहत शिकायत आने पर न तो तुरंत मामला दर्ज होगा और न ही तत्काल गिरफ्तारी होगी। कोर्ट ने मामला दर्ज करने से पहले जांच और गिरफ्तारी से पहले सक्षम अधिकारी की इजाजत जरूरी कर दी थी। इस फैसले के बाद काफी बवाल हुआ था जिसके बाद सरकार ने एससी-एसटी कानून संशोधन विधेयक पास कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को निष्प्रभावी कर दिया था और पुरानी व्यवस्था बहाल कर दी थी। इस संशोधित कानून को कई याचिकाओं के जरिये सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।

# मोदी-शी बैठक से पहले मद्रास हाई कोर्ट ने बैनर लगाने की अनुमति दी

**चेन्नई, प्रेट्र :** मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु व केंद्र सरकार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की यात्रा से पूर्व उनके स्वागत में बैनर लगाने की इजाजत दे दी। दोनों नेता अगले सप्ताह अनौपचारिक मुलाकात के लिए मामल्लपुरम (चेन्नई से 50 किलोमीटर दूर) यहां आने वाले हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि दोनों नेताओं के स्वागत में बैनर लगाने में कोई आपत्ति नहीं है। कोर्ट ने इससे पहले सड़क किनारे होर्डिंग लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। हाल ही में एक महिला तकनीशियन की मौत के बाद दिए गए आदेश का पालन नहीं करने के लिए कोर्ट ने सरकार की खिंचाई की थी।

जस्टिस एम. सत्यनारायणम और जस्टिस एन. शेषशायी की खंडपीठ ने कहा, ऐसे बैनर लगाने के संबंध में केंद्र और राज्य सरकार को सभी नियमों का पालन करना होगा। राज्य सरकार ने मंगलवार को कोर्ट से मोदी और शी चिनफिंग के स्वागत में बैनर लगाने की इजाजत मांगी थी।

**नया कदम**

पर्यावरण मंत्री ने कहा, लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार लोगों को करेगी जागरूक, सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को लेकर लोगों के व्यवहार में बदलाव चाहती है सरकार

# स्वच्छ भारत अभियान का दूसरा चरण होगा प्लास्टिक से मुक्ति

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** स्वच्छ भारत अभियान के तहत 10 करोड़ शौचालय बनाने के बाद सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति सरकार का अगला लक्ष्य है। देश को प्लास्टिक से मुक्ति दिलाना स्वस्थ भारत अभियान का दूसरा चरण होगा। पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने गुरुवार को यह बात कही। उन्होंने कहा,अगले तीन साल में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाएगी।

इस साल स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण की रक्षा के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति की अपील की थी। तब से केंद्र और कई राज्य सरकारें इस पर लगाम के लिए विभिन्न कदमों का एलान कर चुकी हैं। जावडेकर ने कहा, जैसे शौचालयों का निर्माण स्वच्छ भारत अभियान का पहला चरण था, उसी तरह प्लास्टिक से मुक्ति इसका दूसरा चरण होगा। बापू की 150वीं जयंती से इस अभियान को शुरू किया गया है और 2022 तक लक्ष्य हासिल करना है। पर्यावरण मंत्रालय देश के 500 से ज्यादा राष्ट्रीय पार्कों, चिड़ियाघरों, अभयारण्यों को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त होने का निर्देश दे चुका है।

प्रकाश जावडेकर फाइल फोटो

जावडेकर ने कहा, सरकार सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना चाहती है। विभिन्न मंत्रालय एवं विभाग इस दिशा में काम कर रहे हैं। भाजपा 'प्लास्टिक नहीं, कपड़ा सही' के स्लोगन के साथ कॉटन बैग बांट रही है। उन्होंने कहा, 'उद्योग जगत विकल्पों पर विचार कर रहा है और अब इसमें गति आएगी क्योंकि लोग भी ऐसा चाहते हैं। हम ठोस कचरा एवं प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की दिशा में भी सुधार कर रहे हैं।'

**पेड न्यूज से ज्यादा खतरनाक है फेक न्यूज :** केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने फर्जी खबरों (फेक न्यूज) को पेड न्यूज से ज्यादा खतरनाक बताया है। मंत्री ने कहा, 'फर्जी खबरों को रोकना होगा और यह सभी का काम है। जो सचमुच खबरों की दुनिया में हैं, उन्हें इससे लड़ना होगा।' उन्होंने फर्जी खबरों के कारण बच्चा चोरी के संदेह में भीड़ द्वारा कुछ लोगों की जान जाने की घटनाओं का भी जिक्र किया। मंत्री ने कहा कि कुछ चैनल 'वायरल सच' जैसे कार्यक्रम चलाकर फर्जी खबरों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। प्रिंट मीडिया को भी ऐसा स्थायी कॉलम रखना चाहिए। जावडेकर ने प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और फिल्मों की भांति ओवर द टॉप (ओटीटी) मंच के लिए भी स्वनियमन की वकालत की। उन्होंने कहा, 'ओटीटी पर लगातार सिनेमा आ रहा है जिसमें अच्छा, बुरा और बहुत बुरा भी होता है। ओटीटी मंचों के लिए कोई प्रमाणन संस्था नहीं है। समाचार पोर्टल के लिए भी यही स्थिति है।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगी जिसे मीडिया की आजादी प्रभावित हो। ओटीटी मंचों में समाचार पोर्टल, वेब स्ट्रीमिंग साइट जैसे हॉटस्टार, नेटफ्लिक्स और आमेजन प्राइम वीडियो आते हैं।

## उप्र सहित 15 राज्यों में चलेगा सेल्फी विथ स्पर्श ट्री अभियान

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली :** पर्यावरण संरक्षण और पौध रोपण को बढ़ावा देने के लिए सेल्फी विथ स्पर्श ट्री के नाम से एक नया अभियान शुरू किया गया है। यह उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित देश के 15 राज्यों में चलेगा। इसके तहत साल भर में करीब दस लाख पौधे रोपे जाएंगे। अभियान में युवाओं के साथ बड़ी संख्या में शिक्षण संस्थानों और गैर-सरकारी संस्थानों को जोड़ा गया है।

नमामि गंगे प्रोजेक्ट की प्रमोटर और केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक की पुत्री आरुषी निशंक ने गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर दिल्ली से इसकी शुरुआत की। इसके तहत पौधरोपण के बाद उसक साथ एक सेल्फी भी लेना है। इस दौरान दिल्ली के यमुनेश्वर घाट, राम घाट और यमुना बाजार घाट में पौधरोपण किया गया है। आरुषी ने इस मौके पर कहा कि पेड़ प्रकृति की वह देन है, जिसका कोई विकल्प मौजूद नहीं है। पेड़ हमारा सबसे घनिष्ठ मित्र है। उन्होंने लोगों से दिवाली और नए साल के मौके पर उपहार में पौधा देने की सलाह दी।

**कह के रहेंगे** माधव जोशी

# हरियाणा में अपनों की ही घेराबंदी कर रहे हैं कांग्रेसी

## राज्य में खुलेआम संग्राम ने बढ़ाई हाईकमान की चिंता, स्टार प्रचारकों को सूबे में भेजना पार्टी के लिए चुनौती

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

भूपेंद्र सिंह हुड्डा।

अशोक तंवर।

कुमारी शैलजा। सभी फाइल

चुनावी मैदान में भाजपा की सत्ता को चुनौती देने की बजाय हरियाणा में खुलेआम घमासान ने कांग्रेस हाईकमान की चिंता बढ़ा दी है। भाजपा को चुनावी मुद्दों पर घेरने की बजाय अपने नेताओं के बीच एक दूसरे की घेरेबंदी की कांग्रेस में तेज हुई सियासत थम नहीं रही तो दूसरी ओर हाईकमान के लिए अपने स्टार प्रचारकों को सूबे में भेजना भी चुनौती बन रही है। कांग्रेस के स्टार प्रचारक नवजोत सिंह सिद्धू को प्रचार के लिए हरियाणा भेजे जाने को लेकर सूबे के नेताओं और उम्मीदवारों की ओर से मनाही का संदेश भेजा जा रहा है। तर्क है कि सिद्धू के लच्छेदार भाषणों को सुनने के लिए भीड़ तो आती है मगर उनके विवादित बोल उम्मीदवार के लिए भारी पड़ सकते हैं।

चुनाव अभियान के बीच इन चौतरफा चुनौतियों से जूझ रहे पार्टी नेतृत्व को हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अशोक तंवर ने गुरुवार को एक और झटका दे दिया। अपने समर्थकों को टिकट नहीं मिलने से नाराज तंवर ने हरियाणा में पार्टी की चुनाव समितियों से जुड़े सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। तंवर ने एक दिन पहले ही बंटवारे में पैसे का खेल होने के आरोप लगाते हुए पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी शैलजा पर खुला प्रहार किया था। कांग्रेस ने जैसे ही गुरुवार को सूबे की बाकी बची छह सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा की तो हताश तंवर ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को चुनावी समितियों से इस्तीफा भेजने में देर नहीं लगाई। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के फैसलों से इस तरह खुलेआम असहमति जाहिर कर तंवर ने हाईकमान को साफ तौर पर असहज कर दिया है। खासकर यह देखते हुए कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से निकटता के कारण हुड्डा के न चाहते हुए भी तंवर करीब छह वर्षों तक हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष बने रहे। पार्टी चुनाव प्रबंधन टीम के एक पदाधिकारी ने कहा कि उम्मीदवारों की घोषणा के बाद तंवर का कदम नेतृत्व को असहज करने वाला है। उन्होंने इस बात की अनदेखी की है कि हुड्डा को चुनावी कमान सौंपने से लेकर टिकट बंटवारे पर मुहर कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की है। उन्होंने यह भी माना कि राजनीति में कई बार ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं लेकिन तंवर का रवैया चुनाव में पार्टी के लिए अच्छा संदेश कतई नहीं है।

### अहमद पटेल ने हुड्डा से पूछा, 'पार्टी गई कहां?'

**नई दिल्ली, आइएएनएस** : हरियाणा में चुनाव से पहले कांग्रेस के शीर्ष नेताओं का एक वीडियो वायरल हुआ है। संसद भवन कांप्लेक्स में के इस वीडियो में अहमद पटेल और हरियाणा कांग्रेस के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पार्टी से जुड़े मामलों पर चर्चा कर रहे हैं। जबकि हरियाणा मामलों के प्रभारी गुलाम नबी आजाद उन्हें देख रहे हैं। वीडियो में नाराज अहमद पटेल हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा से पूछ रहे हैं कि राज्य में 'पार्टी गई कहां?'

# आपस में नहीं टकराएगा देवीलाल का परिवार

**सुधीर तंवर, चंडीगढ़**

दुष्यंत चौटाला।

अभय चौटाला

नैना चौटाला। सभी फाइल

पारिवारिक कलह में दोफाड़ हो चुके ताऊ देवीलाल के 'कुनबे' का कोई सदस्य विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ नहीं उतरेगा। चुनावी रण में चाचा अभय चौटाला से सीधा पंगा लेने की बजाय दुष्यंत चौटाला ने बांगर बेल्ट की उचाना विधानसभा सीट को चुना है।

इसी तरह डबवाली में देवर व भाजपा प्रत्याशी आदित्य देवीलाल चौटाला से टक्कर में वोट बंटने का खतरा देख नैना चौटाला अब दादरी जिले की बाढ़डा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। नैना डबवाली से विधायक रही हैं। जाट बाहुल्य बाढ़डा हलका भिवानी संसदीय क्षेत्र में पड़ता है और यहां से उनके पति डॉ. अजय चौटाला सांसद रह चुके हैं। स्व. उपप्रधानमंत्री देवीलाल की तीसरी और चौथी पीढ़ी में तकरार के कारण इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) से अलग होकर अस्तित्व में आई जननायक जनता पार्टी पहली बार विधानसभा चुनाव के रण में उतरी है।

ताऊ देवीलाल के पौत्र अभय चौटाला जहां इनेलो के गढ़ कहे जाने वाले ऐलनाबाद में फिर से मैदान में उतरे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के पौत्र और जजपा संरक्षक दुष्यंत चौटाला उचाना हलके से चुनावी रण में उतरे हैं। वहां पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सदस्य चौ.बीरेंद्र सिंह और हिसार के सांसद बृजेंद्र सिंह की विधायक मां प्रेमलता भाजपा की उम्मीदवार हैं।

दुष्यंत को संसदीय चुनाव के दौरान उचाना हलके में खासा समर्थन मिला था, जिसका फायदा उठाने के लिए उन्होंने इसी हलके से ताल ठोकी है। इससे साथ लगते विस क्षेत्र जींद में उपचुनाव में दुष्यंत के छोटे भाई दिग्विजय चौटाला जजपा के चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरे थे, लेकिन दूसरे स्थान पर रहते हुए चुनाव हार गए। लोकसभा चुनावों में भी दिग्विजय सोनीपत से मैदान में उतरे, लेकिन तीसरे नंबर पर रहे।

### सिरसा से पहली बार बाहर निकलीं नैना चौटाला

विधानसभा के चुनावी रण में नैना चौटाला पहली बार गृह जिले सिरसा से बाहर निकली हैं। इसके अलावा पंजाब से लगते सिरसा में इनेलो और शिरोमणि अकाली दल के बीच गठबंधन से चुनावी समीकरण बदले हैं। इसके मद्देनजर दुष्यंत और नैना चौटाला ने हलका बदलने में परहेज नहीं किया।

# दिग्गजों ने नामांकन के साथ शुरू किया चुनावी अभियान

चरखी दादरी में दादरी हलके से नामांकन करती भाजपा प्रत्याशी बबीता फोगाट। जागरण

**जागरण टीम, हरियाणा**

- **आदमपुर से कुलदीप बिश्नोई, कैथल से रणदीप सुरजेवाला, यमुनानगर से कंवरपाल गुर्जर ने किया नामांकन**
- **रेवाड़ी से कांग्रेस प्रत्याशी चिरंजीव राव के लिए पहुंचे बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव**

हरियाणा विधानसभा चुनाव के रण में उतरे दिग्गजों ने बृहस्पतिवार को नामांकन के साथ अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है। नामांकन के दौरान कई बड़े नेताओं की मौजूदगी भी पार्टियों के कार्यकर्ताओं में जोश भरती रही।

कैथल जिले में कैथल हलके से कांग्रेस प्रत्याशी रणदीप सुरजेवाला, कलायत विस क्षेत्र से कांग्रेस के ही जयप्रकाश व भाजपा प्रत्याशी कमलेश ढांडा ने पर्चा भरा। कुरुक्षेत्र जिले में थानेसर से भाजपा प्रत्याशी सुभाष सुधा, लाडवा से भाजपा प्रत्याशी डॉ. पवन सैनी, शाहबाद से भाजपा प्रत्याशी कृष्ण बेदी ने नामांकन दाखिल किया। वहीं लाडवा से इनेलो प्रत्याशी सपना बड़शामी, पेहवा से आजाद प्रत्याशी संदीप ओंकार ने भी पर्चा भरा। यमुनानगर जिले में यमुनानगर हलके से विधायक घनश्याम दास अरोड़ा और जगाधरी से विस अध्यक्ष कंवरपाल गुर्जर ने नामांकन भरा। कंवरपाल के साथ भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन भी मौजूद रहे।

सोनीपत में कैबिनेट मंत्री कविता जैन ने भाजपा उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल भी मौजूद थे। रेवाड़ी जिले में रेवाड़ी हलके से कांग्रेस प्रत्याशी चिरंजीव राव ने नामांकन दाखिल किया। चिरंजीव का नामांकन भरवाने के लिए उनके साले व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव विशेष तौर पर पहुंचे। महेंद्रगढ़ जिले में महेंद्रगढ़ विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी प्रो. रामबिलास शर्मा ने नामांकन किया। शिक्षा मंत्री के नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल मौजूद रहे। इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से राजेंद्र कुमार ने पर्चा भरा। गुरुग्राम जिले में गुड़गांव सीट से आम आदमी पार्टी के रणबीर राठी ने नामांकन किया। पटौदी से भाजपा के सत्यप्रकाश जरावता, इनेलो से सुखबीर तंवर, जजपा से दीपचंद ने नामांकन किया। पलवल जिले में पलवल हलके से कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह दलाल ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मौजूदगी में नामांकन किया। सिरसा जिले में ऐलनाबाद हलके से इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला, डबवाली से भाजपा नेता आदित्य देवी लाल ने नामांकन किया। फतेहाबाद जिले में टोहाना सीट से भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला व फतेहाबाद से कांग्रेसी नेता प्रहलाद सिंह गिल्लाखेड़ा ने नामांकन दाखिल किया। झज्जर जिले में भाजपा के बादली हलके से प्रत्याशी ओमप्रकाश धनखड़, झज्जर सीट से राकेश कुमार ने पर्चा भरा। दादरी से भाजपा प्रत्याशी बबीता फोगाट और बाढड़ा सीट से कांग्रेस के रणबीर महेंद्रा और भाजपा के सुखविंदर मांडी ने नामांकन दाखिल किया। हिसार में आदमपुर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप बिश्नोई और नारनौंद से भाजपा के कैप्टन अभिमन्यु ने नामांकन किया।

### भाजपा को भारत, कांग्रेसियों को सोनिया में दिखती है माता : खट्टर

**संवाद सहयोगी, नारनौंद (हिसार)** : मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मां के नाम पर भाजपा वालों को जहां भारत माता याद आती है, वहीं कांग्रेसियों को सोनिया माता। भाजपा की विचारधारा हरियाणा के सवा दो करोड़ नागरिकों को अपना परिवार मानने की रही है, जबकि कांग्रेस स्वयं हित के लिए लड़ते झगड़ते रहते हैं। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को नारनौंद में भाजपा प्रत्याशी कैप्टन अभिमन्यु के नामांकन से पहले आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री डा. संजीव बाल्यान भी मौजूद रहे। मनोहरलाल ने कहा कि हरियाणा की जनता भाजपा की सरकार चुनने जा रही है।

### भारतीय मुस्लिम आतंकी गतिविधियों में नहीं शामिल : शहनवाज

**जागरण संवाददाता, यमुनानगर** : इतनी बड़ी तादाद में मुस्लिम पाकिस्तान में नहीं हैं जितने हिंदुस्तान में हैं। वहां के मुसलमान आतंकी गतिविधियों में संलिप्त हैं, लेकिन हमारे यहां को कोई भी मुसलमान इस प्रकार की गतिविधि में शामिल नहीं है। भाजपा को सांप्रदायिक पार्टी कहते हैं। ऐसा नहीं है। इस सरकार ने हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई किसी के साथ भेदभाव नहीं है। यह बात भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने जगाधरी की पुरानी अनाज मंडी में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। यहां वे यमुनानगर विधानसभा में पहुंचे। यहां पर बोले कि नरेंद्र मोदी को गुजरात से भी ज्यादा हरियाणा की जनता प्यारी है।

# गाजे-बाजे के साथ आदित्य ने किया नामांकन

## महाराष्ट्र चुनाव ▸ ठाकरे परिवार से पहली बार चुनाव के मैदान में उतरा कोई सदस्य

**राज्य ब्यूरो, मुंबई**

यह शिवसेना के लिए उत्सव का दिन था। 29 वर्षीय आदित्य ठाकरे ने गुरुवार को वरली विधानसभा सीट के लिए गाजे-बाजे के साथ नामांकन किया। इस अवसर पर उनके पिता व शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, मां रश्मि ठाकरे और भाई तेजस ठाकरे आदि मौजूद रहे। पहली बार ठाकरे परिवार का कोई सदस्य चुनावी मैदान में उतरा है। उधर, भाजपा के चंद्रकांत पाटिल, कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार, राकांपा प्रमुख शरद पवार के पोते रोहित पवार व धनंजय मुंडे आदि ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, मंत्री सुधीर मुनगंटीवार व राधाकृष्ण विखे पाटिल शुक्रवार को नामांकन करेंगे।

आदित्य ने पिछले सप्ताह विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा स्वयं वरली की एक सभा में की थी। तब उनके पिता वहां मौजूद नहीं थे, लेकिन नामांकन के समय वह उपस्थित रहे। नामांकन के लिए निकलने के पहले खुद आदित्य ने एक तस्वीर ट्वीट की, जिसमें वह अपने दादा एवं शिवसेना संस्थापक बालासाहब ठाकरे की तस्वीर के सामने सिर झुकाकर आशीर्वाद लेते दिख रहे हैं। आदित्य का नामांकन जुलूस लोअर परेल से शुरू होकर वरली स्थित नामांकन कार्यालय तक गाजे-बाजे के साथ पहुंचा। इस दौरान वह एक खुले वाहन पर खड़े होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रहे थे और शिवसैनिक नाच-गा रहे थे। जुलूस में एक नया नारा भी गूंजा- 'शिवसेना भी तैयार और सेनापति भी।'

बेटे के नामांकन के बाद उद्धव ने शिवसैनिकों एवं वरली के मतदाताओं के साथ-साथ आदित्य के लिए अपनी सीट छोड़ने वाले विधायक सुनील शिंदे का आभार व्यक्त किया। उद्धव ने कहा कि समय बदल रहा है। अब नई पीढ़ी देश को आगे ले जाएगी। आदित्य ने कहा, 'लोगों का अपार समर्थन मिलता देख मुझे अच्छा लग रहा है।' आदित्य के रोड शो में भाजपा और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के झंडे भी लहरा रहे थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने भी ट्वीट करके आदित्य को शुभकामनाएं दीं। माना जा रहा है कि चुनाव बाद राज्य की सरकार बनने की स्थिति में शिवसेना आदित्य ठाकरे को उपमुख्यमंत्री के रूप में पेश कर सकती है।

**राजनीति में 10 साल से हैं सक्रिय :** आदित्य महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले 10 साल, यानी 19 वर्ष की उम्र से ही सक्रिय हैं। इन 10 वर्षों में उन्होंने न सिर्फ पूरे महाराष्ट्र का सघन दौरा किया, बल्कि एक-एक क्षेत्र की समस्याओं को जानने का प्रयास भी किया है। अब तक वह दो लोकसभा, दो विधानसभा एवं मुंबई महानगरपालिका सहित कई नगर निगमों के चुनावों का प्रत्यक्ष अनुभव भी ले चुके हैं।

**अपने पिता से अमीर हैं आदित्य:** आदित्य ने नामांकन पत्र के साथ संलग्न हलफनामे में अपनी संपत्ति 11 करोड़ व 38 लाख रुपये बताई है। उनके पिता उद्धव की कुल संपत्ति सिर्फ एक करोड़, 64 लाख, 16 हजार व 302 रुपये बताई गई है। आदित्य की कुल संपत्ति- अचल 4.67 करोड़ रुपये, बैंक में जमा 10.36 करोड़ रुपये, बांड-शेयर 20.39 लाख रुपये, नकदी 13,344 रुपये, एक बीएमडब्ल्यू कार 6.50 लाख रुपये, जेवरात 64.65 लाख रुपये एवं अन्य 10.22 लाख रुपये।

**भाजपा के हुए महाराष्ट्र के पूर्व सीएम नारायण राणे के बेटे नितेश :** पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे के बेटे व कांग्रेस के पूर्व विधायक नितेश राणे ने गुरुवार को भाजपा का दामन थाम लिया। वह कोंकण की कांकावली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

मुंबई में वरली विधानसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद आदित्य ठाकरे अपने पिता और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के साथ। प्रेट्र

### भाजपा की तीसरी सूची से भी तावड़े-खडसे गायब

**राज्य ब्यूरो, मुंबई** : भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की तीसरी सूची भी जारी कर दी है। इसमें भी एकनाथ खडसे, विनोद तावड़े व चंद्रशेखर बावनकुले जैसे दिग्गज नेताओं के नाम नहीं हैं। चार उम्मीदवारों की तीसरी सूची में शिरपुर (सुरक्षित) सीट से तीन दिन पहले ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए पूर्व विधायक काशीराम पावरा, रामटेक से डॉ. मल्लिकार्जुन रेड्डी, साकोली से परिणय फुके और मलाड पश्चिम से रमेश सिंह ठाकुर के नाम शामिल हैं। भाजपा की पहली सूची में 125 व दूसरी में 14 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई थी। शुक्रवार को नामांकन की अंतिम तिथि है। अब भाजपा के पास ज्यादा उम्मीदवारों की घोषणा करने की गुंजाइश भी नहीं बची है। खडसे और तावड़े 2014 में देवेंद्र फड़नवीस के साथ मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे। खडसे गोपीनाथ मुंडे के करीबी रहे हैं।

### चुनाव प्रचार न करने की घोषणा की संजय निरुपम ने

**राज्य ब्यूरो, मुंबई** : मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद संजय निरुपम ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए प्रचार न करने का फैसला किया है। यह जानकारी उन्होंने ट्वीट कर दी है। एक पसंदीदा को विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनाए जाने से वह नाराज चल रहे हैं। निरुपम के अनुसार ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस को उनकी सेवाओं की जरूरत अब और नहीं है। मैंने मुंबई में विधानसभा के लिए सिर्फ एक टिकट की सिफारिश की थी। सुनने में आ रहा है कि उसे भी नहीं माना गया है। मैं पहले ही पार्टी नेतृत्व को बता चुका हूं कि ऐसी स्थिति में मैं पार्टी के लिए प्रचार नहीं करूंगा। यह मेरा अंतिम निर्णय है। निरुपम ने आगे कहा है कि हालांकि अभी पार्टी को गुड बाय कहने का समय नहीं आया है। लेकिन पार्टी नेतृत्व मेरे साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहा है, उससे यही लगता है कि वह दिन भी ज्यादा दूर नहीं है। बता दें कि संजय निरुपम शिवसेना छोड़कर कांग्रेस में आए थे।

**महाराष्ट्र विस चुनाव के लिए कांग्रेस ने जारी की चौथी सूची :** महाराष्ट्र में 21 अक्टूबर को होने वाले चुनाव के लिए कांग्रेस ने चौथी सूची जारी की है। इसमें 17 प्रत्याशियों के नाम हैं। पार्टी अब तक कुल 140 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर चुकी है। विधानसभा में कुल 288 सीटें हैं। पार्टी की तरफ से जारी चौथी सूची में सुशील अमृतराव राणे का नाम नया है। उन्हें कोंकण के कांकावली से उतारा गया है।

# भाजपा व जजपा के समर्थकों में भिड़ंत, हुआ पथराव

**जागरण संवाददाता, नूंह**

हरियाणा की नूंह विधानसभा सीट से नामांकन करने से पहले बृहस्पतिवार की सुबह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जननायक जनता पार्टी (जजपा) के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। गुरुग्राम-अलवर हाईवे पर हुए झगड़े में लाठी-डंडे चले और पथराव हुआ। इस झगड़े में दोनों पक्षों के कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलने पर सुरक्षाकर्मियों ने मोर्चा संभालने के बाद हालात सामान्य हुए।

नूंह विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी जाकिर हुसैन के समर्थक सुबह दिल्ली-गुरुग्राम-अलवर हाईवे से होते हुए नूंह स्थित पटेल वाटिका जा रहे थे। वहां एकत्र होने के बाद नामांकन करने के लिए जाना था। आरोप है कि कुछ समर्थकों ने हाईवे किनारे स्थित जजपा प्रत्याशी तैयब हुसैन के कार्यालय के सामने आतिशबाजी कर दी। इस पर तैयब हुसैन के समर्थकों ने विरोध किया तो झगड़ा शुरू हो गया। इसके बाद लाठी निकाल ली गई तथा एक दूसरे के वाहनों को तोड़ने लगे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस व अर्धसैनिक बल मौके पर पहुंचे। सुरक्षाकर्मियों ने हालात को काबू में किया। वहां के बाद दोनों पार्टियों के समर्थक नूंह बस स्टैंड के पास होडल चौक पर भिड़ गए और वहां भी जाम लगा दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। इस दौरान कुछ शरारती तत्वों ने राहगीरों के वाहन क्षतिग्रस्त कर दिये।

मौके पर पहुंचे डीएसपी वीरेंद्र सिंह व अनिल कुमार ने बताया कि स्थिति को काबू में ले लिया गया, मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल कोई शिकायत नहीं मिली है।

नूंह गुरुग्राम-अलवर हाइवे पर जजपा व भाजपा समर्थकों के झगड़े में क्षतिग्रस्त गाड़ी। जागरण

### झारखंड में विस चुनाव में टोकन सिस्टम से करेंगे मतदान

**राज्य ब्यूरो, रांची** : इस बार झारखंड विधानसभा चुनाव में वोटरों को लाइन में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने इस बार चुनाव में सभी बूथों पर लाइन की जगह टोकन की व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। इससे मतदाताओं को लंबी कतार में खड़े होने की मजबूरी नहीं होगी। मिली जानकारी के अनुसार, चुनाव में सभी बूथों पर मतदाताओं की संख्या के अनुसार कुर्सियों की व्यवस्था की जाएगी। मतदाता बूथ पर आकर टोकन लेकर उन कुर्सियों पर बैठेंगे तथा अपनी बारी आने पर वोट दे सकेंगे। बैंक, डाकघर और प्राइवेट सेक्टर के कार्यालयों में लागू टोकन सिस्टम की तरह ही इस बार विधानसभा चुनाव में इसे लागू किया जा रहा है। इससे सबसे अधिक सहूलियत महिलाओं, बुजुर्गों, बीमार मतदाताओं तथा दिव्यांगों को होगी। कई बार ऐसा देखा गया है कि मतदाता लंबी लाइन को देखकर बिना वोट डाले वापस चले जाते हैं।

# भाजपा ने रास उपचुनाव में सुधांशु त्रिवेदी और सतीश दूबे को उतारा

**नई दिल्ली, प्रेट्र** : भाजपा ने गुरुवार को राज्यसभा उपचुनाव के लिए राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी तथा पूर्व लोकसभा सदस्य सतीश दूबे को उत्तर प्रदेश व बिहार से उम्मीदवार बनाया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली व मशहूर वकील राम जेठमलानी के निधन से दोनों सीटों पर उपचुनाव जरूरी हो गया था। जेठमलानी को बिहार से राजद ने राज्यसभा में भेजा था। जेटली वर्ष 2018 में राज्यसभा सदस्य बने थे और उनका कार्यकाल वर्ष 2024 तक था।

अंग्रेजी व हिंदी भाषाओं पर समान अधिकार रखने वाले त्रिवेदी भाजपा से जुड़ने के वर्षों बाद पहली बार संसद सदस्य बनेंगे। उत्तर प्रदेश में भाजपा को पूर्ण बहुमत होने के कारण त्रिवेदी की जीत तय मानी जा रही है। दूबे वर्ष 2014 में भाजपा के टिकट पर लोकसभा सदस्य चुने गए थे। अपनी सीट जदयू के खाते में जाने के बाद वह बागी हो गए थे। बिहार में राजग को बहुमत होने के कारण दूबे की भी जीत पक्की मानी जा रही है।

**अरुण जेटली व राम जेठमलानी के निधन के बाद खाली हुई हैं सीटें**

सतीश दूबे और सुधांशु त्रिवेदी। फाइल

# सात साल के बाद जदयू ने चुकाया भाजपा का उधार

**अरुण अशेष, पटना**

**2012 में भाजपा ने जदयू के लिए छोड़ी थी राज्यसभा की एक सीट**

आम लोगों की तरह राजनीति में भी उधार का कारोबार होता है। हां, उधार लौटाने के बारे में कोई लिखित करार नहीं होता। रसूख वाले लोग याद दिलाने पर उधार लौटा देते हैं। राजद के राम जेठमलानी के निधन के चलते बिहार से राज्यसभा की इकलौती सीट पर हो रहे उपचुनाव में जदयू ने यही किया। याद दिलाने पर वह अपने सहयोगी भाजपा का उधार लौटा दिया। जदयू पर भाजपा का यह उधार 2012 से चढ़ा हुआ था।

2012 में जदयू-भाजपा की साझा सरकार थी। विधानसभा में जदयू विधायकों की संख्या 118 थी। भाजपा के 91 सदस्य थे। 243 सदस्यीय विधानसभा में विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी राजद के सिर्फ 22 सदस्य थे। उस साल राज्यसभा की पांच सीटें खाली हुई थीं। विधायकों की सदस्य संख्या के हिसाब से विपक्ष का कोई उम्मीदवार राज्यसभा में नहीं जा सकता था। तय हुआ कि पांच में से तीन सीटें जदयू को मिलेंगी। दो भाजपा के हिस्से में जाएंगी। सीटों के बंटवारे का यह फार्मूला दोनों दलों को मंजूर था। इधर जदयू अपने वरिष्ठ नेता और प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह को हर हाल में राज्यसभा में भेजना चाहता था। उसके पास राज्यसभा के तीन उम्मीदवार अली अनवर अंसारी, किंग महेंद्र प्रसाद और अनिल सहनी का दावा सामाजिक समीकरण के चलते पहले से बना हुआ था। इनमें से किसी का नाम काटकर वशिष्ठ नारायण सिंह को राज्यसभा में भेजने के बदले जदयू ने एक सीट छोड़ने का आग्रह किया। कहा गया कि अगली बार जब कभी जदयू का दावा बनेगा, वह भाजपा को एक अतिरिक्त सीट दे देगा। इस तरह 2012 में जदयू के खाते से और भाजपा के एकमात्र सदस्य रविशंकर प्रसाद बिहार से राज्यसभा में भेजे गए। जदयू को उधार चुकाने का मौका 2014 और 2016 में मिल सकता था। लेकिन, उन दोनों द्विवार्षिक चुनावों में भाजपा-जदयू के बीच टकराव चल रहा था। 2018 में भाजपा के पास किसी को कई राज्यों से राज्यसभा में भेजने का विकल्प था। जदयू के पास अपने उम्मीदवारों की जरूरत के लायक सीटें नहीं थीं। ऐसे में राजद के हिस्से की एक सीट खाली हुई और भाजपा के याद दिलाने पर जदयू ने उधार चुका दिया।

**रणनीति**

पार्टी लाइन तोड़ चुकीं रायबरेली की विधायक अदिति सिंह के अगले कदम पर निगाहें, राकेश सिंह भी खुलकर भाजपा के साथ, मोदी-योगी को बताया 'महात्मा गांधी'

# उप्र में कांग्रेस की बुनियाद हिलाने में जुटी भाजपा

**राज्य ब्यूरो, लखनऊ**

अमेठी पहले ही छीन चुकी भाजपा अब उप्र में कांग्रेस के इकलौते किले रायबरेली की बुनियादें हिलाने में भी जुट गई है। विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान दो दिनों में हुए घटनाक्रम ने सत्ताधारी दल की रणनीति और कमजोर होती कांग्रेस की काफी हद तक तस्वीर साफ कर दी है। विधानसभा के विशेष सत्र में शामिल न होकर कांग्रेस ने भाजपा का शो फीका करने की कोशिश की लेकिन, रायबरेली सदर की कांग्रेस विधायक अदिति सिंह ने सदन में उपस्थित होकर अपने ही दल के अभियान का पलीता लगा दिया। इसी तरह अब तक पर्दे के पीछे से भाजपा का साथ दे रहे हरचंदपुर से कांग्रेस विधायक राकेश सिंह ने गुरुवार को सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आज का 'महात्मा गांधी' कहकर अपनी मंशा साफ कर दी। भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की परंपरागत सीट अमेठी जीत कर राहुल गांधी को न केवल अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया, बल्कि रायबरेली में भी चूलें हिला दीं। रायबरेली से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी चुनाव जीत गईं लेकिन, भाजपा ने वहां उनके प्रमुख सहयोगियों को अपने पाले में करने का सिलसिला शुरू कर दिया। चुनाव से पहले विधान परिषद में कांग्रेस दल नेता दिनेश प्रताप सिंह को भाजपा ने अपने पाले में कर लिया। दिनेश ने लोकसभा चुनाव में सोनिया को टक्कर देते हुए उनकी जीत का अंतर कम किया। दिनेश सिंह के बाद अदिति सिंह के सुर अपने दल के खिलाफ हो गए हैं। रायबरेली के पूर्व विधायक अखिलेश सिंह की पुत्री अदिति सिंह ने 2017 में चुनाव मैदान में उतारकर कांग्रेस ने अपनी जमीन मजबूत की थी, लेकिन अब निगाहें अदिति के अगले कदम पर टिकी हैं। उम्मीद यही है कि वह भाजपा का दामन थामेंगी।

**...तो यहां शून्य हो जाएगी कांग्रेस:** विधानसभा चुनाव 2017 में रायबरेली की पांच में से दो-दो सीटों पर भाजपा और कांग्रेस जीतीं, जबकि एक सीट सपा के पाले में गई। अब यदि अदिति और राकेश पाला बदलते हैं तो चार सीटें पर भाजपा विधायक हो जाएंगे और कांग्रेस शून्य हो जाएगी।

कांग्रेस विधायक अदिति सिंह। जागरण

### अदिति को वाई-प्लस सुरक्षा

रायबरेली की कांग्रेस विधायक अदिति सिंह की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। शासन ने उन्हें वाई-प्लस श्रेणी की सुरक्षा उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। आदेश होते ही गुरुवार सुबह ही उनकी सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अब एस्कार्ट व अतिरिक्त गनर प्रदान किये गये हैं। गौरतलब है कि अदिति ने कांग्रेस के फैसले के खिलाफ जाकर बुधवार को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के मौके पर विधानसभा के विशेष सत्र में पहुंचकर सभी को चौंका दिया था। उनके इस कदम को लेकर कई तरह के कयास लगाये जा रहे हैं।

### बिहार उप चुनाव में 51 प्रत्याशी आजमाएंगे भाग्य

**राज्य ब्यूरो, पटना** : बिहार में लोकसभा की एक और विधानसभा की पांच सीटों के उप चुनाव में कुल 51 प्रत्याशी भाग्य आजमाएंगे। इसमें लोकसभा की एक सीट पर आठ प्रत्याशी और विधानसभा की पांच सीट पर 43 प्रत्याशी मैदान में डटे गए हैं। नाम वापसी के अंतिम दिन तीन अभ्यर्थियों ने पर्चा वापस लिया।

उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी बैजू सिंह ने बताया कि समस्तीपुर लोकसभा सीट पर कुल आठ प्रत्याशी हैं। किशनगंज विधानसभा सीट पर आठ प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं। सिमरी बख्तियारपुर में अंतिम दिन दो अभ्यर्थियों ने पर्चा वापस लिया। अब छह उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं। दरौंदा में अंतिम दिन एक अभ्यर्थी ने पर्चा वापस लिया है। अब मैदान में कुल 11 प्रत्याशी ताल ठोक रहे हैं। नाथनगर में सर्वाधिक 14 उम्मीदवार भाग्य आजमाएंगे। सबसे कम चार प्रत्याशी बेलहर विधानसभा सीट पर किस्मत आजमाएंगे। उपचुनाव के लिए 21 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। 24 अक्टूबर को मतगणना होगी।

**2.10** लाख श्रद्धालु अब तक नवरात्र में कर चुके हैं माता वैष्णो देवी के दर्शन। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ सिमरनदीप सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रोजाना 42 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पवित्र गुफा के दर्शनों के लिए आ रहे हैं।



# कश्मीर के हायर सेकंडरी स्कूलों में 60 दिन बाद बजी घंटी

**राज्य ब्यूरो, श्रीनगर**

कश्मीर में गुरुवार को लगभग 60 दिन बाद सभी हायर सेकंडरी स्कूल खुल गए, लेकिन अलगाववादी तत्वों और शरारती तत्वों के डर से पहले दिन अधिकांश छात्र घरों में ही रहे। हालांकि प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त कर रखे थे। इस बीच, प्रशासन ने नौ अक्टूबर से वादी में सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भी सामान्य अकादमिक गतिविधियों को बहाल करने का फैसला किया है।

पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद सुरक्षा की स्थिति को देखते हुए कश्मीर में सभी शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया था। हालात में बेहतरी को देखते हुए राज्य प्रशासन ने अगस्त के दूसरे पखवाड़े में पहले वादी में सभी प्राथमिक स्कूलों को खोला। इसके बाद 27 अगस्त को दसवीं कक्षा तक सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों को खोल दिया गया।

**शिक्षण संस्थानों के भीतर और आसपास शांत रही स्थिति** : प्रशासन ने हायर सेकंडरी स्कूलों में गुरुवार से सामान्य अकादमिक गतिविधियों को पूरी तरह बहाल होने की उम्मीद में पूरी वादी में शिक्षण संस्थानों के आसपास सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त कर रखा था। प्रशासन को आशंका थी कि शरारती तत्व वर्ष 2016 और 2017 की तरह 11वीं-12वीं के छात्रों को पथराव और हिंसक प्रदर्शनों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि वादी में कहीं भी प्रदर्शन नहीं हुआ।

कश्मीर में गुरुवार को लगभग 60 दिन बाद सभी हायर सेकंडरी स्कूलों को खोल दिया गया, हालांकि पहले दिन हाजिरी कम रही। जागरण

- नौ से सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों खोलने का फैसला
- पहले दिन हाजिरी रही कम, सुरक्षा के रहे कड़े बंदोबस्त

### स्कूल शिक्षा निदेशक बोले– आने वाले दिनों में उपस्थिति बढ़ेगी

स्कूल शिक्षा निदेशक मोहम्मद यूनिस मलिक ने कहा कि आज पूरी वादी में प्राइमरी से लेकर हायर सेकंडरी तक सभी स्कूल खुले हैं। शहरी इलाकों में छात्रों की संख्या बेशक कम रही है, लेकिन ग्रामीण अंचलों में स्थित स्कूलों में छात्रों की अच्छी खासी तादाद रही है। आने वाले दिनों में छात्रों की स्कूलों में उपस्थिति बढ़ेगी।

**स्कूलों में 60 से 80 प्रतिशत रही अध्यापकों की उपस्थिति** : स्कूल खुलने पर अध्यापकों की उपस्थिति लगभग प्रत्येक स्कूल में 60 से 80 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई। वहीं, छात्रों की संख्या बेहद कम रही। इसके अलावा स्कूल परिसर में सीआरपीएफ का शिविर बन चुका है और गेट पर तैनात जवान के पास रखे रजिस्टर पर अपना नाम पता दर्ज करने के बाद ही अध्यापक और छात्र स्कूल में दाखिल हो पाए।

**प्रिंसिपल बोले, हम छात्रों की हर मदद करने को तैयार** : जवाहर नगर स्थित एक स्कूल की प्रिंसिपल निगहत परवीन ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि आज यहां छात्र आएंगे, क्योंकि वार्षिक परीक्षा का समय भी नजदीक है, लेकिन कोई नहीं आया। हमने लैंडलाइन और निजी संपर्कों के जरिए छात्रों के साथ संपर्क बनाने का फैसला किया है, ताकि स्कूल में बच्चों की संख्या बढ़े।

**अभिभावक बोले, सभी चाहते हैं स्कूल जल्द खुलें** : तारिक अहमद नामक एक अभिभावक ने कहा कि मौजूदा हालात में अभिभावक डरे हुए हैं। इसलिए वह बच्चों को स्कूल भेजने से डरते हैं। मैंने भी अपनी बेटी को स्कूल नहीं भेजा है। अगर एक दो दिन तक हालात ठीक रहते हैं, स्कूलों के पास कोई हंगामा नहीं होता तो मैं अपनी बेटी को खुद स्कूल छोड़ने जाऊंगा।

# कश्मीर में सुबह–शाम खुलने लगे बाजार, सड़कों पर गाड़ियां भी बढ़ीं

**राज्य ब्यूरो, श्रीनगर**

कश्मीर में गुरुवार को हालात पूरी तरह सामान्य रहे। कहीं भी दिन की प्रशासनिक पाबंदियां नहीं थीं। अलगाववादियों के बंद के फरमान के बावजूद सुबह 11 बजे तक अधिकांश बाजारों में दुकानें खुली रहीं। वहीं, शाम होते ही फिर से दुकानें खुल गईं। सड़कों पर सुबह से देर शाम तक वाहनों की आवाजाही रही। सुबह श्रीनगर के जहांगीर चौक और डलगेट इलाके में ट्रैफिक जाम की स्थिति रही। इस बीच, प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए थे।

डाउन-टाउन समेत सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षाबलों की गश्त बढ़ाई गई थी। राज्य पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वादी में स्थिति पूरी तरह शांत और नियंत्रित है। किसी जगह कोई हिंसा या कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा नहीं हुई। मंडलायुक्त कश्मीर बसीर अहमद खान ने बताया कि बीते दिनों की अपेक्षा सड़कों पर

- दिन में कहीं भी नहीं थी प्रशासनिक पाबंदियां
- संवेदनशील इलाकों में रहे सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त

आम लोगों और वाहनों की आवाजाही ज्यादा रही। कई जगह दिन में भी कुछ समय के लिए व्यापारिक प्रतिष्ठान खुले रहे हैं। सरकारी कार्यालय और बैंक सामान्य दिनों की तरह ही खुले। रेहड़ी और ठेले वाले सड़कों पर सामान बेचते नजर आए। आम लोग भी सुबह शाम खरीदारी के लिए निकले।

**जबरन बंद लागू करा रहे तत्वों पर जरूरी है कठोर कार्रवाई** : इस बीच कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि बीते दो महीने से यहां जो माहौल है, उसका असर आम लोगों और कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। सरकार को चाहिए कि वह जबरन बंद लागू करा रहे तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करे। आम लोग अपना कारोबार सामान्य रूप से शुरू करना चाहते हैं।

# पाकिस्तान ने जम्मू में फिर बरसाए गोले

**नापाक पड़ोसी** ▶ दो घरों में लगी आग, दर्जनभर घरों और स्कूल की दीवारें क्षतिग्रस्त

## ग्रामीणों का हौसला बढ़ाने पहुंचे उपायुक्त ने बंकर में बिताई रात

**जागरण न्यूज नेटवर्क, जम्मू**

पाकिस्तानी रेंजर्स ने बुधवार रात फिर से कठुआ के सीमावर्ती इलाकों में गोले बरसाए। खास बात यह है कि जिस समय गोले बरस रहे थे, जिला उपायुक्त डॉ. राघव लांगर भी सीमा के करीब गांव में मौजूद थे। उन्हें तुरंत बीएसएफ के बंकर में ले जाया गया। इसके बाद उन्होंने वहीं रात गुजारी। फायरिंग से गांव मन्यारी में दो घरों में आग लग गई। इसके अलावा अन्य दर्जनों घरों की दीवारें क्षतिग्रस्त हुई हैं। फायरिंग के बीच उपायुक्त ने सुबह तक गांव में ही डेरा डाले रखा और सुबह नुकसान का निरीक्षण भी किया।

बुधवार रात शुरू हुई फायरिंग सुबह पांच बजे तक जारी रही। बीएसएफ जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। पाक रेंजर्स ने इस दौरान ट्रेस राउंड (अंधेरे में रोशनी करके लक्ष्य साधना) भी चलाए, इससे कई जगह आग लग गई। यहां बता दें कि पाकिस्तान कुछ दिनों से हीरानगर सेक्टर में अकारण गोलाबारी कर रहा है। ऐसे में ग्रामीणों का हौसला बढ़ाने बुधवार शाम जिला उपायुक्त डॉ. राघव लांगर मन्यारी गांव में पहुंचे थे। ग्रामीणों और स्थानीय अधिकारियों ने उन्हें खतरे से अवगत कराया, बावजूद इसके उन्होंने लोगों के बीच रात गुजारने की ख्वाहिश जाहिर की। रात होते ही पाकिस्तानी रेंजर्स ने रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी। भारतीय जवानों ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। बीएसएफ के अधिकारियों ने तुरंत डॉ. लांगर को बंकर में चले जाने को कहा। इस पर उन्होंने ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित बनाने के आदेश दिए। रातभर फायरिंग के बीच जिला उपायुक्त गांव में ही बने बीएसएफ के बंकर में डटे रहे और लोगों का हालचाल लेते रहे।

भारत–पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में बुधवार रातभर पाकिस्तान की ओर से की गई भारी गोलाबारी से मन्यारी गांव में जला कुल्ला। जागरण

### गोलाबारी में घर और स्कूल क्षतिग्रस्त

गांव के सरपंच मोहन लाल और काला राम ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से की गई गोलाबारी में दर्जन के करीब घरों और स्कूल की दीवारें क्षतिग्रस्त हुई हैं। जिला उपायुक्त ने आग से हुए नुकसान की रिपोर्ट बनाने को कहा है।

### उड़ी में भी दागे गोले

पाकिस्तान ने उड़ी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर भी भारी गोलाबारी की। यहां भी सैन्य चौकियों के अलावा रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बनाया। मोर्टार का गोला गिरने से यहां एक ग्रामीण की मौत हो गई।

सीमांत क्षेत्रों के लोग भी जवानों की ही तरह देशभक्त और बहादुर हैं। गोलाबारी के बीच साहस के साथ न केवल डटे हैं बल्कि जवानों का मनोबल भी बढ़ाते हैं।
**डॉ. राघव लांगर, उपायुक्त कठुआ**

# लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा– सीमा पार से एक भी गोली चली तो मिलेगा करारा जवाब

**जागरण संवाददाता, राजौरी**

पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी के मद्देनजर सेना की उत्तरी कमान प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह और 16 कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल परमजीत सिंह संघा ने राजौरी और बटोत क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगर सीमा पार से एक भी गोली चलती है तो उसका करारा जवाब दें।

उन्होंने राजौरी सेक्टर में अग्रिम चौकियों का दौरा किया और सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र के हालात पर चर्चा की। उत्तरी कमान प्रमुख और कोर कमांडर को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा हालात से निपटने की तैयारियों के बारे में अवगत कराया गया। उन्हें पांच अगस्त के बाद पाकिस्तान द्वारा युद्ध विराम उल्लंघन में बढ़ोतरी और एलओसी पर नागरिक आबादी को लक्षित करने और रिहायशी क्षेत्रों में गोले दागने की भी जानकारी दी गई। गोलाबारी की आड़ में आतंकियों की घुसपैठ रोकने के बारे में भी बताया गया। इस दौरान उत्तरी कमान और 16 कोर कमांडर ने अधिकारियों को कई दिशानिर्देश जारी किए। इसके बाद बटोत के लिए रवाना हो गए।

**तीन जवानों को किया सम्मानित** : काउंटर इंसरजेंसी फोर्स (डेल्टा) ने दोनों अधिकारियों को हाल ही में बटोत में सफल मुठभेड़ के बारे में बताया। इसमें हिजबुल मुजाहिदीन के तीन खूंखार आतंकियों को मार गिराया गया था। उत्तरी कमान प्रमुख ने बटोत में ऑपरेशन ट्राई शक्ति के दौरान तीन वीर जवानों को उनकी बहादुरी के लिए मौके पर ही सम्मानित किया।

उन्होंने एलओसी और भीतरी इलाकों में किए जा रहे सेना के जवानों व अधिकारियों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने सुरक्षाबलों और नागरिक प्रशासन के बीच तालमेल को भी सराहा।

अग्रिम चौकियों का दौरा करते लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह। एएनआइ

- उत्तरी कमान प्रमुख और 16 कोर कमांडर ने अधिकारियों को दिए निर्देश
- राजौरी और बटोत का दौरा कर सैन्य अधिकारियों से हालात पर की चर्चा

### जम्मू से दो घुसपैठिए गिरफ्तार, पूछताछ जारी

**जासं, परगवाल** : जम्मू के कानाचक्क सेक्टर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक नाबालिग घुसपैठिये को दबोचा। 85 बटालियन के जवानों ने तड़के 4:45 बजे अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक किशोर को घूमते देखा। जब पकड़ कर उससे पूछताछ की तो वह जवाब नहीं दे पा रहा था। उसकी उम्र 15 वर्ष की बताई जा रही है। बीएसएफ अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं कि वह किन हालातों में पाकिस्तान से घुसपैठ कर भारत में दाखिल हुआ। वहीं, सेना ने गुरुवार को नियंत्रण रेखा के पास से एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा है। पूछताछ के लिए उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। बताया जा रहा है कि केरी सेक्टर में एक व्यक्ति रहस्यमय तरीके से घूम रहा था। उसी समय राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने उसे दबोच लिया। पूछताछ के बाद सेना ने उसे चटियार चिंगस पुलिस के हवाले कर दिया। सीमा पर पकड़ा गया व्यक्ति मानसिक रूप से बीमार है और बंगाल का रहने वाला है।

# किश्तवाड़ से आतंकियों के तीन और मददगार गिरफ्तार

**बलवीर सिंह जम्वाल, किश्तवाड़**

- अब तक 22 आतंकी मददगारों पर हो चुके हैं मामले दर्ज
- पुलिस के मुताबिक सभी आतंकी मददगार अब आतंकी श्रेणी में आते हैं

किश्तवाड़ में फिर से आतंकवाद के फन को कुचलने के लिए पुलिस ने पूरा दम लगा दिया है। गुरुवार को तीन और आतंकी मददगारों (ओजीडब्ल्यू) के आतंकी वारदातों में शामिल होने के सुबूत मिलने पर उन पर आतंकवाद फैलाने और समर्थन करने के मामले दर्ज किए हैं। कुल मिलाकर अब तक पुलिस ने 22 आतंकी मददगारों पर मामले दर्ज किए हैं। इनमें सात पर भाजपा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेताओं की हत्या करने, पुलिस कर्मियों की राइफल छीनने और 15 पर आतंकवाद फैलाने व समर्थन करने के मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक सभी 22 आतंकी मददगार अब आतंकी श्रेणी में आते हैं।

गौरतलब है कि 13 सितंबर को पीडीपी के जिला प्रधान एडवोकेट शेख नासिर हुसैन के अंगरक्षक से राइफल छीनने के बाद ही सुरक्षा एजेंसियां सकते में आई थी कि आखिर आतंकी वारदात के बाद कहां ओझल हो जाते हैं। इसके बाद पुलिस तथा सेना ने हरकत में आते ही किश्तवाड़ शहर में तलाशी अभियान छेड़ा था। सौ से अधिक संदिग्धों को पूछताछ के आधार पर हिरासत में लिया गया। इनसे मिले सुराग के आधार पर ही चार आतंकियों को जिंदा पकड़ा। जबकि हाल ही में तीन आतंकियों को बटोत मुठभेड़ में मार गिराया था। सूत्रों के अनुसार अभी भी तीन दर्जन संदिग्ध पुलिस हिरासत में है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

इस बीच, जम्मू में सेना और पुलिस के संयुक्त कार्यदल ने गुरुवार को पीर पंजाल क्षेत्र में आतंकी ठिकाना ध्वस्त कर 17 ग्रेनेड बरामद कर बड़ी आतंकी साजिश को टाल दिया। बताया जा रहा है कि ये ग्रेनेड चीन निर्मित हैं। फिलहाल, आतंकियों की तलाश में अभियान जारी है।पुलिस को सूचना मिली थी कि पुंछ के लोरन क्षेत्र की खारा गली में आतंकियों ने अपना ठिकाना बना रखा है।

### कांग्रेस नेता के भाई शफी सरूरी की नहीं हुई गिरफ्तारी

किश्तवाड़ में भाजपा और आरएसएस नेताओं की हत्या के मामले में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री जीएम सरूरी के भाई मुहम्मद शफी सरूरी का नाम सामने आया है। इन पर आतंकियों को शरण देने और आतंकी गतिविधियों के लिए मदद करने का आरोप है। फिलहाल शफी सरूरी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

# सेना भर्ती में दिखा कश्मीरी युवाओं का जोश

**नवीन नवाज, श्रीनगर**

अनुच्छेद 370 हटते ही नए कश्मीर में सेना की सबसे बड़ी भर्ती रैली में युवाओं के चेहरों की चमक ही कुछ और थी। रंगरेथ स्थित जैकलाई रेजिमेंटल सेंटर के मैदान में प्रवेश के लिए हजारों युवाओं का जोश हिलोरे मार रहा था। यह उत्साह तब था जब आतंकियों और अलगाववादियों ने कश्मीरियों को भर्ती रैली से दूर रहने का फरमान सुना रखा है। भर्ती रैली में कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से युवा पहुंचे थे।

**कश्मीरी युवाओं में दिखा उत्साह** : भर्ती मैदान में नासिर अमीन ने कहा कि यहां मैं अकेला कश्मीरी नहीं हूं। कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से हजारों युवा भर्ती होने के लिए आए हैं। दक्षिण कश्मीर के चित्रीगाम शोपियां के नासिर ने कहा कि मैं करीब छह महीने से फौजी बनने का मौका तलाश रहा था। जुलाई में हैदरबेग पट्टन की रैली में मैं मेडिकल टेस्ट पास नहीं कर पाया था। अब मेडिकल में फिट हूं। बेमिना से आए फैयाज ने कहा कि मैं पहले भी दो बार भर्ती रैली में शामिल हो चुका हूं। दोनों बार लिखित परीक्षा में नाकाम रहा था। तीसरी बार यहां किस्मत आजमाने आया हूं। आप जानते हैं कि मैं भी पत्थरबाजी में तीन साल पहले पकड़ा गया था।

पुलिस ने मुहल्ले वालों के आग्रह पर हमें छोड़ दिया था। इसके बाद भी मैंने दोबारा पत्थरबाजी की। हाईवे पर गुजर रहे सैन्य वाहनों पर पथराव करते हुए पकड़ा गया। एक मेजर साहब ने हमें कुछ नहीं कहा, सिर्फ हमें अपने शिविर में ले गए। वहां जो फौजी की जिंदगी हमने देखी उसके बाद मैं और मेरे तीन दोस्तों ने रास्ता बदल लिया। मेरे उन तीन दोस्तों में से एक पुलिस में भर्ती हो चुका है। दो अन्य सीआरपीएफ के जवान बन गए हैं। मैं ही पीछे रह गया हूं।

**2780 युवाओं की होगी भर्ती** : भर्ती सेंटर में मौजूद जैकलाई रेजिमेंट के कमांडेंट एसआर शर्मा ने कहा कि भर्ती रैली में 2780 लड़कों को चुनेंगे। दोपहर तक ही दो हजार से ज्यादा लड़कों ने रिपोर्ट किया है। कश्मीर के हालात को लेकर बहुत कुछ लिखा-कहा जा रहा है। हमे भी लगा था कि भर्ती रैली में भीड़ नहीं होगी, लेकिन हम गलत साबित हुए। शुक्रवार को भी रैली होगी। फिलहाल तो शारीरिक दमखम ही परखा जा रहा है। मेडिकल टेस्ट में सफल रहने वालों को ही लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। मेरिट के आधार पर उन्हें भर्ती किया जाएगा।

श्रीनगर में गुरुवार को सेना भर्ती रैली में कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से युवाओं ने हिस्सा लिया। एएनआइ

# कश्मीर में चरणबद्ध तरीके से रिहा होंगे नजरबंद नेता

**राज्य ब्यूरो, जम्मू**

- फारूक खान ने कहा, हर नेता का आंकलन करने के बाद रिहाई का निर्णय लिया जाएगा

जम्मू में नजरबंद नेताओं की रिहाई के बाद कश्मीर में करीब पचास दिनों से नजरबंद राजनीतिक दलों के नेताओं को भी रिहा किया जाएगा। पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 हटाने की घोषणा के बाद से ही घाटी में तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों डॉ. फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती सहित करीब 500 नेता हिरासत में हैं।

राज्यपाल सत्यपाल मलिक के सलाहकार फारूक खान ने गुरुवार को जम्मू के टीचर भवन में एक कार्यक्रम में कहा कि कश्मीर में नजरबंद नेताओं की रिहाई की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से चलाई जाएगी। सभी नेताओं को एक साथ रिहा नहीं किया जा सकता है। प्रशासन सभी पहलुओं पर विचार और हर नेता का आंकलन करने के बाद ही उनकी रिहाई का निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल की अधिसूचना जारी होने के बाद जम्मू में नजरबंद नेताओं को बुधवार को रिहा कर दिया गया था। बता दें कि बीडीसी चुनाव 24 अक्टूबर को होने जा रहे हैं।

**कश्मीर में हालात सामान्य** : फारूक खान ने कहा कि कश्मीर में सेना की तैनाती, लैंडलाइन फोन, मोबाइल और इंटरनेट सुविधा बंद करना लोगों के हित में लिए गए फैसले थे, जो काफी हद तक कारगर साबित हुए। सरकार के इन कदमों से घाटी में हालात सामान्य हैं। इसे देखते हुए ही स्कूलों, दफ्तरों को खोल दिया गया है। लैंडलाइन फोन शुरू कर दिए गए हैं। गुरुवार हायर सेकंडरी स्कूल भी खोल दिए गए हैं। इसी के साथ खान ने कहा कि घाटी में सेना को कम करना वहां के स्थानीय अधिकारियों पर निर्भर करता है। वे जमीनी स्थिति से बेहतर वाकिफ हैं। यदि उन्हें लगता है कि सेना के हटने के बाद आम लोगों को कोई परेशानी नहीं होगी तो उन्हें हटाया जा सकता है।

उन्होंने 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद में तेजी आने से इन्कार किया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों से कश्मीर में जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। कुछ प्रतिबंध अभी भी लगे हुए हैं परंतु आम लोगों को कोई परेशानी नहीं है। श्रीनगर की सड़कों पर यातायात दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है।

# भारत–कजाकिस्तान ने किया आतंकवाद से निपटने का युद्धाभ्यास

**काजिंद 2019**

संयुक्त सैन्य अभ्यास में दोनों देशों के 120 अधिकारी व जवान ले रहे हैं हिस्सा, उद्घाटन समारोह में दोनों देशों की राष्ट्रधुन के साथ हुई भव्य परेड

**संवाद सहयोगी, पिथौरागढ़**

भारत और कजाकिस्तान की सेनाओं का चौथा द्विपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास काजिंद-2019 पिथौरागढ़ के सैन्य क्षेत्र में गुरुवार को विधिवत शुरू हो गया है। उद्घाटन समारोह में दोनों देशों की राष्ट्रधुन के साथ भव्य परेड हुई। 15 अक्टूबर तक चलने वाले इस संयुक्त सैन्य अभ्यास में दोनों देशों की सेनाओं के 120 अधिकारी व जवान विभिन्न सैन्य ऑपरेशनों व आतंकवाद विरोधी जवाबी कार्रवाई का प्रदर्शन एवं अनुभवों को एक-दूसरे से साझा करेंगे।

गुरुवार को सेना के मैत्री ग्राउंड में प्रशिक्षण का शुभारंभ मुख्य अतिथि 119 इंफैंट्री ब्रिगेड पिथौरागढ़ के कमांडर ब्रिगेडियर एसके मंडल ने किया। एक भव्य समारोह के साथ मैत्री द्वार से दोनों देशों के सेनाओं ने परेड की शुरुआत की। जिसमें दोनों देशों की राष्ट्रधुन के साथ राष्ट्रीय झंडे को फहराया गया। ब्रिगेडियर मंडल ने परेड की सलामी ली। भारत की ओर से कर्नल अजीत बहेरा और कजाकिस्तान की ओर से कै नईम ने परेड का नेतृत्व किया। इस सैन्याभ्यास में दो राजपूत रेजीमेंट जोशीमठ (चमोली) के 60 जवान प्रतिभाग कर रहे हैं, जिसमें 14 अधिकारी शामिल हैं। वहीं, कजाकिस्तान की ओर से भी 60 जवान प्रतिभाग कर रहे हैं। जिसमें 13 अधिकारी शामिल हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों ने विजिटर्स बुक में अपने अनुभव लिखे। पहले दिन कजाकिस्तान की सेना को भारतीय सेना के हथियारों, युद्ध में प्रयुक्त होने वाले हथियारों आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। दूसरे दिन दोनों देशों की सेनाओं के जवान पहाड़ चढ़ना, फायरिंग आदि का अभ्यास करेंगे।

**2016 से हुई युद्धाभ्यास की शुरुआत** : भारत व कजाकिस्तान के मध्य आयोजित होने वाले काजिंद वार्षिक युद्धाभ्यास की शुरुआत 2016 से हुई थी। दोनों देशों के मध्य यह चौथा संयुक्त सैन्याभ्यास है। 2016 में भारत में पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश और वर्ष 2017 व 2018 में कजाकिस्तान में युद्धाभ्यास आयोजित किया गया था।

पिथौरागढ़ में गुरुवार से भारत–कजाकिस्तान संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास काजिंद–2019 शुरू हो गया है। सैन्य क्षेत्र के मैत्री मैदान में मार्च पास्ट करते दोनों देशों के सैनिक। जागरण

**15** अक्टूबर तक चलने वाले युद्धाभ्यास में आतंकवाद से निपटने का होगा प्रदर्शन

### आंतकवाद के खात्मे को एकजुटता है उद्देश्य

संयुक्त युद्धाभ्यास का उद्देश्य पहाड़ी इलाकों व जंगलों में आपातकालीन परिस्थितियों व आतंकवाद विरोधी ऑपरेशनों के संचालन में एक–दूसरे को परिचित कराना है। साथ ही कंपनी स्तर के संयुक्त प्रशिक्षण का संचालन करना है। युद्धाभ्यास में वैश्विक आतंकवाद की उभरती प्रवृत्तियों को भी शामिल किया गया है। इस सैन्याभ्यास से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों विशेषकर रक्षा सहयोग में बहुत ही मजबूती प्रदान होगी।

# नेताओं की नजरबंदी हटते ही सियासत में आई जान

**राज्य ब्यूरो, जम्मू**

ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल (बीडीसी) चुनाव की तारीख निर्धारित होते ही जम्मू संभाग में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की नजरबंदी हटने के साथ सुस्त पड़ी सियासत में जान आ गई। शुक्रवार को जम्मू में नेशनल कांफ्रेंस और नेशनल पैंथर्स पार्टी ने बैठकें कर रणनीति पर चर्चा की। वहीं, शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीए मीर जम्मू आ रहे हैं।

**कई नेताओं को किया था नजरबंद** : जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाते ही कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कांग्रेस के पूर्व मंत्री रमण भल्ला, विकार रसूल, नेशनल कांफ्रेंस के प्रांतीय प्रधान देवेंद्र सिंह राणा, सुरजीत सिंह सलाथिया, सज्जाद किचलू, पैंथर्स पार्टी के चेयरमैन हर्षदेव सिंह, पूर्व मंत्री और डोगरा स्वाभिमान संगठन के प्रधान चौधरी लाल सिंह व पीडीपी के एमएलसी फिरदौस टाक को घरों में नजरबंद किया गया था।

**राजनीतिक पार्टियां सक्रिय** : नजरबंदी हटने के बाद गुरुवार को नेशनल कांफ्रेंस के प्रांतीय प्रधान देवेंद्र सिंह राणा और पैंथर्स पार्टी के चेयरमैन हर्षदेव सिंह ने अलग-अलग बैठकें कीं। नेकां की बैठक में राणा के अनुसार चुनाव में भाग लेने को लेकर पार्टी हाईकमान फैसला लेगी। फिलहाल, पार्टी के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के घर में हिरासत में है और उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला नजरबंद हैं। वह सरकार से दोनों से मिलने की इजाजत मांगेंगे। वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीए मीर शुक्रवार को जम्मू में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की राय लेंगे। मीर का कहना है कि हमने न तो पंचायत चुनाव का बहिष्कार किया था और न ही बीडीसी चुनाव का करेंगे।जम्मू कश्मीर और लद्दाख में 24 अक्टूबर को बीडीसी चुनाव होंगे।

**9** लाख डॉलर जुटाए हैं यूनाइटेड सिख एड ऑर्गेनाइजेशन ने अमेरिका के ह्यूस्टन में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए पुलिस के डिप्टी शेरिफ संदीप सिंह धालीवाल के परिवार की मदद के लिए। ऑर्गेनाइजेशन संदीप के पांच साल के बेटे और दो बेटियों के बालिग होने तक पढ़ाई सहित अन्य सभी खर्च भी उठाएगी।

# तेजस तैयार, लखनऊ-दिल्ली के बीच आज से भरेगी रफ्तार

- लखनऊ जंक्शन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिखाएंगे हरी झंडी
- कई नई सुविधाएं पहली बार दिखेंगी, महिला सशक्तीकरण की भी मिसाल बनेगी ट्रेन

**जागरण संवाददाता, लखनऊ** : भारतीय रेल में बदलाव का नया युग शुक्रवार से शुरू होगा। इस दिन देश की पहली कॉरपोरेट ट्रेन तेजस लखनऊ-नई दिल्ली के बीच रफ्तार भरेगी। सुबह साढ़े नौ बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ जंक्शन से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। पहले सफर के गवाह करीब 400 यात्री बनेंगे। तेजस के सफर में यात्री विमान जैसी लग्जरी सुविधाओं से रूबरू होंगे। फिलहाल तेजस एक्सप्रेस के संचालन की जिम्मेदारी इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आइआरसीटीसी) पर है। इसकी तैयारियां जून से शुरू हो गई थीं। आइआरसीटीसी के सीआरएम अश्विनी श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रेन का उद्घाटन लखनऊ के प्लेटफार्म नंबर छह पर होगा। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनोद यादव समेत तमाम बड़े रेल अफसर, सांसद, मंत्री, विधायक मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि तेजस बेहतर सुविधाओं के साथ नारी सशक्तिकरण की भी मिसाल पेश करेगी। इसमें ट्रेन कैप्टन से लेकर क्रू स्टाफ तक महिला ही हैं।

### ऐसे दौड़ेगी तेजस

चार अक्टूबर को तेजस स्पेशल सुबह साढ़े नौ बजे लखनऊ जंक्शन से चलकर 10 :40 बजे कानपुर, दोपहर 3 :03 बजे गाजियाबाद होकर शाम चार बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। छह अक्टूबर से आइआरसीटीसी तेजस एक्सप्रेस मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन सुबह 6 :10 बजे लखनऊ जंक्शन से चलाएगा। यह कानपुर सुबह 7 :20 बजे, 11 :45 बजे गाजियाबाद होते हुए दोपहर 12 :25 पर नई दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में दोपहर 3 :35 बजे नई दिल्ली से चलकर शाम 4 : 09 बजे गाजियाबाद, रात 8 : 35 बजे कानपुर और रात 10 : 05 बजे लखनऊ जंक्शन लौटेगी।

**12** कोच की होगी तेजस ट्रेन | **758** सीटें होंगी पूरी ट्रेन में | **09** एसी चेयरकार बोगियां

**56** सीटें होंगी एक्जीक्यूटिव क्लास | **78** सीट की चेयरकार बोगी ग्रुप बुकिंग के लिए

**400** यात्री पहले दिन करेंगे सफर

### कुछ खास जानकारी

- **05** वर्ष से अधिक की उम्र के बच्चों का देना होगा किराया
- **60** दिन पहले से ऑनलाइन बुकिंग
- **05** मिनट पहले तक करंट टिकट
- **05** वर्ष तक बच्चों का किराया नहीं
- **03** दिन पहले होगी ऑनलाइन ग्रुप बुकिंग

### पहली बार मिलने वाली सुविधाएं

- एक घंटे लेट होने पर 100 और दो घंटे लेट होने पर 250 रुपये मुआवजा
- सब पेपरलेस, आरक्षण चार्ट की जगह टीटीई के पास हैंड हेल्ड डिवाइस
- चेयरकार का टिकट 3295 व एक्जक्यूटिव का किराया 4325 रुपये
- 6 :15 घंटे में लखनऊ से नई दिल्ली तक 504 किलोमीटर की दूरी तय करेगी
- यात्रियों को निशुल्क 25 लाख रुपये का बीमा मिलेगा
- सामान का बीमा अलग, सामान को घर से बोगी तक पहुंचाने की सुविधा
- लखनऊ व नई दिल्ली में यात्रियों की मांग पर मीटिंग के इंतजाम
- चाय व अल्पाहार के अलावा वापसी में रात्रि भोजन की व्यवस्था
- ऑन-बोर्ड आतिथ्य सेवाएं प्रशिक्षित महिला एवं पुरुष कर्मचारी देंगे

### खासियत का खजाना

- मूविंग टॉकीज, सहित विश्व स्तरीय ट्रेनों के फीचर
- धूम्रपान पर बजेंगे अलार्म, लगेगा ऑटोमेटिक ब्रेक
- हर सीट पर होगा अटेंडेंट बुलाने के लिए बटन
- पढ़ाई के लिए रीडिंग बटन की सुविधा
- बटन से खुलेंगे-बंद होंगे खिड़की के पर्दे
- बोगी के दोनों छोर पर सेंसर युक्त स्लाइडिंग दरवाजे
- करीब पहुंचने पर खुद ही सेंसर डोर खुल जाएंगे
- संदिग्धों पर नजर रखेंगे बोगी में लगे छह कैमरे
- चेन की जगह इमरजेंसी में ट्रेन रोकने के लिए हैंडल
- बोगी में विजुअल और एनाउंस सिस्टम से मिलेगी सूचना
- हर बोगी में एंटी ब्रेकिंग सिस्टम, पहिए जाम नहीं होंगे
- ओएचई की बिजली बोगियों के लिए कनवर्ट होगी
- शौचालय में कितना पानी है, बताएगा इंडीकेटर
- गार्ड के पास होगा गेट खोलने और बंद करने का बटन
- हर बोगी में सूप व कॉफी बनाने के लिए मिनी किचन
- बोगी में होंगे दो सेंट्रल टेबल, पब्लिक इंफारमेशन डिस्प्ले

### यह होंगे नियम

- चार्ट बनने पर टिकट वेटिंग रहने पर नहीं कटेगा कटौती शुल्क
- चार घंटे पहले वेटिंग टिकट निरस्तीकरण पर 25 रुपये कटेंगे
- रिफंड टीडीआर से नहीं, भुगतान आइआरसीटीसी सीधे करेगा
- तेजस ट्रेन में कोई भी रियायती टिकट जारी नहीं होगा
- तेजस में तत्काल/प्रीमियम तत्काल कोटा की सुविधा नहीं

### शुरुआती किराया

लखनऊ से नई दिल्ली का एसी चेयरकार का शुरुआती किराया 1125 और वापसी में 1280 रुपये होगा। एक्जक्यूटिव क्लास में लखनऊ से नई दिल्ली का किराया 2310 और वापसी में 2450 रुपये होगा। वापसी में डिनर के चलते किराया अधिक होगा।

# राम जन्मस्थान के दर्शन से मोक्ष मिलता है : हिंदू पक्ष

**दलील** ▶ स्कंद पुराण का हवाला दे राम जन्मस्थान की महत्ता साबित करने का किया प्रयास

**अयोध्या की पुकार**
सुनवाई का 36वां दिन

## निर्माण में चूना सुर्खी का प्रयोग भारत में इस्लाम के आने से पहले से होता था

**माला दीक्षित, नई दिल्ली**

अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में हिंदू पक्ष ने गुरुवार को स्कंद पुराण का हवाला देकर कहा कि राम जन्मस्थान के दर्शन से मोक्ष मिलता है। रामलला के वकील पीएस नरसिम्हा ने कहा कि स्कंद पुराण बाबर के भारत आने और वहां मस्जिद बनने से बहुत पहले का है जो उस स्थान की महत्ता साबित करता है। इसके अलावा हिंदू पक्ष ने विवादित ढांचे के नीचे मिले खंडहरों के निर्माण में चूना सुर्खी के प्रयोग को इस्लामिक काल का बताए जाने की मुस्लिम पक्ष की दलील का विरोध करते हुए कहा कि भारत में चूना सुर्खी का प्रयोग इस्लाम के आने से पहले से होता रहा है। हिंदू पक्ष की ओर से जवाबी दलीलें गुरुवार को पूरी कर ली गईं। शुक्रवार को सुन्नी वक्फ बोर्ड की अपील पर राजीव धवन बहस करेंगे।

गुरुवार को भगवान रामलला विराजमान की ओर से वरिष्ठ वकील सीएस वैद्यनाथन और पीएस नरसिम्हा ने बहस की। उन्होंने मुस्लिम पक्ष द्वारा एएसआइ रिपोर्ट पर उठाई गई आपत्तियों और राम जन्मस्थान का महत्व व हिंदुओं की उसके प्रति आस्था को साबित करने का प्रयास किया। इसके अलावा पूजा अर्चना का अधिकार मांग रहे गोपाल सिंह विशारद के वकील रंजीत कुमार ने रामलला के मुकदमे का समर्थन करते हुए कहा कि आठ से 16 फरवरी 1950 के बीच कई मुसलमानों ने सिटी मजिस्ट्रेट के समक्ष हलफनामा दाखिल कर कहा था कि जन्मस्थान तोड़कर वहां बाबरी मस्जिद बनाई गई थी।

हलफनामों में यह भी कहा गया था कि मुसलमानों ने 1934 के बाद वहां नमाज नहीं पढ़ी और हिंदुओं का वहां कब्जा है। निर्मोही अखाड़ा की ओर से एसके जैन ने सेवादार होने का दावा करते हुए उन्हें सेवादारी और कब्जा सौंपे जाने की मांग की। श्रीराम जन्मभूमि पुनरुद्धार समिति की ओर से पीएन मिश्रा और रंजना अग्निहोत्री ने अयोध्या जन्मस्थान भूमि को स्वयं देवता होना साबित करने के लिए स्कंद पुराण के हवाले से राम सेतु का जिक्र किया, जिसे स्कंद पुराण में देवता कहा गया है। हालांकि मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन ने कड़ी आपत्ति जताई और उन्हें नई दलीलें पेश करने से रोका, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और मिश्रा से कहा कि जो चीजें हाई कोर्ट में नहीं कही थीं, उन्हें यहां न रखें। पीएस नरसिम्हा ने कहा कि दस्तावेजी साक्ष्यों को भी दो हिस्सों में बांटा जा सकता है। 1528 (जब अयोध्या में विवादित ढांचा बना) से पहले का काल और 1528 के बाद का काल। उन्होंने कहा कि कोर्ट को इस बात पर गौर करना चाहिए कि हिंदू उस स्थान पर हमेशा से पूजा करते आए हैं। हिंदू ग्रंथों में उस स्थान पर जाकर दर्शन करने पर जोर दिया गया है। हिंदुओं में मोक्ष प्राप्ति का महत्व है और स्कंद पुराण में कहा गया है कि राम जन्मस्थान का दर्शन करने से मोक्ष मिलता है। स्कंद पुराण में राम जन्म का निश्चित स्थान भी बताया गया है। उन्होंने कहा कि स्कंद पुराण 7वीं-8वीं सदी में लिखा गया था, जो कि 1528 में मस्जिद बनने से बहुत पहले का काल था। कोर्ट को मस्जिद बनने से पहले और बाद दोनों के काल पर विचार करना चाहिए। सीएस वैद्यनाथन ने कहा कि मुस्लिम पक्ष का यह दावा गलत है कि खुदाई में मिले खंडहर में चूना सुर्खी का प्रयोग साबित करता है कि विवादित ढांचे के नीचे का निर्माण सुल्तनत काल का है। वैद्यनाथन ने कहा कि गंगा के मैदान में निर्माण में चूना सुर्खी का प्रयोग भारत में इस्लाम आने से बहुत पहले से होता आ रहा है। इस बारे में कौशाम्बी, मथुरा आदि को देखा जा सकता है। उन्होंने इस संदर्भ में प्रोफेसर जीआर शर्मा और आरएस शर्मा के लिखे इतिहास का हवाला दिया।

वैद्यनाथन ने कहा कि एएसआइ की रिपोर्ट को देखने से पता चलता है कि विवादित ढांचे के नीचे विशाल मंदिर था, जिसे तोड़ कर मस्जिद बनाई गई थी। राजीव धवन ने दलील का विरोध करते हुए कहा कि एएसआइ रिपोर्ट में यह साबित नहीं होता कि मंदिर तोड़ कर मस्जिद बनाई गई थी। वैद्यनाथन ने कहा कि यह उनका दावा है।

### राजनीति से प्रेरित है रामलला की ओर से दाखिल मुकदमा

निर्मोही अखाड़ा के वकील एसके जैन ने रामलला की ओर से निकट मित्र देवकी नंदन अग्रवाल का 1989 में मुकदमा दाखिल करना राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि ऐसा हिंदू मुस्लिम को बांटने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि वहां कभी भी मस्जिद नहीं थी, सिर्फ मंदिर था और 1992 में कुछ असामाजिक तत्वों ने मंदिर ढहा दिया था। इतना ही नहीं 1992 में वहां आसपास के मंदिर भी ढहाए गए थे।

### शीर्ष अदालत 20-20 की टिप्पणी पर नाराज

सुनवाई के लिए कम समय बचने पर कोर्ट की ओर से पक्षकारों को जल्दी बहस पूरी करने के लिए कहे जाने पर जब एसके जैन ने कोर्ट से 20-20 मैच चलने की बात कही तो मुख्य न्यायाधीश नाराज हो गए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा 20-20 से आपका क्या आशय है। कोर्ट ने आपको पहले ही साढ़े चार दिन का समय बहस के लिए दिया और अब जवाब का भी मौका दिया जा रहा है फिर आप इस तरह की बात कैसे कह सकते हैं।

## बाबरी मस्जिद के पक्षकार हाजी महबूब पर राष्ट्रदोह का मामला दर्ज करने की तहरीर

**जागरण संवाददाता, अयोध्या** : बाबरी मस्जिद के पक्षकार हाजी महबूब फिर विवादों में घिर गए हैं। तपस्वीजी की छावनी के महंत परमहंसदास ने उनके खिलाफ रामजन्मभूमि थाना में राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। इसका आधार एक वीडियो क्लिप को बनाया गया है। उसमें दावा किया गया है कि हाजी ने छह दिसंबर 1992 को कारसेवकों पर बम फेंकने की बात स्वीकारी है। वीडियो की अन्य बातें भी आम भारतीयों एवं समुदाय विशेष की भावनाओं को आहत करने वाली बताई गई हैं। अयोध्या के सीओ सिटी अरविंद चौरसिया के अनुसार, परमहंसदास ने जिस वीडियो क्लिप को आधार बनाया है, वह छह माह पुराना है। पुलिस जांच के आधार पर विधिक कार्रवाई करेगी।

हाजी महबूब ने भी पलटवार किया और कहा कि परमहंसदास प्रसिद्धि पाने के लिए संदिग्ध वीडियो क्लिप को आधार बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि हमने बम चलवाया होता तो छह दिसंबर 92 को न जाने कितने कारसेवकों की मौत होती लेकिन, ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह स्टिंग गलत है।

गत दिनों अयोध्या आईं शूटर वर्तिका सिंह की शिकायत पर बाबरी मस्जिद के पक्षकार इकबाल अंसारी के विरुद्ध राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज हो चुका है।

# कोई जज दावा नहीं कर सकता कि उसने कभी गलत आदेश नहीं सुनाया

**नई दिल्ली, प्रेट्र** : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई न्यायाधीश यह दावा नहीं कर सकता कि उन्होंने कभी गलत आदेश नहीं सुनाया है। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी जज के खिलाफ महज गलत आदेश जारी करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई तब तक नहीं शुरू की जानी चाहिए जब तक बाहरी प्रभाव के सबूत नहीं हों।

शीर्ष कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता 'पवित्र' है और जब तक कदाचार तथा बाहरी प्रभाव के स्पष्ट आरोप नहीं हैं तब तक केवल इस आधार पर अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू नहीं होनी चाहिए कि किसी न्यायाधीश ने गलत आदेश सुनाया है। जस्टिस दीपक गुप्ता और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की पीठ ने पिछले सप्ताह अपने आदेश में कहा, 'गलती मानवीय होती है न्यायिक पद पर बैठे हममें से कोई भी ऐसा नहीं है जो दावा कर सके कि हमने कभी गलत आदेश नहीं सुनाया।'

पीठ ने कहा, 'कानून व्यवस्था का पालन करने वाले देश में न्यायपालिका की आजादी पवित्र है। जब तक मजबूत, निडर और स्वतंत्र न्यायपालिका नहीं होगी, कानून का शासन नहीं रह सकता, लोकतंत्र नहीं रह सकता।' उन्होंने कहा कि केवल उच्च अदालतों के स्तर पर ही नहीं बल्कि जिला स्तर की न्यायपालिका से भी स्वतंत्रता की अपेक्षा होती है क्योंकि अधिकतर वादी हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट आने का खर्च नहीं उठा पाते। पीठ ने बिहार के एक न्यायिक अधिकारी की याचिका पर विचार करते हुए ये टिप्पणियां कीं जो अब इस दुनिया में नहीं हैं और जिन्होंने अपने खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू किए जाने को चुनौती दी थी।

### सुप्रीम कोर्ट ने दो वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के दोषी मौत की सजा बरकरार रखी

**नई दिल्ली, प्रेट्र** : सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2012 में दो साल की एक बच्ची से दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या कर देने के मामले में दोषी व्यक्ति की मौत की सजा की पुष्टि कर दी और कहा कि अपनी यौन पिपासा मिटाने के लिए उसने सभी प्राकृतिक, सामाजिक और कानूनी सीमाएं लांघ दीं। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने गुरुवार को 2 :1 के बहुमत वाले फैसले में कहा कि व्यक्ति ने निर्दयतापूर्ण तरीके से एक जीवन खत्म कर दिया जिसे अभी खिलना था। दो वर्षीय बच्ची के साथ अप्राकृतिक अपराध का उसका कृत्य उसकी गंदी और विकृत मानसिकता तथा बर्बरता की डरावनी कहानी को दिखाता है।

जस्टिस आरएफ नरीमन और जस्टिस सूर्यकांत ने जहां बांबे हाई कोर्ट द्वारा जनवरी 2016 में रवि को सुनाई गई मौत की सजा की पुष्टि की। जस्टिस आर . सुभाष रेड्डी ने उसे उसकी स्वाभविक मृत्यु तक आजीवन जेल में रखने की बात कही। लड़की के पिता ने मार्च 2012 में अपनी बच्ची के गायब होने की शिकायत दर्ज कराई थी। जब पुलिस रवि के घर पहुंची तो दरवाजे बंद मिले। जब पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो रवि वहां मौजूद था और लड़की बेहोश पड़ी थी। उसे नजदीक के अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

# एसआइटी ने मांगी चिन्मयानंद व छात्रा की रिमांड

- एसआइटी के प्रार्थना पत्र पर अदालत में आज होगी सुनवाई

**जासं, शाहजहांपुर**

दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद व उनसे रंगदारी मांगने के मामले में जेल में बंद छात्रा की रिमांड के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया है। एसआइटी रिमांड मिलने पर आरोपितों के वायरल हो रहे वीडियो की उनकी असल आवाज से मिलान कराएगी। प्रार्थना पत्र पर शुक्रवार को सुनवाई होगी।

एसआइटी की ओर से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि चिन्मयानंद व छात्रा के वायरल हो रहे वीडियो में दोनों की आवाज का उन्हें मिलान कराना है। यह मिलान लखनऊ स्थित प्रयोगशाला में हो सकता है, इसलिए दोनों को लखनऊ तक ले जाने के लिए रिमांड चाहिए। सीजेएम ने इस पर शुक्रवार को सुनवाई की तारीख तय की है। दरअसल, 10 सितंबर की दोपहर को चिन्मयानंद के आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुए थे। उसी शाम को एक और वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें छात्रा व चार युवकों के बीच रंगदारी को लेकर बात करने का दावा किया जा रहा था।

**छात्रा और मां से की पूछताछ** : एसआइटी ने जेल में जाकर छात्रा से पूछताछ की। इसके बाद उसके घर जाकर उसकी मां से सवाल-जवाब किए। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे एसआइटी जेल पहुंची और छात्रा से करीब डेढ़ घंटे तक पूछताछ की। इसके अलावा जेल प्रशासन से चिन्मयानंद, छात्रा, उसके दोस्त संजय, विक्रम, सचिन की सुरक्षा व अन्य बिंदुओं के बारे में जानकारी ली। वहीं एसआइटी की दूसरी टीम ने घर जाकर छात्रा की मां से पूछताछ की।

**कार की पहचान, दो लोगों के नाम सामने आने का दावा** : 24 अगस्त को छात्रा ने अपनी फेसबुक आइडी पर वीडियो वायरल किया था, जिसके बाद से वह लापता हो गई थी। बाद में उसे 30 अगस्त को राजस्थान के दौसा जिले से बरामद किया गया था। साथ में उसका दोस्त संजय सिंह मिला था।एसआइटी को दिल्ली से दौसा तक कार ले जाने वाले ड्राइवर की लोकेशन मिल गई थी। बताया जा रहा है कि जांच में उस कार की पहचान कर ली गई है जिसका प्रयोग छात्रा व संजय ने शाहजहांपुर से दिल्ली तक जाने में प्रयोग किया था। इससे संबंधित दो लोगों के नाम भी सामने आए हैं।

एसआइटी ने दुष्कर्म प्रकरण की जांच तेज कर दी है। लगातार दूसरे दिन गुरुवार को भी टीम मुमुक्षु आश्रम पहुंची। लॉ कॉलेज व दिव्यधाम में पड़ताल की। टीम के सदस्य पहले लॉ कॉलेज गए। वहां कुछ देर रुकने के बाद उस कंप्यूटर लैब व लाइब्रेरी का मुआयना किया जहां छात्रा काम करती थी। उसके बाद टीम हॉस्टल पहुंची। वहां पर लॉ कॉलेज से लेकर हॉस्टल व हॉस्टल से लेकर चिन्मयानंद के आवास दिव्यधाम तक की मैपिंग की।

स्वामी चिन्मयानंद। फाइल फोटो

### वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई चिन्मयानंद की पेशी

छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में जिला जेल में बंद चिन्मयानंद की वीडियो कांफ्रेंसिंग से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) ओमवीर सिंह की कोर्ट में पेशी हुई। जहां से उनकी न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई। वहीं, इस मामले में रिमांड की तिथि 16 अक्टूबर तय कर दी है। चिन्मयानंद को 20 सितंबर को एसआइटी ने उनके आवास दिव्यधाम से गिरफ्तार किया था।

## उन्मादी हिंसा को लेकर पीएम को पत्र लिखने में अर्पणा समेत 49 के खिलाफ केस दर्ज

**जासं, मुजफ्फरपुर** : उन्मादी भीड़ की हिंसा (मॉब लिंचिंग) को लेकर पीएम को पत्र लिखने में अभिनेत्री अर्पणा सेन समेत 49 फिल्मी कलाकारों और बुद्धिजीवियों के खिलाफ थाने में केस दर्ज किया गया है। इस संबंध में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत में अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने 27 जुलाई को परिवाद दाखिल किया था। इसकी सुनवाई के बाद सीजेएम ने सदर थानाध्यक्ष को केस दर्ज कर मामले की जांच के आदेश दिए थे। आरोपितों में अभिनेत्री सेन के अलावा अडूर गोपाल कृष्णन, शुभा दुग्गल, सुमित्रा चटर्जी, रेवती, कोंकणा सेन, श्याम बेनेगल, मणिरत्न व इतिहासकार रामचंद्र गुहा आदि शामिल हैं।

**यह लगाया गया था आरोप** : परिवाद में अधिवक्ता ने कहा था कि 23 जुलाई को आरोपितों व 49 बुद्धिजीवियों ने देश में हो रही उन्मादी हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। समाचार चैनलों व अखबार में यह बात आई। आरोपितों का यह काम देश की छवि की खराब करने वाला वाला है। प्रधानमंत्री के काम करने की छवि को बदनाम करने की नीयत से यह पत्र लिखा गया है। पत्र लेखकों की मंशा देश के टुकड़े- टुकड़े करना और वैमनस्यता फैलाना है।

# पटना में धीरे-धीरे घट रहा बारिश का पानी

**राज्य ब्यूरो, पटना**

बिहार के बाढ़ और जलजमाव वाले इलाकों में धीरे-धीरे पानी घट रहा तो मुश्किलें तेजी से बढ़ रहीं। बुधवार तक बाढ़ की चपेट में 95 प्रखंड और पांच सौ पांच पंचायतों में 21.45 लाख आबादी थी। इसमें अब कमी आ गई है। अब बाढ़ का असर 85 प्रखंड और 477 पंचायतों में रह गया है। इन पंचायतों में कुल 18.70 लाख लोग अब बाढ़ में फंसे हुए हैं। बड़े-बड़े पंपों से पानी निकालने के जतन के बावजूद पटना को जलजमाव से निजात नहीं मिल पाई है। यहां तीन से चार फीट पानी है। घरों के अंदर तीन फीट से अधिक पानी है। मुख्य सड़क भी जलजमाव से मुक्त नहीं हो पाई है। आपदा प्रबंधन विभाग ने आधिकारिक बयान में कहा है कि राजेंद्र नगर और पाटलिपुत्र के कुछ इलाकों से गुरुवार रात तक पानी को निकाल दिया जाएगा। इन इलाकों में पानी सड़ रहा। गंदगी, मच्छर और दुर्गंध की वजह से लोग बीमार पड़ने लगे हैं। इस बीच सरकार ने सभी अंचलाधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है कि वे पुष्टि करें के उनके क्षेत्र में बाढ़ की चपेट में आने से कितने लोग मरे हैं। पुष्टि के बाद सरकार की ओर से उन्हें चार लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। बाढ़ का आकलन करने के लिए केंद्रीय टीम शुक्रवार को बिहार आएगी।

पुनपुन और परसा बाजार रेलवे स्टेशन के बीच पुल तक पानी पहुंच गया है, जिससे गया-पटना रेलखंड पर अप और डाउन लाइन पर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया है। बख्तियारपुर-राजगीर रेलखंड के बेना एवं रहुई स्टेशन के बीच रेल ट्रैक पर धोबा नदी का पानी आने से परिचालन बंद कर दिया गया है। पटना, भोजपुर, नवादा, नालंदा, खगड़िया, समस्तीपुर, लखीसराय, बक्सर, कटिहार, जहानाबाद और अरवल में अब भी बाढ़ का पानी फैला हुआ है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें राहत और बचाव कार्यो में लगी हुई है।

पटना में बाजार समिति के पास मुहल्ला में जलजमाव से दुर्गंध आने लगी है। जागरण

**चौबे बोले-जलजमाव के लिए अधिकारी दोषी** : पटना में जलजमाव और बाढ़ को ले आलोचना झेल रही बिहार सरकार को क्लीनचिट देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराया है। कहा कि 27 और 28 सितंबर की रात जब अतिवृष्टि हो रही थी, तब पटना के संप हाउस बंद पड़े थे और इसी वजह से अधिकांश इलाकों में पानी भर गया।

**स्वच्छता रैंकिंग**

# यात्रियों ने यूपी के कई स्टेशनों को नीचे पहुंचाया

फीडबैक ने स्टेशनों की स्वच्छता रैंकिंग में किया बड़ा उलटफेर, बिहार के स्टेशनों ने किया बेहतर प्रदर्शन, रेलवे के कई जोन अपने प्रदर्शन को लेकर कर रहे हैं मंथन

**संजय सिंह, नई दिल्ली**

उत्तर प्रदेश के ज्यादातर रेलवे स्टेशन स्वच्छता रैंकिंग में अभी भी खराब प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं, जबकि बिहार के स्टेशनों में किस वजह से आश्चर्यजनक सुधार हुआ है। ये ऐसे सवाल हैं जिन्हें लेकर रेलवे के कई जोन मंथन कर रहे हैं। इनकी समझ में नहीं आ रहा कि पहले से बेहतर काम करने के बावजूद 2019 की स्वच्छता रैंकिंग में उनके स्टेशन पिछड़ क्यों गए हैं। किसी को इसका कारण सर्वे का नया तरीका लगता है तो कोई इसके लिए समय और परिस्थितियों को दोषी ठहरा रहा है। लेकिन रेलवे बोर्ड का कहना है कि सर्वे की प्रक्रिया एकदम पारदर्शी है और सभी को इसके विषय में पहले से पता था।

रेलवे बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक पिछले दो सर्वेक्षणों से इस बार का सर्वे इस मामले में थोड़ा अलग है कि इसमें यात्रियों के फीडबैक को पहले से ज्यादा महत्व दिया गया है। इस कारण जिन स्टेशनों को पिछले दो सर्वे में बहुत नीची रैंकिंग मिली थी, उन्हें यात्रियों ने भरपूर नंबर देकर रैंकिंग में उछाल दिया। जबकि जो स्टेशन पहले से साफ सुथरे थे, उनमें अधिकारियों की थोड़ी सी भी लापरवाही यात्रियों को नागवार गुजरी और उन्होंने उन्हें नीचे गिरा दिया।

उदाहरण के लिए बिहार के स्टेशनों की रैंकिंग में इस बार काफी अधिक सुधार हुआ है। पिछले सर्वे के बाद यहां अधिकारियों ने स्वच्छता पर थोड़ा ध्यान दिया है। यह बात यात्रियों को पसंद आई और उन्होंने फीडबैक के जरिये इसका इजहार किया है। उन्होंने कुछ स्टेशनों को 99 फीसद तक अंक दिए हैं। इससे इनका कुल स्कोर यकायक काफी बढ़ गया। अब सासाराम को ही लें, इसका कुल स्कोर पिछली बार 419.26 था, जबकि इस बार 692.39 हो गया है। इसी तरह बापूधाम मोतीहारी का 652.45 से 879.63 और अनुग्रह नारायण रोड का स्कोर 583.18 से बढ़कर 796.88 पर पहुंच गया है।

ये सभी स्टेशन एनएसजी श्रेणी के उन टॉप-10 स्टेशनों में शामिल हैं जिनके स्वच्छता स्तर में सर्वाधिक सुधार हुआ है। इसी कारण उत्तर प्रदेश के फफूंद जैसे स्टेशन टॉप-10 में जगह पाने में कामयाब रहे। जबकि आगरा, वाराणसी, प्रयाग और मडुआडीह जैसे स्टेशन रैंकिंग में नीचे चले गए हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश में लोगों की पान और गुटखा खाकर थूकने की आदत के कारण यहां के ज्यादातर स्टेशन अभी भी स्वच्छता रैंकिंग में काफी नीचे बने हुए हैं। वैश्विक स्तर पर पर्यटन के लिए प्रसिद्ध ताजनगरी के आगरा फोर्ट स्टेशन को 503वां, कृष्ण नगरी मथुरा को 508वां, भारत के मैनचेस्टर कहे जाने वाले कानपुर के अनवरगंज स्टेशन को 566वां और इलाहाबाद के छ्योकी स्टेशन को 582वां स्थान मिलना इसका प्रमाण है।

रेलवे बोर्ड में स्वच्छता सर्वे की मॉनिटरिंग से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, 'स्वच्छता सर्वे में कई कारक काम करते हैं। सर्वे का समय और स्थितियों से भी रैंकिंग पर असर पड़ता है। उदाहरण के लिए इस बार का सर्वे 6-15 सितंबर की अवधि में किया गया। इस दौरान कई स्थानों पर बारिश हो रही थी, जबकि कई शहर धार्मिक आयोजन की गिरफ्त में थे। मध्य प्रदेश में भारी बारिश और जलभराव ने अनेक स्टेशनों की रैंकिंग खराब कर दी। जबकि मुंबई को गणेशोत्सव के कारण नुकसान हुआ। दूसरी ओर अनुच्छेद 370 हटाए जाने से जम्मू को फायदा हुआ, क्योंकि इससे वहां यात्रियों की संख्या काफी कम हो गई थी और कचरा नहीं फैलने से स्टेशन ज्यादा साफ था।'

## 22 दिनों तक गायब रहे राजीव कुमार जमानत मिलते ही आए सामने

**जागरण संवाददाता, कोलकाता** : करोड़ों रुपये के बहुचर्चित सारधा चिटफंड मामले में साक्ष्यों को मिटाने के आरोपित वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी व एडीजी (सीआइडी) तथा कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त राजीव कुमार गिरफ्तारी से बचने के लिए 19 दिनों तक भूमिगत रहने के बाद जमानत मिलते ही 22 दिनों बाद गुरुवार को अलीपुर कोर्ट में नजर आए। यहां उन्होंने आत्मसमर्पण किया जिसके बाद कोर्ट ने 50-50 हजार रुपये के दो निजी मुचलकों पर जमानत दे दी। मंगलवार को ही कलकत्ता हाई कोर्ट ने कुमार को अग्रिम जमानत दे दी थी। राजीव के अधिवक्ता गोपाल हलदर ने बताया कि वरिष्ठ आइपीएस अफसर ने गुरुवार को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुब्रत मुखर्जी के समक्ष आत्मसमर्पण किया और हाई कोर्ट के निर्देशानुसार उन्हें जमानत दे दी गई।

जब उनसे यह जानने की कोशिश हुई कि वह पिछले मंगलवार से पहले तक कहां थे तो उन्होंने किसी सवाल का जवाब नहीं दिया।

# डोकलाम के लिए एक सड़क तैयार, दूसरी का निर्माण जारी

- कम समय में डोकलाम पहुंच सकेंगे भारतीय सैनिक
- मार्च 2021 तक पूरा हो जाएगा दूसरी सड़क निर्माण का काम

**नई दिल्ली, प्रेट्र** : सिक्किम के समीप डोकलाम पठार के किनारे पर स्थित डोकलाम तक सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने एक नई सड़क का निर्माण पूरा कर लिया है। इस सड़क के बन जाने से भारतीय सैनिक कम समय में डोकलाम पहुंच सकेंगे, जहां 2017 में भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच 73 दिनों तक तनातनी चली थी।

अधिकारियों ने बताया कि भीम बेस से डोकला तक यह सड़क पहले कच्ची थी, लेकिन पिछले साल इसका निर्माण पूरा कर लिया गया था। बीआरओ फ्लैग हिल से डोकला तक एक और सड़क का निर्माण कर रहा है जो मार्च, 2021 तक पूरा हो जाएगा। 33.80 किमी लंबा यह मार्ग अभी कच्चा है। फ्लैग हिल से 11 किमी तक नई सड़क का निर्माण हो भी चुका है और बाकी का निर्माण मार्च, 2021 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह सड़क छह मीटर चौड़ी होगी जिसमें 4.5 मीटर की चौड़ाई कोलतार से निर्मित होगी।

बता दें कि चीन के राष्ट्रीय दिवस पर मंगलवार को भारत और चीन सेना के बीच नाथु-ला, बुम-ला, किबिथु और पूर्वी लद्दाख में सीमाकर्मियों की शिष्टाचार बैठक हुई थी। यह बैठकें ऐसे समय हुई हैं जब चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग भारत यात्रा पर आने वाले हैं। चिनफिंग के इसी माह के दूसरे हफ्ते में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दूसरी अनौपचारिक बैठक के लिए चेन्नई के नजदीक मामल्लपुरम (महाबलिपुरम) पहुंचने की उम्मीद है। इस बैठक का उद्देश्य अगले पांच साल के लिए द्विपक्षीय संबंधों का खाका तैयार करना है। गौरतलब है कि सामरिक दृष्टि से डोकलाम बेहद महत्वपूर्ण है।

8 अक्टूबर से शुरू होगा अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव। इसका उद्घाटन हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय करेंगे। वहीं, 14 अक्टूबर को समापन समारोह में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

## न्यूज गैलरी

### ओडिशा की शिक्षिका निकली नौ फ्लैट की मालकिन

**भुवनेश्वर** : ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में एक स्कूल शिक्षिका के घर सतर्कता विभाग की टीम ने गुरुवार को छापामारी की। शिक्षिका तिलोत्मा महांती सिटी स्कूल में पढ़ाती हैं। सतर्कता विभाग ने आय से अधिक संपत्ति के आरोप में शिक्षिका के सरकारी आवास के साथ तीन अन्य जगहों पर एक साथ छापा मारा। शिक्षिका के पास नौ फ्लैट, दो घर एवं बैंक बैलेंस के साथ एक करोड़ से अधिक की संपत्ति होने की बात पता चली है। जानकारी के अनुसार शिक्षिका का 10 बैंकों में खाता है। 25 लाख रुपये का एलआइसी बांड है, 32 लाख रुपये का फिक्स डिपोजिट है। इसके साथ ही एक मारुति कार तथा तीन बाइक भी है। (जासं)

### छुट्टी वाले दिन भी पढ़ाने की इजाजत चाहते हैं निजी स्कूल

**चंडीगढ़** : हरियाणा में निजी स्कूल संचालक छुट्टी वाले दिन भी विद्यार्थियों को पढ़ाने की अनुमति चाहते हैं, ताकि पाठ्यक्रम समय से पूरा हो सके। इस संबंध में दायर याचिका पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है। हरियाणा प्राइवेट स्कूल वेलफेयर ट्रस्ट ने याचिका में बताया कि सरकार कभी सर्दी तो कभी त्योहार के नाम पर छुट्टी कर देती है। इस वजह से स्कूल अपने शैक्षिक दिवस पूरे नहीं कर पाते और बच्चों का सिलेबस अधूरा रह जाता है। कोर्ट ने सरकार को 15 अक्टूबर के लिए नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। (राब्यू)

### लुटेरों से 1.25 करोड़ के 563 मोबाइल फोन बरामद

**बेंगलुरु** : कर्नाटक पुलिस ने लुटेरों के एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए उनके पास से 1.25 करोड़ रुपये के 563 मोबाइल जब्त किए हैं। आरोपितों के पास से ऑटो रिक्शा और बाइक भी जब्त की गई हैं। आरोप है कि बदमाश लूट की वारदातों को अंजाम देते समय विरोध करने वालों की हत्या भी कर देते थे। पुलिस ने बताया कि शिकायतें ज्यादा होने पर बदमाशों की धरपकड़ के लिए 62 लोगों की विशेष टीम बनाई गई थी। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान किजार पाशा, आरिफ खान, आसिफ खान, नवाज शरीफ, अफजाल शरीफ, असलम, कलीम, सलमान, सैयद अकबर व आमिर जमीर खान के रूप में हुई। (प्रेट्र)

### पूर्व सीएम अजीत जोगी के पुत्र अमित को मिली जमानत

**विलासपुर** : चुनाव शपथपत्र में गलत जन्मस्थान बताने के मामले में जेल में बंद छग के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के पुत्र और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी को हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। बता दें कि भाजपा नेत्री समीरा पैकरा ने विलासपुर जिले के गौरेला थाने में अमित जोगी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इसमें कहा गया कि अमित ने गलत जन्मस्थान दर्शाकर 2013 का विधानसभा चुनाव लड़ा था। (नईदुनिया)

# धरी रह गई सारी मशक्कत, पंजाब और हरियाणा में जलने लगी पराली

**चिंताजनक** ▸ पिछले दो दिनों में दोनों ही राज्यों में करीब दो सौ घटनाओं की रिपोर्ट

### हरकत में आया केंद्र, अगले हफ्ते बुलाई जा सकती है पड़ोसी राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों की बैठक

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

केंद्र की कोशिशों के बाद भी पंजाब और हरियाणा में इस बार फिर पराली जलना शुरू हो गया है। पिछले दो दिनों में इसे लेकर करीब दो सौ घटनाओं की रिपोर्ट हुई है। हालांकि इन घटनाओं के रिपोर्ट होते ही केंद्र हरकत में आ गया है। साथ ही राज्यों से निगरानी बढ़ाने और घटनाओं की हर दिन की जानकारी देने को लेकर नए निर्देश दिए हैं।

यह इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि अभी सिर्फ उन्ही फसलों की कटाई शुरू हुई, जो एडवांस या 20 जून के पहले रोपी गई थी। क्योंकि 20 जून के बाद रोपी गई फसलों की कटाई सात अक्टूबर के बाद शुरू होगी। आने वाले दिनों में इन घटनाओं के बढ़ने की आशंका है जिसके चलते दिल्ली और एनसीआर को पराली के जहरीले धुएं से परेशान होना पड़ सकता है। माना जा रहा है कि अगले हफ्ते में कभी भी केंद्र की बैठक बुलाई जा सकती है। हालांकि राज्यों के मंत्रियों के साथ यह बैठक सिंतबर में भी रखी गई थी, लेकिन अंतिम समय में इसे रद करना पड़ा था।

पंजाब और हरियाणा में पराली जलने की घटनाओं से दिल्ली में इस लिए भी खलबली है, क्योंकि इसकी रोकथाम को लेकर पीएमओ तक में बैठक हो चुकी है। अफसरों ने पिछले साल आनन-फानन में तैयारियां का हवाला देते हुए खुद को बचा लिया था, साथ ही इस बार पहले से ही सारी तैयारियों को पूरा करने का दावा किया गया था। इसके तहत दोनों ही राज्यों में खेतों में ही पराली नष्ट करने वाली 50 हजार मशीनों को बांटे जाने का दावा किया गया था। पिछले साल भी दोनों ही राज्यों में करीब 40 हजार मशीनें बांटी गई थीं, हालांकि इनमें काफी मशीनें किसानों तक तब पहुंच पाई थी, जब फसलों की कटाई हो गई थी। खासबात यह है कि किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए केंद्र सरकार ने करीब 12 सौ करोड़ की राशि भी जारी की थी जिसमें पिछले साल करीब 500 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

प्रतीकात्मक।

#### दिल्ली के मौसम में दिखने लगा बदलाव

मौसम के बदले मिजाज और पंजाब व हरियाणा में पराली जलने की घटनाओं के बीच दिल्ली की हवा की गुणवत्ता भी खराब होने लगी है। आने वाले दिनों में इसके और भी खराब होने की उम्मीद जताई जा रही है। वायु की गुणवत्ता पर नजर रखने वाली एजेंसी सफर इंडिया के आंकड़े के मुताबिक, तीन अक्टूबर को दिल्ली में पीएम-10 का लेवल 107 था, वहीं पांच अक्टूबर तक इसके बढ़कर 149 के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद की गई है। मंगलवार को पीएम-10 का लेवल 90 था। बता दें कि वायु की अच्छी गुणवत्ता के लिए पीएम-10 का स्तर 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर या उससे नीचे होना चाहिए।

# जाजमऊ की सभी टेनरियां बंद करने का आदेश

**जागरण संवाददाता, कानपुर**

गंगा में दूषित पानी गिराए जाने पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की मॉनिटरिंग टीम की नाराजगी के बाद उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने जाजमऊ की सभी 122 टेनरियां बंद करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई पंपिंग स्टेशनों में टेनरियों का कचरा डायल्यूट (पतला) नहीं मिलने पर हुई है। दरअसल, जल निगम की ओर से छोड़े गए सीवरेज से टेनरी के कचरे को पतला किया जाता है। मगर, जल निगम समय पर नाला सफाई का काम पूरा नहीं करा सका और पंपिंग स्टेशनों पर सीवरेज नहीं जा रहा है। इस लापरवाही पर जल निगम पर भी जुर्माने की कार्रवाई हो सकती है।

टेनरियों से निकला अपशिष्ट (दूषित जल व कचरा) कनवेंस चैनल से होकर पंपिंग स्टेशनों में जाता है। जहां सीवरेज (घरों से निकला गंदा पानी) भी मिलता है। दोनों का मिश्रण कॉमन इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) में जाता है। यहां से कचरा शोधित होता है, जिससे पानी सिंचाई के लिए जाता है। जल निगम ने मानसून के दौरान नालों की सफाई का काम जारी रखा लेकिन तय समय सीमा 15 सितंबर तक भी सफाई पूरी नहीं हुई। 17 सितंबर को एनजीटी की गंगा मॉनीटरिंग एक्शन कमेटी के पदाधिकारियों ने जाजमऊ क्षेत्र का निरीक्षण किया और गंगा में नालों का गंदा पानी बिना शोधित हुए गिरता देख नाराजगी जताई। सीवरेज के न मिलने पर सीईटीपी के काम पर सवाल खड़े किए। टीम की रिपोर्ट पर एनजीटी ने मुख्य सचिव को प्रमुख सचिव, जल निगम, यूपीपीसीबी के खिलाफ कार्रवाई के लिए आदेशित किया। एनजीटी की फटकार के बाद उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पंपिंग स्टेशन, कनवेंस चैनल और सिंचाई के लिए जाने वाले नालों की सैंपलिंग भी कराई। नतीजे गड़बड़ आने पर टेनरियों को बंद करने का निर्णय लिया। बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. एसबी फ्रैंक्लिन के मुताबिक मुख्यालय से बंदी का आदेश आया है। शुक्रवार से टेनरी संचालकों को नोटिस भेजा जाएगा।

टेनरियों से नहीं हो पा रहा है कचरा डायल्यूट।

#### ताकि साफ रहे गंगा

- यूपीपीसीबी ने पंपिंग स्टेशनों पर सीवरेज के न मिलने पर की कार्रवाई
- जल निगम निर्धारित समय तक नहीं करा सका नालों की सफाई

# 'निजाम के धन में करीब 120 वंशजों की हिस्सेदारी'

**हैदराबाद, प्रेट्र** : हैदराबाद के सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान बहादुर की ब्रिटेन में जमा करीब 3.5 करोड़ पाउंड (लगभग 300 करोड़ रुपये) की राशि के उनके करीब 120 वंशज हिस्सेदार हैं। यह दावा सातवें निजाम के पोते नवाब नजफ अली खान ने किया है। ब्रिटेन में तत्कालीन पाकिस्तानी उच्चायुक्त के खाते में जमा उक्त रकम के मामले में ब्रिटिश हाई कोर्ट ने बुधवार को भारत के पक्ष में फैसला सुनाया था। हालांकि पाकिस्तान के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए चार हफ्ते का समय है।

नवाब नजफ अली खान 'निजाम फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन' के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि परिवार के सभी सदस्य मिल-बैठकर इस धन के बंटवारे का फैसला करेंगे। सभी ने मुझे पूरा अधिकार दिया है और मैं उनका प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। सातवें निजाम के वंशज और हैदराबाद के आठवें निजाम प्रिंस मुकर्रम जाह एवं उनके छोटे भाई मुफ्फखम जाह ने इस धन पर हक के लिए पाकिस्तान सरकार के खिलाफ कानूनी लड़ाई में भारत सरकार से हाथ मिला लिया था। इस मसले पर नवाब नजफ अली खान ने कहा कि वे (प्रिंस मुकर्रम जाह और मुफ्फखम जाह) अकेले पूरी रकम नहीं ले सकते। प्रिंस और उनके छोटे भाई समेत परिवार के सभी सदस्य बैठकर रकम के बंटवारे पर चर्चा करेंगे और मामला वैसे नहीं सुलझा तो अदालत जाने का विकल्प भी है। उन्होंने आगे कहा, 'सबसे बड़ी बाधा पाकिस्तान था। अब यह अन्य सभी पक्षों पर है कि वे सहमति बनाएं... धन के लिए कोई भी लड़ना नहीं चाहता। आखिरकार हम मिलकर बैठेंगे और मामला सुलझा लेंगे। हम फैसला कर लेंगे।'

सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान बहादुर (काले कोट में)। फाइल फोटो

- सातवें निजाम के पोते नवाब नजफ अली खान का दावा
- कहा, सहमति नहीं बनी तो कोर्ट जाने का भी विकल्प

### केदारनाथ मंदिर में मुख्य द्वार पर मढ़ी गई 52 किलो चांदी

**जागरण संवाददाता, रुद्रप्रयाग** : हिंदुओं के प्रसिद्ध धाम केदारनाथ मंदिर का मुख्य द्वार अब चांदी का होगा। इस द्वार को 52 किलो चांदी से मढ़ा गया है। इस पर आने वाली लागत जालंधर (पंजाब) के एक व्यापारी ने वहन की है। श्री बदरी-केदार मंदिर समिति के कार्याधिकारी एनपी जमलोकी ने बताया कि जालंधर के व्यापारी गगन भास्कर ने पिछले दिनों समिति को इस आशय का प्रस्ताव दिया था। प्रस्ताव की मंजूरी के बाद भास्कर ने ही इसके लिए कारीगर भेजे। गुरुवार को द्वार पर चांदी मढ़ने का कार्य पूरा हो गया है। जमलोकी ने बताया कि द्वार पर ओम नमः शिवाय, जय केदार और रतनद्वार उकेरा गया है। इसके अलावा त्रिशूल, डमरू, नंदी और त्रिनेत्र भी बनाए गए हैं। मंदिर का पूर्वी और पश्चिमी द्वार लकड़ी का ही है। जमलोकी ने बताया कि समय-समय पर भक्त मंदिर समिति को इस तरह के दान देते रहे हैं। गर्भ गृह के दरवाजे और अंदर की दीवारों पर मढ़ी गई चांदी भी श्रद्धालुओं ने दान दी थी। जालंधर से फोन पर व्यापारी गगन भास्कर ने बताया कि बाबा केदार में उनकी अगाध आस्था है। पिछले साल उन्होंने मंदिर समिति के पदाधिकारियों से इस बारे में बात की थी। बाद में उन्होंने समिति को इस बारे में बाकायदा प्रस्ताव भेजा।

# पुल की रेलिंग तोड़कर 50 फीट नीचे नदी में गिरी बस, सात की मौत

**नईदुनिया, रायसेन**

मध्य प्रदेश के रायसेन में बुधवार-गुवार की मध्य रात्रि करीब डेढ़ बजे यात्री बस पुल की रेलिंग तोड़कर करीब 50 फीट नीचे रीछन नदी में जा गिरी। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। घायलों में से नौ की हालत गंभीर है। उन्हें भोपाल रेफर किया गया है। नौ अन्य घायलों को रायसेन में भर्ती कराया गया है। बस में कुल 31 यात्री थे। तीन यात्री लापता बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, ओम साईंराम ट्रेवल्स की बस बुधवार रात करीब साढ़े 12 बजे भोपाल से छतरपुर के लिए रवाना हुई थी। रायसेन आने तक अधिकांश यात्री नींद में थे। यहां अनियंत्रित बस पुल की रेलिंग तोड़कर रीछन नदी में जा गिरी। पुलिस, प्रशासन के अधिकारियों/कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने यात्रियों को बाहर निकाला। रायसेन कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने बताया कि अनुमान है कि बस की रफ्तार अधिक होने से हादसा हुआ है। लापता यात्रियों की तलाश की जा रही है। होशंगाबाद रेंज के आईजी आशुतोष राय का कहना है कि हादसे की जांच की जा रही है।

- मध्य प्रदेश के रायसेन में बुधवार देर रात हुआ हादसा
- 18 लोग घायल, नौ गंभीर घायल भोपाल रेफर, तीन लापता

रायसेन में नदी में गिरी बस को क्रेन से बाहर निकालने के प्रयास किए गए, लेकिन शाम तक बस नहीं निकल पाई थी। नईदुनिया

**जांच के आदेश** : परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बस हादसे की जांच करने, बस का फिटनेस प्रमाण-पत्र और ड्राइवर का लायसेंस निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। जिला परिवहन अधिकारी रीतेश तिवारी ने सागर और रीवा आरटीओ को इस संबंध में पत्र लिखा है, क्योंकि बस सागर में रजिस्टर्ड है और ड्राइवर का लायसेंस रीवा से बना है।

**मृतकों में पिता-पुत्र और एक दंपती शामिल** : हादसे में रवि बंसल (22) पुत्र बुद्धा और रवि का बेटा दीपक (01) निवासी छतरपुर, बीएल मालवीय और उनकी पत्नी सागर निवासी रायसेन, मोहम्मद अनवर (29) पुत्र लियाकत रंगरेज निवासी सागर, उजेफा (19) पुत्र अंसार निवासी बेगमगंज तथा आशीष निवासी राजगढ़ की मौत हुई है।

> घटना बेहद दुखद है। रात में ही अधिकारियों को राहत कार्य तत्परता से करने के निर्देश दिए। मृत यात्रियों के परिवारों के प्रति मेरी शोक संवेदनाएं। प्रत्येक मृत यात्री के परिवार के लिए चार-चार लाख रुपए और घायलों के लिए हरसंभव आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।
> -कमलनाथ, मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश

# जादू-टोने के संदेह में ग्रामीणों ने छह बुजुर्गों को पिलाया मैला

**जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर**

- ओडिशा के गंजाम जिले के चिकिली पंचायत का है मामला
- 22 महिलाओं सहित 50 से अधिक लोग गिरफ्तार

ओडिशा के गंजाम जिले के चिकिली पंचायत अंतर्गत गोपपुर गांव में जादू टोना के संदेह में ग्रामीणों ने छह बुजुर्गों को बांधकर न सिर्फ अमानवीय तरीके से जबरन दांत उखाड़ दिए बल्कि मैला पीने को मजबूर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी पीड़ितों को अपने संरक्षण में लिया। इनको बरहमपुर स्थित एमकेसीजी मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले में 50 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि गांव पहुंचने पर पुलिस को ग्रामीणों के कड़े विरोध का सामना भी करना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक एक महीने के अंदर गोपपुर गांव में अज्ञात बीमारी के कारण चार लोगों की मौत हो गई थी। ऐसे में गांव वालों के दिमाग में जादू टोना के चलते मौत होने की बात घुस गई। इसी अंधविश्वास के चक्कर में शनिवार को एक ओझा गुनी (जादू टोना का निदान करने वाला) को बुलाकर गांव में खटिया घुमाई गई। इस दौरान ओझा के निर्देश पर उक्त छह व्यक्तियों को पकड़ा गया। इनमें योगी दास, राम नाहाक, हरि नाहाक, सनिया नाहाक, योगेंद्र नाहाक, जुरिया नाहाक शामिल हैं। इसके बाद गांव वालों ने इन सभी के हाथ पैर बांधकर निर्दयता से पिटाई की, उनके दांत उखाड़ दिए गए और बाद में सभी को मैला पिलाया गया।

इसके बावजूद ग्रामीणों का गुस्सा शांत नहीं हुआ तो सभी पीड़ितों को गांव के ही एक घर में बंद कर दिया। करीब दो दिन तक इसी प्रकार रखकर तरह- तरह से सताया गया। किसी तरह यह बात पुलिस तक पहुंची। सोमवार को पुलिस-प्रशासन के अधिकारी गांव में पहुंचे और सभी पीड़ितों को अपने संरक्षण में ले लिया। इस दौरान पुलिस को स्थानीय लोगों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने सोमवार रात को गांव में छापा मारकर 22 महिला के साथ कुल 50 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना के बाद से ही गांव में तनाव है। इसे देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

### नक्सली हिंसा में मृत दूसरे राज्य के लोगों के आश्रितों को नौकरी का प्रस्ताव

**दिलीप कुमार, रांची** : नक्सली हिंसा में मारे गए दूसरे राज्य के निवासियों के आश्रितों को भी झारखंड में नौकरी व अनुग्रह अनुदान देने की तैयारी है। अब तक ऐसी व्यवस्था नहीं होने से दूसरे राज्य के निवासियों को झारखंड सरकार की नीति का लाभ नहीं मिल रहा है। मृतकों के ऐसे आश्रितों के आवेदन जब सरकार के पास पहुंचे, तो सरकार ने विचार करना शुरू किया। इसके बाद गृह विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया और फाइल मुख्यमंत्री के पास भेजी गई है।

गृह विभाग ने तैयार प्रस्ताव में लिखा है कि राज्य में हुई नक्सली हिंसा में मारे जाने वाले राज्य के बाहर के सामान्य निवासी के आश्रित परिवार के एक सदस्य को भी झारखंड के निवासी की तरह ही अनुग्रह अनुदान व नौकरी पर विचार होना चाहिए।

इस प्रस्ताव पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग, योजना सह वित्त विभाग, विधि विभाग की सहमति मिल चुकी है। नौ ऐसे लोग जो दूसरे राज्यों के रहने वाले थे, लेकिन झारखंड में नक्सली हिंसा के शिकार हुए थे, उनके आश्रितों के आवेदन के बाद ही यह मामला आगे बढ़ा है। जल्द ही इस बारे में फैसला लिया जाएगा।

### 50 किलोग्राम सोने की प्रतिमा...

कोलकाता का दुर्गा पूजा महोत्सव पूरी दुनिया में यूं ही नहीं मशहूर है। यहां के भव्य पंडाल और दिव्य प्रतिमाएं लोगों का मन मोह लेती हैं। इस बार यहां प्रसिद्ध संतोष मित्र स्क्वायर सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति के पूजा पंडाल में मां दुर्गा की स्वर्ण प्रतिमा स्थापित हुई है। खास यह है कि इस प्रतिमा का निर्माण 50 किलोग्राम सोने से किया गया है। प्रतिमा करीब 13 फीट ऊंची है। बिमल कर्मकार

### कोर्ट में हाजिर न होने पर आजम सहित बेटे और पत्नी के खिलाफ वारंट

**जागरण संवाददाता, रामपुर** : सांसद आजम खां के विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के मामले में गुरुवार को कोर्ट में सुनवाई हुई। हाजिर न होने पर आजम, उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा, विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम के खिलाफ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवेंद्र कांबोज की कोर्ट ने वारंट जारी किया है।

भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ के पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयोजक आकाश सक्सेना ने सांसद आजम और उनकी पत्नी पर बेटे अब्दुल्ला के दो अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र बनवाने का आरोप लगाते हुए तीन जनवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि अब्दुल्ला का एक जन्म प्रमाण पत्र 28 जून 2012 को रामपुर नगर पालिका परिषद से बना है, जो आजम खां और उनकी पत्नी के शपथ पत्र के आधार पर जारी किया गया है। इसमें बेटे का जन्म रामपुर में होना दर्शाया गया है। वहीं, दूसरा 21 जनवरी 2015 को लखनऊ नगर निगम से बना है। दोनों में जन्म तिथि अलग अलग है। इस मुकदमे को खारिज कराने और गिरफ्तारी से बचने के लिए आजम ने जनवरी में हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। पुलिस ने विवेचना पूरी कर अप्रैल में चार्जशीट लगा दी। अदालत ने समन जारी कर गुरुवार को पेश होने को कहा था लेकिन, वह नहीं पहुंचे। इस पर अदालत ने वारंट जारी कर दिए। भाजपा नेता आकाश सक्सेना अपना पक्ष रखने के लिए कोर्ट में पेश हुए। अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी।

# कैप्टन ने कहा-पाक नहीं पर कॉरिडोर से करतापुर गुरुद्वारे जाएंगे मनमोहन

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

- पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह बोले, कॉरिडोर से गुरुद्वारे जाने और पाकिस्तान जाने में फर्क है
- कहा, राष्ट्रपति और पीएम ने सुल्तानपुर लोधी में आने का पंजाब सरकार का न्योता स्वीकार किया

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने साफ किया है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और वह खुद करतापुर कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह के लिए पाकिस्तान नहीं जाएंगे। कैप्टन ने कहा कि वह सर्वदलीय जत्थे के साथ केवल कॉरिडोर से करतारपुर गुरुद्वारे जाएंगे और मनमोहन सिंह को भी उन्होंने इसी जत्थे के साथ जाने का न्यौता दिया है।

मनमोहन ने पंजाब के मुख्यमंत्री के इस आमंत्रण को स्वीकार किया है न कि पाकिस्तान के न्योते को। पाकिस्तान जाने की खबरों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉरिडोर से गुरुद्वारे जाने और पाकिस्तान जाने में बहुत फर्क है। कैप्टन ने गुरुनानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के विशेष समारोह के लिए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी न्योता दिया।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि दोनों ने राज्य सरकार के इस बड़े ऐतिहासिक आयोजन में शामिल होने की हामी भर दी है। कैप्टन ने कहा कि करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन का कार्यक्रम पाकिस्तान सरकार से तय हो जाने के बाद राष्ट्रपति कोविंद और प्रधानमंत्री मोदी के पंजाब सरकार के कार्यक्रम में शरीक होने के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मोदी और कोविंद से मुलाकात के बाद पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से भी भेंट की और उन्हें समारोह में आने का न्योता दिया। कैप्टन ने कहा कि कॉरिडोर खुलने के दिन वह सर्वदलीय जत्था लेकर करतारपुर गुरुद्वारे जाएंगे। अपने पाकिस्तान जाने के सवाल पर कैप्टन अमरिंदर ने कहा कि उनका यह रुख कायम है कि जब तक सीमा पार से आतंकवाद को रोका नहीं जाता तब तक वह पाकिस्तान नहीं जाएंगे।

पंजाब के मुख्यमंत्री के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि कैप्टन अमरिंदर ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन पर डेरा बाबा नानक में आयोजित कार्यक्रम और 12 नवंबर को सुल्तानपुर लोधी के मुख्य कार्यक्रम में आने का विशेष तौर पर अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भी पत्र लिखकर 21 सदस्यीय दल के 30 अक्टूबर से तीन नवंबर तक पाकिस्तान के ननकाना साहिब जाने की अनुमति दिलाने का आग्रह किया है। ताकि नगर कीर्तन को वहां से अमृतसर के रास्ते कपूरथला जिले के सुल्तानपुर लोधी में चार नवंबर को लाया जा सके।

### त्योहारों के लिए अस्थाई तालाब

प्रथम पृष्ठ से आगे

नई व्यवस्था के मुताबिक नदी तटों और घाटों को प्रदूषण से मुक्त करने के लिए विभिन्न त्योहारों पर परंपराओं के निर्वहन के लिए अलग से समुचित व्यवस्था करने को कहा गया है। नगरपालिका या नगर निगम की किसी जमीन पर या फिर गंगा नदी के तट या उसकी सहायक नदियों के पास नामित प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए छोटे अस्थायी तालाब बनाए जाएं। इन तालाबों के आधार में अस्थाई सिंथेटिक लाइनर लगाए जाएं। जल की गुणवत्ता में कमी आने पर अध्ययन करने के लिए भी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन ने इस संबंध में उत्तराखंड, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के अधिकारियों के साथ विगत 12 सितंबर को एक अहम बैठक की है। साथ ही उन सभी को गंगा और उसकी सहायक नदियों जैसे अलकनंदा, भागीरथी, मंदाकिनी, नंदाकिनी, घाघरा, गंडक, सोन, धौलगंगा आदि में प्रतिमाओं और पूजा सामग्री का विसर्जन नहीं करने के नियम को सख्ती से लागू करने को कहा है।

# नवलखा की याचिका पर सुनवाई से अलग हुए पांचवें जज

**नई दिल्ली, प्रेट्र** : सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एस. रवींद्र भट्ट ने भी गुरुवार को कोरेगांव भीमा हिंसा के आरोपित नक्सली समर्थक गौतम नवलखा की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। बांबे हाई कोर्ट ने कोरेगांव भीमा हिंसा में नवलखा के खिलाफ दर्ज रिपोर्ट को रद करने से इन्कार कर दिया था, जिसे उसने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। अब तक पांच जज नवलखा की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर चुके हैं।

30 सितंबर को चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने नवलखा की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इसके बाद एक अक्टूबर को जस्टिस एनवी रमना, आर सुभाष रेड्डी और बीआर गवई ने भी सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था।

जस्टिस अरुण मिश्रा, जस्टिस विनीत सरन और जस्टिस एस. रवींद्र भट्ट की पीठ के समक्ष गुरुवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया तो जस्टिस भट्ट ने इससे खुद को अलग कर लिया। जब नवलखा के वकील ने पीठ को बताया कि बांबे हाई कोर्ट द्वारा दी गई तीन सप्ताह की सुरक्षा शुक्रवार को समाप्त हो रही है तब अदालत ने कहा कि याचिका पर शुक्रवार को दूसरी पीठ विचार करेगी।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट लगा रखी है। 13 सितंबर को बांबे हाई कोर्ट ने इस मामले में दर्ज एफआइआर रद करने से इन्कार कर दिया था। पुणे जिले के कोरेगांव भीमा में 31 दिसंबर 2017 को आयोजित एलगार परिषद के बाद हुई कथित हिंसा के सिलसिले में पुणे पुलिस ने जनवरी 2018 में नक्सली समर्थक नवलखा और अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।

- कोरेगांव भीमा हिंसा मामले में आरोपित है नक्सली समर्थक नवलखा
- बांबे हाई कोर्ट उसके खिलाफ दर्ज रिपोर्ट को रद करने से कर चुका है इन्कार

### जनमत मुद्दा

**क्या हम सब अपने राष्ट्र-समाज के समक्ष गंभीर चुनौतियों की पहचान करने में सक्षम हैं?**

mudda@jagran.com पर आप अपनी राय हमें भेज सकते हैं। मोबाइल से मैसेज भी कर सकते हैं। MUDDA लिखें, स्पेस देकर YES या NO लिखकर 57272 पर भेजें।

Download UPSC IAS Material: www.iascgl.com



दैनिक जागरण
समाधान अक्सर समस्या के इर्द-गिर्द ही होता है

# फिर वही पराली दहन

यह हैरान करता है कि बीते वर्षों में तमाम चिंता और चेतावनी जताए जाने के बाद भी दिल्ली के पड़ोसी राज्यों और खासकर पंजाब एवं हरियाणा में पराली जलाया जाना शुरू हो चुका है। हालांकि इन राज्यों में पराली जलाए जाने की सूचना मिलते ही केंद्र सरकार सतर्क हो गई है, लेकिन ऐसा तो बीते वर्षों में भी होता रहा है। सर्दियों की आहट मिलते ही केंद्र सरकार के साथ-साथ राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी एनजीटी भी पराली जलाने के खिलाफ सक्रिय हो उठता है, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है। इससे उत्साहित नहीं हुआ जा सकता कि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी केंद्र सरकार दिल्ली के पड़ोसी राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों की बैठक बुलाने पर विचार कर रही है, क्योंकि अगर ऐसी कोई बैठक होती है तो भी इसके प्रति सुनिश्चित नहीं हुआ जा सकता कि उत्तर भारत आसमान में छाने वाले धूल और धुएं के गुबार से बच सकेगा। हालांकि सभी इससे भली तरह परिचित हो चुके हैं कि धूल और धुएं के जहरीले गुबार से बना स्मॉग आम आदमी की सेहत के लिए गंभीर संकट पैदा करता है, लेकिन ऐसे ठोस उपाय नहीं किए जा रहे हैं जिससे किसान पराली न जलाएं। भले ही एनजीटी के दबाव में राज्य सरकारें पराली जलाने से रोकने के कदम उठाने की हामी भर देती हों, लेकिन बाद में यही अधिक देखने में आता है कि वे कभी संसाधनों के अभाव को बयान करने लगती हैं और कभी किसान हित की दुहाई देने लगती हैं।

चूंकि पराली को जलाने से रोकने के मामले में जरूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय देने से इन्कार किया जा रहा है इसलिए उत्तर भारत हर वर्ष सर्दियों के मौसम में पर्यावरण प्रदूषण की चपेट में आने को अभिशप्त है। यह समस्या इसलिए गंभीर होती जा रही है, क्योंकि पंजाब और हरियाणा के किसान धान की वे फसलें उगाने लगे हैं जिनमें कहीं अधिक अवशेष निकलता है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम को लेकर सचमुच गंभीर हैं तो उन्हें आपस में मिलकर ऐसे कदम उठाने ही होंगे जिनसे किसान पराली जलाने से बचें। बेहतर हो कि हमारे नीति-नियंता यह समझें कि पराली के निस्तारण का कोई कारगर तरीका अपनाने की जरूरत है। अगर यह दावा सही है कि किसानों को फसलों के अवशेष नष्ट करने वाले उपकरण सुलभ कराए जा रहे हैं तो फिर पंजाब और हरियाणा से पराली जलाने की खबरें क्यों आ रही हैं? कहीं यह कागजी दावा तो नहीं? सच जो भी हो, लगता यही है कि पर्यावरण की रक्षा के लिए जो कुछ किया जाना चाहिए था उससे कन्नी काट ली गई।

# पर्यावरण रक्षा का संदेश

बापू की 150वीं जयंती पर उन्हें याद करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक के लिए झारखंड में महाअभियान की शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान और संकल्प से कदमताल करते हुए राज्य के स्कूली बच्चों ने भी गांधी जयंती के अवसर पर पर्यावरण रक्षा एवं स्वच्छता का अनुकरणीय संदेश दिया है। दैनिक जागरण के जल संरक्षण अभियान से जुड़कर जलसैनिक के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे बच्चों ने इस मुहिम को पानी बचाने की मुहिम से भी जोड़ा है। बताने की जरूरत नहीं कि मृदा और जलस्रोतों को नुकसान पहुंचाने वाला प्लास्टिक जल संरक्षण की राह में भी बाधक है। प्लास्टिक से मुक्ति के इस संदेश को समाज में आगे बढ़ाने और इसे आत्मसात करने-कराने की जिम्मेदारी हम सब की है। इसके लिए न सिर्फ माहौल बनाया जाना चाहिए बल्कि सतत निगरानी में यह काम आगे भी चलता रहना चाहिए। आजादी की लड़ाई के दौरान महात्मा गांधी ने स्वच्छता का भी संदेश दिया था। इसके लिए उन्होंने साबरमती आश्रम समेत अन्य स्थानों पर खुद पहल की थी। अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर बापू के सपने को पूरा कर स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त और प्लास्टिक मुक्त झारखंड बनाएं। इस मुहिम को जन-जन का अभियान बनाने की घोषणा तभी सही मायने में अमल में आ सकेगी, जब पूरा देश दिल से प्लास्टिक से मुक्ति का संकल्प ले कर काम करे। हर स्तर पर इसकी पहल करनी होगी। जिस तरह स्कूली बच्चों ने गली-गली प्लास्टिक चुनकर स्वच्छता की अलख जगाई है, उससे हम सबों को सबक लेना चाहिए। जब ऐसी शपथ घर-घर में अंगीकार कर ली जाएगी तो कपड़े का झोला लेकर चलने और कचरा नहीं फैलाने से लेकर कचरा निस्तारण तक की आदत अपने आप बन जाएगी। प्लास्टिक से बनी दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल नहीं करने पर भी गौर करते रहना होगा। सरकार और उसकी मशीनरी पर भी इसके लिए कड़े नियम बनाने और उसका अनुपालन कराने की महती जिम्मेदारी है। प्लास्टिक के कचरे का बढ़ता भंडार जिस तरह हवा, मिट्टी, पानी और पूरे वातावरण को प्रदूषित कर जीवन और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा बन चुका है, उससे निजात पाने के लिए आरपार की लड़ाई छेड़नी होगी। समय रहते नहीं चेते तो आनेवाले दिलों में परिणाम भयंकर हो सकते हैं।

**प्लास्टिक से मुक्ति के अभियान को हमें अपनी भविष्य सुरक्षित रखने की जरूरी मुहिम के रूप में देखना चाहिए**

# असहमति के बाद भी करीब आता अमेरिका

**हर्ष वी पंत**

**प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिकी दौरे में भले ही कुछ ठोस मसलों पर बात नहीं बनी हो, लेकिन वह भारत-अमेरिकी संबंधों में आई शिथिलता को दूर करने और विश्व समुदाय को साधने में सफल रहे**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया अमेरिकी दौरे पर खासी टीका-टिप्पणियां हो रही हैं। यह स्वभाविक भी है। जहां उनके समर्थक इस दौरे को भारत के लिए बड़ी जीत करार दे रहे हैं वहीं प्रधानमंत्री के आलोचकों का कहना है कि इस दौरे में कोई ठोस उपलब्धि हासिल नहीं हुई, मगर इस बात पर किसी विवाद या बहस की कोई गुंजाइश नहीं कि अपने पूरे दौरे में प्रधानमंत्री मोदी फ्रंटफुट पर खेलते नजर आए और उन्होंने पूरी तन्मयता के साथ भारत के हितों को वैश्विक मंच पर रखा। मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी विदेश नीति में परंपरागत रक्षात्मक रवैया बदला है। अपने अमेरिकी दौरे के दौरान भी वह भारतीयों की आकांक्षाओं को मुखरता के साथ प्रदर्शित करने में पीछे नहीं रहे। अपने इस व्यस्त अमेरिकी दौरे में मोदी को चार भूमिकाएं निभानी थीं। सबसे पहले तो उन्हें अमेरिका के साथ विशेषकर व्यापारिक मोर्चे पर तल्खी को कम करना था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप काफी अर्से से व्यापारिक मुद्दों को लेकर भारत पर निशाना साधते रहे हैं। ऐसे में भारतीय प्रधानमंत्री के लिए यह महत्वपूर्ण था कि वह वाशिंगटन को आश्वस्त करें कि भारत परस्पर लाभ के लिहाज से अमेरिका के साथ ठोस मुद्दों पर सक्रियता से संवाद करने के लिए तैयार है। दोनों देशों के साथ व्यापारिक तानेबाने को सुगम बनाने के लिए भारतीय अधिकारी विशेषकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ लगातार सक्रिय हैं। यहां तक कि ह्यूस्टन में अपनी रैली के दौरान खुद मोदी ने ट्रंप को बड़े जोरदार ढंग से लुभाने की कोशिश की। वहीं ट्रंप उस कार्यक्रम में स्वयं को भारत और भारतीय मूल के अमेरिकियों के सबसे बड़े हितैषी के रूप में पेश कर रहे थे। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं कि इस कवायद का खाका मोदी ने ही खींचा था। बहरहाल इस दौरे में बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौता नहीं हो सका। इसकी मुख्य वजह यही रही कि दोनों देश सूचना एवं संचार यानी आइसीटी उत्पादों पर कोई सहमति बनाने में नाकाम रहे, मगर इन वार्ताओं ने वाशिंगटन को यह भरोसा जरूर दिलाया कि अमेरिका के साथ व्यापार को लेकर भारत बहुत गंभीर है। व्यापार समझौते को लेकर ट्रंप का बयान दोनों देशों के बीच सहजता के स्तर की पुष्टि करता है।

मोदी के लिए दूसरी भूमिका यह थी कि वह अमेरिकी और वैश्विक निवेशकों के समक्ष निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में भारत का पक्ष मजबूती से रखें। उन्हें भारत की ऐसी पैरवी एक ऐसे समय में करनी थी जब देश में आर्थिक सुस्ती को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। ऊर्जा क्षेत्र में सक्रिय कंपनियों के प्रमुखों के साथ ह्यूस्टन में और फिर मास्टरकार्ड, वीजा और वालमार्ट जैसी 40 दिग्गज कंपनियों के सीईओ के साथ न्यूयार्क में ब्लूमबर्ग ग्लोबल बिजनेस फोरम में मोदी ने भारत में निवेश आकर्षण के पहलुओं को रेखांकित किया। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि निवेशकों को कोई दिक्कत आती है तो वह स्वयं निजी हस्तक्षेप करके उसका निदान करेंगे। मोदी ने भारत के लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, मांग और निश्चिंतता जैसे तमाम बिंदु गिनाए जो भारत की वृद्धि को धार दे रहे हैं और वैश्विक निवेशक भी इसका हिस्सा बनकर लाभ उठा सकते हैं। मोदी भारत के सबसे बेहतरीन ब्रांड अंबेसडर बने हुए हैं और वह भारत की पैरवी ऐसे वक्त में कर रहे हैं जब तमाम लोगों ने भारत की आर्थिक वृद्धि को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

अवधेश राजपूत

मोदी के लिए तीसरी भूमिका अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमताओं को पुनः रेखांकित करने से जुड़ी थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में उन्होंने जिस तरह भारत के आमूलचूल परिवर्तनों को प्रकट किया वह उन व्यापक आकांक्षाओं के अनुरूप ही था जो दुनिया लगातार भारत से करती आ रही है। एक वैश्विक खिलाड़ी के रूप में भारत की भूमिका और भारत के उदय को समायोजित करने के लिए नए वैश्विक ढांचे की दरकार को लेकर उनका भाषण तेजतर्रार और स्पष्टता लिए था। इस मंच पर मोदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीयवाद भारतीय सभ्यता के मूल्यों में स्वाभाविक रूप से सन्निहित है। वह केवल शक्ति संतुलन में भारत के हितों को लेकर की जाने वाली तिकड़म नहीं है। अपने भाषण में उन्होंने पाकिस्तान को पूरी तरह नजरअंदाज किया। यहां तक कि आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से किए आह्वान में भी उन्होंने पाकिस्तान का नाम लेना गवारा नहीं समझा। इससे भी महत्वपूर्ण उनका यह कहना रहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने के लिए नई दिल्ली बहुध्रीवयता को अनिवार्य मानती है। उन्होंने यह कहते हुए दुनिया में बढ़ते संरक्षणवाद पर प्रहार किया कि 'हमारे पास यह विकल्प नहीं कि हम स्वयं को अपनी सीमाओं में समेटकर रखें।' यह कहकर उन्होंने ट्रंप की बहुध्रुवीयता की समाप्ति वाली अवधारणा को स्पष्ट रूप से खारिज किया।

आखिर में मोदी के लिए चौथी भूमिका यही थी कि वह जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद भारत के पक्ष को रखने के साथ ही इस मसले पर पाकिस्तानी दुष्प्रचार की काट करें। इसके लिए उन्होंने ह्यूस्टन रैली के मंच का प्रभावी रूप से इस्तेमाल किया और ट्रंप की मौजूदगी में यह संदेश दिया कि नई दिल्ली को यह नीति बदलने की जरूरत क्यों पड़ी? इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने कितने पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से इस फैसले को अंजाम दिया। इस सभा में मौजूद 50,000 भारतीय-अमेरिकियों द्वारा इस पर गर्मजोशी से दी गई प्रतिक्रिया से अमेरिकी राजनीतिक प्रतिष्ठान को महसूस हुआ होगा कि अनुच्छेद 370 पर नई दिल्ली के निर्णय को भारतवंशियों का कितना जबरदस्त समर्थन हासिल है। मोदी के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी विभिन्न मंचों पर भारत के पक्ष को बखूबी बयान किया। इस दौरान वह कई मिथ्या धारणाओं को दूर करने में सफल रहे।

स्पष्ट है कि मोदी के अमेरिकी दौरे में तमाम मसलों पर बात आगे बढ़ी और इस दौरान की गई तमाम कोशिशें सराहनीय कही जाएंगी। यह सही है कि अमेरिका के साथ व्यापारिक गतिरोध पर तनाव कायम है और ट्रंप एक अनिश्चित एवं अस्थिर वार्ताकार बने हुए हैं, वहीं इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि अमेरिका में अभी भी पाकिस्तान के हमदर्द मौजूद हैं। मगर मोदी का दौरा इन सभी समस्याओं को सुलझाने के लिए नहीं था। यह दौरा संबंधों में आई शिथिलता को दूर करने और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को साधने पर केंद्रित था। इन दोनों मोर्चों पर मोदी प्रभावी रहे। अब पूरा दारोमदार भारतीय कूटनीति पर है कि मोदी के इस दौरे से बने बढ़िया माहौल को कैसे निरंतरता देकर उसे भलीभांति भुनाए।

(लेखक लंदन स्थित किंग्स कॉलेज में इंटरनेशनल रिलेशंस के प्रोफेसर हैं)

**response@jagran.com**

# गीता के ज्ञान पर व्यर्थ का विवाद

**प्रो. निरंजन कुमार**

**यह फिर साबित हुआ कि वामपंथी और उदारवादी बुद्धिजीवियों को भारतीय परंपरा-संस्कृति में से कुछ भी ठीक नहीं लगता**

प्रसिद्ध चिंतक मारकस गार्वी लिखते हैं कि अपने अतीत, मूल और संस्कृति के ज्ञान के बिना व्यक्ति अथवा समाज एक जड़हीन वृक्ष की तरह है। अतीत की ओर देखने का अर्थ भविष्य से मुंह मोड़ना नहीं है, क्योंकि अतीत भविष्य की प्रशस्त राह बनाता है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो वामपंथियों, छद्म उदारवादियों और औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रस्त अंग्रेजीपरस्त बुद्धिजीवियों ने अपने गौरवशाली अतीत को न केवल हमेशा नकारा, बल्कि उसे हिकारत भरी दृष्टि से भी देखा। इसका ताजा उदाहरण है चेन्नई के अन्ना यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग कोर्स में भगवद्गीता को शामिल करने पर उठा विवाद। द्रमुक नेता स्टालिन और वामपंथी नेता सीताराम येचुरी के साथ-साथ कई बुद्धिजीवियों ने इसे आरआरएस और भाजपा का हिंदुत्ववादी एजेंडा बताकर इसके विरोध में विवाद खड़ा कर दिया। इसके कई पहलू हैं। एक तो यह कि इंजीनियरिंग कोर्स में दर्शनशास्त्र और भगवद्गीता का क्या औचित्य? दूसरे, भगवद्गीता के माध्यम से हिंदू धर्म को आरोपित किया जा रहा है। दर्शनशास्त्र ही पढ़ाना हो तो इसमें कुरान, बाइबिल आदि क्यों नहीं शामिल हों? यह भी कहा जा रहा है कि भगवद्गीता पलायनवाद को बढ़ावा देगी। एक आरोप यह भी है कि भगवद्गीता के माध्यम से संस्कृत द्वारा तमिल और द्रविड़ संस्कृति पर हमला है।

ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआइसीटीई) द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार अन्ना यूनिवर्सिटी ने इंजीनियरिंग में भगवद्गीता को शामिल किया। एआइसीटीई देश में इंजीनियरिंग और टेक्निकल शिक्षा का नियमन करती है। उसके मॉडल पाठ्यक्रम के अनुसार इंजीनियरिंग में मानविकी और सामाजिक विज्ञान भी पढ़ाए जाएंगे, ताकि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो। एआइसीटीई ने ऐसे 32 विषय सुझाए हैं जिनमें अन्ना विश्वविद्यालय ने 'भारतीय संविधान', 'अंग्रेजी', 'व्यावसायिक संचार', 'फिल्म मूल्यांकन बोध' और 'दर्शन और नैतिकता' जैसे छह कोर्स शुरू किए हैं। इनमें से कोई अनिवार्यता नहीं है, छात्र किसी भी विकल्प का चयन कर सकते हैं। फिर भी प्रश्न उठाया गया कि इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में दर्शनशास्त्र या फिल्म मूल्यांकन-बोध आदि क्यों? दरअसल एक संतुलित और सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण में ऐसे कोर्स बहुत सहायक होते हैं। विभिन्न नवीनतम शोधों में पाया गया है कि जीवन में सफल होने के लिए व्यक्ति में बौद्धिक गुणांक के अतिरिक्त भावात्मक गुणांक, सामाजिक गुणांक

और विपरीत परिस्थिति गुणांक होना भी आवश्यक है। गीता या दर्शनशास्त्र अथवा मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विषय इसमें बहुत सहायक होते हैं। अमेरिका के विश्वविद्यालयों में इंजीनियरिंग डिग्री के लिए सामाजिक विज्ञान के कई विषय पढ़ने अनिवार्य हैं। अपने यहां भी आइआइटी में मानविकी का पूरा एक विभाग है।

एक आरोप यह भी है कि यह शिक्षा का भगवाकरण या हिंदुकरण है। यहां यह समझना जरूरी है कि भगवद्गीता बाइबिल या कुरान की तरह विशुद्ध धार्मिक ग्रंथ नहीं है। इसे एक दर्शन ग्रंथ के रूप में देखा जाता है जो कर्म और ज्ञान का संदेश देता है। महात्मा गांधी से लेकर प्रसिद्ध अंग्रेज लेखक-दार्शनिक एल्डस हक्सले, अमेरिकी चिंतक एवं गांधीजी के दार्शनिक गुरु हेनरी डेविड थोरो, अमेरिकी वैज्ञानिक एवं परमाणु बम के जन्मदाता रॉबर्ट ओपेनहाइमर और स्विट्जरलैंड के विख्यात मनोविश्लेषक कार्ल जंग और पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम भगवद्गीता के बड़े प्रशंसक रहे हैं। यह भी ध्यान रहे कि अन्ना विश्वविद्यालय में भगवद्गीता एक स्वतंत्र कोर्स के रूप में नहीं, बल्कि दर्शनशास्त्र का हिस्सा है जिसमें भारतीय और पश्चिमी दर्शन का मिश्रण है। इसमें सुकरात, प्लेटो और फ्रांसिस बेकन और मिशेल फूको पर अध्याय भी शामिल हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि अनेक देशों में इंजीनियरिंग आदि में धार्मिक शिक्षा अनिवार्य है। दक्षिण कोरिया में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में ईसाई मजहब की शिक्षा अनिवार्य है। एक आरोप यह भी है कि भगवद्गीता के माध्यम से तमिल भाषा और द्रविड़ संस्कृति पर संस्कृत और तथाकथित आर्य संस्कृति को थोपा जा रहा है। यह बेतुका आरोप है, क्योंकि खुद अन्ना यूनिवर्सिटी ने कहा है कि यह कोर्स अनिवार्य विषय नहीं है। तब इसमें संस्कृत थोपने जैसी बात कहां से आती है?

फिर यह भी कि गीता को तमिल या अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाया जाएगा। दरअसल आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सियासी फायदे के लिए द्रमुक तरह-तरह की तिकड़म कर रही है। इसी क्रम में तमिल-संस्कृत अथवा द्रविड़-आर्य संस्कृति का नकली विवाद खड़ा कर रही है। यहां यह जानना भी अप्रासंगिक नहीं होगा कि जिस तमिल-संस्कृत का द्वंद्व पैदा करने की कोशिश की जा रही है उसके बारे में इंडो-यूरोपीय तुलनात्मक ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और द्रविड़ भाषा विज्ञान के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ प्रो. थॉमस बरो का शोधकार्य 'लोनवर्डस इन संस्कृत' (1946) और 'कलेक्टेड पेपर्स ऑन द्रविड़ियन लिंग्विस्टिक्स' (1968) दर्शाता है कि संस्कृत के हजारों शब्द कुछ परिवर्तनों के साथ तमिल भाषा में शामिल हो चुके हैं और इसी तरह संस्कृत ने बड़ी संख्या में तमिल से शब्द ग्रहण किए हैं। भगवद्गीता को आर्य संस्कृति से जोड़ना और द्रविड़ संस्कृति को इससे अलग बताते हुए इस पर हमले का झूठा वितंडा खड़ा करना वामपंथी और छद्म उदारवादी बुद्धिजीवियों का पुराना शगल रहा है। इसी क्रम में ये आर्यों को बाहर से आया बताते हैं, जबकि हाल में हरियाणा के राखीगढ़ी की खोदाई में मिले नरकंकाल-अवशेषों के डीएनए अध्ययन में हार्वर्ड और प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी के अध्येताओं ने इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है कि आर्य बाहर से भारत में आए थे।

वामपंथी व उदारवादी बुद्धिजीवियों को भारतीय परंपरा-संस्कृति में से कुछ भी ठीक नहीं लगता, जबकि भगवद्गीता का चिंतन सार्वदेशिक, सार्वकालिक और सार्वभौमिक है। अमेरिकी चिंतक व गांधी जी के दार्शनिक गुरु हेनरी डेविड थोरो के इस कथन को ये लोग न भूलें कि वेद-उपनिषद के महान शिक्षण में संप्रदायवाद-अलगाव का कोई स्पर्श नहीं है। यह सभी युगों और राष्ट्रीयताओं के लिए है और महान ज्ञान की प्राप्ति के लिए उत्तम मार्ग है।

(लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं)

**response@jagran.com**

ऊर्जा

## कल और आज के बीच

कल के लिए हम कितना कुछ 'संभाल' कर रख देते हैं। अधिकांश लोग सोचते रहते हैं कि जो करना है, कल ही करना है। उनके इस कल-कल के चक्कर में कल कभी आ ही नहीं पाता। कल एक ऐसा सपना बनकर रह जाता है, जो कभी पूरा ही नहीं होता। हम कल और आज के बीच में ही झूलते रहते हैं। हम वर्तमान से कहीं ज्यादा कल में रहना-जीना पसंद करते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि कल पर छोड़ दिए गए कार्य शायद ही कभी पूरे हो पाते हैं। कल हमारे लिए ऐसा खूबसूरत बहाना बनकर रह जाता है, जिसे हर कोई अपने करीब रखना चाहता है। जाहिर है कि कल से हर कोई अपने आज को आसान करना चाहता है। दरअसल यह आलस की भी निशानी होती है।

हालांकि ऐसा कहा जरूर गया है कि हमें आज का काम कल पर नहीं टालना चाहिए। जो करना है आज ही करना चाहिए, लेकिन कितने लोग हैं ऐसे जो इस बात का ध्यान रखते हैं। साफ-सी बात है, जब हमारा आज ही व्यवस्थित नहीं होगा तो अपने कल को हम क्या खाक संवार पाएंगे। हम नहीं जानते कि कल पर टाल कर अपने आज का नुकसान कर रहे होते हैं। अभी हाल ही में चंद्रयान-2 मिशन में हमारे वैज्ञानिकों को जो सफलता मिली है, वह कल पर काम टालने की प्रवृत्ति की बदौलत नहीं, बल्कि आज का काम आज ही करने की सोच और दृढ़-इच्छाशक्ति के कारण मिली है। विज्ञान आज के तर्कों के हिसाब से चलता है, वह हवा में तीर छोड़ने में विश्वास नहीं करता। कल क्या होगा, कैसा होगा इसे कल पर छोड़ देना ही बेहतर होता है। कल के सहारे जीवन नहीं गुजारा जा सकता है।

आज का कार्य अगर कल पर डाल देंगे तो शायद ही कोई देश या समाज तरक्की की राह पर चल पाएगा। जो भी करना है आज ही करना चाहिए। भविष्य का रास्ता वर्तमान की गली से ही गुजरता है। आज संवार लें तो कल बेहतर होने से कोई नहीं रोक सकता। आज मिली सफलताएं ही तो कल का सुख हमें देती हैं। भविष्य की बुनियाद वर्तमान में ही रखी जाती है।

अंशुमाली रस्तोगी

# रामगंगा का गला घोंट रहा ई-कचरा

**फिर से**

**रामगंगा के घाटों पर ई-कचरे के रीसाइक्लिंग की गतिविधियों से निकले रसायन मिट्टी और भूमिगत जल प्रदूषित कर रहे हैं**

आखिर आपका मोबाइल फोन या टीवी का रिमोट, कंप्यूटर या घर का कोई इलेक्ट्रॉनिक सामान खराब हो जाए, पुराना हो जाए तो आप उसका क्या करते हैं? जाहिर है, हम उसे कबाड़ी वाले को दे देते हैं। देश भर में हम सबके घरों से निकले इस ई-कचरे का पचास फीसद हिस्सा उत्तर प्रदेश के शहर मुरादाबाद पहुंच जाता है। वही शहर जो कभी, पीतल के बर्तनों के लिए मशहूर था। अब यह शहर भारत के ई-कचरे का सबसे बड़ा कबाड़खाना है। और इसका बुरा असर पड़ रहा है इसके बगल से बह रही बदकिस्मत नदी रामगंगा पर।

गंगा नदी की बड़ी सहायक नदियों में से एक है रामगंगा, जो उद्गम स्थल से दो अलग धाराओं के रूप में शुरू होती है। तब इसे पूर्वी रामगंगा और पश्चिमी रामगंगा कहते हैं और पहाड़ों से यह मैदानों तक बहती आती है।

इस नदी के किनारे बढ़ती आबादी और उद्योगों की संख्या ने नदी की हालत पतली कर दी है। आइआइटी, रुड़की के वैज्ञानिकों ने नदी की सेहत का एक अध्ययन किया है। अध्ययन में निष्कर्ष निकला कि रामगंगा नदी अपनी निचली धारा में बहुत अधिक प्रदूषित है। इस प्रदूषण में फ्लोराइड, क्लोराइड, सोडियम, मैग्नीशियम और कैल्सियम जैसे तत्वों के यौगिकों की मात्रा काफी अधिक है। समस्या की असली जड़ मुरादाबाद शहर का कबाड़ उद्योग है। मुरादाबाद रामगंगा के किनारे बसा है और यह ई-कचरे की रीसाइक्लिंग के लिए भी जाना जाता है। प्रशासन का मानना भी है कि देश में कुल प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) का पचास फीसद मुरादाबाद में आकर जमा होता है। और रोजाना शहर में ई-कचरे की 9 टन मात्रा जमा हो जाती है। रामगंगा के घाटों पर ई-कचरे के रीसाइक्लिंग की गतिविधियों से निकले रसायन जमीन में चले जाते हैं और इस तरह मिट्टी और भूमिगत जल को प्रदूषित कर देते हैं।

असल में पारा और आर्सेनिक इंसानी सेहत के नजरिए से काफी जहरीले तत्व होते हैं। पारा अगर खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाए, जाहिर है जलीय जीवों और मछलियों के जरिए, तो इंसानी मस्तिष्क के कामकाज करने पर बुरा असर डालता है। इससे तंत्रिका तंत्र भी प्रभावित होता है। इनसे होने वाली बीमारियों का इलाज अभी मुमकिन नहीं हो पाया है।

विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि ई-कचरे का यह काम अधिकतर अवैध है जहां किसी किस्म के सुरक्षा मानकों का भी पालन नहीं किया जाता इसलिए यह समस्या कहीं अधिक घातक है।

हालांकि हाल ही में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश सरकार पर ई-कचरे के समाधान में उचित कार्रवाई न करने के एवज में 10 लाख रुपये का जुर्माना ठोंका है, पर इसका असर क्या होगा यह देखना बाकी है। फिलहाल रामगंगा में ई-कचरे की वजह से जमा हो रहे भारी धातुओं ने खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करना शुरू कर दिया है। इसके घातक परिणाम दिखने शुरू हो गए हैं। इससे पहले कि मामला हाथ से निकल जाए, गंगा की इस सहायक नदी की सेहत पर ध्यान देना जरूरी है। रामगंगा को साफ नहीं किया तो गंगा कभी साफ नहीं होगी।

(साभार : गुस्ताख ब्लॉग में मंजित ठाकुर)

## मेलबाक्स

### पाकिस्तान की संकीर्ण मानसिकता

हम सबके प्रकाशपुंज हैं गांधी शीर्षक से लिखे अपने लेख में सुधींद्र कुलकर्णी ने भारत-पाकिस्तान के बीच रिश्ते मधुर करने के लिए पाकिस्तान को सलाह दी है कि वह महात्मा गांधी की विचारधारा पर अमल करे। पाकिस्तान को आईना दिखाने के लिए यह बताना जरूरी है कि महात्मा गांधी उसके बारे में कितना सोचते थे। गांधी जी ने एक समय पाकिस्तान को कंगाल होने से भी बचाया था। जब देश आजाद हुआ था, तब भारत के खजाने में जो राशि थी, उसमें से कुछ हिस्सा पाकिस्तान को दिया गया था। और एक समझौते के आधार पर भी अभी पाकिस्तान को कुछ और राशि दी जानी थी, लेकिन उसकी कश्मीर को लेकर नापाक सोच सामने आने पर भारत ने उसकी बकाया राशि देने पर रोक लगा दी थी, क्योंकि सरकार जानती थी कि पाकिस्तान इस राशि का दुरुपयोग कश्मीर में जहर उगलने के लिए करेगा। जब गांधी जी को यह खबर मिली कि नेहरू और पटेल ने पाकिस्तान का 55 करोड़ रुपये का भुगतान रोक दिया है तो वह बहुत नाराज हुए और उन्होंने कश्मीर समस्या को नजरअंदाज करते हुए दोनों नेताओं से कहा कि पाकिस्तान को उसके हक वाला पैसा तुरंत दे दिया जाए नहीं तो मुझे कुछ करना पड़ेगा। नेहरू-पटेल ने बापू को पूरी स्थिति बताई, लेकिन वह नहीं माने। गांधी जी ने 13 जनवरी, 1948 को उपवास शुरू कर दिया। इस पर सरकार को झुकना पड़ा और पाकिस्तान को 55 करोड़ रुपये जारी करने के आदेश दे दिए गए। प्रधानमंत्री इमरान खान ने भले ही गांधी की विचारधारा का समर्थन किया हो, लेकिन जब तक हमारे देश के प्रति पाकिस्तान की संकीर्ण सोच नहीं बदलती, तब तक न तो भारत-पाकिस्तान के रिश्ते मधुर हो सकते हैं और न ही महात्मा गांधी का प्रकाशपुंज कपटी पाकिस्तान में उजियारा ला सकता है।

राजेश कुमार चौहान, जालंधर

### दहेज की कुप्रथा

प्राचीन काल में राजा महाराजा तथा धनी लोग अपनी बेटियों की शादी में हीरे, जवाहरात, सोना, चांदी आदि प्रचुर मात्रा में दिया करते थे। धीरे-धीरे यह प्रथा हमारे समाज में फैल गई। समाज जिसे ग्रहण कर ले वह दोष भी गुण बन जाता है। दहेज प्रथा जैसी कुप्रथा आज भी हमारे समाज में फल फूल रही है। कहा जाता है कि बेटी से बड़ा कोई धन नही, परंतु हमारा समाज अब भी इस सच्चाई से मुंह मोड़ लेता है। दहेज प्रथा के प्रति हमारे समाज के लोगों की सोच आज भी उजागर नही हो पायी है। बेटी पक्ष से बड़े दहेज की मांग करने पर लोग एक बार भी नही सोचते कि बेटी पक्ष पर इसका क्या असर पड़ेगा। दहेज प्रथा के बुरे परिणाम के बारे में सोच कर हर किसी की रूह कांपने लगती है, क्योंकि इतिहास ने दहेज प्रथा से तड़पती बेटियों की एक बड़ी लिस्ट बना रखी है। यह प्रथा एक बेटी के अरमानों को चूर-चूर कर देती है। यह प्रथा केवल अमीरों तक ही सीमित नही है, बल्कि गरीबों और मध्य वर्गियों का भी सरदर्द बन बैठी है। जब तक दहेज के प्रति लोगों की सोच नही बदलेगी तब तक बेटियों के साथ ये अन्याय होता रहेगा। सरकार ने दहेज के खिलाफ कानून तो बना रखे हैं, लेकिन इसका पालन नहीं हो पाता है। इसका एक कारण यह भी है कि सरकार में बैठे लोग चाहे नेता हों या अधिकारी वे भी दहेज का लेनदेन करना अपनी शान समझते हैं। जब तक शादियां दहेज मुक्त नहीं होंगी और दहेज वाली शादियों का लोग बहिष्कार नहीं करेंगे, इस बुराई को रोकना मुश्किल है।

prashantyadav8948@gmail.com

### खिलाड़ी को मिले मार्गदर्शन

जब कोई युवा खिलाड़ी टीम का हिस्सा बनता है तो उसे अपने वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रोत्साहन की आवश्यकता पड़ती है। कोच व कप्तान का यह दायित्व बनता है कि वे नए युवा सदस्य का मार्गदर्शन करें, लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम का रवैया विचित्र है। युवा क्रिकेटर ऋषभ पंत को जहां मार्गदर्शन की जरूरत थी वहीं आलोचनाओं का दौर शुरू हो गया और परिणामतः उन्हें दक्षिणी अफ्रीका के विरुद्ध खेले जा रहे पहले टेस्ट की टीम में नहीं चुना गया। बेशक महेंद्र सिंह धौनी महान खिलाड़ी हैं, लेकिन वे एक दिन में महान नहीं बन गए थे। यदि रिकार्ड देखा जाए तो ज्ञात होगा कि आरंभ में लगभग सभी खिलाड़ियों ने संघर्ष किया है। ऋषभ पंत का प्रदर्शन इतना बुरा भी नहीं रहा कि उन्हें टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाए। बड़ी बात यह है कि पंत युवा हैं और देश के लिए क्रिकेट में नए कीर्तिमान रच सकते हैं।

रणजीत वर्मा, फरीदाबाद

**इस स्तंभ** में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

**अपने पत्र इस पते पर भेजें :**
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

**60** करोड़ आबादी हो जाएगी भारत में शहरों की वर्ष 2031 तक। ऐसे में नियोजित शहरीकरण की योजना अभी से शुरू करनी होगी अन्यथा नतीजे भयावह हो सकते हैं।

आजकल

# अनियोजित शहरीकरण से आफत बनी बारिश

पिछले करीब एक सप्ताह से बिहार की राजधानी पटना समेत राज्य के 14 जिलों में बारिश के कारण जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पटना की दशा तो अभूतपूर्व रूप से खस्ताहाल है। इस महानगर के अनेक मोहल्लों में बीते कई दिनों से नौका के सहारे लोग आवाजाही कर रहे हैं और प्रभावितों तक बड़ी मुश्किल से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इसके लिए फिलहाल हम बारिश को जरूर जिम्मेदार ठहरा सकते हैं, लेकिन समस्या को समग्रता से देखें तो इसके लिए अनियोजित शहरीकरण ज्यादा जिम्मेदार है

**प्रमोद भार्गव**
वरिष्ठ पत्रकार

मौसम के अनुमानों को गलत साबित करते हुए पिछले सप्ताह मूसलाधार बारिश ने बिहार के विभिन्न क्षेत्रों समेत राजधानी पटना को अपनी चपेट में ले लिया। पटना के करीब 80 प्रतिशत आवासीय इलाकों में पानी भर गया। यहां की सड़कों पर नावें चल रही हैं। लोगों का सामान्य जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। हालात किस कदर भयावह हो चुके थे इसे इस बात से ही समझा जा सकता है कि जिस मोहल्ले में राज्य के उप-मुख्यमंत्री का निवास है वहां इतना पानी जमा हो गया कि उप-मुख्यमंत्री सुशील मोदी को जलजमाव के तीन दिनों बाद किसी तरह से घर से बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थान तक ले जाया गया।

दरअसल इस बार सितंबर में बारिश ने पिछले 102 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इतना ही नहीं, पटना समेत राज्य के अधिकांश जिलों में अभी भी मानसून की वापसी के संकेत नहीं मिले हैं। देश भर में इस बार अब तक कुल 910 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि समान्य बारिश का औसत 860 मिमी है। इस बार मौसम विज्ञान विभाग सटीक भविष्यवाणी करने में पूरी तरह असफल रही है। शुरू में मौसम विभाग ने 98 प्रतिशत बारिश होने की संभावना जताई थी, जो बाद में 96 फीसद कर दी थी। एक अन्य निजी संगठन की भविष्यवाणी भी कुछ यही थी।

बारिश के अनुमान गलत क्यों साबित हुए, इसका तार्किक जवाब मौसम विभाग के पास नहीं है। उनका कहना है कि प्रशांत महासागर में अलनीनो के प्रकट हो जाने से शुरू में इसने मानसून को बरसने नहीं दिया। इसलिए जुलाई में कम बारिश हुई। इसी समय हिंद महासागर में मानसून के अनुकूल वातावरण तैयार हुआ। नतीजन बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना, जिससे अगस्त-सितंबर में कई राज्यों में भारी बारिश हुई। असंतुलित बारिश ने कई राज्यों में जहां बाढ़ के हालात उत्पन्न कर दिए, वहीं इन्हीं राज्यों के कई क्षेत्रों में सूखे के हालात हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कहना है कि प्राकृतिक आपदा पर किसी का नियंत्रण नहीं है। परंतु हकीकत इससे जुदा है। इस आपदा को आमंत्रित हम और हमारी नीतियां अनियोजित शहरीकरण व पर्यावरण के विनाश की पीठ पर आधुनिक विकास करके बढ़ा रहे हैं। इसलिए बाढ़ की त्रासदी देश में नियमित हो गई है। जो जल जीवन के लिए जीवनदायी वरदान है, वही अभिशाप साबित हो रहा है। इन आपदाओं के बाद केंद्र और राज्य सरकारें आपदा प्रबंधन पर अरबों रुपये खर्च करती हैं। करोड़ों रुपये बतौर मुआवजा देती हैं, बावजूद आदमी है कि आपदा का संकट झेलते रहने को मजबूर बना हुआ है। जबकि जल निकासी और उसके संग्रह के उपाय ठीक से कर दिए जाएं तो नगर बाढ़ की त्रासदी से बच सकते हैं।

**बड़े शहरों में एकीकृत योजना बनाकर बुनियादी ढांचा बनाना होगा ताकि जलनिकासी की मुकम्मल व्यवस्था हो सके**

सूखे के देखते-देखते अतिवृष्टि हो जाना इस बात का प्रतीक है कि प्रकृति जलवायु परिवर्तन का संकेत दे रही है। यह इस बात की भी चेतावनी है कि हमारे नीति-नियंता, देश और समाज के जागरूक प्रतिनिधि के रूप में दूरदृष्टि से काम नहीं ले रहे हैं। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मसलों के परिप्रेक्ष्य में वे चिंतित नहीं हैं। ध्यान रहे कि वर्ष 2031 तक भारत की शहरी आबादी 20 करोड़ से बढ़कर 60 करोड़ हो जाएगी, जो देश की कुल आबादी की 40 प्रतिशत होगी। ऐसे में शहरों की क्या नारकीय स्थिति बनेगी, इसकी कल्पना मुश्किल है?

वैसे, धरती के गर्म और ठंडे होते रहने का क्रम उसकी प्रकृति का हिस्सा है। इसका प्रभाव पूरे जैवमंडल पर पड़ता है जिससे जैविक विविधता का अस्तित्व बना रहता है। लेकिन कुछ वर्षों से पृथ्वी के तापमान में वृद्धि की रफ्तार बहुत तेज हुई है। इससे वायुमंडल का संतुलन बिगड़ रहा है। यह स्थिति प्रकृति में अतिरिक्त मानवीय दखल से पैदा हो रही है। इसलिए इस पर नियंत्रण संभव है। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु परिवर्तन समिति के वैज्ञानिकों ने तो यहां तक कहा था कि तापमान में वृद्धि न केवल मौसम का मिजाज बदल रही है, बल्कि कीटनाशक दवाओं से निष्प्रभावी रहने वाले विषाणुओं-जीवाणुओं, गंभीर बीमारियों, सामाजिक संघर्षों और व्यक्तियों में मानसिक तनाव बढ़ाने का काम भी कर रही है। साफ है, जो लोग बाढ़ और सूखे का संकट झेलने को अभिशप्त होते हैं, वे लंबे समय तक तनाव की भीषण त्रासदी भोगने को अभिशप्त हो जाते हैं।

पर्यावरण के असंतुलन के कारण गर्मी, बारिश और ठंड का संतुलन भी बिगड़ता है। इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य और खेती की पैदावार और फसल की पौष्टिकता पर पड़ता है। यदि मौसम में आ रहे बदलाव से पांच साल के भीतर घटी प्राकृतिक आपदाओं और संक्रामक रोगों की पड़ताल की जाए तो वे हैरानी में डालने वाले हैं। तापमान में उतार-चढ़ाव से 'हिट स्ट्रेस हाइपरथर्मिया' जैसी समस्याएं दिल व सांस संबंधी रोगों से मृत्युदर में इजाफा हो सकता है। पश्चिमी यूरोप में वर्ष 2003 में दर्ज रिकॉर्ड उच्च तापमान से 70 हजार से अधिक मौतों का संबंध था। बढ़ते तापमान के कारण प्रदूषण में वृद्धि दमा का कारण है। दुनिया में करीब 30 करोड़ लोग इसी वजह से दमा के शिकार हैं। पूरे भारत में पांच करोड़ लोग दमा के मरीज हैं। बाढ़ के दूषित जल से डायरिया व आंख के संक्रमण का खतरा बढ़ता है। भारत में डायरिया से हर साल करीब 18 लाख लोगों की मौत हो रही है। बाढ़ के समय रुके दूषित जल से डेंगू और मलेरिया के मच्छर पनपकर कहर ढाते हैं। बाढ़ थमने के बाद, बाढ़ प्रभावित शहरों को बहुआयामी संकटों का सामना करना होगा।

बहरहाल जलवायु में आ रहे बदलाव के चलते यह तो तय है कि प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। इस लिहाज से जरूरी है कि शहरों के पानी का ऐसा प्रबंध किया जाए कि उसका जलभराव नदियों और बांधों में हो, जिससे आफत की बरसात के पानी का उपयोग जल की कमी से जूझ रहे क्षेत्रों में किया जा सके। साथ ही शहरों की बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के लिए कृषि आधारित देशज ग्रामीण विकास पर ध्यान दिया जाए, क्योंकि ये आपदाएं स्पष्ट संकेत दे रही हैं कि अनियंत्रित शहरीकरण और कामचलाऊ तौर-तरीकों से समस्याएं घटने की बजाय बढ़ेंगी ही।

## भारी पड़ेगी प्रकृति से छेड़छाड़

**देवेंद्रराज सुथार**

हम यह भूलते जा रहे हैं कि भौतिकवाद की जिस दुनिया में रहते हैं यह हमें पर्यावरण की दोहरी कीमत पर हासिल हुई है। जंगलों का अंधाधुंध तरीके से दोहन व पर्यावरण के विरुद्ध आधुनिक जीवनशैली अपनाने की हठधर्मिता ने पृथ्वी को रेट अलर्ट के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया है। पर्यावरण मानव के जीवन का अभिन्न अंग हैं। मानव जीवन को विकसित करने में पर्यावरण की भूमिका एक निर्माणकारी तत्व की है। यदि पर्यावरण नहीं होता तो मानव जीवन ही नहीं, अपितु पादप व प्राणी जीव के जीवन की कल्पना करना भी दूभर था। संतुलित व मानव अनुकूल पर्यावरण ने अपने आंचल में प्रत्येक प्राणी को जीवन व्यतीत करने के लिए वे समस्त संसाधन उपलब्ध कराए जो जीवन जीने के लिए अनिवार्य होते हैं। लेकिन मानवीय जीवन में हुई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति व तकनीकी घुसपैठ ने, न केवल मानवीय जीवन की दिशा को परिवर्तित कर दिया, अपितु पर्यावरण और प्रकृति का शुद्ध-सात्विक रूप भी काफी हद तक विकृत कर दिया।

पर्यावरण समस्या की यह स्थिति इतनी जटिल होती जा रही है कि वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय संस्थाओं द्वारा आयोजित कराए गए पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रमों में बनाई गई योजनाओं व नियमों की अनुपालना भी सही ढंग से नहीं हो पा रही हैं। भले वह स्टॉकहोम सम्मेलन हो या रियो का पृथ्वी सम्मेलन, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल हो या क्योटो प्रोटोकॉल, सभी में विकृत होते पर्यावरण व प्रकृति को लेकर कई योजनाएं बनी और कई कार्यक्रम संचालित करने का निर्णय हुआ, पर जमीनी धरातल पर इन सारी योजनाओं और कार्यक्रमों का अब तक उचित क्रियान्वयन नहीं होने के कारण पर्यावरण संरक्षण की कवायद अंजाम तक नहीं पहुंच सकीं।

कहने को तो हमारे ग्रंथों व पुराणों में 'माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्या' अर्थात धरती को माता का दर्जा दिया गया है और उसके प्रति सारे मनुष्यों को पुत्र (संतान) के जैसा आचरण करने की बात बताई गई है। लेकिन इसके विपरीत आज के मनुष्य का आचरण तो कदापि धरती के प्रति मां के समरूप दृष्टिगोचर नहीं हो रहा है। वस्तुतः पॉलिथीन के बढ़ते प्रयोग और हानिकारक रासायनिक तत्वों के उपयोग के कारण आज धरती अपनी उर्वरक क्षमता खोकर कैंसर की बीमारी से जूझ रही है। असंतुलित होते पर्यावरण के कारण आज न केवल मनुष्य के जीवन पर आपदाएं आ रही हैं, बल्कि कई पशु-पक्षियों की प्रजातियां सदैव के लिए लुप्तप्राय-सी होती जा रही हैं। इधर धरती का तापमान प्रत्येक वर्ष बढ़ रहा है।

यदि अब भी हम सचेत नहीं हुए तो वह समय दूर नहीं जब हमें सांसें भी खरीदने पड़ेगी। पर्यावरण के संकेत को समझकर इसकी हत्या बंद कर देने में ही हमारी भलाई हैं। क्योंकि जो पर्यावरण जीवन को विकसित करने में सहायक सिद्ध हो सकता हैं वह समय आने पर विनाश का तांडव भी कर सकता है। सही मूल्यांकन किए बिना अंधाधुंध प्रकृति से छेड़छाड़ करते रहे और उसकी सीमाओं का उल्लंघन करते रहे तो कुछ भी हाथ नहीं आएगा। साथ ही आमजन में पर्यावरण शिक्षा एवं अवबोध को लेकर जागरूकता लाई जाए। प्रकृति के पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत (गैस, तेल और कोयला) के सीमित उपयोग के साथ ही यथासंभव उनके स्थान पर उर्जा के गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत (सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, बायोगैस और परमाणु ऊर्जा) के उपयोग को लेकर ध्यान आकर्षित किया जाए। पर्यावरण प्रदूषण का प्रमुख कारण जनसंख्या में वृद्धि होना भी है। इस बढ़ती जनसंख्या के लिए जीवन की सामान्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान का उपयोग करते हुए संसाधनों का तीव्र गति से अंधाधुंध दोहन किया जा रहा हैं। इसीलिए जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में कदम उठाने की आज महती आवश्यकता है। हमें सर्व सहभागिता के साथ पर्यावरण संरक्षण को लेकर सच्चे मन से प्रयास करने ही होंगे।

हमारे पूर्वजों ने वन्य जीवों को देवी-देवताओं की सवारी मानकर तथा पेड़-पौधों को भी देवतुल्य समझकर उनकी पूजा की इस हेतु उन्हें संरक्षण भी प्रदान किया। हम प्रकृति और पर्यावरण के लिए हर उस काम से परहेज करें जिससे उसे हानि का सामना करना पड़े। व्यापक पैमाने पर पौधरोपण करने हेतु अभियान चलाने जैसी मुहिम इस दिशा में सार्थक पहल होगी।

खरी-खरी

## बकरी पालन, एक लाभकारी धंधा

**जवाहर चौधरी**

शाकाहारी लोग बकरी को एक प्राणी मानते हैं। अन्यजन इसे मात्र चौपाया समझते हैं और उन्हें जानकर आश्चर्य होता है कि वे दूध भी देती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार बकरियां दोपाया भी होती हैं और जरूरत पड़ने पर वोट देती हैं। बकरियां मानती हैं कि वे प्रोटीन, विटामिन के साथ बहुत ताकतवर हैं। गांधी जी की सूखी टांगों में जान उन्हीं ने डाली थी। गांधी जी अगर राष्ट्रपिता हैं तो कोई माने न माने, वे मानती हैं कि उन्हें दूध पिलाने वाली बकरी राष्ट्र-दादी हुई। गांधी जी कह गए थे कि बकरिम्मा जिस तरह मुझे जिंदा रखा, तुम लोकतंत्र को भी टनाटन रखना।

वैसे जंगली बकरियों की एक विशेषता यह होती है कि वे वोट नहीं देतीं। दूसरा, वे वोट देने वाली पालतू बकरियों से नफरत करती हैं और उनसे अपने को श्रेष्ठ मानती हैं। तीसरा यह कि वे मांसाहारी होती हैं और जमाना जिन्हें जंगल का राजा कहता है, मौका पड़ने पर उसे भी खा जाती हैं। गांधी जी का जमाना और था, तब जंगली बकरियां भी दूध दे देती थीं। फिर देश आजाद हो गया और गांधी जी भी नहीं रहे। जंगली बकरियां मोटी होने लगीं। उनके पास काफी धन होता है, लेकिन किसी को पता नहीं पड़ता कि आया कहां से! अपनी खाल बचाने के लिए वे कानून के बड़े कीड़ों को संविधान चाटने के काम में लगा देती हैं।

बैकवर्ड बकरियां गरीब होती हैं और वोट देने के अलावा हांडी के काम आती हैं। बैकवर्ड बकरियों के बच्चे महाबैकवर्ड होते हैं और जंगली बकरियों के बच्चे महाजंगली। महाजंगली अपनी भूख मिटाने के लिए अक्सर सरकारी बंगलों के गार्डन चर जाते हैं।

बकरियां मोहब्बत भी करती हैं और इसके अंजाम पर रोती हैं। वे परिवार नियोजन का विरोध नहीं करती, पर पालन भी नहीं करती, इसलिए बच्चे ज्यादा पैदा करती हैं। लोकतंत्र में बकरी पालन एक लाभकारी धंधा है। बकरियों को लगता है कि पालन का सिस्टम उनके हक में है, जबकि पालने वाले मानते हैं कि सिस्टम तो उनके हक में है। हक में क्या, सिस्टम के 'सि' से 'म' तक सब उन्हीं का है।

कभी-कभी कोई बकरी खुद राजनीति करने का सोचती है, लेकिन सफल नहीं होती, क्योंकि बकरियां संगठन का महत्व नहीं समझती हैं। राजधानियों में बैठी बकरियां भी 'हम' नहीं बोलतीं, हमेशा 'मैं' ही बोलती हैं। ऐसे में भला कोई बकरी कभी नेता बन सकती है भला? देखिए आवाज आ रही है...मैं...मैं...!

### ट्वीट-ट्वीट

पूंजीवादी वैश्वीकरण ने पूरी दुनिया को ठगा है। इससे बाहर निकलने की साम्यवादी संभावना के प्रति रूस-चीन और वियतनाम ने भरोसा तोड़ दिया है। इसलिए भी दुनिया टिकाऊ नवनिर्माण के लिए गांधी को याद कर रही है।
डॉ. आनंद कुमार@_ProfAnand

पटना में बाढ़ के भयावह हालात हमें याद दिलाते हैं कि देश में स्मार्ट सिटी बनाने से पहले हमारे नीति निर्माताओं को अपने शहरों में जल निकासी जैसी बुनियादी और आधुनिक सुविधाएं सुनिश्चित करनी होंगी। वहीं इस संकट पर बिहार के मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया किसी हवाई सर्वेक्षण सरीखी रही।
तवलीन सिंह@tavleen_singh

हरियाणा का माहौल देखकर नहीं लगता कि वहां अगले कुछ दिनों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। क्या राज्य में कहीं कोई विपक्ष दिख रहा है? मुझे तो नहीं लगता। कांग्रेस को कमर कसने की दरकार है। आखिर मतदाताओं को विकल्प की जरूरत होती है।
अद्वैता काला@AdvaitaKala

**प्रदीप शुक्ला**
स्थानीय संपादक, झारखंड

झारखंड डायरी

## चुनाव की तैयारियों में भाजपा को बढ़त

झारखंड में विधानसभा चुनाव की आधिकारिक घोषणा भले ही निर्वाचन आयोग ने नहीं की है, लेकिन राजनीतिक दल चुनावी मोड में आ चुके हैं। सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी जहां दो कदम आगे है, वहीं विपक्षी दलों में झारखंड मुक्ति मोर्चा को छोड़ अन्य दलों की गतिविधियां अपेक्षाकृत धीमी हैं। भारतीय जनता पार्टी एक माह पहले से केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों के साथ अभियान में जुट चुकी है।

मुख्यमंत्री रघुवर दास स्वयं ही आजकल पूरे राज्य का दौरा कर रहे हैं। राज्य के सबसे सुदूर संताल परगना और कोल्हान का दौरा कर वे अब दक्षिणी छोटानागपुर का रुख कर चुके हैं। भाजपा ने साइकिलों पर सवार सैकड़ों कमलदूत तैयार किए हैं जो आमलोगों के बीच उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करेंगे। इन तमाम तैयारियों को देखकर स्वाभाविक तौर पर यह लग रहा है कि भाजपा चुनाव प्रचार अभियान में विपक्षी दलों से चार कदम आगे निकल चुकी है। उधर मुख्य विपक्षी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बदलाव यात्रा पर ध्यान केंद्रित किया है। मोर्चा के समक्ष परेशानी यह है कि करिश्माई नेता की छवि वाले शिबू सोरेन उम्रदराज हो चुके हैं। वे फील्ड में ज्यादा मूव नहीं करते। दुमका से लोकसभा चुनाव हारने के बाद उनकी सक्रियता और कम हो गई है। उनके पुत्र हेमंत सोरेन पर ही अब संगठन का सारा दारोमदार है। हेमंत लगभग 14 माह तक कांग्रेस व राजद के सहयोग से मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वे भाजपानीत गठबंधन सरकारों में भी मुख्य पदों पर काम कर चुके हैं। उनके लिए यह चुनाव खुद को साबित करने का एक बड़ा मौका है। हेमंत सोरेन की प्रबल इच्छा है कि सारे विपक्षी दल उन्हें अपना नेता मानकर चुनाव लड़ें। सोरेन की यह योजना फिलहाल परवान चढ़ती नहीं दिख रही है।

हालांकि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के पूर्व लिखित तौर पर यह स्वीकार किया था कि विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन का नेतृत्व उन्हें स्वीकार होगा, लेकिन उनके प्रदेश स्तरीय नेता अब इससे इन्कार कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रीय दलों में राजद को उनसे कोई परेशानी नहीं है, लेकिन बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व वाला झारखंड विकास मोर्चा उन्हें नेता मानने को तैयार नहीं है।

प्रतीकात्मक फोटो

राज्य में वामदलों के सुर भी नरम नहीं हैं और वे अपने बूते 50 सीटों पर चुनाव लड़ने के दावे कर रहे हैं। ऐसे में विधानसभा चुनाव में विपक्षी महागठबंधन का सपना देखने वाले नेताओं को झटका लग रहा है। हेमंत सोरेन इस बाबत पूर्व में बनी समन्वय समिति के भी प्रमुख हैं। उन्हें भी इस बात का आभास है कि सभी दल उनका नेतृत्व नहीं स्वीकार करेंगे। यही कारण है कि फिलहाल उन्होंने अपने संगठन को चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार करने का बीड़ा उठाया है। इसी के मद्देनजर वे लगातार पूरे राज्य की खाक छान रहे हैं।

फिलहाल ज्यादातर विपक्षी दलों के रुख को देखते हुए यह संभव नहीं दिख रहा है कि सभी विपक्षी दल एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। संभावना इस बात की ज्यादा है कि विपक्षी धड़े का दो मोर्चा बनेगा। इसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद एक साथ सीट शेयरिंग कर चुनाव लड़ सकते हैं जबकि दूसरा धड़ा झारखंड विकास मोर्चा समेत अन्य छोटे दलों का होगा।

विपक्षी महागठबंधन के साथ नेतृत्व पर संशय के अलावा एक और बड़ा संकट सीटों के बंटवारे का समझौता है। मुख्य विपक्षी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा राज्य की 81 सीटों में से 40 से ज्यादा सीटों की दावेदारी कर रहा है। जिच इसी बात पर है कि जब आधे से ज्यादा सीटों पर मोर्चा प्रत्याशी उतारेगा तो अन्य दलों के हिस्से में काफी कम सीटें आएंगी।

ऐसे में उक्त दलों के भीतर बगावत के स्वर बुलंद होंगे। जिसका सीधा असर संगठन पर पड़ेगा। उधर सीट शेयरिंग का तनाव सत्ताधारी भाजपा को भी है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अपनी सिटिंग सीट गिरिडीह तालमेल के तहत सहयोगी आजसू पार्टी को दी थी। विधानसभा चुनाव में भी आजसू पार्टी का दबाव भाजपा को झेलना पड़ेगा। आजसू की दावेदारी लगभग 20 सीटों पर होगी, ऐसे में कुछ सीटों पर दोस्ताना संघर्ष की नौबत भी आ सकती है। लोक जनशक्ति पार्टी भी भाजपा से गठबंधन धर्म का हवाला देकर सीटें मांग रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र लोजपा को तालमेल के तहत मिला था। फिलहाल पक्ष-विपक्ष के बीच सबसे बड़ा इम्तिहान तालमेल का है। इसमें सफलता पाने वाले कुनबे की राह चुनावों में आसान होगी।

### जागरण जनमत

कल का परिणाम

**क्या बिहार में बाढ़ से बिगड़े हालात प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है?**

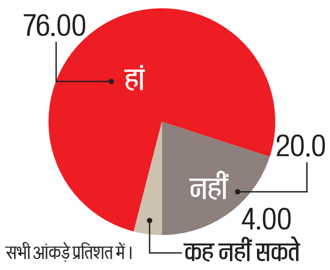


सभी आंकड़े प्रतिशत में।

**आज का सवाल**

क्या सिर्फ जनजागरण से सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाई जा सकती है?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y**, **N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें
**Y** -हां, **N**-नहीं, **C**-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

### जनपथ

शातिर था कितना बड़ा वह निजाम भी यार,
मंगवाता था पाक से थोक भाव हथियार।
थोक भाव हथियार अगर सरदार न होते,
एक और कश्मीर लिए हम सारे रोते!
जो करके सरदार गए भारत की खातिर,
उसके कारण फेल हो गए सारे शातिर।
– ओमप्रकाश तिवारी

मुद्दा

**डॉ. मोनिका शर्मा**
स्वतंत्र टिप्पणीकार

## सही है ई-सिगरेट पर पाबंदी

केंद्र सरकार द्वारा ई-सिगरेट के उत्पादन, वितरण आदि पर पूर्ण पाबंदी बेहद आवश्यक था, क्योंकि हाल के दिनों में लोकप्रिय हुए इस उत्पाद के व्यापक नुकसान सामने आ रहे थे

हाल ही में केंद्र सरकार ने ई-सिगरेट के उत्पादन और बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। सरकार ने चिंता जताई है कि ई-सिगरेट का बढ़ता चलन समाज में एक नई समस्या को जन्म दे रहा है। यहां तक कि बच्चे भी इसके लती बन रहे हैं। यही वजह है कि ई-सिगरेट बनाना, इसका आयात और निर्यात, बिक्री, वितरण, संग्रह और विज्ञापन सभी पर प्रतिबंध होगा।

ई-सिगरेट के बढ़ते खतरों को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने अध्यादेश में पहली बार नियमों के उल्लंघन पर एक वर्ष तक की जेल और एक लाख रुपये का जुर्माना का प्रस्ताव दिया है। वहीं एक से अधिक बार नियम तोड़ने पर मंत्रालय ने पांच लाख रुपये जुर्माना और तीन साल तक जेल की सिफारिश की है। ई-सिगरेट की पाबंदी को लेकर बने कठोर नियम सामुदायिक स्वास्थ्य की चिंता से जुड़े हैं। युवाओं में इसकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए सरकार का यह निर्णय सेहत सहेजने वाला अहम कदम कहा जा सकता है।

धूम्रपान से सेहत को होने वाले खतरे किसी से छुपे नहीं हैं। ऐसे में होना तो यह था कि लोग इस धुएं की जद में ना केवल फंसने से बचें, बल्कि आदत है भी तो उसे छोड़ अपना स्वास्थ्य भी सहेजें। लेकिन हालिया समय में ई-सिगरेट के रूप में निकोटिन सेवन का नया तरीका चर्चा का विषय बना हुआ है। गौरतलब है कि इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट (ई-सिगरेट) या वाष्पीकृत सिगरेट एक बैटरी से चलने वाला उपकरण है, जिसके जरिये निकोटीन या गैर-निकोटीन के वाष्पीकृत होने वाले घोल को सांस के साथ सेवन किया जाता है। बाहर से सिगरेट के आकार का ही बनाए जाने वाले इस उपकरण के अंदर लिक्विड निकोटिन की कार्टेज होती है। यह सिगरेट, सिगार या पाइप जैसे स्मोकिंग वाले तंबाकू उत्पादों का एक विकल्प माना जाता है। इसे बाजार में उतारते हुए यही प्रचारित किया गया कि यह सेहत को हानि नहीं पहुंचाता। इसके लोकप्रिय होने का यह भी कारण बना। अध्ययन बताते हैं कि यह भी कम खतरनाक नहीं है। हालांकि इसका उत्पादन करने वाली कंपनियां अपने व्यावसायिक फायदे के लिए इसे हानिकारक नहीं बताती हैं, जबकि सच यह है कि यह भी सिगरेट के बराबर हानिकारक है।

ई-सिगरेट में इस्तेमाल किए जाने वाले रासायनिक तत्व बेहद नुकसानदेह हैं। एक शोध के मुताबिक, ई-सिगरेट में भी अस्थमा जैसी कई बीमारियों के कारक हो सकते हैं। इसकी वजह ई-सिगरेट (ईएनडीएस) यानी इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलीवरी सिस्टम में प्रयोग किए जाने वाले नुकसानदेह तत्व हैं। अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने ई-सिगरेट में एक बार प्रयोग होने वाले और रीफिल किए जा सकने वाले 75 लोकप्रिय उत्पादों को लेकर अध्ययन किया है जिसके मुताबिक 27 प्रतिशत उत्पादों में एंडोटॉक्सिन पाया गया। यह एक माइक्रोबियल एजेंट है। एंडोटॉक्सिन एक जहर के समान है जिसका शरीर की जीवित कोशिकाओं पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। शरीर के लिए एंडोटॉक्सिन बेहद नुकसानदेह हैं। ऐसे करीब 81 फीसद उत्पादों में ग्लूकन के कण पाए गए जिनसे अस्थमा और फेफड़े की अन्य बीमारियां हो सकती हैं। विशेषज्ञों ने ई-सिगरेट को इसीलिए खतरनाक माना है।

यही वजह है कि कई शिक्षकों और छात्रों ने भी ई-सिगरेट पर भी पाबंदी लगाने की मांग की थी। इस पर प्रतिबंध लगाने को लेकर प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा गया था कि किशोरों में इन उत्पादों के हानिकारक प्रभावों के बारे में गलत सूचना है। इन्हें पूरी तरह सुरक्षित माना जा रहा है, जबकि इन उपकरणों से जुड़े स्वास्थ्य के खतरों की अनदेखी और बढ़ती लोकप्रियता चिंता का सबब है। कम उम्र के बच्चे भी इनके लती बन रहे हैं।

बीते दिनों दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी ई-सिगरेट के खतरों से निपटने के लिए उचित कदम उठाने में केंद्र के विलंब पर आपत्ति जताई थी। सामुदायिक स्वास्थ्य का मुद्दा बन चुके ई-सिगरेट के बढ़ते चलन को देखते हुए तीन केंद्र शासित प्रदेशों एवं 24 राज्यों से करीब 1,000 चिकित्सकों ने भी प्रधानमंत्री को ई-सिगरेट और विभिन्न फ्लेवर्स में उपलब्ध हुक्के समेत इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलिवरी सिस्टम्स (ईएनडीस) पर प्रतिबंध लगाने की अपील की थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को ईएनडीएस यानी इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलीवरी सिस्टम के निर्माण, बिक्री और आयात को रोकने के लिए एक परामर्श जारी किया था। मालूम हो कि दुनिया भर में 36 देशों में ई-सिगरेट की बिक्री भी प्रतिबंधित है।

प्रतीकात्मक फोटो

बीते दिनों विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी ई-सिगरेट के रेगुलेशन पर एक रिपोर्ट जारी की गई। इस रिपोर्ट में ई-सिगरेट के विभिन्न फ्लेवर्स पर प्रतिबंध लगाने या इसे उन कानूनों के दायरे में लाने की अनुशंसा की है, जिनमें अन्य तंबाकू उत्पाद आते हैं, यह प्रतिबंध जरूरी भी है, क्योंकि सिगरेट का उत्पादन करने वाली कंपनियों को तो कड़े नियमों का पालन करना होता है।

चिंतनीय है कि एक ओर दुनिया भर में तंबाकू उत्पादों के सेवन को रोकने के लिए जन-जागरूकता लाने के प्रयास किए जा रहे हैं तो दूसरी ओर लोगों में इसका चलन बढ़ रहा है। अच्छी खासी तादाद में युवा ई-सिगरेट पी रहे हैं, जबकि इसमें कैंसर पैदा करने वाले एजेंट्स तक शामिल हैं। यह हृदय, लीवर, किडनी और फेफड़ों आदि के लिए भी नुकसानदायक है। यह जानलेवा तक साबित हो सकती है। करीब ढाई सौ अध्ययनों और रिपोर्टों के विश्लेषण और व्यापक अध्ययन के बाद आई सरकारी कमिटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक ई-सिगरेट से जहर फैल सकता है। यह रिपोर्ट बताती है कि ईएनडीएस को बनाने में जिन उत्पादों का इस्तेमाल होता है, वे सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। इसीलिए नशे के इस नए चलन पर प्रतिबंध लगाना अत्यंत आवश्यक था।

उम्मीद है कि सरकार का यह निर्णय युवाओं में बढ़ती नशे की लत और ई-सिगरेट की बढ़ती लोकप्रियता पर लगाम लगाने वाला साबित होगा। अब जरूरत इस बात की है कि आमजन भी अपनी सेहत के प्रति जागरूक हों।

45 दिन में 4500 किलोमीटर का सफर तय करेगी कारगिल से शुरू हुई वायु सेना की अल्ट्रा मैराथन। यह अल्ट्रामैराथन कारगिल से कोहिमा तक चलेगी। 21 सितंबर को रवाना हुई यात्रा गत बुधवार डलहौजी पहुंची थी। इसके बाद यह आगे रवाना की गई।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार 4 अक्टूबर 2019

हिमाचल प्रदेश के शिमला के निकट स्थित कालीबाड़ी मंदिर। जागरण

# कालीबाड़ी मंदिर में अष्टमी व दशमी पर होगी विशेष रौनक

**जेएनएन, शिमला**

- शिमला के निकट मौजूद है कालीबाड़ी, प्रसिद्ध है यहां का दुर्गोत्सव
- शारदीय नवरात्र में यहां देशभर से जुटते हैं श्रद्धालु, बंगाल से लाई गई मिट्टी से बनाई जाती हैं मां काली की मूर्तियां

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के माल रोड से कुछ ही दूरी पर स्थित है कालीबाड़ी मंदिर। हर साल हजारों पर्यटक और श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और मां काली के दर्शन कर मन्नत मांगते हैं। नवरात्र पर मंदिर में विशेष पूजा की जाती है, विशेषकर अष्टमी और दशमी पर। कालाबाड़ी का दुर्गोत्सव भी खास है। बंगाल से गंगा किनारे की मिट्टी लाई जाती है, जिससे माता के विभिन्न रूपों को मूर्तियों का रूप दिया जाता है। सभी मूर्तियों को पूजा के पश्चात विसर्जित किया जाता है।

मंदिर का इतिहास 19वीं सदी के पहले दशक से भी पुराना माना जाता है। बताया जाता है कि श्यामला माता के नाम से जाखू में मंदिर था। ब्रिटिश शासन के साथ काम करने वाले कुछ लोगों ने इस मंदिर को बनाया था। अंग्रेजों को मंदिर निर्माण की जब सूचना मिली तो उन्होंने उस तहस-नहस कर दिया। वर्ष 1823 में दोबारा बांग्लाभाषी ब्राह्मण रामचरण ने माता काली की नई मूर्ति बनवाकर माल रोड से कुछ ही दूर मंदिर बनवाया। इसके बाद से आज तक मंदिर में केवल बांग्लाभाषी भक्त ही मुख्य सेवक रहते हैं। कालीबाड़ी मंदिर का नामकरण भी इन्ही भक्तों द्वारा किया गया है। सैलानी जब भी शिमला आते हैं तो काली मां के इस भव्य व कलात्मक मंदिर के दर्शन किए बगैर नहीं रह पाते।

**तीन दिन होगी पारंपरिक पूजा** : कालीबाड़ी मंदिर में दुर्गा अष्टमी और दशमी मनाने की तैयारियां जोरों पर हो रही हैं। अष्टमी, नवमी और दशमी पर मंदिर में बंगाली समुदाय पारंपरिक तरीके से माता के अलग-अलग रूपों की पूजा करेंगे। पूजा के लिए माता के तीनों रूपों दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती के साथ ही गणेश और कार्तिकेय व माता के महिषासुरमर्दिनी रूप की मूर्तियां भी बनाई गई हैं। ये मूर्तियां हर साल की तरह विशेष तौर पर कोलकाता से आए कारीगरों ने तैयार की हैं। कालीबाड़ी मंदिर के पुजारी मुक्ति चक्रवर्ती ने बताया कि नवमी की पूजा के बाद दशमी के दिन मंदिर में सिंदूर खेला जाएगा। पूजा के लिए मंदिर प्रशासन की ओर से रंग-बिरंगे फूल मंगवाए जा रहे हैं।

कालीबाड़ी मंदिर में देवी की प्रतिमा। जागरण

पंडित मुक्ति चक्रवर्ती। जागरण

**कैसे पहुंचे कालीबाड़ी** : कालका-शिमला रेलमार्ग से होकर शिमला पहुंचने के बाद माल रोड से तारघर होते हुए मंदिर तक पहुंच सकते हैं। चंडीगढ़ से शिमला तक सड़क से भी पहुंचा जा सकता है। शिमला के लिए हवाई सेवा भी उपलब्ध है।

# राम, रावण, कुंभकरण... इस रामलीला के हर किरदार में महिलाएं

**जागरण विशेष** ▸ रुढ़ियों की बेड़ियां तोड़ती शाहजहांपुर की रामलीला, कृभको फैक्ट्री की महिलाएं करती हैं मंचन

**अंबुज मिश्र, शाहजहांपुर**

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर स्थित कृभको फैक्ट्री की महिला कर्मियों ने मिथक तोड़ दिया है। इनकी रामलीला में हर किरदार महिलाओं का होता है। वे न सिर्फ रामलीला के मंच का नया दौर विकसित कर रहीं, बल्कि नारी सशक्तीकरण का संदेश भी दे रहीं हैं।

वर्ष 1990 की बात है, यहां स्थित ऑर्डिनेंस क्लॉथिंग फैक्ट्री में होने वाली रामलीला में जब संगीता गुप्ता सीता का किरदार निभाने उतरीं तो अधिकतर कलाकार मंच छोड़कर चले गए। यह कहते हुए कि रामलीला मंचन में सिर्फ पुरुष ही अभिनय करें, महिलाएं नहीं। ऐसी पाबंदियां और रूढ़ियां अकसर जगह-जगह सामने आती रहीं। मगर शाहजहांपुर कृभको (कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड) फैक्ट्री की महिलाओं ने इन मिथकों और रूढ़ियों को तोड़ दिया। जी हां, राम से लेकर रावण तक, इनकी रामलीला में हर किरदार महिलाएं ही निभाती हैं।

**देना था संदेश** : पिछले साल से इस रामलीला की शुरुआत फैक्ट्री के उपाध्यक्ष रवि चोपड़ा की पत्नी नीतू चोपड़ा ने की। कहती हैं कि कई जगह पढ़ा और सुना कि महिलाओं को पवित्रता का हवाला देकर रामलीला के पात्रों की भूमिका नहीं निभाने दी जाती। तब सोचा कि इस पाबंदी को तोड़कर ऐसी रामलीला करें, जिसमें सभी कलाकार महिलाएं ही हों। दशहरा के दिन इस लीला का मंचन होता है। इससे 15 दिन पहले से अभ्यास शुरू हो जाता है।

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में रामलीला का मंचन करतीं महिलाएं। कमेटी से साभार

**महिला नहीं थी, इसलिए 12 साल निभाते रहे सुलोचना का किरदार** : शाहजहांपुर में आर्डिनेंस क्लॉथिंग फैक्ट्री में होने वाली रामलीला में 12 साल तक सुलोचना का रोल निभाने वाले 70 साल के सत्यनारायण जुगनू कहते हैं कि वहां महिलाओं के किरदार तक पुरुष ही निभाते रहे। नाट्य परंपरा का तर्क देते हुए तर्क दिया जाता था कि नाटक का नायक प्रख्यात वंश का प्रतापी पुरुष होना चाहिए। लेकिन अब रूढ़ियां टूट रहीं हैं।

**पहली बार नाटक के मंच पर आईं थीं गुलाब बाई** : 1931 में फर्रुखाबाद निवासी गुलाब बाई को पहली महिला कलाकार बताया जाता है, जिन्होंने मंच पर जाकर नौटंकी विधा में अभिनय किया। उस वक्त उनकी उम्र 12 साल थी। उनसे पहले हर किरदार पुरुष निभाते रहे।

**रामलीला : भरत मुनि के नाट्य शास्त्र से पारसी थिएटर तक...** : भारतीय नाट्यकला का आधार भरत मुनि रचित नाट्य शास्त्र ही रहा है। इसमें नाटक के सभी पात्र पुरुषों के लिए ही निर्दिष्ट थे। लिहाजा लंबे समय तक नाटकों में महिलाओं को मंचन का अवसर नहीं मिला। इधर, पारसी थिएटर ने जब भारतीय सिनेमा की नींव रखना शुरू किया, तब महिलाओं को अभिनय करने का अवसर मिला, जिसे धीरे-धीरे समाज में स्वीकार्यता मिलती गई। इसी का असर रामलीलाओं पर भी दिखा। हालांकि रामलीला के मंचन में महिलाओं को एंट्री तब भी नहीं मिली। उत्तर प्रदेश में राधेश्याम रामायणी ने नौटंकी शैली को विकसित करने में अहम योगदान दिया।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/jagran-special

### क्या कहते हैं समाजशास्त्री

रंगमंच अभिव्यक्ति का माध्यम है। रामायण हमें आदर्श परिवार, आदर्श पति व पत्नी के आदर्श चरित्र से रूबरू कराती है। एक महिला रोजाना कई किरदार निभाती है। रामलीला में पुरुषों के पात्र भी निभाकर वह बड़ा संदेश दे रहीं हैं। असल मायने में उन्हें अभिव्यक्ति की आजादी भी मिल रही है।

**– डॉ नीलम टंडन, समाजशास्त्र विभाग, जीएफ कॉलेज, शाहजहांपुर**

लगातार दूसरी बार राम की भूमिका निभा रही हूं। कभी अभिनय नहीं किया था, लेकिन रामायण को कई बार पढ़ा। इस रामलीला ने हम महिलाओं के अंदर आत्मविश्वास को बढ़ाया है।

**– कविता झा, राम की भूमिका में**

हम रामायण के हर किरदार को जी रहे हैं। अब तक टीवी पर ही रामलीला देखी, लेकिन अब रोल करते हुए पात्रों को महसूस कर रहे हैं।

**– सोनिका कुलश्रेष्ठ, भरत की भूमिका में**

मैं शिक्षिका हूं, रावण का किरदार निभाती हूं। उनकी चाल, भाव भंगिमा अपनाने के लिए उनके बारे में और पढ़ना पड़ा। कॉलेज के समय में कुछ समय अभिनय किया था, लेकिन रामलीला में रावण का किरदार निभाना अपने आप में अनूठा अनुभव है।

**– कनु गौड़, रावण की भूमिका में**

मैंने बीटेक किया है। मैं लक्ष्मण का अहम रोल निभा रही हूं। इसके लिए रामायण के अलावा स्टेज शो भी देखे।

**– प्रियंका तायल, लक्ष्मण की भूमिका में**

# बुंदेलखंड : पानी, पंचायत और एक महाअभियान

**सफलता** ▸ जल संरक्षण का पहला पुरस्कार पाने वाले बुंदेलखंड के स्वयंसेवी संगठन 'परमार्थ' की कहानी

## बुंदेलखंड में 100 से अधिक चंदेल कालीन तालाबों का संरक्षण किया गया है

**राजू मिश्र, जालौन**

जल संरक्षण

बुंदेलखंड के स्वयंसेवी संगठन 'परमार्थ' को जल संरक्षण का पहला पुरस्कार मिलना एक दिन की मेहनत का प्रतिफल नहीं। इसके पीछे दो दशक से जारी प्रयास निहित हैं। सौ से अधिक चंदेल कालीन तालाबों का संरक्षण आज सुपरिणाम के रूप में सामने है।

इस कार्य के लिए परमार्थ ने जल सहेली, पानी पंचायत और सामुदायिक जल उपयोग योजना के मॉडल को तैयार किया, जिसे कुछ ही दिनों में पूरी दुनिया में बड़ी प्रसिद्धि मिली है, देश-दुनिया भर में उन्हें खासा सराहा गया। परमार्थ के परिकल्पक संजय सिंह ने बचपन से ही सिर पर पानी से भरे दो-दो कलसे और कमर में कसहड़ी लादकर लाती महिलाओं का दर्द शिद्दत से महसूस किया। सूखा और जल संकट की विपत्ति बरस दर बरस झेलते बुंदेलखंड का यह वही इलाका है, जहां- गगरी न फूटे चाहे खसम मरि जाए...जैसे लोकगीत आज भी गाए जाते हैं। बालमन पर जल संकट की यह जो छाप पड़ी उसने आगे चलकर संजय को इसी में रमने और कुछ कर गुजरने के लिए प्रेरित किया और एक अनूठा जज्बा जगाया।

उधर, दस्यु समस्या से मुकाबिल सुब्बाराव और महाराष्ट्र में पानी की समस्या को लेकर संघर्षरत अन्ना हजारे का संजय को साथ मिला तो अग्रज ने भी पारिवारिक रूप से हिम्मत बंधाई। संजय कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन को रोकने और किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए जल संरक्षण सबसे आवश्यक है। शुरुआती दिनों में उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के करमरा गांव में जल संरक्षण का कार्य किया। मिट्टी के छोटे-छोटे बांध बनाए। दूसरी तरफ, परंपरागत ज्ञान से नदी के पानी को 100 फीट ऊपर उठाकर 2 किलोमीटर दूर ले जाकर पहली बार 100 एकड़ जमीन में सिंचाई की। इस गांव में पहली बार गेहूं का रिकार्ड उत्पादन हुआ। जिस गांव में बमुश्किल 6 माह की खाद्य सुरक्षा रहती थी वहां वर्षपर्यंत की खाद्य सुरक्षा हुई। 1999 से लेकर 2000 तक जालौन के विकासखंड कुठौद, रामपुरा के एक दर्जन से अधिक गांव को पेयजल संकट मुक्त बनाया। पानी का सामुदायिक प्रबधंन किया और पानी के संसाधनों के रखरखाव की जिम्मेदारी भी किसानों को दी। एक ओर गांव के क्षतिग्रस्त तालाबों की मरम्मत का कार्य किया, वहीं हैंडपंपों की स्थापना की। इस प्रयास में गांव-गांव में पेयजल एवं स्वच्छता समितियां भी बनाते गए। इन समितियों में महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता दिखायी। जिन गांवों के 60 फीसद लोग पलायन कर जाते थे, वहां लोग वापस गांव लौटे और खेती प्रारंभ की। एक फसली क्षेत्र को दो फसली क्षेत्र में तब्दील किया। बुंदेलखंड में सर्वाधिक समस्या जातिवाद, संसाधनों के असमान वितरण और दकियानूसी परंपराओं की है। इन सब समस्याओं के निदान के लिए बुंदेलखंड में शुरू किया महिलाओं का पानी पर प्रथम अधिकार अभियान, जिसके लिए बुंदेलखंड के 200 से अधिक गांव में पानी पंचायत बनीं और गांव-गांव में जल सहेलियों का कैडर तैयार किया गया। महिलाओं ने गांव के बेकार तालाबों को ठीक किया। चैकडेम, रिटेनिंग वॉल, कुओं का निर्माण किया। 900 से अधिक जल संरचनाएं बुंदेलखंड के जालौन, हमीरपुर, ललितपुर, टीकमगढ, छतरपुर, झांसी जिले में बनाई गई हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से 20 हजार हेक्टेयर से अधिक इलाके में सिंचाई के संसाधनों में बढोतरी हुई है। इन गांव में पलायन के स्तर में कमी आई है।

संजय सिंह। जागरण

परमार्थ से जुड़ी सखियों ने ऐसे 100 चंदेली तालाबों को नवजीवन दिया है। जागरण

**83 नदियों पर जल जन जोड़ो अभियान** : यही नहीं, भारत में छोटी-बड़ी 83 नदियों पर जल जन जोड़ो अभियान के माध्यम से प्रयास शुरू किए गए, जिसमें बुंदेलखंड में चंद्रावल, पहुज, पूर्वी उत्तर प्रदेश में आमी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हिंडन जैसी नदियों की निर्मलता के लिए प्रयास जारी हैं। इस अभियान से देश भर के 16 विश्वविद्यालय, 4 आइआइटी केंद्र, 2 आइआइएम, 10 राज्यों की सरकारें जुड़ी हुई हैं।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/positive-news

# अब जला तेल खरीदेगी सरकार बनाया जाएगा बायो डीजल

**काकू चौहान, मंडी**

होटल, ढाबों और रेस्तरां में इस्तेमाल के बाद बचे जले हुए तेल को अब खाद्य सुरक्षा विभाग खरीदेगा। यह तेल 17 से 20 रुपये प्रति लीटर की दर से खरीदा जाएगा। इसे पेट्रोलियम मंत्रालय को बेचा जाएगा ताकि बायो डीजल बनाया जा सके। इससे देश में बायो डीजल का उत्पादन बढ़ेगा, वहीं इस्तेमाल तेल के बार-बार उपयोग पर भी रोक लगेगी।

होटल, रेस्टोरेंट व मिठाई की दुकानों में एक ही तेल से बार-बार मिठाई व अन्य खाद्य वस्तुओं को तला जाता है। बार-बार गर्म करके तेल के इस्तेमाल से बनाई खाद्य वस्तुओं के सेवन से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। इससे मोटापे की समस्या बढ़ रही है, जो कई बीमारियों का कारण बनता है।

इसे देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने रिपरपज यूज्ड कुकिंग ऑयल 'रुको' नाम से एक योजना शुरू की है। यह योजना पूरे देश में शुरू की गई है। कुछ राज्यों में योजना को धरातल पर उतारा गया है, जबकि हिमाचल में जल्द इसे शुरू कर दिया जाएगा। योजना के तहत विभाग उन सभी खाद्य प्रतिष्ठानों से इस्तेमाल हुए तेल को खरीदेगा, जहां प्रतिदिन 25 लीटर या उससे अधिक खाद्य तेल की खपत होती है। इस संबंध में विभाग ने सभी कारोबारियों को सूचित कर दिया है। आने वाले समय में कारोबारियों के लिए कार्यशालाएं आयोजित कर उन्हें जागरूक किया जाएगा।

इस्तेमाल तेल के बार-बार उपयोग पर रोक लगाने के लिए इसे खरीदने की योजना है। जल्द इसकी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

**– अनिल शर्मा, सहायक आयुक्त, खाद्य एवं सुरक्षा विभाग मंडी**

**जले हुए तेल का इस्तेमाल करने वालों पर होगी कार्रवाई** : मंडी जिले में कचौरी का काफी प्रचलन है। कचौरी तैयार करने के लिए अधिकतर दुकानदार जले हुए तेल को इस्तेमाल करते हैं। इससे लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग मंडी में सबसे पहले कचौरी की दुकानों का निरीक्षण करेगा और उनसे जले हुए तेल को खरीदेगा।

त्योहारी सीजन में जले हुए तेल के इस्तेमाल को रोकने के लिए विभाग की टीमें लगातार मिठाई की दुकानों में दबिश देंगी। तेल समेत खाद्य वस्तुओं की जांच की जाएगी। नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

# रेलवे का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस लेंस पहचानेगा अपराधी और आतंकवादी

**प्रदीप चौरसिया, मुरादाबाद**

- स्टेशन और ट्रेनों के सीसीटीवी कैमरों में लगाया जाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस लेंस
- मुरादाबाद मंडल के हरिद्वार स्टेशन पर कुंभ से पहले लग जाएगा

फेस रिकग्निशन सिस्टम से लैस होंगे सीसीटीवी। प्रतीकात्मक

रेलवे ने फेस रिकग्निशन (चेहरा आधारित पहचान प्रणाली) सिस्टम तैयार किया है। यह एक सॉफ्टवेयर है, जो स्टेशन व कोच में लगे सीसीटीवी कैमरे में लगाया जाएगा। यह सिस्टम स्टेशन व ट्रेन में एक-एक यात्री के चेहरे की तस्वीर लेगा और देशभर के अपराधियों के चेहरे से मिलान करेगा। स्टेशन परिसर में पहुंचते ही रेलवे पुलिस को अपराधी व आतंकी का पता चल जाएगा। यह सॉफ्टवेयर सौ बड़े स्टेशनों पर लगाया जाना है। कुंभ मेला शुरू होने से पहले यह सिस्टम मुरादाबाद रेल मंडल के हरिद्वार स्टेशन पर लगाया जाएगा।

रेलवे ने देश के सभी स्टेशनों पर सीसीटीवी लगा रखे हैं। इसके अलावा कई प्रमुख ट्रेनों के कोच में कैमरे लगे हैं। सीसीटीवी के माध्यम से जीआरपी व आरपीएफ वारदात होने के बाद ही अपराधी की पहचान कर सकता है लेकिन, कौन अपराधी स्टेशन पर है या ट्रेन में सफर कर रहा है, इसकी जानकारी के लिए कोई व्यवस्था नहीं है।

रेलवे ने इसके लिए फेस रिकग्निशन सिस्टम तैयार किया है। इस सॉफ्टवेयर को स्टेशन व कोच में लगे सीसीटीवी में लगाया जाएगा। रेलवे इस सिस्टम में विश्व के सभी आंतकी और देश के अपराधियों के फोटो व स्केच को फीड कर देगा। रेलवे के बेंगलुरु साइबर सेल में इसका संचालन आरपीएफ के विशेषज्ञ करेंगे।

देशभर के स्टेशनों व ट्रेनों के सीसीटीवी को साइबर सेल से ऑनलाइन जोड़ने का काम किया जा रहा है। कैमरे के सामने किसी अपराधी व आतंकी के आते ही इसकी सूचना संबंधित क्षेत्र के जीआरपी व आरपीएफ को हो जाएगी। कुछ देर में ही रेलवे पुलिस उसको गिरफ्तार कर लेगी।

हरिद्वार में 2021 में कुंभ मेला लगने जा रहा है। फेस रिकग्निशन सिस्टम सबसे पहले यहां लगाया जाएगा। सिस्टम लगाने का काम रेलटेल को सौंपा गया है। इसके अलावा रेलटेल को मुरादाबाद मंडल में 102 स्टेशनों पर सामान्य सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम दिया गया है। रेलटेल ने अभी तक 60 स्टेशनों पर काम पूरा कर लिया है। मंडल रेल प्रबंधक तरुण प्रकाश ने कहा कि रेलवे स्टेशनों व ट्रेनों में अपराधियों व आतंकियों की पहचान के लिए सीसीटीवी लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अपराधियों की पहचान करने वाला सिस्टम भी लगाया जाएगा।

# चंद्रमा और वृहस्पति एक दूसरे के करीब नजर आए

**जागरण संवाददाता, नैनीताल** : चंद्रमा व बृहस्पति ने गुरुवार को रात के प्रथम पहर का सफर साथ-साथ तय किया। यह दोनों ग्रह शाम होते ही एक दूसरे के बेहद करीब पहुंच गए और आसमान की सुंदरता में चार चांद लगाते नजर आए। इस खगोलीय घटना में एंटारेस तारे ने शामिल होकर त्रिकोणीय स्थिति बना दी।

शाम होते ही आसमान के दक्षिण पश्चिम दिशा में अनूठी चमक बिखेरता अर्द्ध चांद नजर आया तो अंधेरा बढ़ते ही उससे कुछ ही दूरी पर बृहस्पति विराजमान थे। इन दोनों ग्रहों को देख प्रतीत हो रहा था, मानो एक दूसरे को स्पर्श करने के लिए आतुर हों। जैसे-जैसे रात का अंधेरा गहराता गया, दोनों ही पश्चिम दिशा में साथ-साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते चले गए और अस्त हो गए। आर्यभटट् प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान(एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे ने बताया कि इन दिनों गुरु व चंद्रमा एक दूसरे के काफी करीब आ पहुंचे है। दोनों की जोड़ी कुछ दिनों तक एक दूसरे के काफी नजदीक नजर आएगी। इसके बाद दोनों दूर होते चले जाएंगे। खगोल प्रेमियों को इस तरह की खगोलीय घटनाओं का इंतजार रहता है। बृहस्पति हमारे सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह है। इन दिनों चांद धरती से लगभग 3.84400 लाख किमी की दूरी से गुजर रहा है, जबकि गुरु 630 मिलियन किमी की दूरी पर है।

# दोनों हाथों से एक साथ लिखती है तीन साल की बेटी, वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज

दाएं और बाएं, दोनों हाथों से समान रूप से लिखती शंजन। नौमीश दुबे

**नईदुनिया, उज्जैन** : वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडिया ने मध्य प्रदेश की उज्जैन निवासी बालिका शंजन थम्मा का नाम 'यंगेस्ट एम्बिडेक्स्ट्रस राइटर' के रूप में दर्ज किया है। शंजन दाएं-बाएं दोनों हाथों से समान रूप से काम कर सकती है। उसे विश्व के सभी 195 देशों के नाम राजधानी समेत मुंहजुबानी याद हैं।

शंजन, एयरफोर्स में पदस्थ श्रीधर थम्मा की बेटी है। वह 12 अक्टूबर को तीन वर्ष की हो जाएगी। शंजन नाना-नानी और मां के साथ उज्जैन में रहती हैं। मां मानसी ने बताया कि शंजन जन्म के कुछ महीनों बाद से ही दोनों हाथों से प्रतिक्रिया कर रही थी। जब वह 9-10 महीने की थी, तब पहली बार चॉक पकड़ा तो दोनों हाथों से लिखने लगी। चित्र भी दोनों हाथों से एक साथ बनाने लगी। प्ले स्कूल में सामान्य जानकारियों और टेलीविजन पर प्रसारित धारावाहिकों की बातों को वह याद रखने लगी। मैंने बेटी पर विशेष ध्यान देना शुरू किया। बेटी की इस असाधारण प्रतिभा से देश-दुनिया को अवगत कराने के लिए दो महीने पहले वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडिया में आवेदन किया। उन्होंने जांच उपरांत बेटी का नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया। पुरस्कार स्वरूप गोल्ड मेडल, स्मृति चिन्ह और प्रमाण-पत्र घर भेजा।

**एक रिकॉर्ड और...वंदेमातरम्, जन-गण-मन गाने के लिए** : शंजन, जल्द ही एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाली है। ये रिकॉर्ड सबसे कम उम्र की बालिका के रूप में वंदेमातरम्, जन-गण-मन और सारे जहां से अच्छा गीत गाने के लिए बनेगा। वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडिया ने आवेदन स्वीकृत कर दिया है।

**तैयारी**

कीटों को मारने के लिए खेतों में लगाए जाएंगे हनी ट्रैप, ट्रैप से निकलने वाली नर व मादा कीट की गंध कीटों को आकर्षित करेगी

# अब हनी ट्रैप में फंसाकर होगा कीटों का खात्मा

**डीपी आर्य, सोनीपत**

फसलों से कीटों से बचाने के लिए किसान अब हनी ट्रैप का सहारा लेंगे। इसके लिए कृषि केंद्रों पर ल्योर (कीटों के हार्मोंस जैसी गंध वाला जैव पदार्थ) उपलब्ध कराया जाएगा। मादा कीट को इससे नर की और नर कीट को मादा की गंध का अहसास होगा। इसके आकर्षण में आकर कीट ट्रैप के अंदर जाएगा और वहीं पर शहद जैसे चिपचिपे पदार्थ में चिपक जाएगा। इसके बाद कीट ट्रैप से बाहर नहीं आ सकते। इनसे फसलों को जहरीला बनाए बिना ही कीट नियंत्रण हो जाएगा। सरकार ने ट्रैप योजना को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है।

विशेषज्ञों ने कीटों को हनी ट्रैप में फंसाकर फसलों को बचाने की योजना तैयार की है। विशेषज्ञों के अनुसार अभी तक लाइट और चिपचिपे पदार्थ वाले ट्रैप ज्यादा प्रचलन में थे। अब किसानों को हनी ट्रैप लगाकर ज्यादा सफलता मिल सकेगी। हनी ट्रैप में किसानों को एक तरह का जैव हारमोन ल्योर लेना होगा। यह अलग-अलग कीट के लिए अलग-अलग होगा। माहू, फली छेदक, पत्ती छेदक, तना छेदक, टॉप बोरर, फल छेदक, ग्रास हॉपर और फूलों को कुतरने वाले कीटों के ल्योर तैयार कर लिए गए हैं।

फसलों को जहरीला बनाए बिना किया जाएगा कीट नियंत्रण। प्रतीकात्मक

किसानों को नर और मादा कीटों के ल्योर अलग-अलग उपलब्ध होंगे। खेत की दोनों दिशा में ट्रैप लगाए जाएंगे। एक ओर के ट्रैप में नर कीट का और दूसरी दिशा के ट्रैप में मादा कीट का ल्योर रुई में भिगोकर जरा सा रख दिया जाएगा। कीट विपरीत लिंग की मादक गंध से आकर्षित होकर ट्रैप में प्रवेश कर जाएंगे। ट्रैप में शहद जैसा चिपचिपा पदार्थ नीचे की ओर फिजिकल ऑब्जेक्ट में लगा होगा। कीट ट्रैप में नीचे गिरकर उसमें फंस जाएगा। इस तरह एक ओर नर कीट और दूसरी ओर मादा कीट की मौत हो जाएगी। इससे बिना रसायनों के ही कीटों को नियंत्रित कर लिया जाएगा।

कीटों को विपरीत लिंग की गंध के सहारे ट्रैप तक लाया जाएगा। उसके साथ ही कीट अंदर फंसकर रह जाएगा। यह सबसे सुविधाजनक और सस्ती विधि है, जिसको प्रयोग में लाया जाएगा।

**– डॉ. अनिल कुमार सहरावत, उप निदेशक कृषि**

# दिल, लिवर और पित्त की थैली... सब अंग हैं बायीं ओर

**जागरण संवाददाता, गोरखपुर**

शरीर में दिल बायीं तरफ व लिवर व पित्त की थैली दायीं तरफ होती है। लेकिन, यह जानकर आप चौंक जाएंगे कि एक व्यक्ति के शरीर में सिर्फ ये तीन अंग ही नहीं बल्कि सारे अंग उल्टी तरफ हैं। उप्र स्थित पडरौना के जमालुद्दीन के साथ ऐसा ही है। इस बात का पता तब चला जब वह पेट दर्द की शिकायत लेकर टाइमनीयर हास्पिटल, मोहद्दीपुर में डॉ. शशिकांत दीक्षित के पास पहुंचे। एक्सरे व अल्ट्रासाउंड जांच के बाद उनकी स्थिति देख डॉक्टर भी चौंके। उनका दिल दायीं तरफ धड़क रहा था। उनके शरीर के अंदर के सारे अंग उल्टी तरफ थे। मरीज के शरीर में पित्त की थैली बायीं तरफ थी और उसमें पथरी थी। इसके लिए वैरियाट्रिक लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. शशिकांत दीक्षित ने पहले थ्री डी लेप्रोस्कोपिक मशीन पर दो दिन प्रैक्टिस की। फिर ऑपरेशन कर उन्होंने पित्त की थैली निकाली। डा. दीक्षित के अनुसार यह जन्मजात स्थिति लाखों में एक के साथ होती है।

जमालुद्दीन। जागरण

जींस में गड़बड़ी की वजह से शरीर में सारे अंग जन्मजात उल्टी तरफ हो जाते हैं। इसका इलाज भी मुश्किल होता है। ऐसे लोगों में हृदय रोग की आशंका सामान्य की अपेक्षा ज्यादा होती है।

**–डॉ.शशिकांत दीक्षित, टाइमनीयर क्लीनिक मोहद्दीपुर**

**1643 में आया था पहला मामला**: ऐसा मामला पहली बार 1643 में अमेरिकी डा. मार्का आरेलियो के पास आया था। अमेरिकी गायक व हीरो डोनी आस्मंड के शरीर के सभी अंग जन्म से ही उल्टी तरफ थे।

दैनिक जागरण
# सबरंग
प्लान वीकेंड के
नई दिल्ली, शुक्रवार, 4 अक्टूबर, 2019
सुझाव व प्रतिक्रिया के लिए लिखें :sabrang@nda.jagran.com
https://www.facebook.com/jagransabrang/

श्रीराम कला केंद्र में आयोजित संपूर्ण रामलीला में राम सीता संवाद का दृश्य। सभी फोटो : ध्रुव कुमार

वनवास के लिए प्रस्थान करते भगवान राम।

**आयोजन** : संपूर्ण रामलीला
**कहां** : श्रीराम कला केंद्र, मंडी हाउस।
**कब** : 25 सितंबर से 25 अक्टूबर तक, शाम साढ़े छह बजे से।
**प्रवेश** : ऑनलाइन बुकिंग द्वारा।
**नजदीकी मेट्रो स्टेशन** : मंडी हाउस।

संपूर्ण रामलीला मंचन

# संपूर्ण सच्चिदानंद कथा

**सचमुच ये मंच संपूर्ण ही लगता है। राम कथा की हर चौपाई नाट्य और नृत्य विधाओं से जीवंत हो रही थी। हर दर्शक भाव विभोर था। दृश्यों में कहीं जर्क नहीं था। कहीं झोल नहीं था। कोई क्रम छूटता नहीं था। कलाकार प्रस्तुति में इस कदर उतरे हुए थे कि साक्षात वही ईश्वर रूपेण लग रहे थे। सबरंग के इस अंक में संपूर्ण रामलीला मंचन के 63 वें संस्करण से रूबरू करा रहे हैं संजीव कुमार मिश्र :**

श्रीराम कला केंद्र का माहौल भक्तिमय था। हर शख्स राम की भक्ति में मग्न था। बड़े-बच्चे, बुजुर्ग हर उम्र वर्ग के लोग ऑडिटोरियम में मौजूद थे। कुर्सियों पर दर्शकों के बैठते ही अंधेरा छा जाता है...और अगले ही पल में स्टेज रोशनी से नहा उठा। और बैकग्राउंड में लगी एलईडी स्क्रीन पर नदी के कलकल आवाज मानों लहरों का एहसास कराती है। भोर की अनुभूति कराती पक्षियों की चहचहाहट कानों में मिश्री घोलती है। इन दृश्यों के साथ दर्शकों की उत्सुकता बढ़ती जाती है। ऋषि वाल्मीकि तमसा नदी की तरफ बढ़े जा रहे हैं। उनके हर पग पर दर्शकों का दिल धड़क उठता है। एक बेचैनी दर्शकों के चेहरे पर नजर आती है। फिर वही क्रौंच पक्षी का भावपूर्ण प्रसंग आता है। क्रौंच के रोने की आवाज ऑडिटोरियम गूंज उठती है दर्शक भावुक हो उठते हैं। वाल्मीकि का हृदय द्रवित हो उठता है और...

कहते हैं, निषाद। तुझे कभी भी शांति न मिले, क्योंकि तूने नर क्रौंच की, जो काम से मोहित हो रहा था, बिना किसी अपराध के ही हत्या कर डाली। इसी प्रसंग के बाद वाल्मीकि रामायण लिखते हैं। दर्शक अपनी सीट पर खड़े होकर तालियां बजा ही रहे होते हैं तभी ऑडिटोरियम में त्राहिमाम जैसी आवाज गूंज उठती है। लोग बेतहाशा दौड़ रहे थे। यह दृश्य होता है शांति प्रिय देवों को असुरों द्वारा सताने का। देव भगवान विष्णु से अपनी रक्षा की गुहार लगा रहे होते हैं। इस सारे मंचन में तकनीक और एलईडी स्क्रीन बेहद उम्दा भूमिका रही। भगवान विष्णु के प्रकट होने का दृश्य भी बहुत साक्षात नजर आता है। भगवान विष्णु वरदान देते हैं कि वो राम का अवतार लेंगे। अगले ही पल मंच हरी-लाल रोशनी से नहा जाता है और एलईडी स्क्रीन पर महल की आकृति उभरती है। अयोध्यावासी महल के सामने खड़े नजर आते हैं। भगवान राम के अवतार की सूचना मिलते ही हर तरफ खुशी की लहर दौड़ पड़ती है। कलाकारों का समूह स्टेज पर गोल घेरे में चक्कर लगाता है। दर्शक भी प्रसन्न हो उठते हैं। लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न का भी अवतार होता है। ऑडिटोरियम में ठुमक चलत रामचंद्र की धुन के साथ ही बाल राम की बाल लीलाएं शुरू होती हैं तो दर्शक वात्सल्य रस की धारा में बह जाते हैं। गुरु वशिष्ठ के यहां शिक्षा के लिए जाते भाइयों को देखना सुखद अनुभव था। धीरे-धीरे रामायण का पड़ाव विश्वामित्र के दशरथ के पास जाने और राम, लक्ष्मण को अपने वन ले जाने की गुजारिश पर पहुंचता है। वहां वो ऋषियों की तपस्या में बाधा बन रहे असुरों से सुरक्षा चाहते हैं। यहीं पर राम, ताड़का का वध भी करते हैं। ताड़का का स्टेज पर आना एवं अट्टाहास का दृश्य बेहतरीन अभिनय देख दर्शक भी सहम जाते हैं। सम्पूर्ण रामलीला की कहानी अब सीता स्वयंवर की ओर बढ़ती है। राम भी पहुंचते हैं। इसके पहले स्टेज पर बड़ी संजीदगी से कलाकार बने राम बाग में टहलते नजर आते हैं। यहीं उनकी मुलाकात सीता से होती है। आगे के दृश्य में एलईडी स्क्रीन पर फूलों से सजा महल दिखाई देता है और लोकगीत बजता है...और राम सीता का स्वयंवर होता है। चारों तरफ खुशियां फैली होती हैं लेकिन अगले ही पल बिजली की गड़गड़ाहट के साथ सब शांत हो जाता है। परशुराम क्रोधित होकर प्रवेश करते हैं। राम और परशुराम का संवाद होता है। दर्शक संवाद से मिले ज्ञान से तृप्त होते हैं। ऑडिटोरियम में बैठे दर्शक बड़ी तन्मयता और एकाग्र चित्त से संवाद सुनते हैं।

राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न धनुर्विधा का प्रदर्शन करते।

दृश्य पूरा होते ही मंच पर अंधेरा छा जाता है और तभी मद्धिम प्रकाश की किरणों में दर्शक देखते हैं कि एक कमरे में सारा सामान बिखरा है। एलईडी स्क्रीन पर अस्त व्यस्त कमरे की वीडियो के साथ स्टेज पर कैकेयी का क्रोधित चेहरा नजर आता है। मंथरा उन्हें और उकसाती है। कैकेयी, दशरथ से राम के लिए वनवास मांगती है। राम, सीता और लक्ष्मण वनवास के लिए प्रस्थान करते हैं...यहां रामायण के दृश्य कुछ देर के लिए थम जाते हैं। चूंकि दर्शक भी रामायण में आए इन दृश्यों से व्यथित होते हैं। एक ब्रेक के बाद अगल पड़ाव राम और केवट संवाद से शुरू होता है। उधर भरत और शत्रुघ्न अयोध्या लौटते हैं तो सारे घटनाक्रम को जान राम से मिलने को व्याकुल हो वन की ओर निकल पड़ते हैं। भरत और राम का मिलाप होता है। दर्शक तालियों के साथ भरत मिलाप के बेहतरीन अभिनय और संगीत के समायोजन की पुष्टि करते हैं।

**आगे की प्रस्तुति में असत्य पर होगी सत्य की जीत** : निर्देशक शोभा दीपक सिंह कहती हैं कि शूर्पणखा, रावण का दरबार, जटायू वध, सबरी की भक्ति, किष्किंधा कांड, अशोक वाटिका, लंका दहन एवं राम रावण युद्ध अब आगे इन सभी की प्रस्तुति होगी। जो दर्शकों को असत्य पर सत्य की विजय की गाथा से रूबरू कराएगी। संपूर्ण रामलीला में राम-रावण युद्ध की शानदार प्रस्तुति थी। इसे लाइटिंग और साउंड इफेक्ट से उन्नत बनाया गया था। कार्यक्रम की आखिरी प्रस्तुति सीता अग्निपरीक्षा के बाद राम का राज्याभिषेक था।

**यूं संपूर्ण होती गई ये रामलीला** : शोभा बताती हैं कि मैं 13 साल की थी जब संपूर्ण रामलीला की शुरुआत हुई थी। मेरी मां सुमित्रा चरण राम ने बहुत कम पैसों में इसे शुरू किया, उस समय हमारे पास डांसर भी बहुत कम थे। लिहाजा, मैं और मेरी बहन भी बंदर एवं राक्षस बनती थी। आज तो 40 से ज्यादा नृत्यांगना हमारे साथ जुड़ी हैं। मंचन में आए बदलावों व तकनीकी उपयोग के बारे में बताती हैं कि कुछ सालों से हम अपनी पेशकश में लगातार नयापन ला रहे हैं। विगत सालों में ढेरों दर्शक हमसे जुड़े हैं। 10-12 साल पहले यह लीला अवधी में होती थी, लेकिन ज्यादा दर्शकों की चाहत में हमने इसे हिंदी में बदला। अब तो तकनीक की भी हम मदद लेते हैं। नृत्य-नाटक के साथ स्क्रीन पर पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के जरिए कहानी अंग्रेजी में लिखकर बताई जाती है ताकि लोगों को समझ आए। यह लीला दिल्ली की सबसे पुरानी रामलीला है जो नृत्य पर आधारित है। कथक, भरतनाट्यम, ओडिशी समेत कई नृत्य विधाओं का इसमें समावेश होता है। कलरिपायट्टु, छउ जैसी कई पारंपरिक मार्शल आर्ट्स का भी इसमें प्रयोग किया गया है। बकौल शोभा हमारा मकसद इस परंपरा को आगे लेकर जाना है। मैं चाहती हूं कि युवा पीढ़ी राम की जिंदगी से प्रेरणा ले। राम को मर्यादा पुरुषोत्तम राम क्यों कहा जाता है? उनकी जिंदगी किस दौर से गुजरी? सीता कैसे सीता बनीं उनका समर्पण उनका त्याग समाज के लिए हमेशा प्रेरक बना रहे। इसी रविवार उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने रामलीला देखी थी और इससे पहले इसका मंचन देखने के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरु, लाल बहादुर शास्त्री, एस राधाकृष्णन, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी जैसी महान शख्सियत भी आ चुकी हैं। विगत सालों में इंडोनेशिया, बांग्लादेश, अमेरिका के कलाकार भी इसमें शामिल हुए और इसका टेलिकास्ट दूरदर्शन पर भी हो चुका है।

## इस बार यहां चलें

### कलाकृतियों में गांधी

गांधी जयंती पर आयोजित प्रदर्शनी में कलाकृतियों में गांधी दिखेंगे। इसमें झाबुआ, मध्य प्रदेश का मनके और गुड़िया बनाने का काम दिखेगा। उज्जैन की लकड़ी की कंघी, पेपर मेशी से बनी चिड़िया। उत्तरांचल के धागों से बने गहने। राजस्थान के चांदी के गहने। गुजरात का बुनाई, बांधनी और लकड़ी का काम। ओडिशा की कोटपड़ बुनाई। महाराष्ट्र की वारली चित्रकला आदि देखने को मिलेगा।
- **कहां** : माटी घर मैदान, आइजीएनसीए और ट्विन आर्ट गैलरी • **कब** : 1 से 8 अक्टूबर, प्रात : 11 बजे से रात 8 बजे तक
- **प्रवेश** : निश्शुल्क

### ए काइट रनर

प्यार-दोस्ती, विश्वासघात, अच्छाई और बुराई की एक मनोरंजक कहानी। युद्ध के दौरान अफगानिस्तान की अशांत पृष्ठभूमि के खिलाफ जूझती यह दो दोस्तों की कहानी है। दोनों को पतंग उड़ाना पसंद है। लेकिन यह पतंग कैसे उनकी जिंदगी में बदलाव लाती है। इसे रंगमंच पर देखना एक सुखद अनुभव होगा।
- कहां : कमानी ऑडिटोरियम, मंडी हाउस
- कब : 5, 6 अक्टूबर, शाम साढ़े सात बजे
- प्रवेश : ऑनलाइन बुकिंग द्वारा प्रवेश

### कलाकारों की नजर से बापू

कलाकारों की नजर से यदि बापू को देखना चाहते हैं तो यह प्रदर्शनी जरूर देखें। जिसमें 4 गांधी राम सुतार की भी प्रदर्शित है। इसके अलावा अर्पणा कौर की चरखा पेंटिंग, सतीश गुप्ता की धर्म चक्रसोनिया सरीन की खादी पर चित्रित साबरमती के संत समेत अन्य कलाकृतियां प्रदर्शित हैं।
- कहां : ललित कला अकादमी, मंडी हाउस
- कब : 22 अक्टूबर तक, सुबह दस से शाम सात बजे तक
- प्रवेश : निश्शुल्क

### भौतिकता में जिंदगी खोजना

लाइफ इन मैटेरियलिटी, एक समूह शो जिसमें चेन्नई और पुदुचेरी के सात कलाकार शामिल हैं। इस शो का उद्देश्य विभिन्न सामग्रियों की जांच करना है जो कलाकार अपनी विषय और अभिव्यक्ति का पता लगाने के लिए करते हैं। एक कलाकार कलाकृतियों को बनाने के दौरान किन विचारों, परिस्थितियों से गुजरता है प्रदर्शनी के जरिए जाना जा सकेगा।
- कहां : आर्ट अलाइव गैलरी, पंचशील पार्क
- कब : 5 अक्टूबर तक, सुबह 11 से शाम सात तक • प्रवेश : निश्शुल्क

# राम वंदना से संगीत का आरंभ

17वां आरंभ कार्यक्रम

संगीत की कोई भाषा नहीं होती है। वह तो कान के रास्ते दिल तक का सफर तय करती है। हारमोनियम, तबला और विभिन्न वाद्य यंत्रों की सुरीली धुन दर्शकों के दिलोदिमाग पर कुछ ऐसा असर करती है कि उनके जीवन की तमाम परेशानियां, सारे तनाव पल भर में गायब हो जाते हैं और दर्शक संगीत की रसधारा में बहता चला जाता है। मंगलवार यानी एक अक्टूबर को त्रिवेणी कला संगम में रजा फाउंडेशन द्वारा आयोजित 17वां आरंभ कार्यक्रम दर्शकों के दिलों में कुछ इसी अंदाज में उतर गया। युवा कलाकारों ने जब तीन ताल में भगवान राम की वंदना की और ठुमरी के तहत श्रृंगार और वियोग रस की प्रस्तुति दी तो दर्शक भाव विह्वल हो उठे।

**मोहसिन के कंपोजिशन से थिरक उठे दर्शक** : करीब डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक चले कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति गायक मोहसिन अली खां की थी। किराना घराने से संबंध रखने वाले मोहसिन को संगीत अपने पिता सरोद वादक उस्ताद अब्दुल सामी खान से विरासत में मिली है। मोहसिन ने राग को विभिन्न कंपोजिशन में प्रस्तुत किया। जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। हर प्रस्तुति के पहले मोहसिन दर्शकों से मुखातिब होते। वे कहते हैं, यह जरूरी है। दरअसल, हर प्रस्तुति के पहले मैं दर्शकों को प्रस्तुति के बारे में बताता हूं ताकि वे मेरी प्रस्तुति में मेरे साथ सहभागी बनें। तबले पर मोहसिन के साथ मिथिलेश कुमार बने तो सारंगी पर एहसान ने साथ दिया। जबकि हारमोनियम पर उस्ताद करीम थे।

**अंतर्द्वंद्व में भक्ति और श्रृंगार रस** : आरंभ का अगला पड़ाव अमीरा पटनाकर की शानदार प्रस्तुति थी, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। पुणे की अमीरा ने कथक की शिक्षा दीक्षा गुरु शमाताई भाटे से ली है। अमीरा ने सबसे पहले तीन ताल में भगवान राम की वंदना प्रस्तुत की। तत्कार, आमद पारण और ठाट से सजी यह प्रस्तुति दर्शकों को राममय कर गई। दूसरी प्रस्तुति अंतर्द्वंद्व थी। यह एक ठुमरी प्रस्तुति थी, जिसमें नायिका भगवान कृष्ण का इंतजार करती है। वह भगवान को बुलाती है। यह भाव प्रधान प्रस्तुति थी, जिसमें ना केवल श्रृंगार और वियोग था, बल्कि भक्ति की रसधारा बह रही थी। आखिरी प्रस्तुति शलाका राय की थी। राग मल्लिका पल्लवी में जगन्नाथअष्टकम की यह प्रस्तुति शानदार थी। म्यूजिक कंपोजिशन पंडित मधुप मुदगल का था, जबकि इसकी कोरियोग्राफी माधवी मुदगल ने की थी। इसके बाद ओरिया चंपू प्रस्तुत किया। यह खा चंपू थी। जिसमें गीत की हर पंक्ति की बोल खा शब्द से शुरू होता है। दरअसल यह एक कविता है, जिसे प्रसिद्ध कवि सूर्य बलदेव ने लिखा है।

**-संजीव कुमार मिश्र**

मोहसिन अली खां

शलाका राय

जायका

# आरडोर संग नवरात्र में भरें रंग

भारत की नक्शेनुमा थाली में सजीं छोटी-छोटी कटोरियां, राजस्थानी और गुजराती जायकों की खुशबू समेटे कढ़ी, गट्टे की सब्जी, रोल पापड़, पनीर टिक्का आजवाइनी, हरा भरा कबाब...जब ये थाली ग्राहकों तक पहुंचती है तो वे खाने से ज्यादा उसे देख कर ही रोमांचित हो उठते हैं। नवरात्र में सात्विक भोजन के नाम पर हम फल से ज्यादा कुछ सोच ही नहीं पाते, लेकिन ऐसे लजीज व्यंजन वह भी बिना लहसन प्याज के तो भला किसका मन इसे खाने को नहीं मचल उठेगा। गुरुग्राम के सेक्टर 29 स्थित आरडोर रेस्त्रां में वैसे तो अलग-अलग अवसरों के हिसाब से बदलाव किए जाते हैं जो बेहद अनूठे होते हैं लेकिन नवरात्र और दुर्गा पूजा को लेकर जो तैयारियां हैं उसे देखकर आप फेस्टिविटी के रंगों में रंग जाएंगे।

**गरबा नाइट के साथ त्योहार का सेलिब्रेशन** : चार और पांच अक्टूबर को यहां डांडिया और गरबा नाइट का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए रेस्त्रां को पूरी तरह से त्योहारी रंग में सजाया गया है। लोक कलाकार भी आमंत्रित किए गए हैं, जो विशेष नृत्य की प्रस्तुति देंगे। रेस्त्रां में ड्रेस कोड भी रखा गया है। बेहतरीन पारंपरिक परिधानों में सजकर आने वाले ग्राहकों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। केवल डांडिया और गरबा ही नहीं, कुछ चुनिंदा कलाकार अपने वाद्य यंत्रों से भी समां बांधेंगे। रेस्त्रां संचालक मेघा भाटिया कहती हैं कि नवरात्र से लेकर दीवाली तक लोग फेस्टिव मूड में रहेंगे। ऐसे में उन्हें पारंपरिक फील देने के लिए वे रेस्त्रां के मेन्यू में कुछ न कुछ बदलाव करती रहेंगी ताकि एकरसता न आए।

**नवरात्र विशेष डिशेज का लज्जतदार स्वाद** : जब लोग त्योहारी उमंग से सराबोर नजर आ रहे हैं तो क्यों न उनके लिए खाना भी कुछ उसी तरह का हो जाए, इसलिए रेस्त्रां में इन दिनों विशेष फेस्टिव डिशेज दी जा रही हैं। चटपटे दही भल्ले, रोल पापड़, पनीर टिक्का आजवाइनी, हरा भरा कबाब और मिक्स रायता एक विशेष थाली में आता है। लहसन प्याज के बिना भी ये व्यंजन इतने स्वादिष्ट हैं कि लोग जी भर कर इसका सुस्वाद ले रहे हैं। चावल से लेकर पकौड़े, कढ़ी, गट्टे की सब्जी समेत कई राजस्थानी व गुजराती डिशेज को सात्विक स्वाद देने के लिए इसे बिना लहसुन प्याज के देसी घी में विशेष राजस्थानी मसालों से बनाया जाता है। साफ-सफाई का भी ध्यान रखा जाता है।

**प्रियंका दुबे मेहता**

नवरात्र स्पेशल थाली

भारत की नक्शेनुमा थाली में अनुच्छेद 370 हटाने की झलक

### अनुच्छेद 370 हटाने की झलक

मोदी की छप्पन इंच की थाली के बाद कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की झलक भी यहां व्यंजनों के माध्यम से देखे जा सकते हैं। अनुच्छेद 370 मेन्यू के तहत थाली में एक से बढ़कर एक लजीज कश्मीरी भोजन परोसे जा रहे हैं। इसमें मुख्य रूप से कश्मीर की लोकप्रिय खुमानी रोटी, नरदू व काहवा शामिल है। इन जायकों को परोसने का तरीका इतना खास है कि आप कुछ देर तक उसे देखते ही रह जाएंगे। भारत के नक्शे के आकार की थाली में कश्मीर से लेकर दक्षिण भारत तक के व्यंजनों को जगह दी गई है।

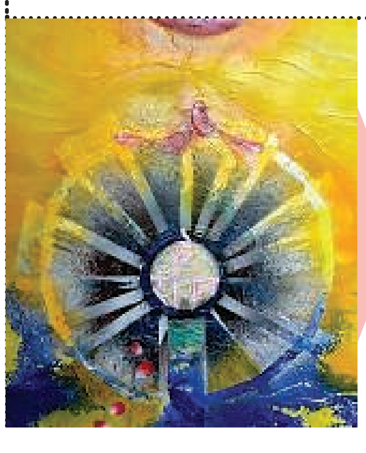

### गांधी मेरे मुल्क में

गांधी मेरे मुल्क में। प्रदर्शनी का यह नाम कलाकृतियों के बारे में काफी कुछ कहता है। बापू को देशवासियों से जो प्यार मिला, जितना संघर्ष किया। किस तरह लोगों को सत्याग्रह के लिए प्रेरित किया। किन आंदोलनों से ब्रितानिया हुकूमत की नींव हिला दी यह सब प्रदर्शनी में देख सकते हैं।
- कहां : सिरीफोर्ट ऑडिटोरियम • कब : 2 से 5 अक्टूबर, सुबह छह से शाम सात तक
- प्रवेश : निश्शुल्क

### 3ब्रोस में कुछ खास

मेक्सिकन, थाई, नार्थ इंडियन, इटेलियन, इंडो चाइनीज के लाजवाब स्वाद से भरपूर 3ब्रोस रेस्त्रां आपके सप्ताह की छुट्टियों को बेहतरीन बना सकता है। यहां के चाइनीज भेयी, सिल्कन टोफू, पिजा, इटालियन रिसोटो, फ्राइड फिंगर समेत वनीला स्कूप काफी पसंद आएंगे। परिवार संग वीकेंड में यहां का रुख कर सकते हैं।
- कहां : सेक्टर-63 नोएडा
- कब : सुबह 12 बजे से रात 11 :00 बजे तक
- शुल्क : प्रति 2 व्यक्ति 950 रुपये

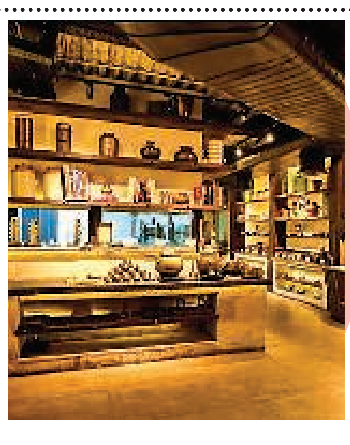

### जीटी रोड के लजीज स्वाद

यहां का वेज खाना बहुत ही प्रसिद्ध है। मसलन, दाल मखनी, बटर पनीर, बिरयानी, पनीर टिक्का, पालक पत्ता चाट, जलेबी आदि। नार्थ इंडियन जायका यदि आपको पसंद है तो यहां जा सकते हैं। साफ सुथरी, शांत जगह वीकेंड पर बेहतरीन ठौर है।
- **कहां** : एम ब्लॉक, कनॉट प्लेस
- **कब** : सुबह साढ़े ग्यारह से रात 12 बजे तक
- **शुल्क** : प्रति दो व्यक्ति 1500 रुपये

### लॉजिस्टिक्स पॉलिसी मसौदे पर पीएमओ की बैठक

**नयी दिल्ली, प्रेट्र** : प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी के मसौदे पर चर्चा के लिए सचिवों के साथ बैठक की। इस नीति का मकसद देश में वस्तुओं की आवाजाही को सुचारू बनाना और व्यापार लागत में कमी लाना है। अधिकारी के अनुसार वाणिज्य, इस्पात, राजस्व, रसायन और कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालयों समेत विभिन्न विभागों के सचिव बैठक में शामिल हुए। वाणिज्य मंत्रालय के लॉजिस्टिक विभाग ने नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी का मसौदा जारी किया है।

देश में बमुश्किल 20 करोड़ लोग अंग्रेजी बोलते हैं। ऐसे में अगर बाकी भाषाओं में इंटरनेट की पहुंच सुनिश्चित नहीं की गई, तो बड़ा वर्ग विकास में पीछे रह जाएगा। हमें इसका समाधान खोजना होगा।
— रिशद प्रेमजी, चेयरमैन, विप्रो

| | | |
|---|---|---|
| संसेक्स | 38,106.87 | ▼ 198.54 |
| निफ्टी | 11,313.10 | ▼ 46.80 |
| सोना प्रति दस ग्राम | ₹ 39,115 | ▲ ₹121 |
| चांदी प्रति किलोग्राम | ₹ 47,580 | ▲ ₹1630 |
| डॉलर | ₹70.90 | ▼ ₹0.20 |
| क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल | $ 57.14 | |

## कारपोरेट हलचल

### एनएचबी का स्वच्छता अभियान

नेशनल हाउसिंग बैंक ने दो अक्टूबर को शुरू स्वच्छता सेवा अभियान के तहत दिल्ली के जंगपुरा एक्सटेंशन और वसंत कुंज में स्वच्छता अभियान चलाया। इसके तहत लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक और डिस्पोजेबल प्लास्टिक कचरे के बारे में जागरूक किया गया। इस अभियान का नेतृत्व एनएचबी के प्रबंध निदेशक एचके होता ने किया।

### सीसीआरटी का 'गांधी स्मरण'

सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्स एंड ट्रेनिंग (सीसीआरटी) ने गांधी जी की 150वीं जयंती के सालभर से चल रहे कार्यक्रमों का समापन 'गांधी स्मरण' से किया। इस अवसर पर पंडित चेतन जोशी और पंडित राजेंद्र गंगानी ने बांसुरी और कथक का अद्भुत कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त दोनों कलाकारों ने एकला चलो रे गीत के संशोधित स्वरूप पर प्रस्तुति प्रदान की।

### ईएसआइसी की स्वच्छता फेरी

स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत ईएसआइसी अस्पताल ओखला ने एक रैली (स्वच्छता फेरी) का आयोजन किया। इसके तहत अस्पताल के आसपास के इलाकों में स्वच्छता के फायदे व प्लास्टिक के नुकसान के बारे में संदेश दिया गया। ओखला अस्पताल के कर्मियों व चिकित्सा अधिकारियों ने चिकित्सा अधीक्षक डा. दीपिका गोविल के नेतृत्व में इस स्वच्छता फेरी में हिस्सा लिया।

# निजी निवेश व कानूनी सुधार से बदलेगी खेती की तस्वीर

**सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली**

**बदलाव मांगे खेती**
- केंद्र के साथ राज्यों को निभानी होगी कारगर भूमिका
- अवरोधक भू-पट्टेदारी, भू-राजस्व, कांट्रैक्ट व मंडी कानून को बदलना होगा
- निवेश व हाई वैल्यू क्रॉप से खेती बनेगी जीवन-यापन के बजाय व्यवसाय

किसानों को परंपरागत खेती से हटाकर नकदी आधारित फसलों की ओर ले जाने से ही बदलाव आएगा। प्रतीकात्मक

**यह है हाल**
देश की 53 फीसद खेती बिना सिंचाई के जैसे-तैसे होती है, जहां सिंचाई की सुविधा देकर उस जमीन को बहुफसली बनाया जा सकता है। मांग आधारित कृषि उत्पादों की खेती की जगह मनमाने तरीके से खेती हो रही है। फिलहाल देश में फल, फूल, पशुधन और डेयरी उत्पादों की मांग बहुत बढ़ी है। ऐसी हाई वैल्यू क्रॉप की जगह देश की कुल कृषि योग्य जमीन के 77 फीसद हिस्से में अनाज, दलहनी और तिलहनी फसलों की खेती हो रही है।

खेती को आगे बढ़ाने के लिए कृषि क्षेत्र में मूलभूत सुधार की सख्त जरूरत है, जिसके लिए सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्र के निवेश की दरकार है। लेकिन यह तभी संभव है, जब केंद्र और राज्य साझा प्रयास से कृषि क्षेत्र में कानूनी सुधार को प्राथमिकता देंगे। कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने के साथ इसके बुनियादी ढांचे में कारपोरेट निवेश बढ़ाना होगा। हाई वैल्यू क्रॉप (नकदी फसलों) से ही खेती को व्यवसाय में तब्दील करने में सहूलियत होगी, जो निजी निवेश से ही संभव होगा।

कृषि लागत व मूल्य आयोग (सीएसीपी) के पूर्व चेयरमैन डॉ. तजामुल हक का कहना है, 'कानूनी सुधार के बगैर कृषि क्षेत्र में निवेश करने से प्राइवेट सेक्टर हिचकता है। सरकार ने कानूनी सुधार के उपाय शुरू कर दिए हैं, लेकिन इसमें राज्यों की भूमिका अहम है।' बकौल हक, कुछ राज्यों ने इस दिशा में कारगर पहल की है, लेकिन समग्र प्रयास होते नहीं दिख रहे हैं। आधे-अधूरे मन से टुकड़ों में हो रहे सुधार का बहुत फायदा नहीं होगा। कृषि मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक नौ राज्यों में कानूनी सुधार की प्रक्रिया शुरू हुई है। दरअसल, कृषि क्षेत्र में निजी निवेश की दर कभी दो फीसद से अधिक नहीं हो सकी।

डॉ. हक नीति आयोग की भूमि पट्टेदारी विधेयक का मसौदा बनाने वाली विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष भी रहे हैं। उनकी सिफारिशें ठंडे बस्ते में पड़ी हुई हैं। देश का एक बड़ा तबका भूमिहीन बटाईदार किसान है, जो कानूनी तौर पर किसान की परिभाषा में फिट नहीं बैठता है। लिहाजा उसे किसानों को मिलने वाले लाभ से वंचित होना पड़ता है। दूसरा, जिन राज्यों में राजस्व कानून संशोधित नहीं किया गया है, वहां के भूस्वामी अपनी जमीनों को बटाई पर देने की जगह परती छोड़ना ही मुनासिब समझते हैं।

कृषि वैज्ञानिक डाक्टर आरबी सिंह का कहना है, 'विभिन्न राज्यों में अलग-अलग कानून हैं। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी और न जाने की कितने तरह के वाजिब और गैर-वाजिब मदद मुहैया कराए जा रहे हैं, जिसका दुरुपयोग होने से खेती को नुकसान उठाना पड़ रहा है।' खेती से संबद्ध बागवानी, पशुधन, डेयरी, मत्स्य, पोल्ट्री और मधुमक्खी पालन जैसे उद्यम को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। इन क्षेत्रों में निजी निवेश आने की पूरी संभावना है, जिसके लिए कानूनी सुधार करना होगा। लेकिन इन सबका पूरा दारोमदार राज्यों के कंधों पर है।

कांट्रैक्ट खेती का मसौदा भेजकर केंद्र ने सभी राज्यों को अपने कानून में संशोधन की सलाह दी है। लेकिन अब तक मात्र नौ राज्यों ने इस दिशा में पहल की है। लघु व सीमांत किसानों के लिए राजस्व कानून में संशोधन काफी मुफीद साबित हो सकता है। इसी तरह किसानों की सबसे बड़ी चुनौती उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना है। इसमें संशोधन के बगैर किसान अपनी जमीन किसी कारपोरेट सेक्टर को सौंपना नहीं देना चाहेगा। इसके लिए एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केटिंग कमेटी (एपीएमसी) एक्ट में संशोधन करना जरूरी है, जिसके लिए सभी राज्यों पर लगातार दबाव है। मंडियों में उपज के मूल्य निर्धारण में व्यापारियों व आढ़तियों का एकाधिकार रहता है, जो किसानों पर भारी पड़ता है। मंडी कानून में सुधार न होने से निजी निवेश इसमें आने से परहेज करता रहा है। मंडियों का कानूनी ढांचा इतना उलझा हुआ है कि इसमें निजी निवेशक प्रवेश नहीं पा सकता है।

**कहा** ▸ विदेशी कंपनियां ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल भारी डिस्काउंटिंग के लिए न करें

# छोटे दुकानदारों के हित सर्वोपरि : गोयल

## सरकार की नीति यथावत, देश में स्थायी और उम्मीद के मुताबिक रेगुलेटरी ढांचा

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

भारत ने विदेशी कंपनियों को आगाह किया है कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल आक्रामक प्राइसिंग और भारी भरकम डिस्काउंट के लिए न करें। इससे छोटे दुकानदारों के बिजनेस से बाहर होने का खतरा बढ़ेगा। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह क्षेत्र काफी संवेदनशील है और सरकार छोटे खुदरा कारोबार को खत्म नहीं होने देगी।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के तत्वावधान में आयोजित इंडिया इकोनॉमिक समिट में कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म आक्रामक प्राइसिंग या भारी-भरकम पूंजी के इस्तेमाल से बड़ी मात्रा में सस्ते उत्पाद खरीदें और उन्हें अधिक डिस्काउंट देकर छोटे दुकानदारों को बिजनेस से बाहर करने की स्थिति पैदा कर दें। 'हम इस बात को लेकर एकदम स्पष्ट हैं। यह क्षेत्र बेहद संवेदनशील है और हम ऐसा नहीं होने दे सकते।'

ई-कॉमर्स कंपनियों में एफडीआइ की अनुमति मिलने के बाद छोटे कारोबारी लगातार ऐसी आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि विदेशी पूंजी का इस्तेमाल ये कंपनियां आकर्षक ऑफरों के जरिये ग्राहकों को लुभाने के लिए कर सकती हैं। गोयल ने कहा कि इस संबंध में उन्होंने भारतीय और विदेशी कंपनियों से लंबी चर्चा की है। ई-कॉमर्स सेक्टर से संबंधित इन चिंताओं पर अमेरिका में भी कंपनियों से बातचीत हो चुकी है और सेक्टर को लेकर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। गोयल ने स्पष्ट कहा कि भारत ने इस सेक्टर के लिए एक स्थायी और उम्मीद के मुताबिक रेगुलेटरी ढांचा तैयार किया है।

भारत ने ई-कॉमर्स मुद्दे पर पर अपने रुख से नहीं पलटने का दिया स्पष्ट संकेत। प्रेट्र

**भारत के विकास के लिए बड़ा प्लेटफॉर्म**

**नई दिल्ली, प्रेट्र** : वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के प्रेसिडेंट बोर्जे ब्रेंडे ने कहा है कि इस वक्त बेहद निर्णायक नेतृत्व वाले भारत के पास वैश्विक स्तर पर दमदार मौजूदगी दर्ज कराने का पूरा मौका और प्लेटफॉर्म है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में पांच लाख करोड़ डॉलर और 15 वर्षों में 10 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना पूरा करने के लिए मंच तैयार है। ब्रेंडे का कहना था कि एक तरफ वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर अनुमान से कम से कम एक फीसद नीचे रह जाने की आशंका है। दूसरी तरफ दक्षिण एशियाई देशों का आउटलुक इस मामले में बेहतर है।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस की मौजूदगी में गोयल ने स्पष्ट कहा, 'हमारी घरेलू राजनीतिक प्रतिबद्धताओं के परिप्रेक्ष्य में और स्मॉल रिटेल पर आश्रित 12-13 करोड़ लोगों को ध्यान में रखते हुए यह क्षेत्र हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। देश में 5-6 करोड़ छोटी खुदरा दुकाने हैं जो लोगों को रोजगार मुहैया करा रही हैं और देश की लगभग आधी आबादी इनसे जुड़ी है। इस लिहाज से यह विषय बेहद संवेदनशील है।' यही वजह है कि सरकार ने मल्टीब्रांड रिटेल सेक्टर में एफडीआइ की सीमा 49 परसेंट ही रखी है। उन्होंने कहा, 'मैं फिर से यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि भारतीय कानून की मूल भावना छोटे दुकानदारों को संरक्षण देने की है और उम्मीद है कि दुनिया का हर देश अपने लोगों के लिए रोजगार और उनके जीवनयापन के लिए कामकाज के हितों का ध्यान रखता है।'

सत्र में उपस्थित रॉस ने कहा कि वह छोटे दुकानदारों, किसानों और अन्य समूहों की राजनीतिक संवेदनशीलता को समझते हैं। इस मामले में यह देखना जरूरी है कि चीजें कितनी तेजी से बदलती हैं। ई-कॉमर्स ग्राहकों के लिए सस्ते उत्पाद उपलब्ध कराने का एक जरिया है और भारत जैसे देश जहां लोगों की इनकम काफी कम है, वहां लोगों को अधिक दाम देने पड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मीडिया में इस तरह की खबरे हैं कि भारत में अमेजन के के निवेश में कमी आई है। 'वे संभवतः और अधिक निवेश कर सकते थे बशर्ते उन्हें नीतियों की वजह से ग्रोथ की संभावना दिखती।' हालांकि गोयल ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेजन के निवेश में कमी की एक वजह यह भी हो सकती है कि उन्होंने इसके पहले वर्षों में भारत में जरूरत से ज्यादा निवेश कर दिया हो।

## त्योहारी सीजन में सेंटीमेंट बनाने को बैंक भी मैदान में

- कोटक बैंक ने ग्राहकों के लिए शुरू किया कोना-कोना ख्वाब स्कीम
- सरकारी बैंकों ने 226 स्थानों पर कैंप लगाने का किया एलान

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली** : त्योहारी सीजन में मांग बढ़ाने की मुहिम में कंपनियों के साथ साथ बैंक भी मैदान में उतर आए हैं। ग्राहकों के लिए इन त्योहारों में खरीदारी आसान बनाने के लिए सरकारी बैंकों का लोन मेला गुरुवार से शुरू हो चुका है। वहीं, निजी बैंक आसान शर्तों पर विभिन्न ऑफरों के साथ लोन के प्रस्ताव लेकर कंज्यूमर सेंटीमेंट को बढ़ाने में जुट गए हैं।

सरकारी बैंकों ने गुरुवार को देश भर में 226 जगहों पर लोन मेला लगाने का कार्यक्रम जारी कर दिया। जबकि निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने 'कोना-कोना ख्वाब' के नाम से अपना लोन उत्सव शुरू करने का एलान किया है। इसके तहत बैंक ग्राहकों को विभिन्न प्रकार के लोन पर प्रोसेसिंग और फोरक्लोजर (अवधि से पहले पूरे कर्ज का भुगतान करना) फीस पर 25 से 100 परसेंट तक की छूट दे रहा है। ऑटो लोन के लिए बैंक 'बाय नाऊ पे लेटर' का ऑफर दे रहा है जिसमें अभी खरीदने पर ईएमआइ अगले वर्ष जनवरी से शुरू होगी। बैंक की कंज्यूमर बैंकिंग प्रेसिडेंट शांति एकम्बरम ने बताया कि घरेलू इकोनॉमी में मांग बढ़ाने के सरकार के प्रयासों के साथ कदम बढ़ाते हुए यह एलान किया है। बैंक के ये सभी ऑफर देश भर में 3500 प्वाइंट पर उपलब्ध होंगे।

एकम्बरम ने बताया कि महिलाओं के लिए बैंक त्योहारी सीजन में अतिरिक्त ऑफर प्रदान कर रहा है। महिलाओं को नए कर्जों पर ब्याज में चौथाई परसेंट से आधा परसेंट की छूट देने का ऑफर भी बैंक ने किया है। बैंक त्योहारी सीजन में कृषि से लेकर छोटे कारोबारियों और खुदरा विक्रेताओं से लेकर ग्राहकों तक के लिए कई ऑफर लेकर आया है। एकम्बरम ने बताया कि बैंक की कोशिश ग्राहकों में विश्वास भरने की है।

तीन दिन पूर्व ही एचडीएफसी बैंक ने भी त्योहारी सीजन में ग्राहकों को कर्ज पर कई तरह के छूट का प्रस्ताव किया था। पिछले दिनों सरकारी और बाद में निजी बैंकों के साथ हुई बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मांग बढ़ाने की दिशा में अपने अपने स्तर पर काम करने का आग्रह किया था।

# हुआवे के पक्ष में खड़े हुए सुनील मित्तल अमेरिका ने कहा, उसकी चिंता वाजिब

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

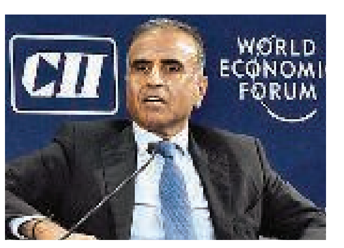


प्रतीकात्मक

- मित्तल ने कहा - हुआवे के प्रोडक्ट एरिक्सन और नोकिया से बेहतर
- अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने कहा - सुरक्षा चिंताओं से लगाई रोक

भारती इंटरप्राइजेज के प्रमुख सुनील भारती मित्तल ने 5-जी के लिए हुआवे की टेक्नोलॉजी को बेहतरीन बताते हुए सरकार से उसका पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया है। हुआवे को लेकर अमेरिका की सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बावजूद मित्तल ने कहा कि अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले उसकी टेक्नोलॉजी बेहद उन्नत है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के तत्वावधान में आयोजित इंडिया इकोनॉमिक समिट के दौरान एक सत्र में हिस्सा लेते हुए वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस की उपस्थिति में मित्तल ने कहा कि बीते 10-12 वर्षों में कंपनी अपने उत्पादों के साथ काफी मजबूत बनकर उभरी है। 'हुआवे के 3जी और 4जी प्रोडक्ट्स एरिक्सन और नोकिया से कहीं बेहतर हैं। हमने तीनों कंपनियों के उत्पाद इस्तेमाल किये हैं।' हालांकि रॉस ने कहा कि चीन की इस कंपनी का विरोध करने के पीछे उनकी मंशा को प्रोटेक्शनिज्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। रॉस ने कहा इसे लेकर अमेरिका की सुरक्षा संबंधी चिंताएं वास्तविक हैं।

गौरतलब है कि अमेरिका ने हुआवे के साथ अपनी कंपनियों के कामकाज करने पर रोक लगा रखी है। भारत को अभी 5-जी के ट्रायल के लिए हुआवे को मौका देने या नहीं देने के बारे में फैसला करना है। मित्तल ने कहा कि भारत को अमेरिका की एडवाइजरी को सावधानीपूर्वक देखना चाहिए। लेकिन उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि चीन के साथ भारत के रिश्तों के संबंध में भी फैसला लेना है।

रॉस ने कहा कि उसका फैसला उसकी अपनी चिंताओं पर आधारित है और उम्मीद है कि हमारा सहयोगी भारत अनजाने में ऐसा सिक्योरिटी रिस्क नहीं लेना चाहेगा। यह केवल शुरुआती जोखिम नहीं है, इसमें रखरखाव और अपग्रेड संबंधी सुधार होंगे। हर बार वेंडर के साथ संपर्क करना होगा। इसलिए सुरक्षा संबंधी संभावनाएं आगे भी आएंगी। उन्होंने कहा कि 3-जी और 4-जी के मुकाबले 5-जी टेक्नोलॉजी एकदम अलग है। पहली दोनों टेक्नोलॉजी में सुरक्षा व्यवस्था बनाने की गुंजाइश रहती है। लेकिन 5जी में ऐसा संभव नहीं है।

# निर्यात प्रतिबंध से घटा प्याज का भाव

## मंत्री ने कहा - सरकारी गोदामों में 25 हजार टन प्याज का है स्टॉक

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

प्याज की महंगाई थामने के लिए सरकार ने कई कारगर उपाय किए हैं, जिससे कई शहरों में प्याज का भाव घटने लगा है। केंद्रीय उपभोक्ता मामले व खाद्य मंत्री रामविलास पासवान ने कहा कि सरकारी गोदामों में कुल 58 हजार टन प्याज का स्टॉक था, जिसमें से 18 हजार टन प्याज राज्यों ने खरीद लिया है। जबकि 25 हजार टन प्याज अभी भी बचा हुई है। हैरत की बात यह रही कि सरकारी एजेंसी नैफेड के गोदामों में ही 15 हजार टन प्याज सड़ गया।

पासवान ने गुरुवार को कहा कि प्याज के निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिससे जिंस बाजारों में कीमतें घटी हैं। जमाखोरों के खिलाफ छापेमारी की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। प्याज की स्टॉक सीमा निर्धारित कर दी गई है। पिछले कुछ सप्ताह तक देश के विभिन्न शहरों में प्याज का मूल्य 60 से 70 रुपये प्रति किलो बिक रही थी, लेकिन सरकारी सख्ती के चलते कीमतें इससे नीचे आई हैं।

**दिल्ली समेत प्रमुख शहरों में पेयजल पर वैधानिक मानक**

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली** : राजधानी दिल्ली समेत देश के चुनिंदा शहरों में पीने के पानी पर भारतीय मानक ब्यूरो के निर्धारित मानक को वैधानिक किया जाएगा। इसे पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से वैधानिक किया जाएगा। लेकिन इसके पहले संबंधित पक्षकारों से जल्दी ही चर्चा शुरू की जाएगी। केंद्रीय उपभोक्ता मामले व खाद्य मंत्री राम विलास पासवान ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत राज्यों की राजधानी वाले शहरों के साथ विकसित किए जा रहे सौ स्मार्ट सिटी में नलों पानी की आपूर्ति पर मानक अनिवार्य किया जाएगा। राजधानी दिल्ली में पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता को लेकर बुलाई बैठक के बाद पासवान ने कहा कि पेयजल की आपूर्ति पर मानक के वैधानिक करने के बाद इसकी अवहेलना दंडात्मक होगी। इस बाबत सभी राज्य सरकारों और शहरी निकायों के प्रमुखों को पत्र लिखा जा रहा है। उन्होंने माना कि दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले भारत में पेयजल के लिए बनाया गया मानक कमतर है।

नैफेड के गोदामों में रखा प्याज के सड़ने के बारे में पूछे सवाल पर पासवान ने कहा 'रखे रखे प्याज सूख गया।' अभी भी हमारे स्टॉक में 25 हजार टन प्याज है, जो राज्य चाहें खरीद सकते हैं। महाराष्ट्र में प्याज की थोक मंडी लासलगांव में प्याज 30 रुपये प्रति किलो के नीचे आ गया है। सितंबर मध्य तक नासिक में भी प्याज 51 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा था।

प्याज की कीमतें राजनीतिक रूप से बहुत संवेदनशील होती हैं। कीमतों के बढ़ने और फिर सरकारी उपायों को लेकर उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में किसानों ने आंदोलन शुरू कर दिया।

**सुस्ती**

198.54 अंक फिसलकर 38,106.87 अंकों पर बंद हुआ सेंसेक्स, 46.80 अंक फिसलने वाला निफ्टी 11,313.10 अंक पर हुआ स्थिर

# ग्लोबल दबाव में घरेलू शेयर बाजार टूटे

**मुंबई, प्रेट्र** : पिछले तीन कारोबारी सत्रों की गिरावट का सिलसिला शेयर बाजारों में गुरुवार को भी दिखा, जब सेंसेक्स करीब 199 अंक और निफ्टी कलगभग 47 अंक टूट गए। जीएसटी संग्रह में सितंबर में आई कमी तथा वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं के लिए कई चुनौतियों को देखते हुए निवेशक लगातार बिकवाली करते रहे। आरबीआइ की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के नतीजों के इंतजार में भी निवेशकों ने थोड़ा ठहर जाना ही ठीक समझा। ऐसे में गुरुवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 198.54 अंक यानी 0.52 फीसद टूटकर 38,106.87 अंकों पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी भी 46.80 अंक यानी 0.41 फीसद लुढ़ककर 11,313.10 अंक पर स्थिर हुआ।

गुरुवार को मिलाकर पिछले चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 882.87 अंक यानी 2.27 परसेंट टूट चुका है। यूरोपीय वस्तुओं पर नई शुल्क दरों की अमेरिका की धमकी के बाद दुनियाभर के बाजार गुरुवार को दबाव में दिखे। वहीं, घरेलू बाजार में फाइनेंशियल सेक्टर से एक के बाद एक नकारात्मक खबरों के आते रहने से निराशाजनक माहौल बना। सेंसेक्स पैक में सबसे ज्यादा 4.66 फीसद की गिरावट वेदांता रिसोर्सेज के शेयरों में दर्ज की गई। टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, एचयूएल और भारती एयरटेल के शेयरों में 3.36 फीसद तक की गिरावट देखी गई। दूसरी तरफ, यस बैंक के शेयरों में 33 फीसद तक का उछाल दर्ज किया गया। टाटा मोटर्स, आइटीसी, एचसीएल टेक, पावर ग्रिड और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में 6.16 फीसद तक का उछाल दर्ज किया गया। सेक्टोरल इंडेक्स के मामले में बीएसई में सबसे ज्यादा पिटाई मेटल इंडेक्स की हुई। बेसिक मैटीरियल्स, फाइनेंस, बैंकिंग व टेलीकॉम इंडेक्स को भी गिरावट का सामना करना पड़ा। दिन के कारोबार के बारे में जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि दुनियाभर के शेयर बाजारों की सुस्ती और स्थानीय स्तर पर वित्तीय क्षेत्र से जुड़े स्टॉक्स पर दबाव के चलते गुरुवार को शेयर बाजारों की हालत खराब रही। जीएसटी संग्रह में गिरावट को देख निवेशकों ने शेयर बाजारों से दूरी बनाए रखी।

फाइनेंशियल और बैंकिंग शेयरों में गिरावट ने शेयर बाजारों को नीचे खींचा। प्रतीकात्मक

## सराफा बाजारों में त्योहारी जगमग

**नई दिल्ली, प्रेट्र** : अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने-चांदी के भाव में उछाल का सीधा असर गुरुवार को घरेलू सराफा बाजार में दिखा। दिन के कारोबार में चांदी 1,630 रुपये उछलकर 47,580 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। सोने का भाव भी गुरुवार को 348 रुपये चढ़कर 39,115 रुपये प्रति 10 ग्राम का हो गया। एचडीएफसी सिक्युरिटीज में कमोडिटीज के सीनियर एनालिस्ट तपन पटेल का कहना था कि डॉलर के मुकाबले रुपये के टूटने से विदेशी बाजारों में सोने-चांदी के भाव में उछाल देखा गया। न्यूयॉर्क में सोना उछाल के 1,501 डॉलर, जबकि चांदी भी मजबूती के साथ 17.61 डॉलर प्रति औंस (28.35 ग्राम) पर कारोबार कर रहे थे।

# आरबीआइ की तरफ से रेपो रेट में एक और कटौती की उम्मीद

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

- शुक्रवार को आरबीआइ गवर्नर पेश करेंगे मौद्रिक नीति की समीक्षागत रिपोर्ट
- पिछले चार समीक्षाओं में रेपो रेट में 110 अंकों की कटौती कर चुके हैं गवर्नर दास

आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास शुक्रवार को एक बार फिर रेपो रेट में 25 से 40 आधार अंकों की कटौती कर सकते हैं। आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक इस सप्ताह मंगलवार और गुरुवार को हो चुकी है। इनमें लिए गए फैसलों की घोषणा दास शुक्रवार को करेंगे।

दास के आरबीआइ गवर्नर बनने के बाद से सरकार और आरबीआइ के बीच देश की अर्थव्यवस्था की जरूरतों के मुताबिक जबर्दस्त सामंजस्य बन चुका है। आरबीआइ के रिजर्व फंड से सरकार को 1.76 लाख करोड़ रुपये ट्रांसफर करने का फैसला भी हो चुका है। पिछले हफ्ते एक कार्यक्रम में आरबीआइ गवर्नर ने संकेत भी दिए कि महंगाई की दर काफी नीचे रहने की वजह से अभी रेपो रेट में कटौती की गुंजाइश है। कोटक महिंद्रा बैंक की प्रेसिडेंट (कंज्यूमर बैंकिंग) शांति एकम्बरम का कहना है कि अभी सरकार बाजार में भरोसा बनाने में जुटी है। सरकार के स्तर पर कई तरह के फैसले किए गए हैं जिससे अर्थव्यवस्था में अनुकूल माहौल बना है। इस माहौल को बनाए रखने के लिए केंद्रीय बैंक रेपो रेट में एक बार फिर 20 से 25 आधार अंकों तक की कटौती कर सकता है।

अक्टूबर के महीने से सामान्य तौर पर कर्ज लेने की रफ्तार भी बढ़ जाती है। ऐसे में आरबीआइ रेपो रेट में 40 आधार अंकों की कटौती कर यह संकेत दे सकता है कि बाजार में ब्याज दरों के नीचे जाने का रास्ता अभी खुला हुआ है। बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिंच की रिपोर्ट ने रेपो रेट में 35 आधार अंकों की कटौती का अनुमान लगाया है। इसके पीछे भी यही वजह बताया गया है कि अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने के लिए यह सही समय है। इस कटौती के बाद बैंकों की तरफ से कर्ज की दर और कम की जा सकती है।

**15** लाख टन वजन के बम गिराए थे अमेरिकी विमानों ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी के कब्जे वाले क्षेत्रों पर। इनमें से छह लाख 40 हजार टन बम बी-17 विमानों से गिराए गए थे।

# अगर भारत-पाक परमाणु युद्ध हुआ तो भयावह होगा अंजाम

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद पाकिस्तान भारत को कई बार परमाणु युद्ध की गीदड़भभकी दे चुका है। ऐसे में अगर दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध होता है तो 5 करोड़ से 12.5 करोड़ लोग एक सप्ताह से भी कम समय के भीतर मारे जाएंगे, जो कि छह साल तक चले द्वितीय विश्व के मुकाबले कहीं ज्यादा है। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर और रटगर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में यह बातें सामने आई हैं। मौजूदा समय में भारत और पाकिस्तान में से प्रत्येक के पास लगभग 150 परमाणु हथियार हैं और यह संख्या 2025 तक 200 से अधिक होने की उम्मीद है।

## क्या कहते हैं शोधकर्ता

साइंस एडवांसेज नामक जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन से जुड़ी टीम के मुखिया शोधकर्ता ब्रियन टून ने कहा, तस्वीर भयावह है। इस तरह के युद्ध से न सिर्फ लाखों लोग मारे जाएंगे बल्कि भयंकर नतीजे सामने आएंगे। टून का मानना है कि अब तक के इंसानी इतिहास में इस संभावित युद्ध के भयावह असर का उदाहरण नहीं मौजूद है। दोनों देश तेजी से अपने शस्त्रागार का निर्माण कर रहे हैं। उनके पास बड़ी आबादी है, इसलिए बहुत से लोगों को इन शस्त्रागार से खतरा है।

## ऐसे किया अध्ययन

इस तरह का संघर्ष कितना बुरा हो सकता है, यह पता लगाने के लिए टीम ने कंप्यूटर सिमुलेशन की मदद से 1945 में जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में गिराए गए परमाणु बम विस्फोटों से प्रभावित हुए पृथ्वी के वायुमंडल की विस्तृत श्रृंखला को तैयार किया। उनके विश्लेषण के मुताबिक, तबाही कई चरणों में आएगी।

## चरणों में आएगी तबाही

युद्ध के पहले सप्ताह में भारत और पाकिस्तान संयुक्त रूप से एक दूसरे के शहरों पर लगभग 250 परमाणु हथियारों का विस्फोट कर चुके होंगे। हालांकि यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि ये हथियार कितने शक्तिशाली होंगे। लेकिन शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया कि प्रत्येक बम सात लाख से अधिक लोगों को मार सकता है। रिपोर्ट के अनुसार परमाणु जंग का असर सिर्फ इन दोनों देशों पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि दुनिया की सामान्य मृत्युदर दोगुनी हो जाएगी।

## सिहर उठेगी दुनिया, कांप जाएगी इंसानियत, बदल जाएगी धरती की तस्वीर

परमाणु विस्फोटों के बाद 1.6 से 3.6 करोड़ टन काला और घना कार्बन का धुंआ पूरे दुनिया में ऊपरी वायुमंडल में छा जाएगा। इससे धरती पर सूर्य की रोशनी में 20 से 35 फीसद तक की कमी आएगी। धरती का तापमान 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक कम हो जाएगा। ऐसी ठंड होगी जैसी हिमयुग के बाद से नहीं देखी गई है। बारिश में 15 से 30 फीसद तक की कमी आ सकती है, जिसके व्यापक क्षेत्रीय प्रभाव होंगे। इतना ही नहीं धरती पर पेड़-पौधों की संख्या में भी 15 से 30 फीसद तक की कमी आ सकती है और 5 से 15 फीसद तक समुद्री जीवन खत्म हो जाएगा। इस युद्ध के सीधे प्रभाव के चलते सप्ताह से कम समय के भीतर ही 5 करोड़ से 12.5 करोड़ लोगों की जान जा सकती है। इसके साथ ही इससे दुनियाभर में फैलने वाली भुखमरी जैसे अतिरिक्त कारणों से मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

## भारत-पाक मसला सबसे गंभीर

सिर्फ भारत-पाकिस्तान ही नहीं बल्कि इस पूरे अध्ययन में इजरायल, चीन, फ्रांस, रूस, फलस्तीन समेत मध्य एशिया के कुछ देशों की स्थिति को भी दर्शाया गया है। इन्हें भी एक खतरा बताया गया है। लेकिन भारत-पाकिस्तान के मसले को सबसे गंभीर इसलिए बताया गया है क्योंकि दोनों पड़ोसी देश परमाणु क्षमता से लैस हैं।

**परमाणु हथियारों की संख्या** 140-150 पाकिस्तान के पास | 130-140 भारत के पास

**सैन्य कर्मियों की संख्या** 14 लाख भारतीय | 6.54 लाख पाकिस्तानी

## न्यूज गैलरी

### तुर्की ने फेसबुक पर लगाया दो करोड़ का जुर्माना

**अंकारा** : तुर्की ने निजता के उल्लंघन के मामले में सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक पर 16 लाख लीरा (करीब दो करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना तुर्की के पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड ने लगाया है। फेसबुक से जुड़े तुर्की के करीब तीन लाख यूजर्स का डाटा लीक होने के संदेह में यह कार्रवाई की गई है। निजी फर्म को अपने यूजर्स का डाटा देने के मामले में फेसबुक पहले ही अमेरिका में मुकदमे का सामना कर रही है। (रायटर)

### उत्तर कोरिया ने की मिसाइल लांचिंग की पुष्टि

**सियोल** : उत्तर कोरिया ने गुरुवार को कहा कि पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पुकगुकसोंग-3 का परीक्षण सफल रहा है। उत्तर कोरिया ने इसे शानदार उपलब्धि बताया है। उ. कोरिया ने यह परीक्षण ऐसे वक्त पर किया जब इसी हफ्ते अमेरिका के साथ उसकी बातचीत शुरू होने वाली है। दक्षिण कोरिया की सेना ने बुधवार को बताया था कि उत्तर कोरिया के पूर्वी तट से समुद्र की ओर एक मिसाइल दागी गई है। (एपी)

### फ्रांस समेत कई देशों ने जारी किए गांधी पर डाक टिकट

**पेरिस** : महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में फ्रांस सहित कई देशों ने विशेष डाक टिकट जारी किए हैं। फ्रांस की डाक सेवा कंपनी ला पोस्ट ने यहां भारतीय दूतावास के साथ मिलकर बापू पर डाक टिकट जारी किया। फ्रांस के अलावा उज्बेकिस्तान, फलस्तीन और तुर्की ने भी गांधीजी की 150वीं जयंती पर डाक टिकट जारी किए। इसके अलावा हिंद महासागर के सबसे बड़े द्वीपीय देश मेडागास्कर ने भी बापू पर डाक टिकट जारी करने का निर्णय लिया है। गांधीजी के सम्मान में मेडागास्कर ने 1998 में भी विशेष डाक टिकट जारी किया था। गांधीजी के जन्मस्थल से 19वीं शताब्दी में अनेकों लोग आकर मेडागास्कर में बस गए थे। देश की अर्थव्यवस्था में भारतीय मूल के लोगों का अमूल्य योगदान है। (एएनआइ)

# हांगकांग में मास्क पर रोक लगा सकती है पुलिस

**बदलेंगे नियम** ▸ हिंसा को देखते हुए पुलिस को मिले ज्यादा अधिकार

### पुलिस गोली से घायल छात्र पर दंगा फैलाने का मुकदमा

**हांगकांग, रायटर** : हांगकांग में सरकार ने पुलिस को अपने बचाव और कानून व्यवस्था बनाने के लिए ज्यादा अधिकार दिए हैं। ऐसा चार महीने से चल रहे लोकतंत्र की मांग वाले हिंसक आंदोलन के मद्देनजर किया गया है। इन अधिकारों के तहत पुलिस फेस मास्क पहनने पर रोक लगा सकती है। यह मास्क पहनकर प्रदर्शनकारी सड़कों पर आते हैं और पुलिस से भिड़ते हैं। सड़कों पर कैमरे लगे होने के बावजूद पुलिस हिंसक प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कुछ खास नहीं कर पाती, क्योंकि उनकी कोई पहचान नहीं होती।

लोकतंत्र की मांग वाले आंदोलन को दबाने के लिए सरकार ने पुलिस को ज्यादा अधिकार देना जरूरी समझा है। नए अधिकार के तहत हिंसा की आशंका को देखते हुए पुलिस किसी इलाके में कर्फ्यू लगा सकती है और अशांति फैलाने वाले लोगों की धरपकड़ कर सकती है। किसी सभा या प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। चेहरे को ढंकने का कानून हांगकांग में आपातस्थिति में लागू किया जा सकता है, वैसे इस कानून का पिछले 50 साल से इस्तेमाल नहीं हुआ है।

सरकार ने ये फैसले मंगलवार को हांगकांग में भड़की व्यापक हिंसा के मद्देनजर लिया है। उस एक दिन में पुलिस को हालात को काबू करने के लिए आंसू गैस के 1400 गोले दागने पड़े, 900 रबर बुलेट छोड़नी पड़ीं और छह फायर करने पड़े। जबकि प्रदर्शनकारियों ने पथराव और डंडों से पुलिस पर हमले किए। टकराव में 100 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। टोनी सांग (18) नाम का छात्र सीने पर गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हुआ था। वह पुलिस अधिकारी पर हमले के दौरान घायल हुआ था। पुलिस ने उस पर दंगा फैलाने का आरोप लगाया है। लोकतंत्र समर्थक सांसदों और नेताओं को आशंका है कि आपातस्थिति के इन नियमों से आमजनों की स्वतंत्रता पर और ज्यादा आघात हो सकता है। आंदोलन की पहचान बने मास्क पर रोक लगाने से स्थितियां और ज्यादा बिगड़ सकती हैं।

हांगकांग में गुरुवार को एक बार फिर प्रदर्शनकारी और पुलिस आमने-सामने आ गए। रायटर

**टोनी सांग की हालत स्थिर :** इससे पहले बुधवार को स्कूली छात्र को आंदोलन के दौरान गोली मारे जाने की घटना के विरोध में हांगकांग में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी, स्कूली छात्र, युवा और बुजुर्ग एकत्रित हुए और उन्होंने विरोध मार्च किया। ये लोग सरकार और पुलिस के खिलाफ नारे लगाते हुए मुख्य व्यापारिक क्षेत्र तक गए। मंगलवार को फायरिंग की घटना में घायल छात्र टोनी सांग (18) की हालत स्थिर है, हिंसा में घायल एक सौ से ज्यादा लोगों का भी अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

**वर्ष गांठ पर हुआ था टकराव:** एक अक्टूबर को चीन गणराज्य की स्थापना की 70 वीं वर्षगांठ थी जिसे पूरे चीन में भव्य तरीके से मनाया गया। लेकिन चीन शासित हांगकांग में विरोध प्रदर्शन की तैयारी थी। विरोध प्रदर्शन के दौरान ही फायरिंग की घटना हो गई और उसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच भीषण टकराव हुआ।

**जून महीने से शुरू हो था आंदोलन:** हांगकांग में बीते जून महीने में प्रत्यर्पण बिल के विरोध शुरू हुआ आंदोलन था। विवादिन बिल वापस होने के बाद प्रदर्शनकारी लोकतंत्र की मांग करने लगे हैं। हांगकांग में लगभग बीते चार महीने से जारी विरोध-प्रदर्शनों के कारण स्वायत्त राज्य की अर्थव्यवस्था भी डगमगाने का अंदेशा है। वहां पर्यटकों की आवाजाही में काफी गिरावट दर्ज की गई है।

### ब्रेक्जिट के नए प्रस्ताव पर आयरलैंड ने फंसाया पेच

**डबलिन, रायटर** : प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के नए ब्रेक्जिट प्रस्ताव को लेकर ब्रिटेन में ही फूट पड़ गई है। आयरलैंड ने नए प्रस्ताव पर असहमति जताई है, कहा है कि वह उसके लिए घाटे का सौदा होगा। आयरलैंड ने कहा है कि सहूलियतें बढ़ाई जाएं या फिर बिना शर्त अलगाव अमल में लाया जाए। यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने भी कहा है कि बातचीत के लिए उसके दरवाजे खुले हैं लेकिन नए प्रस्ताव से वह असहमत है। उल्लेखनीय है कि आयरलैंड यूनाइटेड किंगडम (यूके) केअंतर्गत स्वायत्त क्षेत्र है।

ईयू ने कहा है कि वह पूरी तरह से आयरलैंड के साथ है। ईयू ने स्पष्ट कहा है कि वह जॉनसन के नए प्रस्ताव से सहमत नहीं है। ब्रिटेन ने यह प्रस्ताव 31 अक्टूबर को बिना शर्त अलगाव के आसार को खत्म करने के लिए दिया है। 16-17 अक्टूबर को होने वाली ईयू समिट में जॉनसन इस पर यूरोपीय नेताओं से बात कर सकते हैं। माना जा रहा है कि जॉनसन ने बिना शर्त ब्रेक्जिट की बदनामी से बचने के लिए यह नया प्रस्ताव भेजा है। बाकी बचे 28 दिनों में इस प्रस्ताव की स्वीकृति बहुत मुश्किल है। जॉनसन ने कहा भी है वह ईयू से समझौते के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं लेकिन इसके चलते अलगाव को नहीं टालेंगे।

आयरलैंड के पीएम लियो वारेडकर ने कहा है कि उनकी समझ में नहीं आ रहा कि ब्रिटेन का नया प्रस्ताव कैसे लागू होगा। जब तक इसके बिंदुओं को स्पष्ट नहीं किया जाता और आयरलैंड के हितों का ध्यान नहीं रखा जाता, तब तक वह इसके जरिये होने वाले समझौते पर दस्तखत नहीं करेंगे। नए प्रस्ताव में ब्रिटेन और आयरलैंड की सीमा खुली होने की बात कही गई है। आयरलैंड के विदेश मंत्री साइमन कॉवेनी ने कहा है कि अगर यह जॉनसन का अंतिम प्रस्ताव है, तो मान लीजिए ब्रेक्जिट बिना शर्त के होगा।

# इराक में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद भड़की हिंसा, 11 लोगों की मौत

बागदाद में गुरुवार को सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान जमा लोगों की भीड़। एपी

▸ प्रधानमंत्री आदिल अब्दुल मेहदी ने राजधानी बगदाद में लगाया कर्फ्यू

▸ सरकार विरोधी हिंसा में अब तक कुल 18 लोग गंवा चुके हैं जान

**बगदाद, रायटर** : इराक में पिछले दो दिनों से हो रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने कई जगहों पर हिंसा का रूप ले लिया। बुधवार रात कई शहरों में सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में 11 लोगों की मौत हो गई। दो सौ से ज्यादा लोग घायल हैं। सरकार विरोधी हिंसा में अब तक 18 लोग जान गंवा चुके हैं। सरकार ने राजधानी बगदाद में कर्फ्यू लगा दिया है। प्रदर्शनकारी सरकारी सेवाओं में सुधार, भ्रष्टाचार रोकने और नौकरी की मांग को लेकर विरोध प्रदेशन कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री आदिल अब्दुल मेहदी के आदेश पर कर्फ्यू लगाए जाने के बाद गुरुवार सुबह सैनिकों ने मध्य बगदाद के इलाकों में गश्त की। इसके बावजूद शहर के कई इलाकों में छिटपुट विरोध प्रदर्शन जारी रहा। सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार और नौकरियों को लेकर बगदाद में मंगलवार को छोटे पैमाने पर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गया।

मंगलवार को सुरक्षा बलों के साथ झड़प में दो लोग मारे गए थे। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पानी की बौछार और गोलियां चलाई थीं। बुधवार रात नसीरिया में सुरक्षा बलों के साथ झड़प में सात और अमारा शहर में चार लोग मारे गए। इससे पहले बुधवार को दिन में विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई जगहों पर हुई झड़प में एक बच्चे समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। अब्दुल मेहदी सरकार के खिलाफ यह सबसे बड़ा आंदोलन बताया जा रहा है। उन्होंने एक साल पहले प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली थी। एक अक्टूबर को बगदाद में हुए प्रदर्शन की आंच अब देश के दूसरे राज्यों में भी फैल गई है। बड़ी संख्या में सड़कों पर निकले प्रदर्शनकारी सरकार से इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं। गुरुवार को बगदाद के अलावा बसरा, नजफ, नसीरिया, वसेत, दिवानिया शहरों में भी प्रदर्शन हुए। पिछले दो दशक से राजनीतिक अस्थिरता झेल रहे इराक में फिर से हालात खराब होने के आसार लगाए जा रहे हैं।

# पेरिस पुलिस मुख्यालय में चार सहकर्मियों की छुरा मारकर हत्या

▸ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर ने हाल ही में अपनाया था इस्लाम

▸ राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने किया पुलिस मुख्यालय का दौरा

**पेरिस, एजेंसियां** : फ्रांस की राजधानी पेरिस के मध्य में स्थित पुलिस मुख्यालय में गुरुवार दोपहर वहीं काम करने वाले एक कर्मचारी (45) ने अपने चार सहकर्मियों की छुरा मारकर हत्या कर दी। एक अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल है। हमलावर किसी और को नुकसान पहुंचाता इससे पहले ही एक पुलिस अधिकारी ने उसे मार गिराया। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर ने हाल ही में इस्लाम धर्म अपनाया था।

पेरिस के प्रोसीक्यूटर रेमी हेटिज ने बताया कि हमलावर पुलिस खुफिया इकाई के सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) विभाग में कार्यरत था। उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में तीन पुलिस अधिकारी और एक प्रशासनिक सहायक है। फ्रांस के आंतरिक मंत्री क्रिस्टोफ कास्टानेर ने बताया कि हमलावर पुलिस में 2003 से काम कर रहा था और उसके बर्ताव में कभी कोई समस्या दिखाई नहीं दी। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह आतंकी कार्रवाई है। लंचटाइम में हुए इस हमले के बाद पुलिस मुख्यालय की घेराबंदी कर दी गई। राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने भी पुलिस मुख्यालय का दौरा किया। वहीं, आंतरिक मंत्री कास्टानेर ने ग्रीस और तुर्की की अपनी यात्रा स्थगित कर दी।

प्रोसीक्यूटर रेमी हेटिज ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और हमलावर के घर की तलाशी ली जा रही है। इसके अलावा आतंकरोधी जांचकर्ता आतंकी लिंक के नजरिये से इस बात का मूल्यांकन कर रहे हैं कि वास्तव में क्या हुआ होगा। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्यस्थल पर विवाद को इन हत्याओं की वजह माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को ही काम की बेहतर परिस्थितियों की मांग करते हुए हजारों पुलिसकर्मियों ने पेरिस में मार्च निकाला था क्योंकि पिछले एक साल में दर्जनों पुलिसकर्मी आत्महत्या कर चुके हैं। पुलिस यूनियन के नेता जीन मार्क बेल्युल ने घटना को आतंकी के बजाय आपराधिक करार दिया।

### पाक और तालिबान ने की शांति वार्ता फिर शुरू करने की अपील

**इस्लामाबाद, रायटर** : पाकिस्तान व तालिबान ने अमेरिका से शांति वार्ता फिर शुरू करने की अपील की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले माह वार्ता रद कर दी थी। उन्होंने यह कदम ऐसे समय पर उठाया था जब अमेरिका और तालिबान समझौते के करीब पहुंच गए थे। इस समझौते के तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के बदले में तालिबान को क्षेत्रीय सुरक्षा की गारंटी देनी थी। लेकिन काबुल में हुए आतंकी हमले में एक अमेरिकी सैनिक समेत 12 लोगों की मौत के बाद ट्रंप ने वार्ता रद कर दी थी।

एक दिन पहले इस्लामाबाद पहुंचे तालिबान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने गुरुवार को यहां पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी से मुलाकात की। पाक विदेश मंत्रालय ने इस पर कहा, 'दोनों पक्षों ने शांति प्रक्रिया यथाशीघ्र बहाल किए जाने की जरूरत पर सहमति जताई है।' तालिबान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुल्ला अब्दुल गनी बरादर कर रहे हैं। अफगानिस्तान में अमेरिका के विशेष दूत जालमे खलीलजाद भी इस समय पाकिस्तान की राजधानी में हैं।

# अमेरिका में अपहरण बाद प्रवासी भारतीय की हत्या

▸ कुछ अज्ञात लोगों ने सांताक्रूज स्थित बंगले से किया था तुषार अत्रे का अपहरण

▸ पहाड़ी पर घने पेड़ों वाले इलाके में कार के पास मिला कारोबारी का शव

**वाशिंगटन, एजेंसियां** : अमेरिकी राज्य कैलीफोर्निया के सांताक्रूज शहर में आइटी कंपनी 'अत्रेनेट इंक' के मालिक और प्रवासी भारतीय तुषार अत्रे की हत्या कर दी गई है। उनका शव उनकी उसी कार के पास पाया गया, जिससे कुछ घंटे पहले उनका अपहरण किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि उनका अपहरण कुछ अज्ञात लोगों ने सांताक्रूज स्थित उनके बंगले से किया था। जांचकर्ता ने उनके अपहरण के पीछे कई लोगों को संदिग्ध मान रहे हैं।

अमेरिकी पुलिस के मुताबिक डिजिटल मार्केटिंग कंपनी के मालिक 50 वर्षीय तुषार अत्रे का आलीशान बंगला सेंट्रल कैलीफोर्निया में तटीय शहर सांताक्रूज में समुद्र के किनारे स्थित है। अत्रे सिलिकॉन वैली के कारपोरेट बिजनेस का जाना-पहचाना चेहरा थे। उनकी कंपनी 'अत्रेनेट इंक' एक वेब डिजाइन कंपनी है। उनके एक करीबी मित्र राबर्ट ब्लूमबर्ग के मुताबिक वह करीब एक साल से भांग के कारोबार से भी जुड़े थे। उनकी लाइसेंस युक्त कंपनी फर्न स्ट्रीट पर स्थित है। अत्रे की सोशल मीडिया प्रोफाइल के मुताबिक वह एक सर्फर थे और उनका इंस्टाग्राम प्रोफाइल उन्हें साहसिक यात्राएं करना वाला और प्रकृति प्रेमी बताता है।

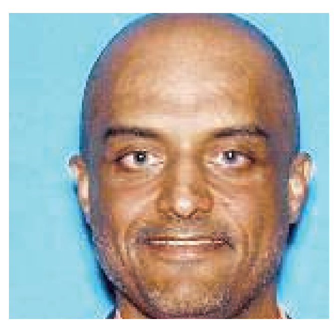

तुषार अत्रे। फाइल

**गर्लफ्रेंड संदेह के दायरे से बाहर** : पुलिस के मुताबिक अत्रे का शव सांताक्रूज की पहाड़ी पर घने पेड़ों वाले वीरान इलाके में उनकी सफेद बीएमडब्लू एसयूवी के पास मिला। बताया जाता है कि यह कार उनकी गर्लफ्रेंड चलाती थी। लेकिन पुलिस ने उनकी गर्लफ्रेंड को संदेह के दायरे से बाहर रखा है।

**अपहरण के समय घर पर कई लोग थे** : सांताक्रूज काउंटी शेरिफ आफिस ने बताया कि इसे 911 नंबर पर तुषार अत्रे के घर से मंगलवार को तड़के कॉल आई। आफिस के मुताबिक अत्रे का देर रात तीन बजे अपहरण किया गया था। कुछ लोगों ने घर में घुसकर उनको बंधक बनाया और उन्हें अपने साथ उन्हीं की कार में ले गए। अपहरण के वक्त अत्रे के घर में उनके साथ उस समय कई लोग मौजूद थे।

**वारदात का मकसद लूटपाट बताया** : पुलिस को मंगलवार दोपहर को सांताक्रूज के पहाड़ी रास्ते पर घने पेड़ों वाले सुनसान इलाके में कार खड़ी मिली। उसी के पास में अत्रे का शव पड़ा मिला था। सांताक्रूज काउंटी शेरिफ आफिस ने फेसबुक पोस्ट में सारे घटनाक्रम की जानकारी दी। बुधवार को इस आफिस ने कार से मिले शव की पहचान तुषार अत्रे के तौर पर की। फेसबुक पोस्ट में शेरिफ आफिस ने वारदात के पीछे लूटपाट को मकसद बताया। लोकल स्टेशन केटीवीयू के मुताबिक पुलिस कम से कम दो संदिग्धों की तलाश कर रही है।

**कारोबार में हो सकते हैं दुश्मन** : कन्नाक्रूज डिस्पेंसरी के सीईओ ग्रांट पालमर का कहना है कि वह भांग के कारोबार में नए थे। वह इस बात से भी अनजान थे कि इस धंधे में अवैध काला बाजारी करने वाले तत्व भी होते हैं। और अगर आप उन्हें रकम नहीं देते तो आपके साथ बुरा होता है। उनके वेबसाइट डिजाइन कंपनी के भी कुछ लोगों का कहना है कि कारोबार में संभवतः उनके कुछ दुश्मन बन गए होंगे।

### द्वितीय विश्वयुद्ध का बी-17 बमवर्षक विमान दुर्घटनाग्रस्त

**वाशिंगटन, रायटर** : द्वितीय विश्वयुद्ध में अमेरिका द्वारा इस्तेमाल किया गया बी-17 बमवर्षक विमान कनेक्टिकट प्रांत के एक एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हो गया। हार्टफोर्ड के ब्रैडली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरते वक्त यह विमान रनवे पर फिसल कर विमानों के रखरखाव के लिए बने सेंटर से जा टकराया। बुधवार सुबह हुए इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। हादसे की वजह से एयरपोर्ट के रनवे को कई घंटे तक बंद रखना पड़ा।

कनेक्टिकट हवाईअड्डा प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक केविन डिलन के अनुसार, उड़ान भरने के दस मिनट बाद ही किसी गड़बड़ी का पता चलने पर बोइंग बी-17 फ्लाइंग फोर्टरेस विमान की लैंडिंग कराई जा रही थी। विमान में 13 लोग सवार थे, जिनमें सात की मौत हो गई और छह घायल हो गए। हादसे के चलते आसमान में काले धुंए का गुबार छा गया था। बोइंग बी-17 विमान की पहली उड़ान साल 1935 में हुई थी। द्वितीय विश्वयुद्ध से पहले और बाद में 12,700 बी-17 विमानों का निर्माण किया गया था।

### अमेरिका में सिख अफसर के अंतिम संस्कार में उमड़े लोग

**ह्यूस्टन, प्रेट्र** : अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में दिवंगत सिख पुलिस अफसर संदीप सिंह धालीवाल की अंतिम यात्रा में बुधवार को हजारों लोग शामिल हुए। इनमें कई पुलिस अधिकारी और भारतीय मूल के नागरिकों के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी शामिल थे। टेक्सास प्रांत की हैरिस काउंटी के पहले सिख डिप्टी शेरिफ धालीवाल (42) की पिछले हफ्ते ड्यूटी के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। धालीवाल टेक्सास प्रांत के पहले पुलिस अधिकारी थे जिन्हें ड्यूटी के दौरान पगड़ी पहनने और दाढ़ी रखने की छूट दी गई थी।

अंतिम संस्कार के दौरान टेक्सास प्रांत के गवर्नर डैन पैट्रिक, सीनेटर टेड क्रुज, ह्यूस्टन के मेयर सिलवेस्टर टर्नर और हैरिस काउंटी के शेरिफ एड गोंजालेज समेत अन्य गणमान्य लोगों ने धालीवाल की बहादुरी की प्रशंसा की। सीनेटर क्रुज ने धालीवाल के बच्चों से मुखातिब होते हुए कहा कि अमेरिका उनके पिता की शहादत का कृतज्ञ रहेगा। इससे पहले धालीवाल को 21 बंदूकों की सलामी दी गई।

# एफबी को लगा यूरोपीय अदालत से जोर का झटका

▸ घृणास्पद सामग्री नेटवर्क से पूरी तरह हटाने का कोर्ट ने दिया आदेश

▸ फेसबुक ने की कोर्ट के फैसले की निंदा

**लक्जमबर्ग, एएफपी** : यूरोपीय यूनियन की सर्वोच्च अदालत ने बुधवार को फेसबुक को जोरदार झटका दिया। कोर्ट ने फेसबुक समेत सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से घृणा फैलाने वाले भाषणों और अन्य विवादास्पद सामग्री को हटाने का आदेश दिया है। यह आदेश पूरी दुनिया के सोशल मीडिया कंटेंट को लेकर दिया गया है। कोर्ट का यह फैसला यूरोपीय यूनियन की सोशल मीडिया कंपनियों की जीत के तौर पर देखा जा रहा है। ये कंपनियां अमेरिकी दिग्गज फेसबुक पर भी यूरोपीय यूनियन के नियम लागू कराना चाहती थीं। फेसबुक पर यूरोपीय मानक लागू न होने से वह प्रतिद्वंद्वी यूरोपीय कंपनियों से आगे है।

यूरोपीय कोर्ट ऑफ जस्टिस ने अपने आदेश में कहा है कि फेसबुक भी अपने प्लेटफॉर्म से घृणा फैलाने वाला कंटेंट हटाए और ऐसे कार्य में लिप्त लोगों के अकाउंट बंद करे। ताजा आदेश ऑस्ट्रिया की कोर्ट में चले मूल मामले से यहां आया है। ऑस्ट्रिया में ग्रीन्स पार्टी की नेता इवा ग्लाविचनिग पीसचेक ने फेसबुक पर अपने खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणियों को हटाने की मांग वहां की अदालत से की थी। ये अभद्र टिप्पणियां पूरी दुनिया में देखी और पढ़ी जा रही थीं। इस टिप्पणी में इवा को भ्रष्ट महिला बताया गया था। इस टिप्पणी को हटाने से फेसबुक के इन्कार के बाद इवा अदालत में गई थीं। मामले की सुनवाई के बाद ऑस्ट्रिया की हाई कोर्ट ने मामले को यूरोपीय कोर्ट ऑफ जस्टिस में भेजा था। अब यह फैसला पूरे यूरोप में लागू होगा। किसी यूरोपीय शख्स के खिलाफ फेसबुक पर मौजूद आपत्तिजनक सामग्री दुनिया में कहीं भी देखी-पढ़ी जा रही है तो पीड़ित व्यक्ति उसकी शिकायत यूरोपीय अदालत में कर सकता है, तब फेसबुक के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। इसलिए शीर्ष अदालत ने फेसबुक से आपत्तिजनक सामग्री को पूरे नेटवर्क से हटाने के लिए कहा है।

ताजा आदेश ऑस्ट्रिया की कोर्ट में चले मूल मामले से यहां आया है। फाइल

फेसबुक ने अदालत के फैसले की निंदा की है। कहा है कि एक देश दूसरे के व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक नहीं लगा सकता। यूरोपीय अदालत का फैसला यही बाध्यता पैदा करता है। उल्लेखनीय है कि इसी अदालत ने सितंबर में एक मामले में दिए फैसले में गूगल को यूरोपीय यूनियन में लागू राइट टू बी फॉनगोटेन के अधिकार के पालन से छूट दी थी।

### अमेरिका में सर्दी के मौसम में चल रही अप्रत्याशित गर्म हवाएं

**वाशिंगटन, एएफपी** : अमेरिका के दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्र में सर्दी के मौसम में चल रही अप्रत्याशित गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी हैं। गर्मी में अभी और इजाफा होने और तापमान के तीन अंकों में पहुंचने की भविष्यवाणी की गई है। नेशनल वेदर सर्विस (एनडब्ल्यूएस) ने कहा है कि वाशिंगटन में तापमान 96 डिग्री फारेनहाइट (36 डिग्री सेल्सियस) से ज्यादा तक पहुंच सकता है, जबकि अक्टूबर महीने में पूरे देश में तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।

अमेरिका के इन क्षेत्रों में इस समय वैसी ही गर्मी महसूस की जा रही है, जैसे भारत में 45-50 डिग्री सेल्सियस पर महसूस की जाती है। एनडब्ल्यूएस ने कहा है कि कुछ क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 30 डिग्री फारेनहाइट तक ज्यादा है। देश के एक चौथाई हिस्से में तापमान के 90 डिग्री फारेनहाइट से ऊपर रहने का अनुमान जताया गया है। इस हालात को ऐसे समझा जा सकता है कि ओहियो और मैरीलैंड के स्कूलों को बंद करना पड़ा है।

# जलवायु परिवर्तन पर अमेरिकी स्पीकर ने की मोदी की प्रशंसा

▸ कहा, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने का जिम्मा लेकर भारतीय पीएम ने कायम रखे महात्मा गांधी के मूल्य

**वाशिंगटन, प्रेट्र** : अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने जलवायु परिवर्तन से निपटने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री ने धरती के अस्तित्व के लिए खतरा बनने वाली चुनौतियों से निपटने का जिम्मा लेकर महात्मा गांधी के मूल्यों को कायम रखा है।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर बुधवार को यहां भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में पेलोसी ने कहा, 'मैंने जलवायु संकट का जिक्र किया और उनके नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने महात्मा गांधी और पर्यावरण के बारे में हमसे बात की। उन्होंने (मोदी) हमें बताया कि जल संरक्षण हो या कुछ भी हो, गांधी ने प्रकृति के मूल्य और इस बात को समझा कि हमें इसका सम्मान करना होगा। अगर महात्मा गांधी जीवित होते तो वह ईश्वर की बनाई हमारी धरती के लिए उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए आंदोलन का नेतृत्व करते।' पेलोसी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जब अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने वाशिंगटन डीसी आए थे, तब उनकी मुलाकात हुई थी। संसद की ऐतिहासिक लाइब्रेरी में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में हुए इस कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिका में भारत के राजदूत हर्षवर्धन श्रृंगला भी मौजूद थे।

नैंसी पेलोसी। फाइल

**ये भी जानिए**
भारतीय सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 215 रन की पारी खेली, जो उनका पहला टेस्ट शतक है। वह टेस्ट में शतक जड़ने वाले 86वें भारतीय बल्लेबाज हैं।

# मयंक के दोहरे शतक के बाद हावी हुए भारतीय स्पिनर

## भारत ने सात विकेट पर 502 रन बनाकर घोषित की पारी दक्षिण अफ्रीका ने 39 रन पर ही गंवा दिए तीन विकेट

दोहरा शतक पूरा करने के बाद भारतीय सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल • एएफपी

**विशाखापत्तनम, प्रेट्र:** भारतीय स्पिनरों के सीरीज के पहले टेस्ट में दूसरे दिन गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका पर नकेल कसने से पहले मयंक अग्रवाल ने गजब की रनों की भूख दिखाई और अपने पहले टेस्ट शतक को शानदार तरीके से दोहरे शतक में बदला। भारतीय सरजमीं पर अपना पहला टेस्ट खेलते हुए मयंक ने बेहतरीन एकाग्रता और धैर्य का परिचय देते हुए 371 गेंदों पर 215 रन की पारी खेली, जिसकी बदौलत मेजबान टीम ने 136 ओवर में सात विकेट पर 502 रन बनाकर अपनी पहली पारी घोषित की। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम एडेन मार्करैम (05), थेउनिस डि ब्रूएन (04) और नाइट वॉचमैन डेन पीट (00) के विकेट गंवाकर दिन का खेल खत्म होने पर बैकफुट पर नजर आ रही थी। उसने 20 ओवर में 39 रन पर ही अपने तीन विकेट गंवा दिए थे और वह अभी भी भारत से 463 रन पीछे है।

अनुभवी रविचंद्रन अश्विन ने गेंद को बेहतरीन टर्न दिलाते हुए क्लासिकल ऑफ ब्रेक का शानदार प्रदर्शन करते हुए मार्करैम को बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई। उसके बाद उन्होंने डि ब्रूएन को विकेट के पीछे रिद्धिमान साहा के हाथों कैच कराया। बायें हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा भी पीछे नहीं रहे और उन्होंने पीट को बोल्ड करते हुए भारत को तीसरी सफलता दिलाई।

पहला दिन जहां पूरी तरह से रोहित शर्मा (176 रन, 244 गेंद) के नाम रहा तो दूसरा दिन निश्चित रूप से मयंक के नाम रहा, जिन्होंने बल्लेबाजी के अनुकूल परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया। मुख्य तेज गेंदबाज वर्नोन फिलेंडर को छोड़कर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने सूखी और धीमी पिच पर साधारण प्रदर्शन किया, जिसमें तीन विशेषज्ञ स्पिनर शामिल थे।

आउट होने के बाद पवेलियन लौटते भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा। प्रेट्र

**भारतीय सलामी बल्लेबाजों के बीच 300 रन की साझेदारी**

| रन | साझेदार | बनाम | स्थान | साल |
|---|---|---|---|---|
| 413 | वीनू मांकड़-पंकज रॉय | न्यूजीलैंड | चेन्नई | 1956 |
| 410 | वीरेंद्र सहवाग-राहुल द्रविड़ | पाकिस्तान | लाहौर | 2006 |
| 317 | रोहित शर्मा-मयंक अग्रवाल | दक्षिण अफ्रीका | विशाखापत्तनम | 2019 |

**पहले टेस्ट शतक को दोहरे शतक में बदलने वाले भारतीय**

| रन | बल्लेबाज | बनाम | स्थान | साल |
|---|---|---|---|---|
| 303* | करुण नायर | इंग्लैंड | चेन्नई | 2016 |
| 224 | विनोद कांबली | इंग्लैंड | मुंबई | 1993 |
| 215 | मयंक अग्रवाल | द. अफ्रीका | विशाखापत्तनम | 2019 |
| 200* | दिलीप सरदेसाई | न्यूजीलैंड | मुंबई | 1965 |

**साल 2019 में टेस्ट क्रिकेट में दोहरे शतक जड़ने वाले बल्लेबाज**

| रन | बल्लेबाज | देश | बनाम | स्थान |
|---|---|---|---|---|
| 215 | मयंक | भारत | द. अफ्रीका | विशाखापत्तनम |
| 211 | स्टीव स्मिथ | ऑस्ट्रेलिया | इंग्लैंड | मैनचेस्टर |
| 202* | होल्डर | वेस्टइंडीज | इंग्लैंड | ब्रिजटाउन |
| 200* | विलियमसन | न्यूजीलैंड | बांग्लादेश | हैमिल्टन |
| 200 | रॉस टेलर | न्यूजीलैंड | बांग्लादेश | वेलिंगटन |

भारत ने दूसरे दिन बिना किसी नुकसान के 202 रन से आगे खेलना शुरू किया। रोहित ने 115 रन और मयंक ने 84 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। सुबह के सत्र में मयंक ने अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया, जबकि पहली बार सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे रोहित ने 176 रन की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान रोहित ने 23 चौके व आधा दर्जन छक्के जड़े। भोजनकाल के समय भारत का स्कोर 88 ओवर में एक विकेट पर 324 रन था। पहले सत्र में मेजबान टीम ने 4.28 के रनरेट से 122 रन जुटाए। पहले दिन की तरह ही फिलेंडर ने पहले घंटे में बल्लेबाजों को कुछ परेशान किया। हालांकि, इसके बाद मेहमान टीम को कोई परेशानी नहीं हुई।

### स्कोर बोर्ड

टॉस: भारत (बल्लेबाजी)

**भारत (पहली पारी) 502/7 पारी घोषित (136 ओवर)**

| | रन | गेंद | चौके | छक्के |
|---|---|---|---|---|
| मयंक अग्रवाल का. पीट बो. एल्गर | 215 | 371 | 23 | 06 |
| रोहित शर्मा स्टं. डिकॉक बो. महाराज | 176 | 244 | 23 | 06 |
| चेतेश्वर पुजारा बो. फिलेंडर | 06 | 17 | 01 | 00 |
| विराट कोहली का. एवं बो. मुथुस्वामी | 20 | 40 | 04 | 00 |
| रहाणे का. बावुमा बो. महाराज | 15 | 43 | 02 | 00 |
| रवींद्र जडेजा नाबाद | 30 | 46 | 00 | 01 |
| हनुमा विहारी का. एल्गर बो. महाराज | 10 | 24 | 01 | 00 |
| रिद्धिमान साहा का. मुथुस्वामी बो. पीट | 21 | 16 | 04 | 00 |
| रविचंद्रन अश्विन नाबाद | 01 | 17 | 00 | 00 |

अतिरिक्त: (बा-4, लेबा-1, नोबा-2, वा-1) 8
कुल: 136 ओवर में सात विकेट पर 502 रन पारी घोषित
विकेट पतन: 1-317 (रोहित, 81.6), 2-324 (पुजारा, 88.1), 3-377 (कोहली, 103.1), 4-431 (रहाणे, 117.6), 5-436 (मयंक, 119.4), 6-457 (हनुमा, 126.4), 7-494 (साहा, 131.3)
गेंदबाजी: फिलेंडर 22-4-68-1, रबादा 24-7-66-0, महाराज 55-6-189-3, डेन पीट 19-1-107-1, मुथुस्वामी 15-1-63-1, डीन एल्गर 1-0-4-1

**दक्षिण अफ्रीका (पहली पारी) 39/3 (20 ओवर)**

| | रन | गेंद | चौके | छक्के |
|---|---|---|---|---|
| डीन एल्गर नाबाद | 27 | 63 | 02 | 01 |
| एडेन मार्करैम बो. अश्विन | 05 | 21 | 01 | 00 |
| डि ब्रूएन का. साहा बो. अश्विन | 04 | 25 | 01 | 00 |
| डेन पीट बो. जडेजा | 00 | 04 | 00 | 00 |
| तेंबा बावुमा नाबाद | 02 | 07 | 00 | 00 |

अतिरिक्त: (लेबा-1) 1
कुल: 20 ओवर में तीन विकेट पर 39 रन
विकेट पतन: 1-14 (मार्करैम, 7.1), 2-31 (डि ब्रूएन, 16.3), 3-34 (पीट, 17.3)
गेंदबाजी: इशांत 2-0-8-0, मुहम्मद शमी 2-2-0-0, अश्विन 8-4-9-2, रवींद्र जडेजा 8-1-21-1

जब रोहित 125 रन पर थे तो फिलेंडर की गेंद पर क्विंटन डिकॉक ने उनका कैच गिरा दिया, जो स्टंप के करीब खड़े थे और बेहतरीन कैच को लपकने की कोशिश में लड़खड़ा गए। दो गेंद के बाद फिलेंडर ने नीची गेंद फेंककर भारत के दोनों बल्लेबाजों को चौंकाया। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के तीनों स्पिनर प्रभावित नहीं कर सके, लेकिन महाराज ने सत्र के अंत में रोहित को स्टंप कराने में सफलता हासिल की। रोहित और मंयक के बीच 317 रन की रिकॉर्ड साझेदारी हुई, जो भोजनकाल से पहले टूटी। इस साझेदारी के दौरान रोहित और मयंक ने वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ा।

रोहित के आउट होने के बाद सभी की नजरें मयंक पर टिकी थीं। उन्होंने टीम की जरूरत के हिसाब से अपनी पारी की गति को तेज किया। उन्होंने अपने पहले 100 रन 204 गेंदों पर पूरे किए थे, जबकि उसके बाद अगले 100 रन पूरे करने के लिए सिर्फ 154 गेंदों का सामना किया। इससे पहले अपने पिछले चार टेस्ट ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज में खेलने वाले मयंक ने अपनी पारी में 23 चौके व छह छक्के जड़े, जिनमें से ज्यादातर स्पिनरों के खिलाफ थे। उन्होंने दोपहर के सत्र में ज्यादातर समय बल्लेबाजी की, जिसे पहले दिन बारिश की वजह से खराब हुए खेल की भरपाई के लिए 30 मिनट तक बढ़ा दिया गया था। मयंक की शानदार पारी का अंत डीन एल्गर की गेंद पर हुआ, जब डीप मिडविकेट पर पीट ने डाइव लगाते हुए उनका कैच पकड़ा। चायकाल के समय भारत का स्कोर पांच विकेट पर 450 रन था। इस सत्र में भारत ने चार विकेट खोकर 126 रन जुटाए। भोजनकाल के बाद पहली ही गेंद पर फिलेंडर ने चेतेश्वर पुजारा (06) को चलता कर दक्षिण अफ्रीकी टीम की वापसी की उम्मीद जगाई। फिलेंडर की एक खूबसूरत गेंद पुजारा का ऑफ स्टंप ले उड़ी। मयंक का साथ देने के लिए कप्तान विराट कोहली (20) क्रीज पर आए, जो अपनी छोटी पारी के दौरान अच्छे टच में नजर आए। वह पदार्पण कर रहे सेनुरान मुथुस्वामी को उनकी ही गेंद पर आसान कैच देने के बाद काफी निराश दिख रहे थे। भारतीय बल्लेबाज इस सत्र में तेजी से रन जुटाने की कोशिश में थे, लेकिन अजिंक्य रहाणे (15) भी ज्यादा देर तक नहीं टिक सके और महाराज को दूसरा विकेट दे बैठे।

# दोहरा शतक जड़कर खुश हूं: मयंक

**टेस्ट डायरी**

**विशाखापत्तनम, प्रेट्र:** दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 215 रनों की पारी खेलने वाले सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने कहा कि वह यह पारी खेलकर काफी खुश हैं। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद अग्रवाल ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। यह एक ऐसी भावना है जिसे मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकता। मुझे बहुत खुशी है कि मैंने अपने पहले ही शतक को दोहरे शतक में तब्दील किया। जिस तरह मैंने बल्लेबाजी की उसे लेकर मैं काफी खुश हूं।'

रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने को लेकर उन्होंने कहा, 'अगर मैं और रोहित लगातार योगदान देते रहे तो हम हर बार 450-500 रन बना सकते हैं और यह विपक्षी टीम के लिए काफी मुश्किल होगा। क्रिकेट टीम गेम है और इसमें आप हर बार अपने गेम के बारे में ही नहीं सोच सकते। कई बार आपको लगता है कि आप अच्छा खेल रहे हैं और ऐसे में आप अधिक खतरे उठा सकते हैं, लेकिन हर बार ऐसा नहीं होता। आपको धैर्य रखना पड़ता है। मैंने और रोहित ने टीम के लिए मजबूत आधार तय किया और 300 से अधिक की साझेदारी की। जिस तरह रोहित स्पिनरों पर हावी हुए वह देखना शानदार था। शुरुआत में पिच ने नई गेंद को मदद की, लेकिन एक बार जब धूप खिल गई तो बल्लेबाजी करना आसान होता गया। दूसरे दिन गेंद नीची रहनी शुरू हो गई। यह चायकाल से ही घूमनी शुरू हो गई जो हमारे लिए अच्छी बात है।' भारतीय स्पिन जोड़ी की तारीफ करते हुए अग्रवाल ने कहा, 'अश्विन और जडेजा अच्छे एरिया में गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बनाए रखा है और बेशक विकेट में काफी बदलाव लाया और अगर पिच इसी तरह खेलती रही जिस तरह यह खेल रही है तो स्पिनरों को काफी मदद मिलेगी।'

### हमने खराब गेंदबाजी नहीं की : महाराज

**विशाखापत्तनम:** दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने कहा कि उनके स्पिनरों ने खराब गेंदबाजी नहीं की और यह रोहित शर्मा और मयंक अग्रवाल की शानदार बल्लेबाजी थी जिसने मैच को मेहमान टीम की पकड़ से दूर कर दिया। बायें हाथ के स्पिनर महाराज ने 55 ओवर में 189 रन देकर तीन विकेट चटकाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। महाराज ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, 'हमने खराब गेंदबाजी नहीं की। मेरा निजी तौर पर मानना है कि अगर कोई आगे बढ़कर शॉट खेल रहा है तो यह खराब गेंद नहीं है। अगर आपके खिलाफ क्रीज से शॉट लग रहे हैं, अगर आप पर कट शॉट खेले जा रहे हैं तो फिर अलग बात है। मयंक ने शानदार बल्लेबाजी की और रोहित ने भी। उन्होंने जो भी किया वह काम कर गया, यह उनका दिन था। सेन (मुथुस्वामी) बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं, इसलिए उनके पहले टेस्ट में उनका योगदान काफी अच्छा है, विशेषकर कड़े हालात में।'

# मेंटर की भूमिका निभाएं सीनियर खिलाड़ी: फिलेंडर

**विशाखापत्तनम, प्रेट्र:** दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी तेज गेंदबाज वर्नोन फिलेंडर अपने करियर के अंतिम पड़ाव में 'मेंटर' की भूमिका का लुत्फ उठा रहे हैं और चाहते हैं कि उनके समकक्ष खिलाड़ी खेल को कुछ वापस लौटाएं। डेल स्टेन और मोर्नी मोर्कल की मौजूदगी वाली तेज गेंदबाजी तिकड़ी का फिलेंडर अहम हिस्सा रहे हैं, लेकिन बाकी दोनों के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद इस प्रारूप में उन पर अधिक जिम्मेदारी आ गई है।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से 58 टेस्ट में 21.64 के शानदार औसत के साथ विकेट चटकाने वाले फिलेंडर ने कहा, 'डेल और मोर्नी चैंपियन गेंदबाज रहे। उस समूह का मैं आखिरी गेंदबाज हूं, लेकिन नई प्रतिभा ने मुझे रोमांचित किया है। केजी (कैगिसो रबादा) ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी में गहराई काफी अच्छी है और यह मेरी भूमिका है कि मैं नए खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करूं।'

दक्षिण अफ्रीका की टीम का अब सभी प्रारूपों में वैसा दबदबा नहीं रहा जैसा हुआ करता था और एबी डिविलियर्स तथा हाशिम अमला जैसे सीनियर खिलाड़ियों के संन्यास लेने से ड्रेसिंग रूम में शून्य पैदा हो गया है। फिलेंडर ने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि अब हमारी टीम कमजोर है। काफी खिलाड़ी सामने आ रहे हैं और कई खिलाड़ी टीम में जगह बनाने की कोशिश में लगे हैं। हम सभी के करियर में कभी ना कभी ऐसा समय आता है जब हमें वह करना होता है जो निजी तौर पर आपके लिए सर्वश्रेष्ठ है। आपको इन फैसलों का सम्मान करना होगा'

फिलेंडर ने सीनियर खिलाड़ियों से अपील की कि वे काउंटी क्रिकेट की सुरक्षा या टी-20 लीग की चमक-धमक चुनने की जगह खेल को कुछ वापस दें। इस तेज गेंदबाज ने कहा, 'मैं चाहूंगा कि अधिक सीनियर खिलाड़ी संन्यास के बाद खेल को कुछ वापस दें। टीम को फिलहाल अनुभवी लोगों की जरूरत है। निजी तौर पर युवा खिलाड़ियों के मेंटर के रूप में मेरी भी बड़ी भूमिका है और मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं।'

## भारत ने बेल्जियम को 5-1 से दी शिकस्त

**एंटवर्प, प्रेट्र:** भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए विश्व और यूरोपीय चैंपियन बेल्जियम को पांचवें एवं आखिरी मैच में 5-1 से हराकर बेल्जियम दौरे पर अपना शत-प्रतिशत रिकॉर्ड कायम रखा। भारतीय टीम की ओर से सिमरनजीत सिंह (सातवें मिनट), ललित कुमार उपाध्याय (35वें मिनट), विवेक सागर प्रसाद (36वें मिनट), हरमनप्रीत सिंह (42वें मिनट) व रमनदीप सिंह (43वें मिनट) ने गोल किए।

भारत ने सातवें मिनट में सिमरनजीत के गोल पर बढत बनाई। दूसरे क्वार्टर में बेल्जियम को 16वें मिनट में लगातार दो पेनाल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन पाठक ने फिर वही मुस्तैदी दिखाई। तीसरे क्वार्टर में 35वें मिनट में ललित ने गोल करके भारत की बढ़त दुगुनी की। अगले मिनट में युवा विवेक ने गोल किया। बेल्जियम को 38वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन पीआर श्रीजेश ने डाइव लगाकर गोल बचाया। अगले ही मिनट में बेल्जियम के लिए एलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने गोल करके स्कोर 3-1 कर दिया। भारत ने हालांकि तीसरा क्वार्टर खत्म होने से पहले दो मिनट में दो गोल किए।

# देश में छाने को तैयार एनबीए

**संजीव रंजन • मुंबई**

**आज व कल सेक्रेमेंटो किंग्स और द इंडियाना पेसर्स के बीच होंगे दो मुकाबले**

अमेरिका में लोकप्रियता की बुलंदी छू चूका नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) अब भारत में भी दस्तक देने जा रहा है। इसकी शुरुआत देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से हो रही है। जिस देश में क्रिकेट को लोग दीवानों की तरह प्यार करते हैं वहां बास्केटबॉल को बुलंदियों तक ले जाने के उद्देश्य से एनबीए दस्तक देने का तैयार है।

सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर जैसे कई दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी दे चुकी मुंबई में बास्केटबॉल की नई पौध तैयार करने की योजना बन रही है। एनबीए लीग चार व पांच अक्टूबर को सेक्रेमेंटो किंग्स और द इंडियाना पेसर्स के दो मुकाबलों के साथ भारत में पदार्पण कर रही है। चार अक्टूबर के मैच के लिए रिलायंस जूनियर कार्यक्रम के तहत 3000 बच्चे मैच का आनंद लेंगे, जबकि अगले दिन पांच अक्टूबर को होने वाले मैच दर्शक देख सकेंगे। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह के अलावा अन्य कई फिल्मी सितारें भी इस खेल के प्रोमो के लिए जुड़ेंगे। एनबीए मैच के प्रमोशन के लिए नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन ने मुंबई के समुद्री किनारे में तैरता हुआ बास्केटबॉल कोर्ट बनवाया है। यहां सिर्फ मनोरंजन के लिए लोग मैच खेल सकेंगे।

सेक्रेमेंटो किंग्स के मुख्य कोच ल्यूक वाल्टन मानते हैं कि भारत में बास्केटबॉल खेल को चाहने वालों की कमी नहीं है। एनबीए के यहां पदार्पण होने के साथ ही यह नजर आने लगेगा। चूंकि यहां अब तक बास्केटबॉल का कोई बड़ा आयोजन नहीं हुआ है इस कारण इसका यहां प्रसार नहीं हो पाया। लेकिन, इस विशाल देश में यह खेल आने वाले समय में काफी लोकप्रिय होगा। वहीं इंडियाना पेसर्स के मुख्य कोच ने कहा कि एनबीए चीन में लोकप्रिय हुआ है अब यह भारत को भी अपना मुरीद बना लेगा। जिस तरह से मुंबई में इस खेल को हाथों हाथ लिया है वह काफी उत्साहवर्द्धक है।

## डब्ल्यूएफआइ ने कोच करीमी को हटाया

**जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली:** भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) ने पुरुष फ्री स्टाइल कोच हुसैन करीमी को छह महीने में ही बर्खास्त करते हुए दावा किया कि ईरान का यह कोच अपने साथ वीआइपी संस्कृति लाया था, जिसका देश में पालन नहीं किया जा सकता। करीमी का अनुबंध टोक्यो ओलंपिक तक था। ईरान के इस कोच को उनकी बर्खास्तगी का नोटिस बुधवार को सौंपा गया।

डब्ल्यूएफआइ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा, 'वह वीआइपी संस्कृति का पालन कर रहे थे और उनकी मांगों को मानना बेहद मुश्किल हो गया था। हमने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को इसकी जानकारी दे दी। हम अब नया कोच ढूंढ रहे हैं। करीमी की हमेशा कोई ना कोई शिकायत या मांग होती थी। उन्होंने साई परिसर में रहने से इन्कार कर दिया, जहां राष्ट्रीय शिविर चल रहा था, इसलिए हमें साई केंद्र के समीप उनके लिए फ्लैट किराए पर लेना पड़ा। वह जब भी भारत में यात्रा करते थे तो हमें उन्हें कार मुहैया करानी पड़ती थी। वह हमेशा टूर्नामेंटों के दौरान अकेले रहने पर जोर देते थे, जबकि अन्य कमरे साझा करते थे। नूर-सुल्तान में विश्व चैंपियनशिप के दौरान भी यूडब्ल्यूडब्ल्यू के निर्देशों के अनुसार दो लोगों को कमरा साझा करना था, लेकिन वह अकेले रहे। उनकी सभी मांगों को स्वीकार करना मुश्किल था। टूर्नामेंट के दौरान वह मैट पर जाते थे, लेकिन पहलवानों का पसीना साफ करने से इन्कार कर दिया, जो मुकाबले के दौरान प्रत्येक कोच करता है।' वहीं, करीमी ने कहा, 'उन्होंने मेरा अनुबंध रद कर दिया। भारत में व्यवस्था सही नहीं है। यहां काफी समस्या है।'

# एशेर स्मिथ और होलोवे ने स्वर्ण पदक जीते

**विश्व एथलेटिक्स**
- एशेर ने 200 मी में स्वर्ण जीत खत्म किया ब्रिटेन का 36 साल का इंतजार
- अमेरिका की ग्रांट को 110 मी बाधा दौड़ में मिली सुनहरी सफलता

**दोहा, एएफपी:** दिना एशेर स्मिथ ने बुधवार देर रात को यहां विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 200 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर ब्रिटेन का 36 साल का इंतजार खत्म किया, जबकि अमेरिका की ग्रांट होलोवे ने 110 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।

एशेर स्मिथ ने 100 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता था। उन्होंने 200 मीटर में दबदबा बनाते हुए 21.88 सेकेंड के समय से पहला स्थान प्राप्त किया। इस तरह 23 साल की एशेर स्मिथ विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में 100 मीटर या 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीतने वाली ब्रिटेन की पहली महिला एथलीट बन गईं। अमेरिका की ब्रिटनी ब्राउन ने 22.22 सेकेंड के समय से दूसरा और स्विट्जरलैंड की मुजींगा कांबुंद्जी ने 22.51 सेकेंड से तीसरा स्थान हासिल किया। होलोवे ने 110 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में 13.10 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाला। ओलंपिक और मौजूदा विश्व चैंपियन ओमर मैकलियोड अंत में होलोव के करीब पहुंच रही थीं, लेकिन वह अंतिम बैरियर पर गिर गईं। वर्ष 2015 की विश्व चैंपियन सरगे शुबेंकोव ने 13.15 सेकेंड से रजत पदक जीता और फ्रांस की पास्कल मार्टिनोट लागार्डे ने 13.18 सेकेंड से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

**भावुक हुईं स्मिथ:** इंग्लिश एथलीट ने जैसे ही दौड़ पूरी की वह भावुक हो गईं। ट्रैक पर ही अन्य एथलीटों से गले मिलते वक्त उन्हें आंसू पोछते देखा गया। इसके बाद जब वह देश का झंडा लेकर अपनी मां के पास पहुंचीं तब भी उनकी आंखों से आंसू निकल रहे थे। इस ऐतिहासिक पल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था।

## हरियाणा क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बने मलिक

**नई दिल्ली, जेएनएन:** हरियाणा क्रिकेट संघ (एचसीए) के गुरुवार को जारी हुए चुनाव परिणामों में कुलतार मलिक को अध्यक्ष और मृणाल ओझा को मानद सचिव चुना गया। उनके अलावा महेंद्र सिंह को मानद कोषाध्यक्ष और चार अन्य को सदस्य नियुक्त किया गया।

ऐसा माना जा रहा है कि एचसीए ने चुनाव परिणामों को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के साथ-साथ न्यायमित्र से भी साझा किया है। एचसीए ने प्रशासकों की सीमित (सीओए) को दो अक्टूबर की देर रात एक बजे लिखा था कि एचसीए के एक पदाधिकारी को तीन अक्टूबर को सीओए से मिलना चाहिए।

## भारतीय खिलाड़ियों के लिए होगी कड़ी चुनौती

**स्टुटगार्ट (जर्मनी), प्रेट्र:** चोटिल दीपा कर्माकर की अनुपस्थिति में भारतीय जिम्नास्टों को शुक्रवार से यहां शुरू हो रही विश्व कलात्मक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। भारतीयों को हालांकि पदक की उम्मीद नहीं होगी, लेकिन वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे।

भारतीय जिम्नास्ट दीपा रियो ओलंपिक के वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रही थीं, लेकिन देश की शीर्ष जिम्नास्ट घुटने की चोट से उबरने में असफल होने के कारण इसमें भाग नहीं ले पाएंगी। दीपा की अनुपस्थिति में महिला वर्ग में प्रभावित करने की जिम्मेदारी प्रणति नायक, प्रणति दास और अरुणा रेड्डी पर होगी, जिन्हें पिछले महीने छह सदस्यीय भारतीय टीम में चुना गया। प्रणति ने इस साल के शुरू में मंगोलिया में सीनियर एशियाई कलात्मक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप की वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक और अरुणा ने 2018 जिम्नास्टिक विश्व कप में कांस्य पदक जीता था लेकिन विश्व चैंपियनशिप में कड़ी प्रतिद्वंद्विता होती है जिसमें भारतीय जिम्नास्टों के लिए पिछले समय में फाइनल में पहुंचना मुश्किल रहा है। पुरुष वर्ग में सभी का ध्यान 2010 एशियन गेम्स के कांस्य पदकधारी आशीष कुमार के प्रदर्शन पर लगा होगा जबकि टीम में योगेश्वर सिंह और आदित्य सिंह राणा भी मौजूद हैं। विश्व चैंपियनशिप में ओलंपिक कोटे भी दांव पर लगे होंगे जिसमें प्रत्येक वर्ग (2018 से पहले ही क्वालीफाई करने वाले तीन वर्गों को छोड़कर) में शीर्ष नौ टीमें टोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई करेंगी।

# सांवला होने की बात कहकर मुझे खेलने से रोका गया था: सानिया

**टेनिस डायरी**

नई दिल्ली में गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान मौजूद भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा। वह जल्द ही टेनिस कोर्ट पर वापसी करेंगी। प्रेट्र

**नई दिल्ली, प्रेट्र:** भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने कहा कि बचपन में एक बार उन्हें रंग सांवला होने की बात कहकर टेनिस खेलने से रोका गया था। सानिया ने गुरुवार को बताया कि उन्हें यह कहते हुए खेलने से रोका गया था कि अगर वह बाहर खेलेंगी तो उनका रंग 'सांवला' पड़ जाएगा और कोई उनसे शादी नहीं करेगा।

सानिया के नाम तीन महिला डबल्स और इतने ही मिक्स्ड डबल्स ग्रैंडस्लैम खिताब हैं। वह भारत की सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी हैं और डब्ल्यूटीए सिंगल्स सूची में 2007 के मध्य में करियर की सर्वश्रेष्ठ 27वीं रैंकिंग पर पहुंची थीं। इस हैदराबादी के नाम 41 डब्ल्यूटीए डबल्स खिताब हैं और 2015 में तो वह महिला डबल्स में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी भी बनी थीं।

32 साल की सानिया ने कहा कि शुरुआत करूं तो सबसे पहले माता-पिता, पड़ोसियों, आंटियों और अंकल को यह कहना बंद करना होगा कि आप सांवली हो जाओगी और अगर तुम खेलोगी तो कोई भी तुमसे शादी नहीं करेगा। मैं महज आठ साल की थी, जब मुझे यह कहा गया था। हर किसी को लगता था कि कोई मुझसे शादी नहीं करेगा क्योंकि मैं सांवली हो जाऊंगी। मैंने सोचा कि मैं बच्ची ही हूं और सब ठीक होगा। लोगों के दिमाग में यह इतना भरा हुआ है कि लड़कियों को खूबसूरत बने रहना चाहिए और इसमें यह भी कि उसे गोरा होना चाहिए। मैं नहीं जानती ऐसा क्यों है? इस संस्कृति को बदलना चाहिए।' पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक की पत्नी सानिया बच्चे के जन्म के ब्रेक के बाद अगले साल पेशेवर सर्किट में वापसी पर काम कर रही हैं।

अपने टेनिस सफर की बात करते हुए सानिया ने कहा कि उनके पास प्रेरणा लेने के लिए महज एक खिलाड़ी थीं वो महान धाविका पीटी ऊषा थीं। उन्होंने कहा कि लेकिन अब समय बदल गया है और कई महिला एथलीट मौजूदा खिलाड़ियों के लिए आदर्श बन रही हैं। मुझे गर्व महसूस होता है कि मैंने महिलाओं को खेल अपनाने में शायद थोड़ी सी भूमिका अदा की।

### डेविड गोफिन जापान ओपन के अंतिम-आठ में

**टोक्यो, एएफपी:** बेल्जियम के डेविड गोफिन ने कड़े संघर्ष के बाद गुरुवार को जापान ओपन के अंतिम-आठ में जगह बनाई। उन्होंने कनाडा के डेनिस शापोवालोव को तीन सेट तक चले मुकाबले में 7-6, 7-6 से हराया। गोफिन को यह मैच जीतने में काफी पसीना बहना पड़ा और दोनों सेट टाई ब्रेकर में गए, जहां गोफिन को जीत हासिल हुई। गोफिन ने यहां 2017 में खिताबी ट्रॉफी जीती थी। अब अंतिम-आठ में गोफिन का सामना दक्षिण कोरिया के चुंग हियोन से होगा।

## कोहली और बुमराह शीर्ष पर कायम

**दुबई, प्रेट्र:** भारतीय कप्तान विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने गुरुवार को जारी हुई आइसीसी की ताजा वनडे पुरुष खिलाड़ियों की रैंकिंग में अपने शीर्ष स्थान कायम रखे। वनडे बल्लेबाजों की सूची में कोहली और उनके नायब रोहित शर्मा क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर कायम हैं, जबकि गेंदबाजों की सूची में बुमराह शीर्ष पर काबिज हैं।

श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में तीन मैचों में चार विकेट लेने वाले पाकिस्तान के मुहम्मद आमिर छह स्थान की सुधार के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें पायदान पर हैं। सफेद गेंद की क्रिकेट में ध्यान लगाने के लिए इस साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बायें हाथ के तेज गेंदबाज आमिर ने अंतिम मैच में तीन विकेट झटके थे। उनकी पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग इस साल जून में 10वीं रैंकिंग थी। पाकिस्तान के एक अन्य बायें हाथ के तेज गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने सीरीज में छह विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया।

इस दौरान उन्होंने दूसरे मैच में पांच विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल किया था। अपने इस प्रदर्शन के बूते वह 28 स्थान के फायदे के साथ 43वें स्थान पर पहुंच गए। बायें हाथ के बल्लेबाज फखर जमां (दो स्थान की उछाल के साथ 16वें पायदान पर) और हैरिस सोहेल (तीन स्थान की उछाल के साथ 32वें पायदान पर) अन्य पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं जिनकी रैंकिंग में उछाल हुआ है, जबकि श्रीलंका के दनुष्का गुणातिलके अंतिम मैच में शतक जड़ने के बाद करियर की सर्वश्रेष्ठ 70वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं।

## धाविक जेटर दिल्ली हाफ मैराथन की दूत बनीं

**नई दिल्ली** : ओलंपिक पदक विजेता अमेरिका की फर्राटा धाविका कार्मेलिटा जेटर को 20 अक्टूबर को यहां होने वाली दिल्ली हाफ मैराथन के 15वें संस्करण का अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा दूत नियुक्त किया गया। जेटर के नाम फ्लोरेंस ग्रिफिथ-जायनर के बाद महिला 100 मीटर फर्राटा दौड़ का दूसरा सबसे तेज समय (10.64 सेकेंड) दर्ज है। ग्रिफिथ-जायनर का 1998 में निधन हो गया था।

मुझे लगता कि है इंग्लैंड की क्रिकेट टीम के कोच पद के लिए गैरी कर्स्टन सबसे उपयुक्त हैं।
**– माइकल एथर्टन, पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर**

## न्यूज गैलरी

### पुणेरी ने तेलुगू को हराया

**पंचकूला** : पुणेरी पल्टन ने प्रो कबड्डी लीग के रोमांचक मैच में तेलुगू टाइटंस को 53-50 से हराया। पुणे के लिए मनजीत ने 12, सुशांत सैल ने 11 और सुरजीत सिंह ने सात टैकल अंक बनाए। इस हार से तेलुगू टाइटंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है। यूपी योद्धा और टाइटंस के समान अंक हैं। प्लेऑफ के लिए टाइटंस ही खेल रहे थे, लेकिन पुणे की टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। (प्रेट्र)

### दलविंदर सेमीफाइनल में

**नई दिल्ली** : पूर्व चैंपियन दलविंदर सिंह ने फेनेस्टा ओपन टेनिस के पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि जगमीत कौर ने भुवना कल्वा को हराकर महिला सेमीफाइनल में जगह बनाई। छठी वरीयता प्राप्त दलविंदर ने इशाक इकबाल को 7-6, 7-5 से हराया। अब उनका सामना निक्की पूनाचा से होगा, जिन्होंने प्रज्वल देव को मात दी। दूसरे सेमीफाइनल में आर्यन गोविस का सामना क्रुणाल आनंद से होगा। महिला सिंगल्स में सौजन्या बाविसेती ने साल्सा अहिर को 6-2, 6-2 से मात दी। वहीं, जगमीत ने कल्वा को 6-4, 6-2 से हराया। प्रेरणा भांबरी और वैदेही चौधरी भी अंतिम-चार में पहुंच गईं। (प्रेट्र)

### भारतीयों में शीर्ष पर प्रणावी

**गुरुग्राम** : गोल्फर प्रणावी उर्स ने आखिर में दो बर्डी लगाकर महिला इंडियन ओपन गोल्फ के पहले दौर के बाद संयुक्त 10वें स्थान पर कब्जा कर लिया। मैसूर की 16 साल की प्रणावी शीर्ष पर काबिज इंग्लैंड की मेगान मैकलारेन और ऑस्ट्रेलिया की विटनी हिलियर्स से चार शॉट पीछे रहीं। मेगान और विटनी पांच अंडर 67 के स्कोर के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। (प्रेट्र)

### अपूर्वा ने जीता स्वर्ण

**मुंबई** : भारत की युवा खिलाड़ी अपूर्वा पाटिल ने इंग्लैंड में हुई कॉमनवेल्थ जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण अपने नाम किया। 17 वर्षीय अपूर्वा ने महिलाओं के 70 किग्रा से अधिक भार वर्ग में मेजबान इंग्लैंड की मेगन डगलस को हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। मुंबई की अपूर्वा को पिछले साल मकाऊ में हुए कैडेट एशियन कप और लेबनान में हुए एशियन कैडेट एंड जूनियर जूडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के आधार पर कॉमनवेल्थ जूडो चैंपियनशिप के लिए टीम में चुना गया था। उन्होंने इससे पहले इस साल जनवरी में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भी स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया था। अपूर्वा इस समय 12वीं कक्षा में पढ़ रही हैं। उन्होंने 2009 से ही जूडो में भाग लेना शुरू कर दिया था। वह राष्ट्रीय स्तर पर अंडर-15 वर्ग में भी कई पदक जीत चुकी हैं। (आइएएनएस)

# सुआरेज के दो गोल से जीता बार्सिलोना

**यूएफा चैंपियंस लीग** ▶ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इंटर मिलान को 2-1 से हराया

### मिलान के लिए मार्टिनेज ने किया एकमात्र गोल

**बार्सिलोना, एएफपी** : लुइस सुआरेज द्वारा दूसरे हाफ में किए गए दो गोल के दम पर स्पेनिश फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने यूएफा चैंपियंस लीग के ग्रुप-एफ के मैच में इटली के क्लब इंटर मिलान को 2-1 से हरा दिया। बोरुसिया डोर्टमंड और बार्सिलोना के अब दो मैचों के बाद चार-चार अंक हैं। इस मैच में लियोन मेसी ने सुआरेज को एक गोल करने में सहायता भी की। सुआरेज ने 58वें और 84वें मिनट में गोल किए।

मेहमान टीम ने हालांकि शुरू से अपना दबदबा बनाए रखने की कोशिश की। मैच के तीसरे मिनट में मार्टिनेज ने बार्सिलोना के डिफेंस में सेंध लगा दी। सांचेज ने बॉक्स के बाहर से गेंद मार्टिनेज को पास की और उन्होंने गेंद को गोल पोस्ट में डालने में कोई गलती नहीं की। बार्सिलोना की कमजोरी इस हाफ में इससे पता चलती है कि जब मार्टिनेज ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाई थी तब मेजबान टीम की तरफ से किले की रक्षा करने के लिए सिर्फ गोलकीपर मार्क-आंद्रे तेर स्टेगन ही थे। 15वें मिनट में एंटोनियो ग्रीजमैन ने हेडर की मदद से गोल कर बार्सिलोना को बराबरी पर लाने की कोशिश की, लेकिन यह गोल नहीं हो सका। पहले हाफ का अंत इंटर मिलान ने 1-0 के साथ किया। दूसरे हाफ में भी इंटर मिलान ने आक्रामकता दिखाई। बार्सिलोना हालांकि इस हाफ में बेहतर खेल रही थी। 58वें मिनट में विडाल ने एक बेहतरीन पास गोलकीपर पोस्ट के सामने खड़े सुआरेज को दिया और फिर उन्होंने गेंद पर दायें पैर से अच्छी किक लगाकर टीम के लिए मैच में पहला गोल किया। मैच के खत्म होने में जब छह मिनट बचे थे तब मेसी ने धीरे से गेंद को सुआरेज की ओर भेजा। फिर सुआरेज ने पेनाल्टी एरिया से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाकर टीम को 2-1 से अहम बढ़त दिलाई, जो अंत तक कायम रही।

**कोई मतभेद नहीं** : लियोन मेसी ने कहा कि उनके या एंटोनी ग्रीजमैन या अन्य खिलाड़ियों के साथ कोई मतभेद नहीं है और बोर्ड के अधिकारियों के साथ भी कोई समस्या नहीं है। मेसी चोट के बाद इंटर मिलान के खिलाफ मैच में खेल रहे थे। जब मेसी से उनके ग्रीजमैन के साथ रिश्ते को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हमारे बीच कोई समस्या नहीं है। मेरा सभी के साथ अच्छा रिश्ता है। ड्रेसिंग रूम का माहौल शानदार है। हमें इस जीत की जरूरत थी और हम इसे हासिल करने में सफल हुए।'

इंटर मिलान के खिलाफ गोल करने के बाद कुछ इस तरह जश्न मनाते बार्सिलोना के लुइस सुआरेज। एएफपी

## सलाह ने लिवरपूल को उलटफेर से बचाया

**लिवरपूल, एएफपी** : मुहम्मद सलाह ने दूसरे हाफ में उपयोगी गोल करते हुए अपनी टीम लिवरपूल को यूएफा चैंपियंस लीग में रेड बुल साल्बर्ग के हाथों उलटफेर होने से बचा लिया। ग्रुप-ई के इस मुकाबले में कुल सात गोल हुए और लिवरपूल यह मैच 4-3 से जीतने में सफल हुआ। लिवरपूल ने मैच में अच्छी शुरुआत की थी जब सादियो माने ने अपने पूर्व क्लब के खिलाफ छठे मिनट में गोल करके टीम का मैच में खाता खोल दिया था। इसके बाद एंड्र्यू रॉबर्टसन ने 25वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। पहले हाफ में नौ मिनट का खेल बचा था और सलाह ने शानदार गोल करके टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। तीन गोल खाने के बाद रेड बुल साल्बर्ग की टीम ने अच्छी वापसी की। हवांग ही-चान ने 39वें मिनट में गोल करके साल्बर्ग की मैच में वापसी कराई। पहले हाफ में लिवरपूल 3-1 से आगे रहा। दूसरे हाफ में गोल की शुरुआत साल्बर्ग ने की। टाकूमी मीनामीनो ने 56वें मिनट में गोल करके लिवरपूल के खेमे में खलबली मचा दी। इसके चार मिनट बाद अर्लिंग ब्रूट ने मेजबान टीम के कमजोर डिफेंस की पोल खोलते हुए गोल किया और लिवरपूल के मैनेजर जुर्जेन क्लोप की चिंता बढ़ा दी। स्कोर 3-3 से बराबर हो गया। इसके बाद लिवरपूल की टीम पर भी हार का खतरा मंडराने लगा था लेकिन सलाह ने 69वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को राहत की सांस दिलाई। मैच के अंत तक लिवरपूल ने 4-3 की बढ़त को बनाए रखा और जीत हासिल की।

**यूएफा चैंपियंस लीग में अन्य मुकाबले**
- चेल्सी 2-1 लिली
- ल्योन 2-0 आरबी लीप्जिग
- अजाक्स 3-0 वेलेंसिया
- जेनिट 3-1 बेनफिका

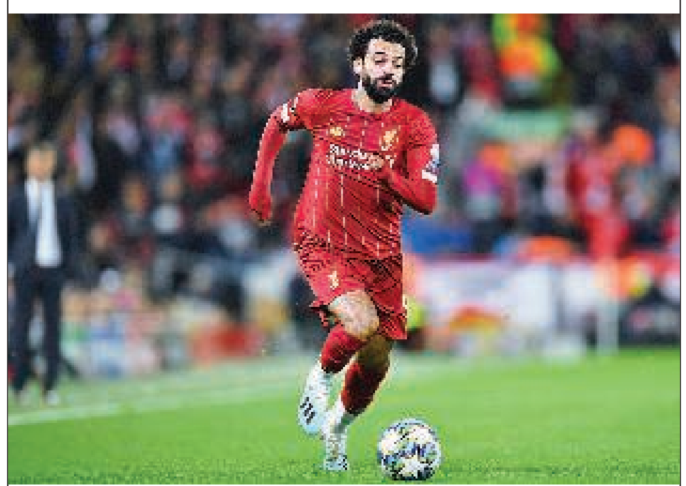

मैच के दौरान लिवरपूल के मुहम्मद सलाह। एएफपी

# गुजरात ने बिहार को हराया

**विजय हजारे ट्रॉफी**

**जयपुर, प्रेट्र** : गुजरात ने विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप-सी मैच में गुरुवार को यहां बिहार के खिलाफ सात विकेट से प्रभावी जीत दर्ज की। बिहार को 42.2 ओवर में 126 रन पर समेटने के बाद गुजरात ने 19.1 ओवर में लक्ष्य हासिल करके लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। गुजरात की ओर से रुश कलारिया, चिंतन गाजा, अक्षर पटेल और तेजस पटेल ने दो-दो विकेट चटकाए। इसके जवाब में गुजरात ने सलामी बल्लेबाज प्रियांक पांचाल (40), ध्रुव रावल (25) और अक्षर (नाबाद 27) की पारियों की बदौलत 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 128 रन बनाकर जीत दर्ज की।

एक अन्य मैच में परवेज रसूल के नाबाद 118 रन की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने रेलवे को चार विकेट से हराया। रसूल ने 112 गेंद की अपनी पारी में नौ चौके और चार छक्के जड़े। रेलवे की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 285 रन बनाए, जिसके जवाब में जम्मू-कश्मीर ने 49.1 ओवर में छह विकेट पर 287 रन बनाकर जीत दर्ज की। दिन के तीसरे मैच में बंगाल ने अभिषेक कुमार रमन की 108 गेंद में 11 चौकों की मदद से नाबाद 122 रन की पारी से राजस्थान को पांच विकेट से हराया। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 265 रन बनाए, जिसके जवाब में बंगाल ने 49 ओवर में पांच विकेट पर 266 रन बनाकर जीत दर्ज की। वहीं, वडोदरा में विजय हजारे ट्रॉफी में एलीट ग्रुप-बी में होने वाले उत्तर प्रदेश (उप्र) और पंजाब के मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद हो गए। उप्र का सामना महाराष्ट्र से होना था, जबकि पंजाब की टीम को ओडिशा की चुनौतियों से सामना करना था।

## टीएनपीएल को फिक्सिंग के आरोपों में क्लीन चिट

**चेन्नई, प्रेट्र** : तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) की आंतरिक जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पिछले तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) टी-20 टूर्नामेंट के दौरान मैच फिक्सिंग के आरोपों में कोई भी घटना कार्रवाई लायक नहीं लगी। टीएनसीए के मानद सचिव आरएस रामास्वामी ने गुरुवार को कहा, 'हमने टीएनपीएल की जांच के लिए बनाई गई समिति की रिपोर्ट देखी और इसे स्वीकार करने का फैसला किया, जिसमें कहा गया कि किसी भी घटना की कार्रवाई करने की जरूरत नहीं है।' टीएनपीएल तब मुश्किल में घिर गई थी जब कुछ प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों और कुछ कोच संदिग्ध मैच फिक्सिंग के लिए बीसीसीआइ की भ्रष्टाचार रोधी इकाई के दायरे में आ गए थे। तमिलनाडु क्रिकेट संघ ने 2016 में टीएनपीएल की शुरुआत की थी और इसमें आठ फ्रैंचाइजी टीम हिस्सा लेती हैं।

# विनय ने की मयंक अग्रवाल की मदद : उथप्पा

**कोलकाता, प्रेट्र** : भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज रोबिन उथप्पा का मानना है कि अगर कर्नाटक के पूर्व कप्तान आर विनय कुमार खराब फॉर्म से जूझ रहे मयंक अग्रवाल को उपयोगी सलाह नहीं देते तो शायद क्रिकेट जगत को उनकी शानदार बल्लेबाजी देखने को नहीं मिलती। मयंक पर उस समय कर्नाटक की राज्य टीम से भी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था। मयंक गुरुवार को अपने पहले ही टेस्ट शतक को दोहरे शतक में बदलने वाले सिर्फ चौथे भारतीय बल्लेबाज बने।

उथप्पा ने कहा, 'मुझे याद है कि हम उन्हें रणजी मैच से बाहर करने पर विचार कर रहे थे, लेकिन जब (कप्तान) आर विनय कुमार ने उन्हें प्रेरणादायी शब्द कहे तो उन्होंने तिहरा शतक जड़ा और फिर मुड़कर नहीं देखा।' मयंक ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना पहला तिहरा शतक जड़ते हुए महाराष्ट्र के खिलाफ पुणे में नाबाद 304 रन की पारी खेली, जिससे टीम ने पारी और 136 रन से जीत दर्ज की। उथप्पा ने रोहित शर्मा की भी तारीफ की, जिन्होंने टेस्ट सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी पहली ही पारी में 244 गेंद में 176 रन बनाए। उन्होंने कहा, 'उन्होंने हमेशा भारत और विदेश में अच्छा प्रदर्शन किया है। सफेद गेंद के क्रिकेट में भी उनका दबदबा है।'

पूर्व भारतीय बल्लेबाज रोबिन उथप्पा। फाइल फोटो, प्रेट्र

## विविध

# बंदूक दिखाकर लगवाए जय श्रीराम के नारे, छात्र को पीटा

**जागरण संवाददाता, रोहतक**

लाढ़ौत रोड स्थित सनसिटी सेक्टर-36 में किराये पर रह रहे पंडित लख्मीचंद यूनिवर्सिटी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन (पएलएलसी) सुपवा के दो छात्रों के साथ मारपीट की गई और उन्हें बंदूक दिखाकर जबरदस्ती जय श्रीराम के नारे भी लगवाए गए। एक छात्र का हाथ भी टूट गया तथा कुछ को चोटें भी आई हैं। घटना के बाद पीड़ित और उनके साथी देर रात पुलिस चौकी पर पहुंचे और आरोपितों के खिलाफ शिकायत दी।

गुरुग्राम का रहने वाला मानव एफटीवी डिपार्टमेंट में द्वितीय वर्ष का छात्र है। बुधवार देर रात वह सनसिटी की मार्केट में सामान लेने गया था। इसी दौरान वहां पर बैठे कुछ युवकों ने उसे बंधक बना लिया। आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की। काफी देर तक मानव के वापस नहीं लौटने पर उसका साथी खिड़वाली गांव निवासी सचिन वहां पर पहुंचा। आरोपितों की संख्या पांच-छह थी। उन्होंने सचिन को भी वहीं पर बैठा लिया। आरोप है कि दोनों छात्रों पर जातिगत टिप्पणी की गई और बंदूक दिखाकर जबरन जयश्री राम के नारे भी लगवाए गए। मारपीट के बाद दोनों छात्रों को वहां से भगा दिया। पीड़ित छात्र वापस अपने साथियों के पास पहुंचे और मामले की जानकारी दी। इसके बाद सभी इकट्ठा होकर आरोपितों के पास पहुंचे। आरोपितों ने उन पर हॉकी से हमला कर दिया। इसमें डिजाइन विभाग के छात्र हैरी का हाथ टूट गया। आरोपितों ने छात्रों को धमकी दी कि यदि दोबारा इस एरिया में दिखे तो जान से मार दिया जाएगा। डरे-सहमे छात्र रात में ही पुलिस चौकी पर पहुंचे और मामले की जानकारी दी।

छात्रों के साथ मारपीट की घटना मेरे संज्ञान में आई है। सभी फैकल्टी कोऑर्डिनेटर के साथ बैठक की है। छात्रों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। कुलपति को भी मामला से अवगत कराया गया है। पुलिस को संस्थान की ओर से शिकायत की गई है। जरूरत पड़ी तो एसपी को भी शिकायत करेंगे।
**– प्रो. भारती शर्मा, रजिस्ट्रार**

**पश्चिमी बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार के हैं छात्र** : दरअसल, यूनिवर्सिटी कैंपस में ब्वायज हॉस्टल नहीं होने के कारण करीब 45 छात्र सनसिटी में किराये पर कमरा लेकर रहते हैं। इनमें पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली के छात्र शामिल हैं। पीड़ित छात्रों का आरोप है कि हमला करने वाला एक मुख्य आरोपित खुद को गोहाना का रहने वाला बताता है, जबकि बाकी उसके साथी स्थानीय हैं। आरोपित पहले भी उन्हें धमकी दे चुका है कि यहां पर आकर पढ़ाई करते हैं, जिससे यहां के स्थानीय छात्रों का एडमिशन नहीं मिल पाता। वह नौकरी से वंचित रह जाते हैं। छात्रों का आरोप है कि आरोपित पुलिस के सामने से ही भागे।

# जस्ट डॉयल से नंबर लेकर फंसाते थे अपहरण कर वसूलते थे फिरौती

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

उत्तरी जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो जस्ट डॉयल से एजेंटों व कारोबारियों का फोन नंबर लेकर पहले उन्हें जाल में फंसाकर नूंह (हरियाणा) बुलाता था और फिर उनका अपहरण कर फिरौती वसूलता था। पुलिस की गिरफ्त में आए गिरोह के सरगना ने पूछताछ में बताया कि वह और उसके साथी अपहरण व लूटपाट की कई वारदात को अंजाम दे चुके हैं। दिल्ली, मुंबई, आगरा और जयपुर के कई लोगों से फिरौती वसूल चुके हैं। सरगना की पहचान शमीम के रूप में हुई है। उसने सिविल इंजीनियरिंग में पॉलिटेक्निक से डिप्लोमा कर रखा है। उसके चार साथियों की तलाश की जा रही है। शमीम और उसके साथियों ने हाल ही में हरियाणा में एक नाबालिग का कार से अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म किया था।

पुलिस उपायुक्त मोनिका भारद्वाज ने बताया कि तीन सितंबर को बदमाशों ने लोन संबंधी जानकारी के लिए दिल्ली निवासी कमीशन एजेंट गुरदीप सिंह को गुरुग्राम में बुलाया था। इसके बाद उनका अपहरण कर नूंह ले गए और परिजनों से 10 लाख रुपये की फिरौती की मांग की थी। बाद में मामला 50 हजार रुपये में तय हो गया था।

परिजनों ने 15 हजार रुपये बदमाशों के खाते में स्थानांतरित किए थे। इन रुपयों को बदमाशों ने नूंह के एक एटीएम से निकाला था। बाद में पुलिस के डर से बदमाशों ने बकाया रुपये लिए बिना गुरदीप को छोड़ दिया था। इस संबंध में गुलाबी बाग थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तरी जिले के स्पेशल स्टाफ को जांच का जिम्मा सौंपा गया। इंस्पेक्टर सुनील कुमार की टीम ने उस मोबाइल नंबर का कॉल डिटेल रिकार्ड (सीडीआर) निकाला, जिससे फिरौती के लिए फोन आया था। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली गई। करीब एक महीने बाद पुलिस को जानकारी मिली कि गिरोह का सरगना शमीम राजस्थान के जयपुर में है। पुलिस ने जयपुर से आरोपित को धर दबोचा।

**अलवर से लिफ्ट लगाने के बहाने बुलाया था दो लोगों को** : पुलिस पूछताछ में शमीम ने बताया कि वह हारून, मजिद, सानिद और पंडित के साथ वारदात करता था। वे जस्ट डॉयल से फोन नंबर लेकर लोगो को जाल में फंसाकर नूंह बुलाते थे। नूंह आते ही उनका अपहरण कर लिया जाता था। हाल ही में उन्होंने राजस्थान के अलवर से शरद और राजन को लिफ्ट लगाने के बहाने नूंह बुलाकर लूटपाट की थी।

दिल्ली पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने लोन लेने के बहाने एजेंट को नूंह बुला बंधक बनाकर लूटपाट करने वाले गिरोह के सरगना शमीम को गिरफ्तार किया। जागरण

# मृत दोषियों को यमलोक से वापस भेजने की मांग

**जागरण संवाददाता, कोलकाता**

कलकत्ता हाई कोर्ट में अजीबोगरीब याचिका दायर की गई है। इसको देख 2012 में प्रदर्शित फिल्म 'ओएमजी-ओह माइ गॉड' की याद आ जाती है। फिल्म में कांजी भाई (परेश रावल) ने भूकंप में बर्बाद दुकान का बीमा क्लेम हासिल करने के लिए भगवान पर केस कर दिया था। ऐसा ही मामला कोलकाता में देखने को मिला है। पांच साल की जेल की सजा पाए मृत आरोपितों के परिवार ने कलकत्ता हाई कोर्ट से कहा है कि वह यमराज को निर्देश दें कि वह दोषियों को सजा पूरी करने के लिए यमलोक से वापस भेजे। अगर यमराज ऐसा नहीं करते तो उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए।

मामला 1984 का है। उत्तर 24 परगना जिले के गरुलिया के रहने वाले समर चौधरी और उनके दो बेटों ईश्वर और प्रदीप की किसी के साथ मारपीट हो गई थी। इसमें एक शख्स की मौत हो गई। मामले में तीनों को 9 फरवरी 1987 को 5-5 साल की जेल की सजा सुनाई। उसी साल मार्च में दोनों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश पारित कर दोनों की सजा पर रोक लगा दी। इससे पहले कि सुनवाई शुरू होती, तीन में से दो दोषियों-समर और प्रदीप की मौत हो गई। इतना ही नहीं, 22 जून 2006 को दोषी दोषी पक्ष के वकील की हाई कोर्ट के जज के तौर पर पदोन्नति हो गई। ऐसे में बिना वकील के दोषी का परिवार कोर्ट को यह नहीं बता पाया कि मामले के दो दोषी अब इस दुनिया में नहीं हैं। बाद में कोर्ट ने उनके लिए एमिकस क्यूरी (कोर्ट मित्र) नियुक्त कर दिया और मामले में फैसला सुनाते हुए 16 जून 2016 को याची की अपील खारिज कर दी।

इसके बाद याची पक्ष ने कोर्ट को आरोपितों की मौत की बात नहीं बताने के लिए माफीनामा देने के साथ 2016 के उसके आदेश की याद दिलाई। मृतक समर के बेटे और प्रदीप की विधवा रेनू ने आवेदन में कहा है कि माननीय उच्च न्यायालय यमराज को निर्देश दे कि वह दोनों दोषियों को पृथ्वी पर वापस भेजें ताकि दोनों कोर्ट द्वारा मुकर्रर सजा पूरी करें।

## अक्षय कुमार को उपभोक्ता फोरम का नोटिस

**जासं, लखनऊ** : फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार को लखनऊ जिला उपभोक्ता फोरम प्रथम के वरिष्ठ सदस्य राजर्षि शुक्ला ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। लखनऊ निवासी एसके शर्मा 29 सितंबर को फन रिपब्लिक मॉल के सामने बाइक से जा रहे थे। डिवाइडर के ऊपर बड़ी स्क्रीन पर सूचना विभाग की ओर से अक्षय का विज्ञापन चलाया जा रहा था। इसमें वह ट्रैफिक पुलिस की वर्दी में यातायात नियमों की जानकारी दे रहे थे। शर्मा का कहना है कि सड़क के बीच में दिखाए जा रहे विज्ञापन ने उनका ध्यान खींचा, जिससे आगे जा रहे वाहन से बाइक टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। वह घायल हो गए। बाइक की मरम्मत के साथ ही उनके इलाज में साढ़े चार लाख रुपये का खर्च आया। उन्होंने फोरम में शिकायत दर्ज कराकर साढ़े चार लाख रुपये मुआवजा दिलाए जाने की मांग की।

# पूछ रहा हर कोई, अब तक कहां थी 'खोई'

**राकेश श्रीवास्तव, वाराणसी**

▶ बाजार से बाहर हो रहे सिंगल यूज प्लास्टिक की जगह ले रहे गन्ने की खोई से बने कप, प्लेट और थाली

▶ गन्ना उत्पादन में अग्रणी उप्र में कच्चे माल की नहीं आएगी कमी, किसान भी होंगे लाभांवित

पर्यावरण को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के जिस संकल्प को दोहराया है, उसे पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों से ही पूरा किया जा सकता है। पहले बाजार में थर्माकोल या फाइबर के बने प्लेट और दोने का कब्जा होता था। मगर, प्रधानमंत्री मोदी के सिंगल यूज प्लास्टिक से दूरी बनाने की अपील के बाद बाजार में इसका विकल्प भी आ गया है।

नया प्रयोग गन्ने की खोई से निर्मित थाली, कप, प्लेट इत्यादि का है। इससे बने उत्पाद थर्माकोल या फाइबर का बेहतर विकल्प बन रहे हैं। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी कारोबारियों की ओर से रुचि दिखने से बाजार धीरे-धीरे ही सही इको फ्रेंडली होने की राह पर बढ़ चला है।

**पर्यावरण मित्र हैं गन्ने की खोई से बने उत्पाद** : गन्ना निर्मित कप, प्लेट व थाली को इस्तेमाल के बाद आसानी से नष्ट किया जा सकता है। ये सौ फीसद खाद में तब्दील हो जाते हैं। पानी व तेल के उपयोग पर भी अघुलनशील हैं और माइक्रोवेव या फ्रीज में उपयोग करने पर पूरी तरह सुरक्षित। साथ ही गन्ने की खोई से बने ये उत्पाद इको फ्रेंडली बाजार को रफ्तार देने वाले हैं।

कई कंपनियां बाजार में गन्ने से बनी थाली, कप, प्लेट की आपूर्ति कर रही हैं। दाम थोड़ा ज्यादा होने से गरीब तबके के लोग अभी हिचक रहे हैं। दाम आम लोगों के बजट में आ जाए तो खपत और बढ़ेगी।
**– केदारनाथ जायसवाल, कारोबारी विशेश्वरगंज**

इससे गन्ने की खेती से दूरी बना रहे किसानों को भी लाभ होगा। साथ ही घाटे में चल रही चीनी मिलों को भी संजीवनी की आस जगेगी क्योंकि वहां गन्ने की खोई को खाद या जलावन के लिए ही प्रयोग किया जाता है।

**दाम पर एक नजर** : फुटकर बाजार में गन्ने की खोई से बनी प्लेट का दाम छह सौ रुपये सैकड़ा है। जबकि थर्माकोल की प्लेट 150-200 रुपये तक में उपलब्ध थी।

# जमशेदपुर में नवजात को बेचने के लिए ओएलएक्स पर किया पोस्ट

**जागरण संवाददाता, जमशेदपुर**

सामान खरीदने और बेचने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने वाली ई-कॉमर्स वेबसाइट ओएलएक्स पर एक नवजात की फोटो पोस्ट की गई है। 'बेबी सेलिंग' टैग लाइन के साथ इसे पोस्ट किया गया है। बेवसाइट पर फोन नंबर के साथ-साथ बच्चे की तस्वीर और एक लाख रुपये कीमत पोस्ट की गई है।

जमशेदपुर निवासी कांति पटेल ने इस पोस्ट को देखकर साइबर थाने की पुलिस को जानकारी दी। उसकी शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। कांति पटेल ने दिए गए फोन नंबर पर संपर्क किया तो उस युवक ने अपना नाम अजीत राज बताते हुए खुद को जमशेदपुर का ही निवासी बताया। स्वीकार किया कि उसने यह पोस्ट किया है। पटेल ने बताया कि ओएलएक्स पर वह मोबाइल खरीदने के लिए विज्ञापन देख रहे थे कि उनकी नजर इस पोस्ट पर पड़ी।

बच्चे के बारे में जब कांति पटेल ने अजीत से पूछा तो उसने गोलमोल जवाब दिया। उसने कहा कि वह बच्चा बेचना चाहता है। यह नहीं बताया कि बच्चा उसका है या किसी और का। इसके बाद उससे थोड़ी देर में बात करने की बात कह कांति ने फोन काट दिया। अजीत से जब दैनिक जागरण ने संपर्क किया तो उसने बताया कि बच्चा 10 दिन का है। उसे गंभीर बीमारी है। बच्चे को रांची में दिखाया था। उसकी बीमारी ठीक करने को डॉक्टर पांच लाख रुपये मांग रहे हैं। इस वजह से वह बच्चा बेच रहा है।

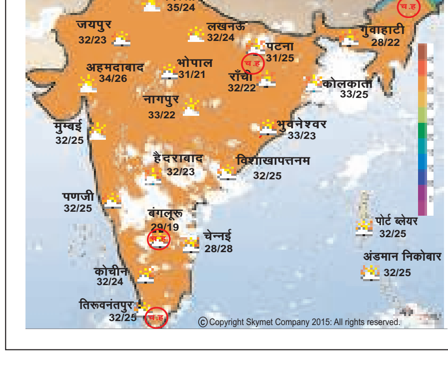


## मौसम विशेष

पश्चिम राजस्थान में अनेक स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होगी। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली तथा राजस्थान में मौसम शुष्क रहेगा। सुबह सुहावनी व दिन गर्म रहेगा। जम्मू कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में सुबह शीतल रहेगी। दिन आरामदायक और हल्का गर्म बना रहेगा।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

| शहर | | शहर | |
|---|---|---|---|
| मुम्बई | 33/26/व | अहमदाबाद | 34/24/व |
| कोलकाता | 33/26/व | बड़ौदा | 34/25/व |
| चेन्नई | 35/27/व | नागपुर | 34/23/व |
| हैदराबाद | 30/22/आंबा | इन्दौर | 30/21/आंबा |
| बंगलूरु | 28/19/व | राँची | 28/23/व |
| त्रिवेन्द्रम | 32/25/आंबा | पटना | 29/24/व |
| गुवाहाटी | 27/23/आंबा | जमशेदपुर | 27/23/व |
| गंगटोक | 16/07/व | पुणे | 26/22/व |

## मानव निर्मित पहला सेटेलाइट भेजा गया अंतरिक्ष

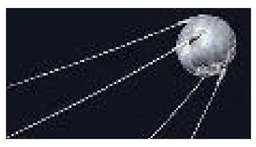

1957 में आज ही सोवियत संघ ने मानव निर्मित दुनिया का पहला सेटेलाइट स्पुतनिक 1 को लांच किया था। चार जनवरी, 1958 तक यह सक्रिय रहा। इस सेटेलाइट से वैज्ञानिकों को पृथ्वी के वायुमंडल के बारे में कई अहम जानकारियां प्राप्त हुई थी।

## विश्व पशु दिवस मनाने की शुरुआत हुई

1931 में इटली के फ्लोरेंस शहर में विश्व पशु दिवस मनाने की घोषणा हुई थी। तब से लेकर आजतक पशु के अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर साल चार अक्टूबर को यह दिवस मनाया जाता है। इससे पहले 24 मार्च, 1925 को जर्मनी में यह दिवस मनाया गया था।

## हिंदी का पहला व्यवस्थित इतिहास लिखने वाले आचार्य रामचंद्र शुक्ल

हिंदी के प्रमुख साहित्यकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल का जन्म 1884 में आज ही उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में हुआ था। कम संसाधनों के बाद भी उन्होंने हिंदी साहित्य के इतिहास की रचना की। इसे हिंदी साहित्य का सबसे व्यवस्थित इतिहास माना जाता है। उन्होंने कई विश्व प्रसिद्ध लेखकों की रचनाओं का हिंदी भाषा में अनुवाद भी किया। उन्होंने हिंदी शब्द सागर, चिंतामणि की रचना की। साथ ही नागरी प्रचारिणी पत्रिका भी निकाली। उनकी कई रचनाएं आज पाठ्यक्रमों का हिस्सा हैं। 2 फरवरी, 1941 को उनका देहांत हो गया।

## इधर-उधर की

### इटली में महज अस्सी रुपये में खरीदें घर

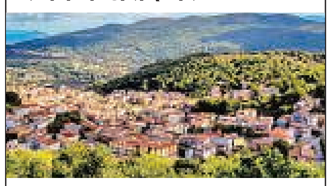

**रोम, एजेंसी :** इटली में बसने का सपना अब कई लोगों का साकार हो सकता है। यहां के द्वीप सिसिली की एक नगर परिषद विदेशियों को वहां बसने में मदद कर रही है। ये सब बेहद मामूली कीमत पर किया जा रहा है। इस खास गांव में बसने की कीमत है एक यूरो यानी करीब 80 रुपये। सिसिली के गांव संबूका के अधिकारियों ने 2019 में लगातार कम होती आबादी की समस्या से निपटने के लिए एक खास योजना की घोषणा की। उन्होंने तय किया कि गांव में खाली पड़े पुराने खस्ताहाल मकानों को मात्र एक यूरो यानी लगभग अस्सी रुपये में बेच दिया जाए। इस गांव की आबादी मात्र 5,800 है क्योंकि यहां के स्थानीय लोग या तो नजदीकी शहरों या फिर विदेशों में बसने चले गए हैं। इसलिए संबूका की नगर परिषद ने पुराने खाली पड़े मकान खरीद कर दुनिया भर के लोगों को यह मकान कम कीमत पर बेचने का फैसला किया है ताकि नए लोगों को यहां बसने के लिए आकर्षित किया जा सके।

# 16 साल की ग्रेटा का नाम नोबेल शांति पुरस्कार की चर्चा में

- अगले सप्ताह घोषित होंगे इस साल के नोबेल पुरस्कार
- जलवायु परिवर्तन पर शुरू हुए आंदोलन का वैश्विक चेहरा बनकर उभरी हैं ग्रेटा

**स्टॉकहोम, एएफपी :** इस साल के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा सोमवार से होने वाली है। विजेताओं के नाम को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। इसमें भी सबसे ज्यादा चर्चा शांति के नोबेल पुरस्कार को लेकर है। इस बार यह पुरस्कार 16 साल की पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग को दिए जाने के कयास लगाए जा रहे हैं। सट्टेबाज भी उन्हीं के नाम को सबसे ज्यादा भाव दे रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन पर शुरू हुए युवा आंदोलन का वैश्विक चेहरा बनकर उभरीं स्वीडन की ग्रेटा ने जलवायु परिवर्तन पर अपनी चिंताओं और सवालों से दुनिया को झकझोरा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में गत 23 सितंबर को एक सम्मेलन में अपने भावनात्मक भाषण में दुनियाभर के नेताओं से कहा, 'आपने हमारे बचपन और सपनों को छीन लिया है। आपकी हिम्मत कैसे हुई? इसके लिए आपको माफ नहीं करूंगी।' ऑनलाइन लाडब्रोक्स जैसे सट्टेबाजों ने कहा है कि नोबेल शांति पुरस्कार की दौड़ में ग्रेटा सबसे आगे हैं।

बीते दिनों पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग कनाडा के एक पशु अभ्यारण्य में भी गई थीं। रायटर

**उम्मीदवारों की सूची नहीं होती सार्वजनिक :** नोबेल विजेता के नाम का अनुमान लगाना बेहद कठिन है क्योंकि नोबेल समिति जिन उम्मीदवारों पर विचार करती है, उनके नामों की सूची सार्वजनिक नहीं करती। इसलिए कई विशेषज्ञ इस तरह की अटकलों पर यकीन नहीं करते।

**सबसे पहले घोषित होगा चिकित्सा का नोबेल :** इस साल के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा सात अक्टूबर से शुरू होगी। सबसे पहले चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा होगी। आठ को भौतिकी, नौ को रसायन, दस को साहित्य और 11 को शांति के नोबल पुरस्कार का एलान किया जाएगा। सबसे आखिर में 14 अक्टूबर को अर्थशास्त्र के नोबेल विजेता के नाम का एलान होगा।

**इस बार साहित्य के दो नोबेल :** इस साल साहित्य के दो नोबेल पुरस्कार दिए जाएंगे। पिछले साल सेक्स स्कैंडल और वित्तीय अनियमितताओं के कारण साहित्य पुरस्कार का एलान नहीं किया गया था। इससे स्वीडिश अकादमी की छवि खराब हुई थी। 70 वर्षों में यह पहला मौका था जब साहित्य का नोबेल नहीं दिया गया। यह स्कैंडल सामने आने के बाद अकादमी के 18 सदस्यों में से सात ने इस्तीफा दे दिया था। इस स्कैंडल में नोबेल पुरस्कार से जुड़ी स्वीडिश अकादमी की सदस्य कैटरीना फ्रोस्टेनसन के पति जीन-क्लाउड अरनाल्ट घिरे थे। उन पर विजेताओं के नाम लीक करने का भी संदेह जताया गया था।

## फिल्म रिव्यू

### सैय रा नरसिम्हा रेड्डी

★★★

**निर्देशक :** सुरेंदर रेड्डी
**प्रमुख कलाकार :** चिरंजीवी, तमन्ना भाटिया, किच्चा सुदीप, विजय सेतुपति, रवि किशन, मुकेश ऋषि
**अवधि :** 2 घंटे 47 मिनट

### भारत के पहले स्वतंत्रता सेनानी की कहानी

भारत की आजादी के लिए बहुत लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया है। कई गुमनामी में ही खोकर रह गए। इनमें उयालवाड़ा नरसिम्हा रेड्डी की वीरगाथा भी शुमार है, जिनके बारे में कम लोगों को पता है। फिल्म में बताया गया है कि उनकी वीरगाथाओं ने ही 1857 के विद्रोह में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई समेत अनेक लोगों को प्रेरित किया था। उन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से करीब दस साल पहले आजादी का बिगुल फूंका था। अंग्रेजों के खिलाफ पहला युद्ध छेड़ने वाले नरसिम्हा रेड्डी के जीवन संघर्ष को 'सैय रा नरसिम्हा रेड्डी' में प्रदर्शित किया गया है। तेलुगु में बनी इस फिल्म को हिंदी के अलावा कन्नड़, मलयालम और तमिल में डब करके प्रदर्शित किया गया है।

फिल्म का आरंभ बकिंघम पैलस में क्वीन के शीर्ष अधिकारियों के बीच बातचीत से आरंभ होता है। उनमें एक सुझाव देता है कि भारत के खजाने को लूटना ही काफी नहीं है। भारतीयों की ताकत वेदों, शिक्षा और सभ्यता में है, उसे छीन लो। तब भारत को लूटना आसान हो जाएगा। कहानी भारत आती है। नरसिम्हा का बचपन, आजादी के प्रति उनकी ललक, युद्ध की तैयारी को लेकर प्रशिक्षण जैसे घटनाक्रमों को समेटती हुई कहानी उनकी युवावस्था में आती है, जहां प्रेम-प्रसंग भी है। आंध्र प्रदेश के रायनायडू के शासक नरसिम्हा रेड्डी अंग्रेजों को लगान देने से इन्कार कर देते हैं और उनके खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजा देते हैं। आम लोग उनके समर्थन में आ जाते हैं। अंग्रेज अधिकारी उन्हें पकड़ने के लिए कमर कसते हैं। कहानी कई पालेगर के इर्दगिर्द भी घूमती हैं। पालेगर अंग्रेजों की रणनीति के मुताबिक अपने पाले बदलते रहते हैं। अपनों की धोखाधड़ी के चलते अंग्रेज नरसिम्हा रेड्डी को गिरफ्तार कर उनका सिर कलम कर देते हैं। मरने से पहले वह लोगों में आजादी की अलख जगा देते हैं।

वीर योद्धा के तौर पर नरसिम्हा रेड्डी के किरदार में 64 वर्षीय चिरंजीवी प्रभावित करते हैं। उन्होंने नरसिम्हा के उत्साह और देशभक्ति को बखूबी आत्मसात किया है। एक्शन सीन में वह विश्वसनीय लगते हैं। फिल्म में लड़ाई के दृश्य गुरुत्वाकर्षण की अवहेलना करते दिखते हैं। फिल्म की सबसे बड़ी दिक्कत कमजोर स्क्रीनप्ले और निर्देशन है। सुरेंदर रेड्डी किरदारों के साथ भावनात्मक गहराई ला पाने में असफल रहते हैं।

फिल्म में दक्षिण के अलावा उत्तर के कलाकार भी हैं। नरसिम्हा के गुरु की भूमिका में अमिताभ बच्चन अपना प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहते हैं। नर्तकी लक्ष्मी की भूमिका में तमन्ना भाटिया हैं। वह फिल्म में काफी खूबसूरत दिखी हैं। फिल्म 'पहलवान' में नजर आए किच्चा सुदीप अपने किरदार साथ न्याय करते दिखते हैं।

कहीं-कहीं वीएफएक्स दृश्यों को उभारने में खास मदद नहीं कर पाया है। फिल्म की कहानी में भले ही कुछ खामियां हों, लेकिन इसके किरदार दिलचस्प हैं। फिल्म का पूरा भार चिरंजीवी के कंधों पर है। बहरहाल, यह कहानी आजादी प्राप्त करने, अंग्रेजों के निरंकुश शासन और उस दौर की कठिनाइयों को जानने को फिर से स्क्रीन पर देखने का एक जरिया हो सकती है।

**स्मिता श्रीवास्तव**

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

# नैनो मॉलीक्यूल करेगा कैंसर का इलाज

## आविष्कार ▶ भारतीय वैज्ञानिकों की एक टीम ने विकसित किया नया अणु

### ब्रेस्ट कैंसर के उपचार में फोटोसेंसिटाइजर के रूप में होगा इस्तेमाल

**बेंगलुरू, आइएसडब्ल्यू :** राजीव गांधी सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी तिरुअनंतपुरम और सीएसआइआर-नॉर्थ ईस्ट इस्टीट्यूट (सीएसआइआर-एनईआइएसटी), जोरहाट के शोधकर्ताओं ने एक नया मॉलीक्यूल (अणु) बनाया है, जिसे ब्रेस्ट (स्तन) कैंसर के उपचार में फोटोसेंसिटाइजर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। फोटोसेंसिटाइजर एक मॉलीक्यूल है जो एक फोटोकैमिकल प्रक्रिया में अन्य अणुओं में रासायनिक परिवर्तन लाता है। फोटोसेंसिटाइजर को फोटोडायनॉमिक थेरेपी के नाम से भी जाना जाता है।

फोटोडायनॉमिक थेरेपी एक उभरती हुई उपचार पद्धति है, जिसे पारंपरिक तकनीकों की तुलना में अधिक सुरक्षित माना जाता है। इसमें फोटोसेंसिटाइजर की मदद से प्रकाश की मौजूदगी में कैंसर कोशिकाओं को खत्म किया जा सकता है।

एसीएसओमेगा नामक जर्नल में प्रकाशित हुए अध्ययन के शोधकर्ताओं में पी.एस. सनेश बाबू, राजश्री आर नायर, बेट्सी मैरीदासन, दानबोइना रमैया, आशा एस नायर (बाएं ओर से)। आइएसडब्ल्यू

**ऑक्सीजन आयन उत्पन्न करते हैं फोटोसेंसिटाइजर :** फोटोसेंसिटाइजर कुछ खास कोशिकाओं में जमा होते हैं। जब इन्हें एक लेजर लाइट के जरिये सक्रिय किया जाता है, तो रसायन अत्यधिक प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन आयन उत्पन्न करते हैं, जिसे रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज कहा जाता है। ये आयन ट्यूमर कोशिकाओं में तनाव पैदा करते हैं, जिससे रासायनिक और जैविक तंत्र के जरिये ट्यूमर स्वयं ही खत्म हो जाते हैं।

**जिंक का किया प्रयोग :** नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने जिंक से बना पिकोलिल पोर्फिरिन नैनो-मॉलीक्यूल विकसित किया है, जिसके परिणाम ब्रेस्ट कैंसर के इलाज की उम्मीद जगाते हैं। ब्रेस्ट कैंसर की कोशिकाओं पर किए गए एक परीक्षण में नये मॉलीक्यूल के सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। शोधकर्ताओं ने बताया, 'हमारी टीम ने जिंक आयनों को दो अन्य अणुओं (पिकोलीमाइन और पोर्फिरिन) से बने एक सांचे में डालकर नया मॉलीक्यूल विकसित किया है।'

**नैनो स्ट्रक्टर की संरचना को माइक्रोस्कोपी ने बनाया मजबूत:** राजीव गांधी सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी के शोधकर्ता और इस अध्ययन के लेखक बेट्सी मेरीदासन ने बताया, 'जिंक आयनों को पिकोलील-पोर्फिरिन नैनोस्ट्रक्चर में डालने से उसमें ऑक्सीजन आयन की मात्रा बढ़ जाती है। साथ ही इस दौरान उन्हें फोटोडायनामिक गतिविधि भी देखने को मिली।' उन्होंने कहा कि स्कैनिंग इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोस्कोपी और टनलिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी ने इस नैनोस्ट्रक्चर को संरचनात्मक रूप से और मजबूत बनाया है।

**फोटोफ्रीन और फोस्कैन से कहीं अच्छा है नया मॉलीक्यूल :** शोधकर्ताओं ने कहा कि फोटो-फिजिकल स्टडी में पाया गया कि नया मॉलीक्यूल पानी में भी घुलनशील है और 59 फीसद रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज उत्पन्न करता है। कुल मिलाकर नया मॉलीक्यूल फोटोफ्रीन और फोस्कैन जैसे परंपरागत फोटोसेंसिटाइजर के मुकाबले कहीं बेहतर सिद्ध हुआ है। ब्रेस्ट, आंतों और गर्भाशय के कैंसर के स्टैंडर्ड बायोलॉजिकल अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि नए मॉलीक्यूल का सबसे ज्यादा प्रभाव ब्रेस्ट कैंसर की कोशिकाओं में देखने को मिला।

**पशुओं पर परीक्षण की तैयारी :** शोधकर्ताओं की टीम की नेतृत्व करने वालीं डॉक्टर आशा नायर ने कहा 'अध्यन के दौरान हमने पाया कि नए मॉलीक्यूल ने कैंसर कोशिका के साइटोप्लाज्मिक क्षेत्र में काफी जल्दी असर करना शुरू कर दिया था। अब हम जल्द ही पशु मॉडल पर मॉलीक्यूल का परीक्षण करने की तैयारी कर रहे हैं। इस अध्ययन के परिणाम एसीएसओमेगा नामक जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।

## आज से विश्व अंतरिक्ष सप्ताह मनाएगा इसरो

**बेंगलुरू, प्रेट्र :** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) चार से 10 अक्टूबर तक कर्नाटक में अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े संस्थानों और छात्रों के साथ मिलकर विश्व अंतरिक्ष सप्ताह मनाएगा। इस दौरान इसरो छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़ी अहम जानकारियां देगा।

## शोध अनुसंधान

### कम नींद से बढ़ जाता है कैंसर का खतरा

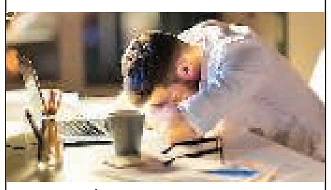

कम नींद कैंसर, हाई ब्लड प्रेशर के कारण असमय मौत, टाइप-2 डायबिटीज और स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाने का काम कर सकती है। हालिया अध्ययन के मुताबिक, रोजाना छह घंटे से कम सोने से यह खतरा ज्यादा होता है। वहीं पर्याप्त नींद लोगों को इन खतरों से बचाती है। शोध के दौरान 20 से 74 साल के 1,600 से ज्यादा लोगों से जुड़े आंकड़े शामिल किए गए। 1991 से 1998 के बीच इन सभी की नींद का अध्ययन किया गया। इसके बाद 2016 तक इनकी मौत और उसके कारणों पर नजर रखी गई। इस दौरान 512 लोगों की अलग-अलग कारणों से मौत हो गई थी। वैज्ञानिकों ने कहा कि हाई बीपी या डायबिटीज का मरीज कम नींद ले तो दिल की बीमारी या स्ट्रोक से मरने का खतरा दोगुना हो जाता है। वहीं, दिल का मरीज छह घंटे से कम नींद ले तो कैंसर के कारण मौत की आशंका तीन गुना बढ़ जाती है। - एएनआइ

### सुनने में जरा-सी मुश्किल भी पड़ सकती है भारी

पहले के अध्ययनों में सामने आया है कि बचपन में बहरेपन का शिकार हो जाने वाले बच्चों का दिमाग भी प्रभावित होता है। उनका दिमाग आवाज को लेकर अलग तरह से प्रतिक्रिया देने लगता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि शुरुआती उम्र में आवाजों के संपर्क में आने से उनके अनुरूप दिमाग की संरचना और कार्यप्रणाली का विकास होता है। अगर बच्चा सुनने में अक्षम हो तो दिमाग की प्रक्रिया बदल जाती है और वह अन्य गतिविधियों के अनुरूप विकास करता है। उदाहरण के तौर पर ऐसे लोगों का दिमाग प्रकाश के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो जाता है। ताजा शोध में चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि सुनने में हल्की सी कमी का भी दिमाग पर ऐसा ही असर होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन नतीजों को ध्यान में रखते हुए समय रहते बच्चों की सुनने की क्षमता की जांच और बुरे प्रभावों से निपटना संभव होगा। - एएनआइ

### सामूहिक नरसंहार की स्मृति में जुलूस

मेक्सिको के छात्र नरसंहार की 51 वी बरसी पर मेक्सिको सिटी में हजारों लोगों ने गुरुवार को जुलूस निकाला और हिंसक प्रदर्शन किया। कई स्थानों पर तोड़फोड़ की गई और पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1968 में मेक्सिको सिटी ओलंपिक के उद्घाटन से पहले विरोध-प्रदर्शन कर रहे निहत्थे नागरिकों और छात्रों पर सैन्य बलों ने फायरिंग की। इसमें हजारों लोग मारे गए थे। इसे मेक्सिकन डर्टी वार कहा जाता है। इसी की याद में प्रतिवर्ष रैली निकाली जाती है। एपी

### आइएसएस से पृथ्वी पर लौटे यूएई के पहले अंतरिक्ष यात्री

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पहले अंतरिक्ष यात्री हाजा अलमंसूरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आइएसएस) से गुरुवार को पृथ्वी पर सकुशल लौट आए हैं। कजाखिस्तान में उन्होंने रूसी विमान सोयूज एमएस-12 से लैंडिंग की। यूएई की सेना में पायलट रह चुके अलमंसूरी एफ-16 लड़ाकू विमान उड़ा चुके हैं। यूएई की ओर से आइएसएस पर जाने के लिए उनका चयन 4022 उम्मीदवारों के बीच से हुआ था। वह आइएसएस पर पहुंचने वाले 240वें अंतरिक्ष यात्री हैं। इसी के साथ अब यूएई आइएसएस पर अपना नागरिक भेजने वाला 19वां देश बन चुका है। रायटर

## स्क्रीन शॉट

### एक्शन व हॉरर फिल्मों में काम करना चाहती हैं सोनम

अभिनेत्री सोनम कपूर अब एक्शन व हॉरर फिल्मों में किस्मत आजमाना चाहती हैं। एक्शन फिल्मों में काम करने के लिए तो वह बहुत उत्सुक हैं। 2007 में 'सांवरिया' से बॉलीवुड में शुरुआत करने वाली सोनम को 'नीरजा' (2016) के पहले तक रोमांटिक फिल्मों के ही ऑफर मिलते थे। 'नीरजा' के बाद उनकी अलग छवि सामने आई थी, लेकिन अब सोनम कुछ अलग तरह की फिल्में भी आजमाना चाहती हैं। सोनम कहती हैं, 'अभी तक मैंने एक्शन या हॉरर फिल्म नहीं की है, इसलिए उनमें काम करना चाहती हूं। एक्शन फिल्में करना मुश्किल तो होगा, लेकिन मैं इस तरह की फिल्में करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।' सोनम जिनके साथ फिल्में करना चाहती हैं, उस सूची में सबसे ऊपर विशाल भारद्वाज और शुजित सरकार जैसे निर्देशक हैं। सोनम कहती हैं, 'ग्लैमर वर्ल्ड होते हुए भी फैशन-फारवर्ड आर्टिस्ट की छवि से हमेशा मुझे नुकसान ही उठाना पड़ा है। शुरुआत में जब मेरे फैशन और ड्रेसिंग सेंस की वजह से लोग मुझे सीरियसली नहीं लेते थे और मेरी आलोचना करते थे, तो मुझे बुरा लगता था, लेकिन एक्टिंग से प्यार और मेरे जुनून ने मुझे हमेशा बेहतर काम करने के लिए प्रेरित किया।' हाल ही में सोनम कपूर की दुलकर सलमान के साथ आई फिल्म 'द जोया फैक्टर' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। हालांकि, क्रिटिक्स ने फिल्म की तारीफ की थी।

### फिल्म 'वॉर' ने कमाई में रचा इतिहास

रितिक रोशन और टाइगर श्रॉफ अभिनीत फिल्म 'वॉर' ने रिलीज होने के पहले ही दिन इतिहास रच दिया है। एक्शन ड्रामा जॉनर की यह फिल्म पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बनी। इससे पहले यह रिकॉर्ड साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान' के नाम था। इस फिल्म ने पहले दिन 52 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि पहले दिन 53.35 करोड़ रुपये की कमाई के साथ 'वॉर' ने कीर्तिमान अपने नाम किया। 'वॉर' को 4000 राष्ट्रीय और 1350 अंतराष्ट्रीय स्क्रीन्स पर रिलीज किया है। स्क्रीन के लिहाज से 'वॉर' को 'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान' से 1000 स्क्रीन कम मिली हैं। 'वॉर' के हिंदी वर्जन ने 51.6 करोड़ रुपये, तमिल और तेलुगु डब वर्जन ने 1.75 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म की सफलता पर निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'हमारे कठिन परिश्रम के परिणाम स्वरूप हमें दर्शकों से बहुत ही अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।'

### साड़ी पहने दिखे अक्षय कुमार

नवरात्र के मौके पर अक्षय कुमार ने अपनी आगामी फिल्म 'लक्ष्मी बॉम्ब' का पहला लुक साझा किया है। यह फिल्म तमिल हॉरर कॉमेडी फिल्म 'मुनी 2 : कंचना' की हिंदी रीमेक होगी। 'भूल भुलैया' के बाद यह अक्षय की दूसरी हॉरर कॉमेडी फिल्म होगी। अक्षय फिल्म में ट्रांसजेंडर की भूमिका मे होंगे। वह दुर्गा मां की प्रतिमा के आगे साड़ी पहने हुए खड़े हैं और गुस्से से कैमरे में देख रहे हैं। उन्होंने इस तस्वीर को साझा करते हुए लिखा, 'नवरात्र अपने अंदर की देवी को नमन करने और अपनी असीम शक्तियों का जश्न मनाने का उत्सव है। इस शुभ अवसर पर मैं आपके साथ अपना लक्ष्मी का लुक साझा कर रहा हूं। यह एक ऐसा किरदार है, जिसे लेकर मैं उत्साहित और घबराया हुआ हूं। लेकिन जीवन की असल शुरुआत तभी होती है, जब आप अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलते हैं। ऐसा ही है न?' 'लक्ष्मी बॉम्ब' में अक्षय कुमार के साथ कियारा आडवाणी भी हैं। फिल्म का निर्देशन राघव लॉरेंस ने किया है, जिन्होंने मूल फिल्म का निर्देशन किया था। फिल्म अगले वर्ष ईद पर रिलीज होगी। ईद पर इस फिल्म की टक्कर सलमान खान की फिल्म से हो सकती हैं। सलमान ने कुछ समय पहले ही सोशल मीडिया पर अगले वर्ष ईद पर इस फिल्म की रिलीज की घोषणा की थी।

### दिल की बीमारी से पीड़ित बच्चों की मदद के लिए आगे आईं आलिया

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने दिल की बीमारी से पीड़ित बच्चों की मदद के लिए एक पहल में हिस्सा लिया। इसके लिए आलिया ने पेंटिंग एक्जिबिशन में शिरकत की, जिसके द्वारा इन बच्चों के इलाज के लिए फंड जमा किया जा रहा है। 'आर्ट फॉर द हॉर्ट' एक्जिबिशन का उद्घाटन करते हुए आलिया ने कहा, 'मैं हमेशा से कहती आई हूं कि बच्चे बड़ों से ज्यादा पॉजिटिव होते हैं, क्योंकि वे नहीं जानते की हालात किस हद तक खराब हो सकते हैं।' आलिया आगे कहती हैं, 'इस इनिशिएटिव का यह पहला साल है, जहां बच्चों की हार्ट सर्जरी के लिए फंड इकट्ठा किया जा रहा है।'

## खोज

# ऑस्ट्रेलिया में मिला सबसे जहरीला फफूंद

क्वीसलैंड की ग्रेट बैरियर रीफ में वैज्ञानिकों ने खोजे घातक जीव, चमकते लाल रंग का जहर उगलता है यह फफूंद, त्वचा के जरिये शरीर में करता है प्रवेश

**मेलबर्न, प्रेट्र :** ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड स्थित दुनिया की सबसे बड़ी मूंगा चट्टानें 'ग्रेट बैरियर रीफ' के एक छोटे से द्वीप पर वैज्ञानिकों ने सबसे जहरीले फफूंद का पता लगाया है। दक्षिण कोरिया और जापान में इन्हें इनकी दुनिया के सबसे विषाक्त मशरूम के रूप में जाना जाता है।

ऑस्ट्रेलिया की जेम्स कुक यूनिवर्सिटी (जेसीयू) के शोधकर्ताओं ने कहा कि यह फफूंद चमकते लाल रंग का जहर उगलता है। यह पेड़ों की जड़ों और मिट्टी में भी पाया जाता है। जेसीयू के शोधकर्ता मैट बैरट ने कहा 'इस फफूंद को छूना नहीं चाहिए। यदि कोई गलती से इसे खा ले तो उसके भयानक परिणाम सामने आते हैं। इसमें ऐसे विषाक्त पदार्थ मौजूद रहते हैं जो त्वचा के जरिये शरीर के घुस सकते हैं।' उन्होंने कहा कि अध्ययन से पता चलता है कि ऑस्ट्रेलिया के अन्य ऊष्णकटिबंधीय इलाकों में भी इस घातक फफूंद की मौजूदगी हो सकती है।

शोधकर्ताओं ने कहा कि ब्रिटैनिका इनसाइक्लोपीडिया (विश्वकोश) ने फंगी की इस प्रजाति को दुनिया के दूसरे सबसे घातक कवक (फफूंद) के रूप में सूचीबद्ध किया है। इस फंगी के जहर में आठ यौगिक ऐसे होते हैं जिन्हें त्वचा अवशोषित कर सकती है। इसे छूने मात्र से त्वचा का रंग लाल हो जाता है और उसमें सूजन आ जाती है। यदि कोई इसे धोखे से खा लेता है तो उसे पेट दर्द, उल्टी, दस्त, बुखार की शिकायत हो जाती है और शरीर सुन्न होने लगता है। यदि इसका तुरंत इलाज नहीं किया गया तो मस्तिष्क की मांसपेशियां भी सिकुड़ने लगती हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि हालांकि, पारिस्थितिकी तंत्र बनाए रखने में कोरल रीफ चट्टानों की भूमिका अहम होती है, लेकिन जलवायु परिवर्तन की वजह से यहां की मूंगा चट्टानों के अस्तित्व पर अब खतरा मंडरा रहा है।

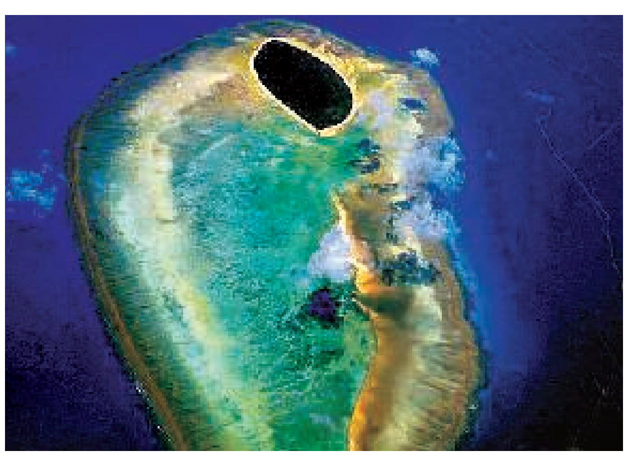

ऑस्ट्रेलिया के क्वीसलैंड स्थित दुनिया की सबसे बड़ी मूंगा चट्टानें 'ग्रेट बैरियर रीफ' के एक छोटे से द्वीप पर वैज्ञानिकों ने सबसे जहरीले फफूंद का पता लगाया है। यह फफूंद त्वचा के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है। रायटर